शिक्षा निदेशालय

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

सहायक सामग्री

(2022–2023)

कक्षा : बारहवीं

राजनीति विज्ञान

मार्गदर्शनः

श्री अशोक कुमार

सचिव (शिक्षा)

श्री हिमांशु गुप्ता

निदेशक (शिक्षा)

डा0 रीता शर्मा

अतिरिक्त शिक्षा निदेशक (स्कूल एवं परीक्षा)

समन्वयकः

श्री संजय सुभाष कुमार	श्रीमती सुनीता दुआ	श्री राज कुमार	श्री कृष्ण कुमार
उप शिक्षा निदेशक (परीक्षा)	विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा)	विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा)	विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा)

उत्पादन मंडल

अनिल कुमार शर्मा

दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो में **राजेश कुमार**, सचिव, दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो, 25/2, पंखा रोड, संस्थानीय क्षेत्र, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित तथा **मुद्रक :** सुप्रीम ऑफसेट प्रेस, 133, उद्योग केन्द्र, EXT.-1, ग्रेटर नोएडा, उ.प.

ASHOK KUMAR
IAS

सत्यमेव जयते

सचिव (शिक्षा)
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054
दूरभाष : 23890187 टेलीफैक्स : 23890119

Secretary (Education)
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone : 23890187 Telefax : 23890119
e-mail : secyedu@nic.in

MESSAGE

Remembering the words of John Dewey, "Education is not preparation for life, education is life itself, I highly commend the sincere efforts of the officials and subject experts from Directorate of Education involved in the development of Support Material for classes IX to XII for the session 2022-23.

The Support Material is a comprehensive, yet concise learning support tool to strengthen the subject competencies of the students. I am sure that this will help our students in performing to the best of their abilities.

I am sure that the Heads of School and teachers will motivate the students to utilise this material and the students will make optimum use of this Support Material to enrich themselves.

I would like to congratulate the team of the Examination Branch along with all the Subject Experts for their incessant and diligent efforts in making this material so useful for students.

I extend my Best Wishes to all the students for success in their future endeavours.

(Ashok Kumar)

HIMANSHU GUPTA, IAS
Director, Education & Sports

सत्यमेव जयते

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Civil Lines
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
E-mail: diredu@nic.in

MESSAGE

"A good education is a foundation for a better future."
- Elizabeth Warren

Believing in this quote, Directorate of Education, GNCT of Delhi tries to fulfill its objective of providing quality education to all its students.

Keeping this aim in mind, every year support material is developed for the students of classes IX to XII. Our expert faculty members undertake the responsibility to review and update the Support Material incorporating thelatest changes made by CBSE. This helps the students become familiar with the new approaches and methods, enabling them to become good at problem solving and critical thinking. This year too, I am positive that it will help our students to excel in academics.

The support material is the outcome of persistent and sincere efforts of our dedicated team of subject experts from the Directorate of Education. This Support Material has been especially prepared for the students. I believe its thoughtful and intelligent use will definitely lead to learning enhancement.

Lastly, I would like to applaud the entire team for their valuable contribution in making this Support Material so beneficial and practical for our students.

Best wishes to all the students for a bright future.

(HIMANSHU GUPTA)

Dr. RITA SHARMA
Additional Director of Education
(School/Exam)

सत्यमेव जयते

Govt. of NCT of Delhi
Directorate of Education
Old Secretariat, Delhi-110054
Ph. : 23890185

D.O. No. PS/Addl.DE/Sch/2022/131
Dated: 01 सितम्बर, 2022

संदेश

शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार का महत्वपूर्ण लक्ष्य अपने विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा निदेशालय ने अपने विद्यार्थियों को उच्च कोटि के शैक्षणिक मानकों के अनुरूप विद्यार्थियों के स्तरानुकूल सहायक सामग्री कराने का प्रयास किया है। कोरोना काल के कठिनतम समय में भी शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया को निर्बाध रूप से संचालित करने के लिए संबंधित समस्त अकादमि समूहों और क्रियान्वित करने वाले शिक्षकों को हार्दिक बधाई देती हूँ।

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं तक की सहायक सामग्रियों में सी.बी.एस.ई के नवीनतम दिशा-निर्देशों के अनुसार पाठयक्रम में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। साथ ही साथ मूल्यांकन से संबंधित आवश्यक निर्देश भी दिए गए हैं। इन सहायक सामग्रियों में कठिन से कठिन सामग्री को भी सरलतम रूप में प्रस्तुत किया गया है ताकि शिक्षा निदेशालय के विद्यार्थियों को इसका भरपूर लाभ मिल सके।

मुझे आशा है कि इन सहायक सामग्रियों के गहन और निंरतर अध्ययन के फलस्वरूप विद्यार्थियों में गुणात्मक शैक्षणिक संवर्धन का विस्तार उनके प्रदर्शनो में भी परिलक्षित होगा। इस उत्कृष्ट सहायक सामग्री को तैयार करने में शामिल सभी अधिकारियों तथा शिक्षकों को हार्दिक बधाई देती हूँ तथा सभी विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देती हूँ।

रीता शर्मा
(रीता शर्मा)

शिक्षा निदेशालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

सहायक सामग्री
(2022–2023)

राजनीति विज्ञान

कक्षा : बारहवीं

(हिन्दी माध्यम)

नि:शुल्क वितरण हेतु

दिल्ली पाठ्य-पुस्तक ब्यूरो द्वारा प्रकाशित

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य – भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके; और

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

Constitution of India

Part IV A (Article 51 A)

Fundamental Duties

It shall be the duty of every citizen of India —

(a) to abide by the Constitution and respect its ideals and institutions, the National Flag and the National Anthem;

(b) to cherish and follow the noble ideals which inspired our national struggle for freedom;

(c) to uphold and protect the sovereignty, unity and integrity of India;

(d) to defend the country and render national service when called upon to do so;

(e) to promote harmony and the spirit of common brotherhood amongst all the people of India transcending religious, linguistic and regional or sectional diversities; to renounce practices derogatory to the dignity of women;

(f) to value and preserve the rich heritage of our composite culture;

(g) to protect and improve the natural environment including forests, lakes, rivers, wildlife and to have compassion for living creatures;

(h) to develop the scientific temper, humanism and the spirit of inquiry and reform;

(i) to safeguard public property and to abjure violence;

(j) to strive towards excellence in all spheres of individual and collective activity so that the nation constantly rises to higher levels of endeavour and achievement;

*(k) who is a parent or guardian, to provide opportunities for education to his child or, as the case may be, ward between the age of six and fourteen years.

Note: The Article 51A containing Fundamental Duties was inserted by the Constitution (42nd Amendment) Act, 1976 (with effect from 3 January 1977).

*(k) was inserted by the Constitution (86th Amendment) Act, 2002 (with effect from 1 April 2010).

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय**,

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता**,

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2][**राष्ट्र की एकता**

और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''राष्ट्र की एकता'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।

THE CONSTITUTION OF INDIA

PREAMBLE

WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a [1]**[SOVEREIGN SOCIALIST SECULAR DEMOCRATIC REPUBLIC]** and to secure to all its citizens :

JUSTICE, social, economic and political;

LIBERTY of thought, expression, belief, faith and worship;

EQUALITY of status and of opportunity; and to promote among them all

FRATERNITY assuring the dignity of the individual and the [2][unity and integrity of the Nation];

IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY this twenty-sixth day of November, 1949 do **HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.**

---

1. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, Sec.2, for "Sovereign Democratic Republic" (w.e.f. 3.1.1977)
2. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, Sec.2, for "Unity of the Nation" (w.e.f. 3.1.1977)

Support Material : 2022-23

Class-XII

Subject : Political Science (028)

Team Members

S.No.	Name	Designation	School	School ID
1.	**Ms. Anju Kumari** (Team Leader)	Vice Principal	SKV B-3 Paschim Vihar, Delhi -110063	1617011
Subject Experts				
2.	**Dr. Shaifali Gupta** (Core Acadmic Unit), DoE, Old Sectt., Delhi.	Lecturer Political Science	SKV Mandoli, Delhi -110093	1106019
3.	**Ms. Madhu Bahuguna**	Lecturer Political Science	SKV Anand Vihar, Delhi - 110092	1001009
4.	**Ms. Priti Makker**	Lecturer Political Science	SKV IARI Pusa, Delhi -110012	1720017
5.	**Sh. Anuraj Yadav**	Lecturer Political Science	RPVV Kishan Ganj, Delhi -110007	1208092
6.	**Ms. Swati Walia**	Lecturer Political Science	SKV No.2 Shakurpur, Delhi - 110034	1411030

विषय सूची

क्र. सं.	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
	पाठ्यक्रम एवं प्रोजेक्ट गाइडलाइंस	iii-xii
	भाग–1 समकालीन विश्व राजनीति	
1.	दो ध्रुवीयता का अंत	3
2.	सत्ता के नए केंद्र	22
3.	समकालीन दक्षिण एशिया	47
4.	संयुक्त राष्ट्र संघ और इसके संगठन	62
5.	समकालीन विश्व में सुरक्षा	82
6.	पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन	93
7.	वैश्वीकरण	111
	भाग – 2 स्वतंत्र भारत में राजनीति	
8.	राष्ट्र निर्माण की चुनौतियाँ	126
9.	नियोजित विकास	142
10.	भारत की विदेश नीति	155
11.	भारत में दल और दलीय – व्यवस्था	178
12.	लोकतांत्रिक पुनरूत्थान	198
13.	क्षेत्रीय आकांक्षायें	217
14.	भारतीय राजनीतिः नवीन प्रवृत्तियाँ और विकास	233
•	अभ्यास प्रश्न पत्र : 1 (हल सहित)	246
•	सी. बी. एस. ई. आदर्श प्रश्न पत्र एवं अंक योजना (2022–23)	262

पाठ्यक्रम (2022-23)

कक्षा -XII

विषयः राजनीति विज्ञान (कोड संख्या- 028)

इकाई	विषय-वस्तु
	भाग 1 : समकालीन विश्व राजनीति
	परियोजना कार्य (Project Work) की तैयारी
1.	**दो ध्रुवीयता का अंत** सोवियत संघ का विघटन, एकध्रुवीय विश्व, मध्य पूर्व का संकट- अफगानिस्तान, खाड़ी युद्ध, लोकतान्त्रिक राजनीति और लोकतांत्रीकरण - सी आई एस और 21वीं सदी (अरब स्प्रिंग)
2.	**सत्ता के नए केंद्र** संगठनः यूरोपीयन यूनियन, आसियान, सार्क, ब्रिक्स राष्ट्रः रूस, चीन, इजरायल, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया।
3.	**समकालीन दक्षिण एशिया** दक्षिण एशिया के लोकतान्त्रीकरण में संघर्ष और शांति के लिए किए गए प्रयासः पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव ।
4.	**संयुक्त राष्ट्र और इसके संगठन** मुख्य अंग, महत्वपूर्ण एजेंसियाँः UNESCO, UNICEF, WHO, ILO, सुरक्षा परिषद और इसके विस्तार की आवश्यकता।
5.	**समकालीन विश्व में सुरक्षा** सुरक्षाः आशय और प्रकार, आतंकवाद ।
6.	**पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन** पर्यावरणीय आंदोलन, वैश्विक तापन और जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण।
7.	**वैश्वीकरण** वैश्वीकरणः आशय, अभिव्यक्तियाँ और वाद-विवाद।

इकाई	विषय-वस्तु
	भाग 2 : स्वतंत्र भारत में राजनीति
8.	**राष्ट्र निर्माण की चुनौतियाँ** राष्ट्र और राष्ट्र निर्माण, सरदार वल्लभ भाई पटेल और राज्यों का एकीकरण, राष्ट्र निर्माण पर नेहरू का दृष्टिकोण, विभाजन की विरासत, शरणार्थियों के पुनर्वास की चुनौतियाँ, कश्मीर समस्या, भाषा पर राजनीतिक संघर्ष, भाषा के आधार पर राज्यों का गठन।
9.	**नियोजित विकास** भारत के आर्थिक विकास का बदलता स्वरूप, योजना आयोग और पंचवर्षीय योजनाएँ, राष्ट्रीय विकास परिषद और नीति आयोग।
	• समस्त अध्यायों से अपेक्षित गद्यांश आधारित केस स्टडी बेस्ड प्रश्न-उत्तर का अभ्यास कराना, मानचित्र और कार्टून कार्य कराना। • 30 सितम्बर 2022 तक मध्यावधि परीक्षा का पाठ्यक्रम पूरा किया जाना। • पुनरावृत्ति • मध्यावधि परीक्षा • मध्यावधि प्रश्नपत्र पर चर्चा
10.	**भारत की विदेश नीति** विदेश नीति के सिद्धांत, भारत के अन्य देशों के साथ बदलते संबंधः अमरीका, रूस, चीन, इजरायल, भारत के पड़ोसी देशों के साथ संबंधः पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, और म्यांमार, भारत का परमाणु कार्यक्रम।
11.	**भारत में दल और दलीय व्यवस्था** एक दलीय वर्चस्व, दो दलीय व्यवस्था, बहु दलीय गठबंधन प्रणाली।

12.	**लोकतान्त्रिक पुनरुत्थान** जय प्रकाश नारायण और समग्र क्रान्ति, राम मनोहर लोहिया और समाजवाद, पंडित दीन दयाल उपाध्याय और एकात्म मानववाद, राष्ट्रीय आपातकाल, लोकतान्त्रिक अभ्युदय - व्यस्कों, पिछड़े और युवाओं की सहभागिता।
13.	**क्षेत्रीय आकांक्षाएँ** क्षेत्रीय दलों का उदय, पंजाब संकट, कश्मीर मुद्दा, स्वायत्ता के लिए आंदोलन।
14.	**भारतीय राजनीतिः नवीन प्रवृतियाँ और विकास** गठबंधन का दौर, राष्ट्रीय मोर्चा, संयुक्त मोर्चा, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यू पी ए) - I और II, राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन (एन डी ए) I, II, III और IV, विकास और सुशासन के मुद्दे।
	• समस्त अध्यायों से अपेक्षित गद्यांश आधारित केस स्टडी बेस्ड प्रश्न-उत्तर का अभ्यास कराना, मानचित्र और कार्टून कार्य कराना। • 15 दिसम्बर 2022 तक वार्षिक परीक्षा का पाठ्यक्रम पूरा किया जाना. • पुनरावृत्ति • परियोजना कार्य (Project Work) के मूल्यांकन के लिए परियोजना कार्य और मौखिक परीक्षा की तैयारी। • प्री-बोर्ड परीक्षा की तैयारी. • वार्षिक परीक्षा की तैयारी कराना।

Prescribed Books:

1. समकालीन विश्व राजनीति

2. स्वतंत्र भारत में राजनीति कक्षा-12, एन.सी.आर.टी. द्वारा प्रकाशित

Project Work

Details of Project Work

1. The Project work will be implemented for 20 Marks.
2. Out of 20 marks, 10 marks are to be allotted to viva voce and 10 marks for project work.
3. For class XII, the evaluation for 20 marks project work should be done jointly by the internal as well as the external examiners.
4. The project can be individual/ pair / group of 4-5 each. The Project can be made on any of the topics given in the syllabus of a particular class.
5. The suggestive list of activities for project work is as follows:-

   Role Play, Skit, Presentation, Model, Field Survey, Mock Drills / Mock Event etc.
6. The teacher should give enough time for preparation of the Project Work. The topics for Project Work taken up by the student must be discussed by the teacher in the classroom.

POLITICAL SCIENCE (Code No. 028)

Class XII (2022-23)

Time: 3 hrs. **Max. Marks: 80**

Part A: Contemporary World Politics

Units	Contents	Marks
1	The End of Bipolarity	8
2	New Centres of Power	12
3	Contemporary South Asia	
4	United Nations and its Organizations	10
5	Security in Contemporary World	
6	Environment and Natural Resources	10
7	Globalization	
	Total	**40**

Part B: Politics in India since Independence

Units	Contents	Marks
8	Challenges of Nation-Building	08
9	Planned Development	
10	India's Foreign Policy	08
11	Parties and Party System in India	12
12	Democratic Resurgence	
13	Regional Aspirations	12
14	Indian Politics: Recent Trends and Development	
	Total	**40**

Project work - 20 Marks
Grand total - 80+20 = 100 Marks

Question Paper Design (2022-23)

POLITICAL SCIENCE (CODE NO. 028)

CLASS XII

TIME: 3 Hours **Max. Marks: 80**

S.No.	Competencies
1.	**Demonstrative Knowledge + Understanding** (Knowledge based simple recall questions, to know specific facts, terms, concepts, principles or theories, identify, define, or recite, information) (Comprehension - to be familiar with meaning and to understand conceptually, interpret, compare, contrast, explain, paraphrase information)
2.	**Knowledge/Conceptual Application** (Use abstract information in concrete situation, to apply knowledge to new situations; use given content to interpret a situation, provide an example or solve a problem)
3.	**Formulation Analysis, Evaluation and Creativity** Analysis & Synthesis- classify, compare, contrast, or differentiate between different pieces of information; organize and/or integrate unique pieces of information from a variety of sources; includes map interpretation

Guidelines for Subject having Project Work: 20 Marks (Political Science)

One Project to be done throughout the session, as per the existing scheme.

1. **The objectives of the project work:**

   Objectives of project work are to enable learners to:

   - Probe deeper into personal enquiry, initiate action and reflect on knowledge and skills, views etc. acquired during the course of class XI-XII.
   - Analyse and evaluate real world scenarios using theoretical constructs and arguments
   - Demonstrate the application of critical and creative thinking skills and abilities to produce an independent and extended piece of work
   - Follow up aspects in which learners have interest
   - Develop the communication skills to argue logically

2. **Role of the teacher:**

   The teacher plays a critical role in developing thinking skills of the learners. A teacher should:

   - Help each learner select the topic after detailed discussions and deliberations of the topic;
   - Play the role of a facilitator to support and monitor the project work of the learner through periodic discussions;
   - Guide the research work in terms of sources for the relevant data;
   - Ensure that students must understand the relevance and usage of primary evidence and other sources in their projects and duly acknowledge the same;
   - Ensure that the students are able to derive a conclusion from the content; cite the limitations faced during the research and give appropriate references used in doing the research work.
   - Educate learner about plagiarism and the importance of quoting the source of the information to ensure authenticity of research work.
   - Prepare the learner for the presentation of the project work.
   - Arrange a presentation of the project file.

3. Steps involved in the conduct of the project:

Students may work upon the following lines as a suggested flow chart:

Choose a Title/Topic

↓

Need of the Study, Objective of the Study

↓

Hypothesis

↓

Content -Timeline, Maps, Mind maps, Pictures, etc.

↓

(Organization of Material/Data

↓

Present Material/Data)

↓

Analyzing the Material/Data for Conclusion

↓

Draw the Relevant Conclusion

↓

Bibliography

4. Expected Checklist for the Project Work:

- Introduction of topic/title
- Identifying the causes, events, consequences and/or remedies
- Various stakeholders and effect on each of them
- Advantages and disadvantages of situations or issues identified
- Short-term and long-term implications of strategies suggested in the course of research
- Validity, reliability, appropriateness and relevance of data used for research work and for presentation in the project file

- Presentation and writing that is succinct and coherent in project file
- Citation of the materials referred to, in the file in footnotes, resources section, bibliography etc.

5. **Assessment of Project Work:**

- Project Work has broadly the following phases: Synopsis/ Initiation, Data Collection, Data Analysis and Interpretation, Conclusion.
- The aspects of the project work to be covered by students can be assessed during the academic year.
- 20 marks assigned for Project Work can be divided in the following manner:

The teacher will assess the progress of the project work in the following manner:

Month	Periodic Work	Assessment Rubrics	Marks
April -July	Instructions about Project Guidelines, Background reading Discussions on Theme and Selection of the Final Topic, Initiation/ Synopsis	Introduction, Statement of Purpose/Need and objectives of the study, Hypothesis/ Research Question, Review of Literature, Presentation of Evidence, Methodology, Questionnaire, Data Collection.	6
August - October	Planning and organization: forming an action plan, feasibility, or baseline study, Updating/ modifying the action plan, Data Collection	Significance and relevance of the topic; challenges encountered while conducting the research.	5
November - January	Content/data analysis and interpretation. Conclusion, Limitations, Suggestions, Bibliography, Annexures and overall presentation of the project.	Content analysis and its relevance in the current scenario. Conclusion, Limitations, Bibliography, Annexures and Overall Presentation.	5

Month	Periodic Work	Assessment Rubrics	Marks
January/ February	Final Assessment and VIVA by both Internal and External Examiners	External/ Internal Viva based on the project	4
		TOTAL	**20**

6. Suggestive Topics:

Students can choose any topic related to the syllabus.

- Assessment will be done by external examiner in coordination with internal examiner and the date of Project Assessment will be fixed by CBSE in the month of February/March 2023.

7. Viva-Voce

- At the end of the stipulated term, each learner will present the research work in the Project File to the External and Internal examiner.
- The questions should be asked from the Research Work/ Project File of the learner.
- The Internal Examiner should ensure that the study submitted by the learner is his/her own original work.
- In case of any doubt, authenticity should be checked and verified.

राजनीति विज्ञान

कक्षा — बारहवीं

समकालीन विश्व राजनीति

प्रथम पुस्तक

भाग - 1

अध्याय – 1

दो ध्रुवीयता का अंत

सोवियत संघ का विघटन, एकध्रुवीय विश्व, मध्य-एशियाई संकट-अफगानिस्तान, खाड़ी युद्ध, लोकतान्त्रिक राजनीति और लोकतांत्रिकरण-CIS और 21 वीं सदी (अरब स्प्रिंग)

★ शीतयुद्ध के प्रतीक 1961 में बनी बर्लिन की दीवार को 9 नवंबर 1989 को जनता द्वारा तोड़ दिया गया।

★ 25 दिसम्बर 1991 को सोवियत संघ का विघटन हो गया।

सोवियत संघ का जन्म, व्यवस्था (प्रणाली)

★ 1917 की रूसी बोल्शेविक क्रांति के बाद समाजवादी सोवियत गणराज्य संघ (U.S.S.R.) अस्तित्व में आया।

★ सोवियत संघ में समतावादी समाज के निर्माण के लिए केंद्रीकृत योजना, राज्य के नियंत्रण पर आधारित और साम्यवदी दल द्वारा निर्देशित व्यवस्था सोवियत प्रणाली कहलाई।

सोवियत प्रणाली की विशेषताएँ :-

1) सोवियत प्रणाली पूंजीवादी व्यवस्था का विरोध तथा समाजवाद के आदर्शों से प्रेरित थी।
2) सोवियत प्रणाली में नियोजित अर्थव्यवस्था थी।
3) कम्यूनिस्ट पार्टी का दबदबा था।
4) न्यूनतम जीवन स्तर की सुविधा सभी नागरिकों को सुनिश्चित थी।
5) बेरोजगारी न होना।
6) उन्नत संचार प्रणाली।
7) मिल्कियत का प्रमुख रूप राज्य का स्वामित्व।
8) उत्पादन के साधनों पर राज्य का नियंत्रण था।

दूसरी दुनिया – पूर्वी यूरोप के देशों को समाजवादी प्रणाली की तर्ज पर ढाला गया था, इन्हें ही समाजवादी खेमे के देश या दूसरी दुनिया कहा गया।

मिखाइल गोर्बाचेव – 1980 के दशक में मिखाइल गोर्बाचेव ने राजनीतिक सुधारों तथा लोकतांत्रीकरण को अपनाया, उन्होंने पुर्नरचना। (पेरेस्त्रोइका) व खुलापन (ग्लासनोस्त) के नाम से आर्थिक सुधार लागू किए)

सोवियत संघ समाप्ति की घोषणा – 25 दिसम्बर, 1991 में बोरिस येल्तसिन के नेतृत्व में पूर्वी यूरोप के देशों ने तथा रूस, यूक्रेन व बेलारूस ने सोवियत संघ की समाप्ति की घोषणा की।

★ CIS (स्वतंन्त्र राज्यों का राष्ट्रकुल) बना 15 नए देशों का उदय। यह सोवियत संघ के पूर्व राष्ट्रों के बीच स्थापित एक अंतर सरकारी संगठन है। यह एक ऐसा संघ है जो अपने सदस्य देशों के बीच व्यापार, श्रम वस्तुओं की आवाजाही बनाये रखता है।

सोवियत संघ के विघटन के कारण :-

1. नागरिकों की राजनीतिक और आर्थिक आंकाक्षाओं को पूरा न कर पाना।
2. सोवियत प्रणाली पर नौकरशाही का शिकंजा।
3. कम्यूनिस्ट पार्टी का राजनीति पर अंकुश।
4. संसाधनों का अधिकतम उपयोग परमाणु हथियारों पर।
5. प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे में पश्चिम के मुकाबले पीछे रहना।
6. रूस की प्रमुखता।
7. गोर्बाचेव द्वारा किए गए सुधारों का विरोध होना।
8. अर्थव्यवस्था गतिरूद्ध व उपभोक्ता वस्तुओं की कमी।
9. राष्ट्रवादी भावनाओं और सम्प्रभुता की इच्छा का उभार।
10. सोवियत प्रणाली का सत्तावादी होना
11. पार्टी का जनता के प्रति जवाबदेह ना होना।

सोवियत संघ के विघटन के परिणाम :-

1. शीतयुद्ध का संघर्ष समाप्त हो गया।
2. एक ध्रुवीय विश्व अर्थात् अमरीकी वर्चस्व का उदय।

3. हथियारों की होड़ की समाप्ति

4. सोवियत खेमे का अंत और 15 नए देशों का उदय।

5. रूस सोवियत संघ का उत्तराधिकारी बना।

6. विश्व राजनीति में शक्ति संबंध परिवर्तित हो गए।

7. समाजवादी विचारधारा पर प्रश्नचिन्ह या पूँजीवादी उदारवादी व्यवस्था का वर्चस्व।

शॉक थेरेपी :- शाब्दिक अर्थ है आघात पहुँचाकर उपचार करना। साम्यवाद के पतन के बाद सोवियत संघ के गणराज्यों को विश्व बैंक और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा निर्देशित साम्यवाद से पूंजीवाद की ओर संक्रमण (परिवर्तन) के मॉडल को अपनाने को कहा गया। इसे ही शॉक थेरेपी कहते है।

शॉक थेरेपी की विशेषताएँ :-

1. मिल्कियत का प्रमुख रूप निजी स्वामित्व।

2. राज्य की संपदा का निजीकरण।

3. सामूहिक फार्म की जगह निजी फार्म।

4. मुक्त व्यापार व्यवस्था को अपनाना।

5. मुद्राओं की आपसी परिवर्तनीयता।

6. पश्चिमी देशों की आर्थिक व्यवस्था से जुड़ाव। पूंजीवाद के अतिरिक्त किसी भी वैकल्पिक व्यवस्था को स्वीकार नहीं किया गया।

शॉक थेरेपी के परिणाम

1. रूस का औद्योगिक ढांचा चरमरा गया। आर्थिक परिणाम अनुकूल नहीं रहे।

2. रूसी मुद्रा रूबल में गिरावट।

3. समाज कल्याण की पुरानी व्यवस्था नष्ट। मध्यम वर्ग को समाज की परिधि में धकेल दिया गया।

4. 90 प्रतिशत उद्योगों को निजी हाथों या कम्पनियों को कम दामों (औने-पौने) दामों में बेचा गया जिसे इतिहास की सबसे बड़ी 'गराज सेल' कहा जाता है।

5. आर्थिक विषमता बढ़ी। समाज कल्याण की पुरानी व्यवस्था को क्रम से नष्ट कर दिया गया।

6. खाद्यान्न संकट हो गया।

7. माफिया वर्ग का उदय।

8. लोकतांत्रिक संस्थाओं का निर्माण न होने के कारण कमजोर संसद व राष्ट्रपति को अधिक शक्तियाँ जिससे सत्तावादी राष्ट्रपति शासन।

संघर्ष व तनाव के क्षेत्र – पूर्व सोवियत संघ के अधिकांश गणराज्य संघर्ष की आशंका वाले क्षेत्र है। इन देशों में बाहरी ताकतों की दखलंदाजी भी बढ़ी है। रूस के दो गणराज्यों चेचन्या और दागिस्तान में हिंसक अलगाववादी आन्दोलन चले। चेकोस्लोवाकिया दो भागों – चेक तथा स्लोवाकिया में बंट गया।

बाल्कन क्षेत्र :– बाल्कन गणराज्य यूगोस्लाविया 1990 में गृहयुद्ध के कारण कई प्रान्तों में बँट गया। जिसमें शामिल बोस्निया – हर्जेगोविना, स्लोवेनिया तथा क्रोएशिया ने अपने को स्वतंत्र घोषित कर दिया।

बाल्टिक क्षेत्र :– बाल्टिक क्षेत्र के लिथुआनिया ने मार्च 1990 में अपने आप को स्वतंन्त्र घोषित किया। एस्टोनिया, लताविया और लिथुआनिया 1991 में संयुक्त राष्ट्रसंघ के सदस्य बने। 2004 में नाटो में शामिल हुए।

मध्य एशिया :– के देश तज़ाकिस्तान में 10 वर्षो तक यानी 2001 तक गृहयुद्ध चला। अज़रबैजान, अर्मेनिया, यूक्रेन, किरगिझस्तान, जार्जिया में भी गृहयुद्ध की स्थिति हैं और आपसी विवाद के कारण युद्ध का क्षेत्र बना हुआ है।

मध्य एशियाई गणराज्यों में पेट्रोल के विशाल भंडार है। इसी कारण से यह क्षेत्र बाहरी ताकतों और तेल कंपनियों की प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा भी बन गया है।

पूर्व साम्यवादी देश और भारत :-

1. पूर्व साम्यवादी देशों के साथ भारत के संबंध अच्छे है, रूस के साथ विशेष रूप से प्रगाढ़ है।

2. दोनों का सपना बहुध्रवीय विश्व का है।

3. दोनों देश सहअस्तित्व, सामूहिक सुरक्षा, क्षेत्रीय सम्प्रभुता, स्वतन्त्र विदेश नीति, अन्तर्राष्ट्रीय झगड़ों का वार्ता द्वारा हल, संयुक्त राष्ट्रसंघ के सुदृढ़ीकरण तथा लोकतंत्र में विश्वास रखते है।

4. 2001 में भारत और रूस द्वारा 80 द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर।

5. भारत रूसी हथियारों का खरीददार तथा रक्षा के क्षेत्र में सहयोग भी हैं।

6. रूस से तेल का आयात।

7. परमाण्विक योजना तथा अंतरिक्ष योजना में रूसी मदद।

8. कजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के साथ उर्जा आयात बढ़ाने की कोशिश।

9. गोवा में दिसम्बर 2016 में हुए ब्रिक्स (BRICS) सम्मलेन के दौरान रूस-भारत के बीच हुए 17 वें वार्षिक सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन के बीच रक्षा, परमाणु उर्जा, अंतरिक्ष अभियान समेत आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने एवं उनके लक्ष्यों की प्राप्ति पर बल दिया गया।

एक ध्रुवीय विश्व

★ 1991 में सोवियत संघ के विघटन के साथ ही शीत-युद्ध का अंत हो गया तथा अमेरिकी वर्चस्व की स्थापना के साथ विश्व राजनीति का स्वरूप एक-ध्रुवीय हो गया।

★ अगस्त 1990 में इराक ने अपने पड़ोसी देश कुवैत पर कब्जा कर लिया। संयुक्त राष्ट्र संघ ने इस विवाद के समाधान के लिए अमरीका को इराक के विरूद्ध सैन्य बल प्रयोग की अनुमति दे दी। संयुक्त राष्ट्र संघ का यह नाटकीय फैसला था। अमेरिका राष्ट्रपति जार्ज बुश ने इसे नई विश्व व्यवस्था की संज्ञा दी।

★ अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन लगातार दो कार्यकालों (जनवरी 1993 से जनवरी 2001) तक राष्ट्रपति पद पर रहे। इन्होंने अमेरिका को घरेलू रूप से अधिक मजबूत किया और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लोकतंत्र को बढ़ावा जलवायु परिवर्तन तथा विश्व व्यापार जैसे नरम मुद्दों पर ही ध्यान केंद्रित किया।

एक ध्रुवीय विश्व में अमेरिकी वर्चस्व के कारण

सैन्य कारण	ढांचागत (आर्थिक)	सांस्कृतिक कारण
1) उच्च सैनिक प्रौद्योगिकी 2) सर्वाधिक सैन्य बजट 3) 5 सशस्त्र कमाने- उत्तरी, दक्षिणी, केन्द्रीय, यूरोपीय व पेसिफिक 4) उदाहरण प्रथम व द्वितीय खाड़ी युद्ध	★ विश्व की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था ★ मुक्त समुद्री व्यापार पर नियंत्रण ★ इंटरनेट व M.B.A का जनक ★ WB, IMF, WTO में मुख्य भूमिका	★ पहनावा-जींस ★ खानपान- मैक्डोलाडीकरण ★ US संस्कृति का विस्तार, रात्रि की शिफ्ट में काम करना ★ वेलन्टाइन डे मनाना

★ अमेरिका के सैन्य अभियान

सैन्य अभियान का नाम	अमेरिकी राष्ट्रपति	कब	विवरण / किसके विरूद्ध	परिणाम
1) ऑपरेशन डेजर्ट स्टार्म	जार्ज बुश सीनियर	1991	34 देशों की बहुराष्ट्रीय सेना द्वारा इराक के खिलाफ (जिसने अपने पड़ोसी कुवैत पर अनाधिकृत कब्जा किया था) युद्ध किया गया। इसे प्रथम खाड़ी युद्ध, कम्प्यूटर युद्ध एवं विडियो गेम वार भी कहा गया।	कुवैत को मुक्त कराया गया
2) ऑपरेशन इनफाइनाइट रीच	बिल क्लिंटन	1998	नैरोबी (केन्या) तथा दारे सलाम (तंजानिया) के अमेरिकी दूतावासों पर बमबारी के विरोध में सूडान एवं अफगानिस्तान में अलकायदा के ठिकानों पर क्रूज मिसाइलों से हमला।	अलकायदा को मुंह तोड़ जवाब
आपरेशन एन्डयूरिंग फ्रीडम	जार्ज डब्लू बुश	2001	9/11 की घटना के प्रतिक्रिया स्वरूप अलकायदा और अफगानिस्तान के तालिबानी शासन के विरुद्ध/विश्व में आतंकवाद के विरूद्ध विश्वव्यापी युद्ध	तालिबान की समाप्ति और अलकायदा का कमजोर पड़ना
4) ऑपरेशन इराकी फ्रीडम	जार्ज डब्लू बुश	2003	संयुक्त राष्ट्र की अनुमति के बिना इराक पर आक्रमण/ सुरक्षा परिषद् द्वारा आलोचना	सद्दाम हुसैन का अंत

* 11 सितम्बर 2001 के दिन 19 अपहरणकर्ताओं द्वारा जिनका संबंध आतंकवादी गुट अलकायदा से माना गया, चार अमेरिकी व्यावसायिक विमानों पर कब्जा कर लिया। इनमें से दो विमानों को न्यूयार्क स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर से टकराया गया। इसे 9/11 की घटना कहा गया। इस हमले में लगभग तीन हजार लोग मारे गए। इसके विरोध में अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ विश्व व्यापी युद्ध छेड़ दिया।
* ऑपरेशन इराकी फ्रीडम को सैन्य और राजनीतिक धरातल पर असफल माना गया क्योंकि इसमें 3000 अमेरिकी सैनिक, बड़ी संख्या में इराकी सैनिक और लगभग 50000 निर्दोष नागरिक मारे गए।

अफ्गानिस्तान-मध्य पूर्वी संकट

* 1989 में सोवियत सेना के अफ्गानिस्तान छोड़ने के बाद, 1994 में कुछ इस्लामिक छात्रों ने कांधार के शहर पर नियंत्रित कर लिया उसे तालिबान कहा गया जो अंतराष्ट्रीय आतंकवादियों के लिए सुरक्षित स्थान बन गया।
* अफ्गानिस्तान में युद्ध 2001 में शुरू हुआ। नवम्बर 2001 में ब्रिटिश व अमरीकी फौजों द्वारा तालिबान को उखाड़ फेंका गया। परन्तु 2020 में तालिबान फिर से अफ्गानिस्तान की सत्ता पर आ गया है।

खाड़ी युद्ध

* अगस्त 1990 में इराक ने कुबैत पर हमला किया और बड़ी तेजी से उस पर कब्जा जमा लिा। समझाने की तमाम राजनयिक कोशिशें नाकाम होने के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ ने कुबैत को मुक्त करने के लिए बल प्रयोग की अनुमति दे दी। 34 देशों की मिली जुली (आकांक्षियों के महा जोट) और 660000 सैनिकों की फौज ने इराक के विरूद्ध मोर्चा खोल उसे परास्त किया।

  संयुक्त राष्ट्र संघ के इस सैन्य अभियान को ऑपरेशन डेजर्ट स्टार्म कहा जाता है। जो एक हद तक अमेरिकी सैन्य अभियान ही था।
* 2001 में 9/11 के जवाब में अमरीका ने भयंकर कदम उठाएं। 'आतंकवाद के विरूद्ध विश्वव्यापी युद्ध' के अंग के रूप में अमरीका ने ऑपरेशन एंड्यूरिंग

फ्रीडम चलाया। इस अभियान में मुख्य निशाना अलकायदाऔर अफ्गानिस्तान के तालिबान शासन को बनाया गया।

★ 19 मार्च 2003 को अमरीका ने ऑपरेशन इराकी फ्रीडम के नाम से इराक पर सैन्य हमला किया। Coalition of willings (आंकाक्षियों के महाजोट) में 40 से ज्यादा देश शामिल हुए। कहा गया कि सामूहिक संहार के हथियार (WMD) पर रोक के लिए हमला किया गया है पर इसकी मौजूदगी के कोई परिणाम नहीं मिले।

अनुमान है कि हमले का मकसद इराक के तेल भंडार पर नियंत्रण और इराक में अमरीका की मनपसंद सरकार कायम करना हो सकता है।

अरब स्प्रिंग (अरब क्रांति)ः-

21 वीं शताब्दी में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं तथा पश्चिम एशियाई देशों में लोकतांत्रिकरण के लिए नए विकास का उदय हुआ। इस प्रकार की एक परिघटना को अरब स्प्रिंग के रूप में जाना जाता है जिसका आरंभ 2009 में हुआ ट्यूनीशिया में प्रारंभ हुए अरब स्प्रिंग ने अपनी जड़े जमा ली जहां जनता द्वारा भ्रष्टाचार, बेरोजगारी तथा निर्धनता के विरूद्ध संघर्ष प्रारंभ किया गया यह संघर्ष एक राजनीतिक आंदोलन में परिवर्तित हो गया क्योंकि जनता तत्कालीन समस्याओं को निरंकुश तानाशाही का परिणाम मानती थी। ट्यूनीशिया में उचित लोकतंत्र की मांग पश्चिम एशिया के मुस्लिम बहुल अरब देशों में फैल गई। होस्नी मुबारक, जो 1979 के पश्चात में मिस्त्र में सत्ता में थे, एक बड़े स्तर पर लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन के परिणाम स्वरूप ध्वस्त हो गए। इसके अतिरिक्त अरब क्रांति का प्रभाव यमन, बहरीन, लीबिया तथा सीरिया जैसे अरब देशों में भी देखा गया जहां जनता द्वारा इसी प्रकार के विरोध प्रदर्शन ने पूरे क्षेत्र में लोकतांत्रिक जागृति को जन्म दिया।

लोकतांत्रिक राजनीति और लोकतंत्रीकरण - CIS

★ स्वतंत्र राष्ट्रों का राष्ट्रकुल (Commonwealth of Independent states) का गठन 1991 में हुआ। CIS में सोवियत संघ के विघटन के बाद हुआ।

★ CIS में पूर्व सोवियत संघ के 15 में से 12 सदस्य शामिल हुए। आर्मेनिया, अजरबैजान, माल्दोवा, कज़ाकिस्तान, किरगिझस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान,

जार्जिया बेलारूस, रूस, यूकेन, उजबेकिस्तान, वर्तमान में केवल, 9 देश CIS में शामिल (जार्जिया और यूक्रेन औपचारिक रूप से राष्ट्रकुल का हिस्सा नहीं)

★ 2003 की 'गुलाब क्रांति (जार्जिया) और यूक्रेन की आरेन्ज क्रांति (2004) ने स्वतंत्र राष्ट्रो के राष्ट्रकुल के लोकतंत्रीकरण की प्रक्रिया की शुरुआत की है।

★ तजाकिस्तान और किरगिझस्तान 2005 में लोकतांत्रिक चुनाव हुए। इस क्षेत्र में लोकतंत्रीकरण की प्रक्रिया चल रही है उदाहरण - नागरिकों को अधिकार, चुनाव प्रक्रिया होना, संविधान निर्माण आदि लोकतंत्र को सशक्त करने के कुछ उपाय अपनाए जा रहे।

एक अंक वाले प्रश्न :-

1. द्विध्रुवीयता का अर्थ बताएँ।
2. बर्लिन की दीवार .... का प्रतीक थी।
3. समाजवादी सोवियत गणराज्य कब अस्तित्व में आया ?
4. CIS का पूरा नाम लिखे।
5. USSR का उत्तराधिकारी किसे बनाया गया।
6. सोवियत संघ में सुधारों की किस नेता ने शुरूआत की।
7. सर्वप्रथम सोवियत संघ से अलग होने वाले तीन गणराज्यों के नाम लिखे। (सितंबर 1991)
8. रूस के किन दो गणराज्यों में अलगाववादी आन्दोलन चले।
9. सोवियत राजनीतिक प्रणाली .... की विचारधारा पर आधारित थी।
10. सोवियत संघ से अलग होने की घोषणा सर्वप्रथम किन गणराज्यों ने की ?
11. सोवियत व्यवस्था के निर्माताओं ने निम्न से किसको महत्व नहीं दिया।

    क) निजी संपत्ति की समाप्ति

    ख) समानता के सिद्धान्त पर समाज का निर्माण।

    ग) विरोधी दल का अस्तित्व नहीं।

    घ) अर्थव्यवस्था पर राज्य का कोई नियन्त्रण नहीं।

सही विकल्प का चयन कीजिए :-

12. NATO के जवाब में सोवियत संघ ने सैन्य संधि की

    क) सीटो   ख) सेन्टो   ग) सार्क   घ) वारसा

13. सोवियत संघ के विघटन के समय कम्यूनिष्ट पार्टी के महासचिव थे।

    क) बोरिस येल्तसिन   ख) निकिता ख्रुश्चेव

    ग) मिखाइल गोर्बाचेव   घ) ब्लादिमीर पुतिन

14. सोवियत संघ में शामिल गणराज्यों की संख्या थी।

    क) 10   ख) 15   ग) 20   घ) 18

15. रिक्त स्थान की पूर्ति करें।

    a) ....देशों की मिली-जुली और..................... सैनिकों की भारी भरकम फौज ने इराक के विरूद्ध मोर्चा खोला।

    b) क्यूबा के निकट अमरीकी नौ सेना का एक ठिकाना................... में है।

16. SLOC का शब्द विस्तार लिखें।

17. वाक्य को सही कर पुनः लिखें।

    ''खाड़ी युद्ध का ऑपरेशन एन्डयूरिंग फ्रीडम के नाम से जाता है।''

18. प्रथम खाड़ी युद्ध में इराक के लगभग इतने नागरिक मारे गये।

    क) 3000   ख) 5000   ग) 20000   घ) 50000

19. ऑपरेशन इराकी फ्रीडम में देश शामिल हुये।

    क) 35 से ज्यादा   ख) 34 से ज्यादा

    ग) 50 से ज्यादा   घ) 40 से ज्यादा

20. अरब क्रांति सर्वप्रथम किस देश में हुई।

दो अंकीय प्रश्न :-

1. शॉक थेरेपी से क्या अभिप्राय है?
2. सोवियत संघ से अलग हुए किन्हीं दो मध्य एशियाई देशों के नाम बताएँ।
3. ताजिकिस्तान में हुआ गृहयुद्ध कितने वर्षो तक चलता रहा और यह गृह युद्ध कब समाप्त हुआ?

4. कालक्रमानुसार लिखे – अफगान संकट, रूसी क्रांति, बर्लिन की दीवार का गिरना, सोवियत संघ का विघटन।

5. सुमेलित करें

शॉक थेरेपी	--	सोवियत संघ का उत्तराधिकारी।
रूस	--	सैन्य समझौता
बोरिस येल्तसिन	--	आर्थिक मॉडल
वारसा पैक्ट	--	रूस के राष्ट्रपति

6. इतिहास की सबसे बड़ी गराज़ सेल किसे और क्यों कहा जाता है?

7. शॉक थेरेपी के दो परिणाम बताओ।

8. राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने अपने कार्यकाल के दौरान किन मुद्दों पर अधिक जोर दिया?

9. प्रथम खाड़ी युद्ध किन दो पक्षों के बीच लड़ा गया?

10. 9/11 की घटना से आपके विचार में अमेरिकी सोच में क्या बदलाव आया?

11. ऑपरेशन इराकी फ्रीडम के इराक पर किए गए हमले का वास्तविक मकसद क्या था?

12. ऑपरेशन एन्डयूरिंग फ्रीडम के अन्तर्गत क्या-क्या कदम उठाए गए?

चार अंकीय प्रश्न

गद्यांश पर आधारित प्रश्नः-

गधांश – 1

1. निम्नलिखित अवतरण को ध्यान से पढ़िए तथा संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए?

1992 में बिल क्लिंटन अमेरिका के राष्ट्रपति बने। क्लिंटन ने विदेश नीति की जगह घरेलू नीति को अपने चुनाव प्रचार का निशाना बनाया था। क्लिंटन 1996 में दुबारा चुनाव जीते और इस तरह वह आठ सालों तक राष्ट्रपति पद पर रहे। क्लिंटन के दौर में ऐसा जान पड़ता था कि अमेरिका ने अपने को घरेलू मामलों तक सीमित कर लिया है। विदेश नीति के मामले में क्लिंटन सरकार ने सैन्य शक्ति और सुरक्षा जैसी कठोर राजनीति की जगह लोकतंत्र

के बढ़ावे, जलवायु परिवर्तन तथा विश्व व्यापार जैसे नरम पर ध्यान केन्द्रित किया।

1. बिल क्लिन्टन का संबंध किस पार्टी से था।

   a) डेमोक्रेटिक

   b) रिपब्लिक

   c) लेबर

   d) कनजरवेटिव

2. बिल क्लिन्टन ने किन मुद्‌दों को अपने कार्यकाल में उठाया।

   a) आतंकवाद

   b) भारत के साथ संबंध

   c) लोकतंत्र और जलवायु परिवर्तन

   d) पाकिस्तान में लोकतन्त्र

3. बिल क्लिन्टन कब अमेरिका के राष्ट्रपति बने।

   a) 1991 b) 1992

   c) 1993 d) 1994

4. बिल क्लिन्टन कितनी बार अमरीका के राष्ट्रपति बने।

   a) 1

   b) 2

   c) 3

   d) 4

नीचे लिखे अवतरण को पढे और इसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों का सही विकल्प चुनिये चुनिएः

गद्यांश – 2

पूर्व सोवियत संघ के अधिकांश गणराज्य संघर्ष की आशंका वाले क्षेत्र हैं। अनेक गणराज्यों ने गृहयुद्ध और बगावत को झेला है। इसके साथ-साथ इन देशों में बाहरी ताकतों की दखल भी बढ़ी हैं। इससे स्थिति और भी बद जटिल हुई हैं। रूस के दो गणराज्यों चेचन्या और दागिस्तान में हिंसक अलगाववादी आंदोलन चले।

1. CIS का पूर्ण रूप क्या है ?

   (i) स्वतन्त्र राष्ट्रों का राष्ट्रकुल

   (ii) स्वतंत्र राज्यों का राष्ट्रकुल

   (iii) स्वतन्त्र राज्यों का संगठन

   (iv) स्वतन्त्र राज्यों की संधि

2. किन्ही दो CIS देशों का नाम लिखिए

   (i) तुर्कमेनिस्तान (ii) उज्बेकिस्तान

   (iii) अज़रबैजान (iv) उपर्युक्त सभी

3. पूर्व सोवियत संघ के अधिकांश गणराज्य कौन सी आशंका वाले क्षेत्र हैं ?

   (i) सहयोग (ii) विश्वास

   (iii) संघर्ष (iv) शान्ति

4. रूस के दो गणराज्य जहाँ हिंसक अलगाववादी आन्दोलन चले।

   (i) बेलारूस - रूस (ii) यूक्रेन - रूस

   (iii) जार्जिया - आर्मेनिया (iv) चेचन्य- दागिस्तान

चार अंकीय, कार्टून पर आधारित प्रश्नः-

1. सोवियत संघ के विघटन के चार कारण बताइए।
2. साम्यवादी सोवियत अर्थव्यवस्था और पूंजीवादी अमेरिकी अर्थव्यवस्था में चार अंतर लिखिए।
3. गोर्बाचोव तो रोग का निदान ठीक कर रहे थे व सुधारों का प्रयास भी ठीक था, फिर भी सोवियत संघ का विघटन क्यों हुआ?
4. भारत जैसे देश कके लिए सोवियत संघ के विघटन का परिणाम लिखिए।
5. क्या शॉक थेरेपी साम्यवाद से पूंजीवाद की ओर परिवर्तन का सबसे बेहतर तरीका था? तर्क दीजिए।

चार अंकीय, कार्टून पर आधारित प्रश्नः-

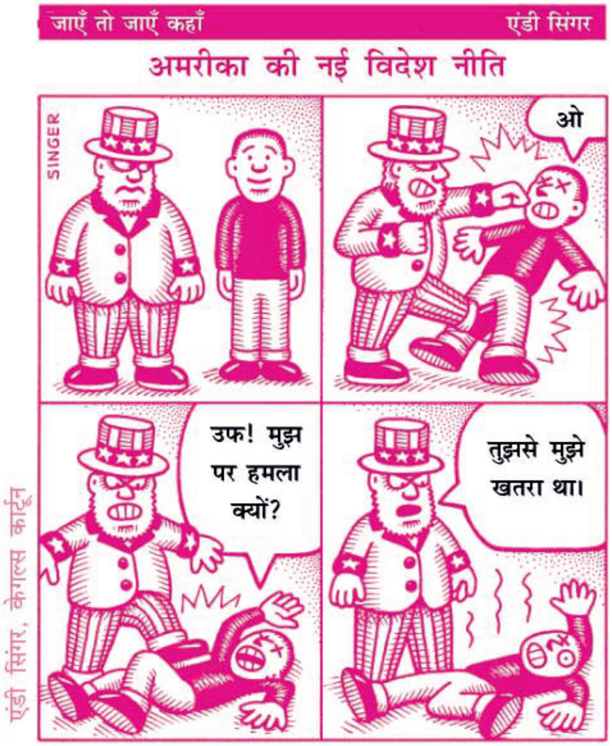

1. यह कार्टून क्या दर्शाता है?

   a) अमरीका की नई विदेश नीति   b) रूस की विदेश नीति

   c) सोवियत संघ की नई विदेश नीति   d) उपर्युक्त से कोई नहीं

2. यह कार्टून वर्तमान भू-राजनीति के बारे में किस ओर इशारा कर रहा है?

a) दो ध्रुविय विश्व राजनीति b) दो संघठन

c) एक ध्रुविय विश्व s) शान्ति का संदेश

3. यह सैनिक अभियान समकालीन विश्व राजनीति का उदाहरण हैं

a) ऑपरेशन रोलिंग थन्डर b) ऑपरेशन ओवरलॉर्ड

c) ऑपरेशन इराकी फ्रीडम d) ऑपरेशन शान्ति

4. सोवियत संघ के विघटन के पश्चात कौन सी महाशक्ति का वर्चस्व हो गया है।

a) चीन b) ब्रिटेन c) रूस d) संयुक्त राज्य अमरीका

छः अंकीय प्रश्न :-

1. क्या आप मानते है कि सोवियत संघ के विघटन के बाद भारत को अपनी विदेश नीति बदल लेनी चाहिए तथा रूप जैसे परम्परागत मित्र की जगह अमेरिका से दोस्ती करने पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए?
2. सोवियत संघ के विघटन के परिणाम लिखिये।
3. पूर्व सोवियत संघ के गणराज्यों में संघर्ष और तनाव की स्थिति बनी रहती थी। इस पर अपने विचार लिखे।
4. द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात सोवियत संघ के विश्व शक्ति बनने के किन्ही छः कारणों को स्पष्ट करें।
5. अरब देशों में लोकतंत्र किस प्रकार स्थापित हुआ वर्णन कीजिए।

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. विश्व में सत्ता के दो शक्ति केन्द्रों (ध्रुवों) का होना। संयुक्त राज्य अमेरिका तथा सोवियत संध।
2. शीतयुद्ध
3. 1917
4. स्वतन्त्र राज्यों का राष्ट्रकुल- (कॉमनवेल्थ ऑफ इंडिपेनडेंट स्टेट्स)
5. रूस
6. मिखाइल गोर्बाचेव

7. एस्टोनिया, लतानिया और लिथुआनिया

8. चेचन्या, दागिस्तान

9. समाजवाद

10. रूस, यूक्रेन व बेलारूस

11. (क) निजी संपत्ति की समाप्ति

12. (घ) वारसा संधि

13. (ग) मिखाइल गोर्बाचेव

14. (ख) 15

15. अ) 34, 660000

    ब) ग्वांतानामो बे

16. Sea Lines of Communications

17. अ) खाड़ी युद्ध को ऑपरेशन डेजर्ट स्टार्म के नाम से जाना जाता है।

18. घ) 50,000

19. घ) 40 से ज्यादा

20. ट्यूनीशिया

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. आघात पहुँचाकर उपचार करना। साम्यवाद से पूंजीवाद की ओर संक्रमण का विशेष आर्थिक मॉडल

2. ताजिकिस्तान, कजाकिस्तान।

3. 10 वर्षो तक, 2001 में।

4. रूसी क्रांति, अफगान संकट, बर्लिन की दीवार का गिरना, सोवियत संघ का विघटन।

5.

शॉक थेरेपी	--	आर्थिक मॉडल
रूस	--	सोवियत संघ का उत्तराधिकारी
बोरिस येल्तसिन	--	रूस के राष्ट्रपति

वारसा संधि/पैक्ट -- सैन्य समझौता

6. शॉक थैरेपी मॉडल को अपनाने पर रूस के 90 प्रतिशत उद्योगों को निजी हाथों या कंपनियों को औने-पौने दामों पर बेचा गया। यही इतिहास की बड़ी गराज सेल।

7. i) रूसी मुद्रा रूबल के मूल्य में गिरावट।

   ii) पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था चरमरा गई।

8. लोकतंत्र को बढ़ावा, जलवायु परिवर्तन तथा विश्व व्यापार जैसे नरम मुद्दों पर जोर दिया।

9. इराक और अमेरिका द्वारा निर्देशित 40 देशों की सेना के बीच।

10. आतंकवाद को विश्वव्यापी घटना अर्थात् अन्तर्राष्ट्रीय समस्या माना।

11. i) इराक के तेल भंडार पर नियंत्रण।

    ii) इराक में अमेरिका की मनपसंद सरकार कायम करना।

12. i) अलकायदा और तालिबान को निशाना बनाया।

    ii) संदेहास्पद लोगों को गिरफ्तार कर 'ग्वांतानामो बे'' में रखा गया।

गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तरः-

1. a) डेमोंक्रेटिक
2. c) लोकतन्त्र और जलवायु परिवर्तन
3. b) 1993
4. d) 2 बार

गद्यांश 2 पर आधारित उत्तर -

1. i) स्वतंत्र राष्ट्रों का राष्ट्रकुल।
2. iv) उपर्युक्त सभी
3. iii) संघर्ष
4. c) चेचन्या-दागिस्तान

चार अंकीय उत्तर :-

1. स्मरणीय बिन्दु देखें।

2.

सोवियत अर्थव्यवस्था	अमेरिका की अर्थव्यवस्था
i) राज्य द्वारा पूर्ण रूपेण नियंत्रित	i) राज्य का न्यूनतम हस्तक्षेप
ii) योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था	ii) स्वतंत्र आर्थिक प्रतियोगिता पर आधारित
iii) व्यक्तिगत पूंजी का अस्तित्व नहीं	iii) व्यक्तिगत पूंजी की महत्ता।
iv) समाजवादी आदर्शो से प्रेरित	iv) अधिकतम लाभ के पूंजीवादी सिद्धांत।
v) उत्पादन के साधनों पर राज्य का स्वामित्व।	v) उत्पादन के साधनों पर बाजार का नियंत्रण।

3. गोर्बाचेव ने लोगों के आक्रोश को कम करने व अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए प्रशासनिक ढांचे में ढील देने का निश्चय किया। परंतु व्यवस्था में ढील देते ही नागरिकों की अपेक्षाओं का ज्वार उमड़ पड़ा। जिस पर काबू पाना कठिन हो गया। कुछ आलोचकों के अनुसार गोर्बाचेव की कार्य पद्धति तीव्र नहीं थी। एक बार स्वतंत्रता का स्वाद चखने के बाद जनता ने साम्यवाद की ओर लौटने से इंकार कर दिया।

4. भारत जैसे विकासशील देशों में सावियत संघ के विघटन के परिणाम-
   i) विकासशील देशों की घरेलू राजनीति में अमेरिका को हस्तक्षेप का अधिक अवसर मिल गया।
   ii) कम्यूनिस्ट विचारधारा को धक्का।
   iii) विश्व के महत्वपूर्ण संगठनों पर अमेरिकी प्रभुत्व (I.M.F., World Bank)
   iv) बहुराष्ट्रीय कंपनियों को भारत व अन्य विकासशील देशों में अनियंत्रित प्रवेश की सुविधा।

5. नहीं, परिवर्तन तुरंत किए जाने की अपेक्षा धीरे-धीरे होने चाहिए थे। वहाँ की परिस्थितियाँ अचानक आघात सहन करने की नहीं थी।

चार अंकीय कार्टून पर आधारित उत्तर -

1. a) अमरीका की नई विदेश नीति।

2. c) एक ध्रुवीय विश्व

3. c) ऑपरेशन इराकी फ्रीडम।

4. c) संयुक्त राज्य अमरीका।

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1.) अर्न्तराष्ट्रीय जगत में न कोई स्थायी शत्रु होता है और न ही स्थायी मित्र। वरन् राष्ट्रहित सर्वोपरि होते है।

अतः अर्न्तराष्ट्रीय बदलाव के कारण प्रत्येक देश के लिए अनिवार्य है कि वह अपने आपको बदलाव के अनुसार ढाल ले। भारत ने भी विश्व व्यवस्था में स्वयं को ढाला है। रूस के साथ भारत के संबंध मित्रवत् एवं सहयोगपूर्ण है। पर अपने विकास के लिए परोक्ष रूप से अमरीकी नीतियों का समर्थन भी करना पड़ रहा है। भारत अपने संबंध अमरीका से मजबूत एवम् बेहतर बना रहा है। पर रूस के साथ भी पहले की भांति अच्छे संबंध बनाए रखे।

2.) शीतयुद्ध की समाप्ति, एक ध्रवीय विश्व, सोवियत संघ का अन्त आदि।

3.) संघर्ष वाला क्षेत्र, बाहरी ताकतों की दखलंदाजी, आपसी अविश्वास आदि।

4.) i) पूर्वी यूरोप एवं सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था को सामूहिक रूप से द्वितीय विश्व का नाम दिया गया जो कि इसकी शक्ति का परिचायक था।

ii) वारसा पैक्ट सैनिक गठबंधन का नियन्त्रण सोवियत के पास।

iii) सोवियत अर्थव्यवस्था विश्व के विकसित अर्थव्यवस्थाओं में काफी आगे थी।

iv) उन्नत संचार व्यवस्था, उर्जा ससांधन, तेल, लोहा, स्टील आदि का उन्नत भंडार होना एवं राष्ट्र के दूरस्थ हिस्सों पर पहुँच होना।

v) उत्पादन में स्वनिर्भरता जिसमे पिन से लेकर कार का उत्पादन भी घरेलू बाजारों में किया जाता था।

5.) स्मरणीय बिन्दु देखे।

अध्याय – 2

सत्ता के नए केन्द्र

संगठन–यूरोपीय संघ, आसियान, सार्क, ब्रिक्स। राष्ट्र – रूस, चीन, इज़राइल, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया

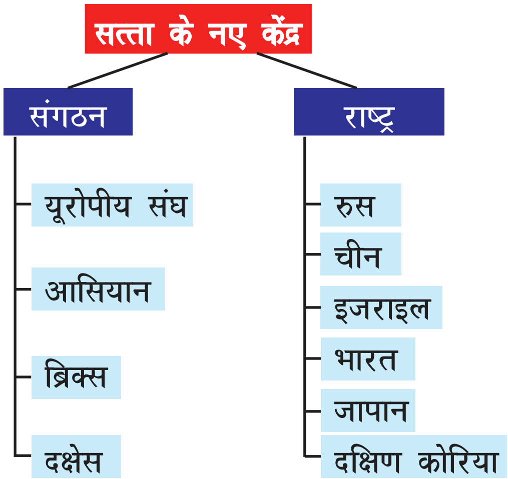

सत्ता के नए केन्द्र का अर्थः

शीत युद्ध के पश्चात विश्व में विश्व पटल पर कुछ ऐसे संगठनों तथा देशों ने प्रभावशाली रूप से अंतराष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करना प्रारम्भ किया, जिससे यह स्पष्ट होने लगा कि यह संगठन तथा देश अमेरिका की एक ध्रुवीयता के समक्ष विकल्प के रूप में देखे जा सकते हैं। विश्व राजनीति में दो ध्रुवीय व्यवस्था के टूटने के बाद स्पष्ट हो गया कि राजनैतिक और आर्थिक सत्ता के नए केंद्र कुछ हद तक अमेरिका के प्रभुत्व को सीमित करेंगे।

संगठन

यूरोपीय संघ

★ अमरीका ने यूरोप की अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन के लिए बहुत मदद की थी। इसे मार्शल योजना के नाम से जानते है।

★ 1948 में मार्शल योजना के तहत यूरोपीय आर्थिक सहयोग संगठन की स्थापना

की गई। जिसके माध्यम से पश्चिमी यूरोप के देशों को आर्थिक मदद की गई।

- ★ 1957 में छः देशो – फ्रांस, पश्चिम जर्मनी, इटली, बेल्जियम, नीदरलैंड और लक्जमबर्ग ने रोम संधि के माध्यम से यूरोपीय आर्थिक समुदाय और यूरोपीय एटमी ऊर्जा समुदाय का गठन किया।
- ★ जून 1979 में यूरोपीय पार्लियामेंट के गठन के बाद यूरोपीय आर्थिक समुदाय ने राजनीतिक स्वरूप लेना शुरू कर दिया था।
- ★ फरवरी 1992 में मास्ट्रिस्ट संधि के द्वारा यूरोपीय संघ का गठन हुआ।
- ★ वर्तमान में सदस्य देशों की संख्या 27 है।

यूरोपीय संघ के सदस्य देश

यूरोपीय संघ के पुराने सदस्य : ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, आयरलैंड, इटली, लक्जमबर्ग, माल्टा, नीदरलैंड, पुर्तगाल, स्वीडन, स्पेन।

ब्रिटेन ने यूरोपीय संघ से जून 2016 में एक जनमत संग्रह के द्वारा अलग होने का निर्णय किया जिसे ब्रेक्जिट कहा जाता है अब यह यूरोपीय संघ का सदस्य नहीं है। जनवरी 2020 में यह यूरोपीय संघ से अलग हो गया। यह पुराने सदस्यों में से एक सदस्य देश था।

यूरोपीय संघ के नए सदस्य : एस्तोनिया, लातविया, लिथुआनिया, पोलैंड, चेक गणराज्य, रोमानिया, स्लोवाकिया, हंगरी, क्रोशिया, बुल्गारिया, साइप्रस, स्लोवेनिया।

यूरोपीय संघ के सदस्य देशों की वर्तमान में संख्या 27 है।

यूरोपीय संघ के गठन के उद्देश्य :-

-- एक समान विदेश नीति व सुरक्षा नीति।

-- आंतरिक मामलों तथा न्याय से जुड़े मामलों पर सहयोग।

-- एक समान मुद्रा का चलन।

-- वीजा मुक्त आवागमन।

यूरोपीय संघ की विशेषताएँ :-

1. यूरोपीय संघ ने आर्थिक सहयोग वाली संस्था से बदलकर राजनैतिक संस्था का रूप ले लिया है।

2. यूरोपीय संघ एक विशाल राष्ट्र-राज्य की तरह कार्य करने लगा है।

3. इसका अपना झंडा, गान, स्थापना दिवस और अपनी एक मुद्रा है।

4. अन्य देशों से संबंधों के मामले में इसने काफी हद तक साझी विदेश और सुरक्षा नीति बना ली है।

5. यूरोपीय संघ का झंडा 12 सोने के सितारों के घेरे के रूप में वहाँ के लोगों की पूर्णता, समग्रता, एकता और मेलमिलाप का प्रतीक है।

यूरोपीय संघ को ताकतवर बनाने वाले कारक या विशेषताएँ :-

-- 2005 में यह दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी और इसका सकल घरेलू उत्पादन अमरीका से भी ज्यादा था।

-- इसकी मुद्रा यूरो, अमरीकी डॉलर के प्रभुत्व के लिए खतरा बन गई है।

-- विश्व व्यापार में इसकी हिस्सेदारी अमेरिका से तीन गुना ज्यादा है।

-- इसकी आर्थिक शक्ति का प्रभाव यूरोप, एशिया और अफ्रीका के देशों पर है।

-- यह विश्व व्यापार संगठन के अंदर एक महत्वपूर्ण समूह के रूप में कार्य करता है।

-- इसका एक सदस्य देश फ्रांस सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है। इसके चलते यूरोपीय संघ अमरीका समेत सभी राष्ट्रों की नीतियों को प्रभावित करता है।

-- यूरोपीय संघ का सदस्य देश फ्रांस परमाणु शक्ति सम्पन्न है।

-- अधिराष्ट्रीय संगठन के तौर पर यूरोपीय संघ आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक मामलों में दखल देने में सक्षम है।

यूरोपीय संघ की कमजोरियाँ या सीमाएँः-

1.) इसके सदस्य देशों की अपनी विदेश नीति और रक्षा नीति है जो कई बार एक-दूसरे के खिलाफ भी होती हैं। जैसे-इराक पर हमले के मामले में।

2.) यूरोप के कुछ हिस्सों में यूरो मुद्रा को लागू करने को लेकर नाराजगी है।

3.) डेनमार्क और स्वीडन ने मास्ट्रिस्स संधि और साझी यूरोपीय मुद्रा यूरो को मानने का विरोध किया।

4.) यूरोपीय संघ के कई सदस्य देश अमरीकी गठबंधन में थे।

5.) ब्रिटेन ने यूरोपीय संघ से जून 2016 मे एक जनमत संग्रह के द्वारा अलग होने का निर्णय किया। जिसे ब्रेक्जिट कहा जाता है। ब्रिटेन अब यूरोपीय संघ का सदस्य नहीं है।

दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन (आसियान) -

1. अगस्त 1967 में इस क्षेत्र के पाँच देशों इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलिपींस, सिंगापुर ओर थाईलैंड ने बैंकांक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करके 'आसियान' की स्थापना की। इन पाँच देशों को आसियान का संस्थापक देश कहा जाता है।
2. बाद में ब्रुनई दारूस्लाम, वियतनाम, लाओस, म्यांमार ओर कंबोडिया को शक्ति को शामिल किया गया और इनकी सदस्या संख्या 10 हो गई है।

आसियान के सदस्य देश

- **संस्थापक देश**
  - इंडोनेशिया
  - मलेशिया
  - फिलीपींस
  - सिंगापुर
  - थाईलैंड
- **नए सदस्य देश**
  - ब्रूनेई दारुस्सलाम
  - वियतनाम
  - लाओस
  - म्यांनमार
  - कंबोडिया

आसियान की स्थापना के मुख्य उद्‌देश्य :-

1) सदस्य देशों के आर्थिक विकास को तेज करना।
2) इसके द्वारा सामाजिक और सांस्कृतिक विकास हासिल करना।
3) कानून के शासन और संयुक्त राष्ट्र संघ के नियमों का पालन करके क्षेत्रीय शांति और स्थायित्व को बढ़ावा देना।

आसियान शैली :-

अनौपचारिक, टकरावरहित और सहयोगात्मक मेल-मिलाप का नया उदाहरण पेश करके आसियान ने काफी यश कमाया है। इसे ही 'आसियान शैली' कहा जाने लगा।

आसियान समुदाय के प्रमुख स्तंभ

1. आसियान सुरक्षा समुदाय
2. आसियान आर्थिक समुदाय
3. सामाजिक सांस्कृतिक समुदाय

★ आसियान सुरक्षा समुदाय क्षेत्रीय विवादों को सैनिक टकराव तक न ले जाने की सहमति पर आधारित है।

★ आसियान आर्थिक समुदाय का उद्देश्य आसियान देशों का साझा बाजार और उत्पादन आधार तैयार करना तथा इस क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में मदद करना है।

★ आसियान सामाजिक सांस्कृतिक समुदाय का उद्देश्य है कि आसियान देशों के बीच टकराव की जगह बातचीत और सहयोग को बढ़ावा दिया जाए।

आसियान क्षेत्रीय मंचः-

1994 में आसियान क्षेत्रीय मंच की स्थापना की गई। जिसका उद्देश्य सदस्य देशों की सुरक्षा और विदेश नीतियों में तालमेल बनाना है।

आसियान की उपयोगिता या प्रासंगिकता :-

1. आसियान की मौजूदा आर्थिक शक्ति खासतौर से भारत और चीन जैसे तेजी से विकसित होने वाले एशियाई देशों के साथ व्यापार और निवेश के मामले में प्रदर्शित होती है।
2. आसियान ने निवेश, श्रम और सेवाओं के मामले में मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाने पर भी ध्यान दिया है।
3. अमरीका तथा चीन ने भी मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाने में रूचि दिखाई है।
4. 1991 के बाद भारत ने 'पूरब की ओर देखो' की नीति अपनाई है और 2014 से "Look East" की नीति अपनाई। जिसका उद्देश्य दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देना है।
5. भारत ने आसियान के सदस्य देशों सिंगापुर, थाईलैंड और मलेशिया के साथ मुक्त व्यापार का समझौता किया है।
6. 2009 में भारत ने आसियान के साथ 'मुक्त व्यापार समझौता किया। जो 1 जनवरी 2010 से लागू हुआ।

7. आसियान की असली ताकत अपने सदस्य देशों, सहभागी सदस्यों और बाकी गैर-क्षेत्रीय संगठनों के बीच निरंतर संवाद और परामर्श करने की नीति में है।

8. यह एशिया का एकमात्र ऐसा संगठन है जो एशियाई देशों और विश्व शक्तियों को राजनैतिक और सुरक्षा मामलों पर चर्चा के लिए मंच उपलब्ध कराता है।

9. आसियान ने कंबोडिया के टकराव को समाप्त किया।

10. आसियान ने पूर्वी तिमोर के संकट को संभाला।

11. हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री ने आसियान देशों की यात्रा की तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर समझौते किए तथा 'पूर्व की ओर देखो' नीति के स्थान पर 'पूर्वोत्तर कार्यनीति' (एक्ट ईस्ट पॉलिसी) की संकल्पना प्रस्तुत की। इसी के अंतर्गत वर्ष 2018 के गंणतत्र दिवस समारोह में आसियान देशों के राष्ट्रध्यक्षों को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

12. 2018 में सिंगापुर में हुए 33वां आसियान शिखर सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाग लिया।

13. 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बैंकाक में आयोजित आसियान शिखर सम्मेलन में भी भाग लिया।

14. 17वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन 12 नवंबर 2020 को VIRTUAL आयोजित किया गया।

ब्रिक्स

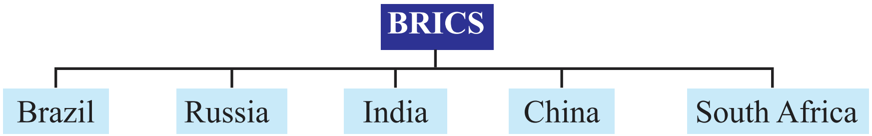

5 देशों का समूह है जो विश्व की अग्रणी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रयोग किया जाता है। ब्रिक्स की स्थापना 2006 में रूस में की गई। वर्ष 2009 में अपनी प्रथम बैठक में दक्षिण अफ्रीका के समावेश के बाद ब्रिक्, ब्रिक्स में परिवर्तित हो गया।

ब्रिक्स सदस्य देशः-

ब्रिक्स शब्द क्रमशः ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका को संदर्भित करता है।

B - Brazil (ब्राजील)

R - Russia (रूस)

I - India (भारत)

C - China (चीन)

S - South Africa (दक्षिण अफ्रीका)

ब्रिक्स की स्थापना के प्रमुख उद्देश्यः–

1. प्रत्येक राष्ट्र की आंतरिक नीतियों तथा परस्पर समानता में हस्तक्षेप न करना।
2. इसके सदस्य देशों के मध्य आर्थिक, व्यापारिक सहयोग को बढ़ावा।
3. सदस्य देशों के बीच पारस्परिक आर्थिक लाभ का वितरण करना।

BRICS शिखर सम्मेलनः–

ब्रिक्स का 11 वां सम्मेलन 2019 में ब्राजील में सम्पन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने की।

ब्रिक्स का 12 वां सम्मेलन 2020 में रूस में ऑनलाइन आयोजित हुआ। रूस ब्रिक्स का मेजबान और अध्यक्ष था।

विश्व राजनीति में, ब्रिक्स अंतराष्ट्रीय स्थिरता को बनाए रखने और वैश्विक आर्थिक विकास को सुनिश्चित करने और बहुध्रुवीय दुनिया का एकजुट केन्द्र बनने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

13वां BRICS शिखर सम्मेलन ः–

★ 13वां ब्रिक्स वार्षिक शिखर सम्मेलन 9 सितंबर 2021 को वर्चुअल माध्यम ये आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने की।

★ इस सम्मेलन का विषय-निरतंरता, समेकन और आम सहमति हेतु ब्रिक्स के बीच सहयोग था।

★ 'Counter Terrorism Action Plan' आंतकवाद को रोकने के लिए अपनाया गया।

★ इस सम्मेलन मे पहली बार डिजीटल हेल्थ की चर्चा की गई जिसमें तकनीक के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को उपलब्ध कराना है।

★ वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा के मसलों पर आम सहमति से चर्चा हुई।

★ पर्यावरण को संरक्षित करने हेतु भी चर्चा हुई।

दक्षेस (साउथ एशियन एसोसिएशन फॉर रिज़नल को-ऑपरेशन)

स्थापना : 8 दिसम्बर, 1985

सदस्य देश : भारत, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, श्री लंका, मालदीव, अफगानिस्तान (अफगानिस्तान 2007 में सदस्य बना)

उद्देश्य :-

1. क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा।
2. आर्थिक सहयोग।
3. दक्षिण ऐशिया के लोगों के कल्याण को बढ़ावा देना।
4. सांस्कृतिक विकास

दक्षेस (सार्क) की चुनौतियाँ :-

-- सार्क के सदस्य देशों की बैठकों में कमी।

-- 15-16 नवंबर 2016 को 19वां सार्क शिखर सम्मेलन इस्लामाबाद में आयोजन किया जाता तय था।

-- कश्मीर में हुए आतंकवादी 'उरी हमले' के विरोध में भारत ने इस सम्मेलन का बहिष्कार किया।

-- बांग्लादेश, अफगानिस्तान, भूटान, मालदीव और श्री लंका ने भी सम्मेलन में भाग नहीं लिया।

SAFTA (दक्षिणी एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र) :-

-- जनवरी 2004 में आयोजित 12वें शिखर सम्मेलन में सार्क देशों ने ऐतिहासिक दक्षिणी एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (SAFTA) समझौते पर हस्ताक्षर किये, जो 1 जनवरी 2006 से प्रभावी हुआ। इस समझौते के दो मुख्य उद्देश्य हैं:-

(i) दक्षिण एशियाई क्षेत्र मुक्त व्यापार संबंधी बाधाओं को दूर करना।

(ii) व्यापार एवं प्रशुल्क प्रतिबंधों के सभी प्रकारों को समाप्त करने का प्रयास करते हुए अधिक उदार व्यवस्था स्थापित करना।

-- भारत के अपने पेड़ोसी देशों के साथ जिनमें पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश एवं श्रीलंका प्रमुख है, इनमें से यदि पाकिस्तान को छोड़ दिया जाये तो बाकी राष्ट्रों के साथ भारत के संबंध कमोबेश मधुर बने हुए हैं।

सार्क की उपलब्धियाँ :-

1. भारत व पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बावूजद भी द्विपक्षीय स्तर पर समझ और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए छोटे देशों के लिए अभी भी उपयोगी संगठन है।
2. साफ्टा को बनाकर व्यापार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।
3. पर्यावरण, आर्थिक विकास व ऊर्जा आदि क्षेत्रों में सहयोग की बात की है।

रूसः-

★ सोवियत संघ के विघटन से पूर्व रूस सोवियत संघ का सबसे वृहत भाग था।
★ 1991 में सोवियत संघ के विघटन के पश्चात रूस सोवियत संघ का उत्तराधिकारी बना।
★ वैश्विक पटल पर यह एक शक्तिशाली राज्य है, इसके पास खनिजों प्राकृतिक संसाधनों तथा गैसों का अपार भंडार है।
★ परिष्कृत शस्त्रों के विशाल भंडार हैं।
★ रूस परमाणु शक्ति संपन्न राज्य है।
★ यह संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद, जिसे पी-5 भी कहा जाता है, का एक स्थाई सदस्य भी है।

चीनः-

1949 में माओ के नेतृत्व में साम्यवादी क्रांति के बाद चीनी जनवादी गणराज्य की स्थापना हुई। शुरूआत में यहाँ अर्थव्यवस्था सोवियत प्रणाली पर आधारित थी।

माओ के नेतृत्व में चीन का विकास :-

चीन ने विकास का जो मॉडल अपनाया उसमें खेती से पूँजी निकालकर सरकारी नियंत्रण में बड़े उद्योग खड़े करने पर जोर था।

1) चीन ने समाजवादी मॉडल खड़ा करने के लिए विशाल औद्योगिक अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अपने सारे संसाधनों को उद्योग में लगा दिया।
2) चीन अपने नागरिको को रोजगार, स्वास्थ्य सुविधा और सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ देने के मामले में विकसित देशों से भी आगे निकल गया लेकिन बढ़ती जनसंख्या विकास में बाधा उत्पन्न कर रही थी।

3) कृषि परम्परागत तरीकों पर आधारित होने के कारण वहाँ के उद्योगों की जरूरत को पूरा नहीं कर पा रही थी।

चीन में सुधारों की पहल :-

1) चीन ने 1972 में अमरीका से संबंध बनाकर अपने राजनैतिक और आर्थिक एकांतवास को खत्म किया।

2) 1973 में प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने कृषि, उद्योग, सेवा और विज्ञान-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आधुनिकीकरण के चार प्रस्ताव रखे।

3) 1978 में तत्कालीन नेता देंग श्याओपेंग ने चीन में आर्थिक सुधारों और खुले द्वार की नीति का घोषणा की।

4) 1982 में खेती का निजीकरण किया गया।

5) 1998 में उद्योगों का निजीकरण किया गया। इसके साथ ही चीन में विशेष आर्थिक क्षेत्र (स्पेशल इकॉनामिक जोन-SEZ) स्थापित किए गए।

6) चीन 2001 में विश्व व्यापार संगठन में शामिल हो गया। इस तरह दूसरे देशों के लिए अपनी अर्थव्यवस्था खोलने की दिशा में चीन ने एक कदम और बढ़ाया हैं।

7) चीन के पास अब विदेशी मुद्रा का विशाल भंडार है।

चीनी सुधारों का नकारात्मक पहलू :-

1) वहाँ आर्थिक विकास का लाभ समाज के सभी सदस्यों को प्राप्त नहीं हुआ।

2) चीन में बेरोजगारी बढ़ी है और 10 करोड़ लोग रोजगार की तलाश में हैं।

3) वहाँ महिलाओं के रोजगार और काम करने के हालात संतोषजनक नहीं है।

4) गाँव व शहर के और तटीय व मुख्य भूमि पर रहने वाले लोगों के बीच आय में अंतर बढ़ा है।

5) विकास की गतिविधियों ने पर्यावरण को काफी हानि पहुँचाई है।

6) चीन में प्रशासनिक और सामाजिक जीवन में भ्रष्टाचार बढ़ा है।

चौन सत्ता का नया केंद्र :

★ विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश

★ क्षेत्रफल के हिसाब से विशाल आकार

★ 2001 में विश्व व्यापार संगठन का सदस्य बना

★ विश्व की यह एक बड़ी अर्थव्यवस्था है

★ जापान, अमरीका, आसियान और रूस- सभी व्यापार के आगे चीन से बाकी विवादों को भुला चुके हैं।

★ 1997 के वित्तीय संकट के बाद आसियान देशों की अर्थव्यवस्था को टिकाए रखने में चीन के आर्थिक उभार ने काफी मदद की है।

★ चीन परमाणु शक्ति संपन्न देश है।

★ चीन सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य भी हैं।

★ चीन द्वारा लातिनी अमेरिका और अफ्रीका में निवेश तथा सहायता की इसकी नीतियां दर्शाती है कि चीन विश्व में एक नई शक्ति के रूप में उभर रहा है।

इज़राइल सत्ता का नया केंद्र :

विश्व के मानचित्र पर एक बिंदु के समान सूक्ष्म यहूदी सियोनवादी राष्ट्र के विश्व में सत्ता का नया केंद्र बनकर उभरने के निम्नलिखित कारण है :

★ इजरायल की मजबूत अर्थव्यवस्था

★ विज्ञान प्रौद्योगिकी में उन्नत तकनीक

★ रक्षा तथा गुप्तचर मामलों में अग्रणीय

★ तकनीकी क्षेत्र में नवाचार का उपयोग

★ औद्योगिकीकरण तथा कृषि विकास में अग्रणीय

"प्रतिकूलता के विरुद्ध निरंतरता" के सिद्धांत का पालन करते हुए आज इजराइल विश्व राजनीति में और विशेष रूप से अरब प्रभुत्वशाली पश्चिमी एशियाई राजनीति में एक विशेष भूमिका दर्शाता है।

भारत सत्ता का नया केंद्र :

★ 21 वीं सदी में भारत को एक 'उदयीमान वैश्विक शक्ति' के रूप में देखा जा रहा है।

★ एक बहुआयामी दृष्टिकोण से विश्व भारत की शक्ति तथा उसके उदय का अनुभव कर रहा है।

★ भारत की जनसंख्या लगभग 135 करोड़ है। जिसमें अधिकांश युवा आबादी है।

★ भारत की आर्थिक सामाजिक तथा सांस्कृतिक स्थिति बहुत सुदृढ़ है।

भारत सत्ता का नया केन्द्र आर्थिक परिप्रेक्ष्य में :-

5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य, एक विशाल प्रतिनिधि व्यापार केन्द्र, तथा संपूर्ण विश्व में 200 मिलियन भारतीय प्रवासियों के साथ भारत की प्राचीन समावेशी संस्कृति भारत को 21 वीं शताब्दी में शक्ति के एक नए केन्द्र के रूप में एक विशिष्ट अर्थ तथा महत्व प्रदान करती है।

भारत सत्ता का नया केन्द्र सामरिक दृष्टिकोण में:-

भारत की सैन्य शक्ति, परमाणु तकनीक के साथ इसे आत्मनिर्भर बनाती है।

भारत सत्ता का नया केन्द्र विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के परिप्रेक्ष्य में :-

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में 'मेक इन इंडिया' योजना भारतीय अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बना सकती है।

यह सभी परिवर्तन वर्तमान विश्व में भारत को शक्ति का एक महत्वपूर्ण केन्द्र बनाते हैं।

जापान:-

★ एशिया महाद्वीप के पूर्व में स्थित एक द्वीपीय देश

★ परमाणु बम की विभीषिका झेलने वाला एकमात्र देश

★ जापान के संविधान के अनुच्छेद 9 के अनुसार अंतरराष्ट्रीय विवादों को सुलझाने में बल प्रयोग का हमेशा के लिए त्याग

जापान सत्ता के नए केंद्र के रूप में

★ जापान के पास प्राकृतिक संसाधन कम है और कच्चे माल का आयात करता है, इसके बावजूद उच्च प्रौद्योगिकी के उत्पाद बनाने में प्रसिद्ध है सोनी, पैनासोनिक होंडा, सुजुकी प्रसिद्ध जापानी ब्रांड है।

★ 1964 में जापान OECD का सदस्य बना।

★ जापान की अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

★ एशिया के देशों में अकेला जापान ही समूह 7 का सदस्य है।

★ आबादी के लिहाज से जापान का विश्व में 11वां स्थान है।

★ संयुक्त राष्ट्र संघ के बजट में अंशदान करने के लिहाज से जापान दूसरा सबसे बड़ा देश है।

★ सैन्य व्यय के लिहाज से विश्व में जापान का सातवां स्थान है।

★ 1951 से जापान का अमरीका के साथ सुरक्षा गठबंधन है।

दक्षिण कोरिया :-

★ कोरियाई प्रायद्वीप को द्वितीय विश्व युद्ध के अंत में दक्षिण कोरिया (रिपब्लिक ऑफ कोरिया) तथा उत्तरी कोरिया (डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कोरिया) में विभाजित किया गया था।

★ यह एशिया महाद्वीप में स्थित है।

★ रिपब्लिक ऑफ कोरिया (दक्षिण कोरिया) की राजधानी सियोल है, जहां से हान नदी होकर गुजरती है।

दक्षिण कोरिया सत्ता के नए केंद्र के रूप में :-

★ 1960 के दशक से 1980 के दशक के बीच दक्षिण कोरिया का आर्थिक शक्ति के रूप में तेजी से विकास हुआ जिसे "हान नदी पर चमत्कार" कहा जाता है।

★ 1996 में दक्षिण कोरिया OECD का सदस्य बना।

★ 2017 में दक्षिण कोरिया की अर्थव्यवस्था विश्व की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

★ मानव विकास रिपोर्ट 2016 के अनुसार विश्व में दक्षिण कोरिया का HDI रैंक 18वां है।

★ दक्षिण कोरिया के उच्चमानव विकास के लिए जिम्मेदार प्रमुख कारकों में सफल भूमि सुधार, ग्रामीण विकास, व्यापक मानव संसाधन विकास, तीव्र न्यायसंगत आर्थिक वृद्धि शामिल हैं।

★ सैन्य व्यय के लिहाज से विश्व में दक्षिण कोरिया का दसवां स्थान है।

★ दक्षिण कोरिया उच्च प्रौद्योगिकी के लिए प्रसिद्ध है। सैमसंग, एलजी, हुंडई भारत में प्रसिद्ध दक्षिण कोरियाई ब्रांड है।

एक अंकीय प्रश्न :-

प्र01 मार्शल योजना के तहत 1948 में किस संगठन की स्थापना हुई ?

प्र02 चीन में किस नेता ने और कब 'खुलेद्वार' की नीति अपनाई ?

प्र03 चीन के किस प्रधानमंत्री के समय में आधुनिकीकरण के चार प्रस्ताव रखे गये ?

प्र04 आसियान (ASEAN) का पूरा नाम लिखिए।

प्र05 यूरोपीय संघ का गठन कब और किस संधि के द्वारा हुआ था ?

प्र06 भारत ने आसियान के किन दो देशों के साथ मुक्त व्यापार का समझौता किया है ?

प्र07 आसियान ने 'आसियान शैली' द्वारा किन दो देशों का टकराव समाप्त किया ?

प्र08 'यूरो' मुद्रा को मानने का विरोध किन देशो ने किया ?

प्र09 कब और किस संधि द्वारा यूरोपीय समुदाय के देशों के बीच सीमा नियंत्रण समाप्त किया गया ?

प्र010 यूरोपीय संघ की मुद्रा का नाम लिखिए।

प्र011 दक्षेस की स्थापना कब की गई ?

a) 1984 b) 1985 c) 1986 d) 1987

प्र012 माओ के नेतृत्व में चीन में हुई क्रान्ति के बाद अपनाया गया आर्थिक मॉडल किस देश पर आधारित था ?

प्र013 निम्न कथनों के कौन सा असत्य है ?

i) आसियान की स्थापना 5 देशों ने मिलकर की है।

ii) वर्तमान में इसकी सदस्य संख्या 10 है।

iii) आसियान के कामकाज में राष्ट्रीय सार्वभौमिकता का सम्मान करना महत्वपूर्ण है।

iv) 1992 में आसियान क्षेत्रीय मंच की स्थापना की गई।

प्र014 चीन में कृषि का निजीकरण कब किया गया ?

प्र015 सोवितय संघ का उत्तराधिकारी... है।

प्र016 'हान नदी पर चमत्कार' किस देश के लिए प्रयोग किया जाता है?

प्र017 ब्रिक्स का 11 वां सम्मेलन 2019 में ....देश में हुआ।

दो अंकीय प्रश्न :-

प्र01 क्षेत्रीय संगठन का अर्थ बताइये?

प्र02 सत्ता के नए केन्द्र से क्या अभिप्राय है?

प्र03 मार्शल योजना क्या थी?

प्र04 आसियान के किन्हीं दो संस्थापक देशों का नाम लिखिए।

प्र05 1970 के दशक में चीन ने कौन से दो नीतिगत निर्णय लिए?

प्र06 1973 में चीनी प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने किन चार क्षेत्रों में आधुनिकीकरण के प्रस्ताव रखें?

प्र07 चीन द्वारा अपनाई गई खुले द्वार की नीति क्या थी?

प्र08 तिथि के हिसाब से इन सबको क्रम दें।

i) विश्व व्यापार संगठन में चीन का प्रवेश।

ii) चीन में खेती का निजीकरण।

iii) खुलेद्वार की नीति।

iv) राजनैतिक और आर्थिक एकांतवास की समाप्ति।

प्र09 सुमेलित कीजिए।

i) यूरोपीय आर्थिक सहयोग संगठन की स्थापना	क) डेनमार्क तथा स्वीडन
ii) बैंकॉक घोषणा द्वारा स्थापना	ख) फ्रांस व ब्रिटेन
iii) मुद्रा यूरो को मानने से इंकार	ग) मार्शल योजना
iv) संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य	घ) आसियान

प्र10 दक्षेस के उद्देश्यों का वर्णन करें।

प्र11 जापान को सत्ता के नए केन्द्र के रुप में देखा जाता है। उचित तर्कों के साथ इस कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।

चार अंकीय प्रश्न :-

1. एक आर्थिक समुदाय के रूप में बने यूरोपीय संघ ने एक राजनीतिक संगठन का रूप कैसे ले लिया? (IMP)
2. आसियान समुदाय के किन्हीं दो स्तम्भों और उनके उद्देश्यों के बारे में बताएँ।
3. क्षेत्रीय संगठनों के बनाने के मुख्य उद्देश्य क्या है?
4. बदली हुई चीनी अर्थव्यवस्था में व्याप्त किन्हीं चार कमियों पर प्रकाश डालिए।
5. ब्रिक्स की स्थापना के उद्देश्य लिखिए।
6. 'रूस वैश्विक पटल पर एक शक्तिशाली राज्य है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? तर्क सहित स्पष्ट करें।
7. यूरोपीय संघ को क्या चीजे एक कमजोर क्षेत्रीय संगठन बनाती है?
8. चीन की नई आर्थिक नीति ने किन चार तरीको से चीन की अर्थव्यवस्था को लाभ पहुँचाया हैं?
9. सत्ता के नए केन्द्रो द्वारा विभिन्न देशों में समृद्धशाली अर्थव्यवस्थाओं का रूप देने में निभाई गई भूमिका की व्याख्या कीजिए।
10. आसियान विजन 2020 की मुख्य विशेषताएँ क्या है? (IMP)

गद्यांश आधारित चार अंकीय प्रश्न :-

गद्यांश 1

1. **नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:**

   सोनी, पैनासोनिक, कैनन, सुजुकी, हौंडा और माजदा जैसे प्रसिद्ध जापानी ब्रांडो के नाम आपने जरूर सुने होंगे। उच्च प्रौद्योगिकी के उत्पाद बनाने के लिए इनके नाम मशहूर हैं। जापान के पास प्राकृतिक संसाधन कम है और वह ज्यादातर कच्चे माल का आयात करता है इसके बावजूद दूसरे विश्व युद्ध के बाद जापान ने बड़ी तेजी से प्रगति की। 2017 में जापान की अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी

सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आबादी के लिहाज से विश्व में जापान का स्थान ग्यारहवां है। परमाणु बम की विभीषिका झेलने वाला एकमात्र देश जापान है। जापान संयुक्त राष्ट्र संघ के बजट में 10% का योगदान करता है। संयुक्त राष्ट्र संघ के बजट में अंशदान करने के लिहाज से जापान दूसरा सबसे बड़ा देश है। 1951 से जापान का अमेरिका के साथ सुरक्षा- गठबंधन है। (1+1+1+1)

i) परमाणु बम की विभीषिका झेलने वाला विश्व का एकमात्र देश .... है।

a) अमेरिका b) जर्मनी c) जापान d) रूस

ii) 2017 में किस देश की अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है ?

a) फ्रांस b) जर्मनी c) इटली d) जापान

iii) जापान का किस देश के साथ सुरक्षा गठबंधन है ?

a) ऑस्ट्रेलिया b) चीन c) रूस d) अमेरिका

iv) आबादी के लिहाज से जापान को विश्व में कौन सा स्थान प्राप्त है ?

a) 10वां b) 11वां c) 12वां d) 13वां

प्र02 नीचे दिए गए मानचित्र में चार देशों को (A), (B), (C) तथा (D) द्वारा चिन्हित किया गया है। नीचे दी गई जानकारी के आधार पर इनकी पहचान कीजिए तथा उनके सही नाम, क्रम संख्या तथा संबधित अक्षर तालिका के रूप में अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए।

उपयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबधित अक्षर	देश का नाम
(i)		
(ii)		
(iii)		
(iv)		

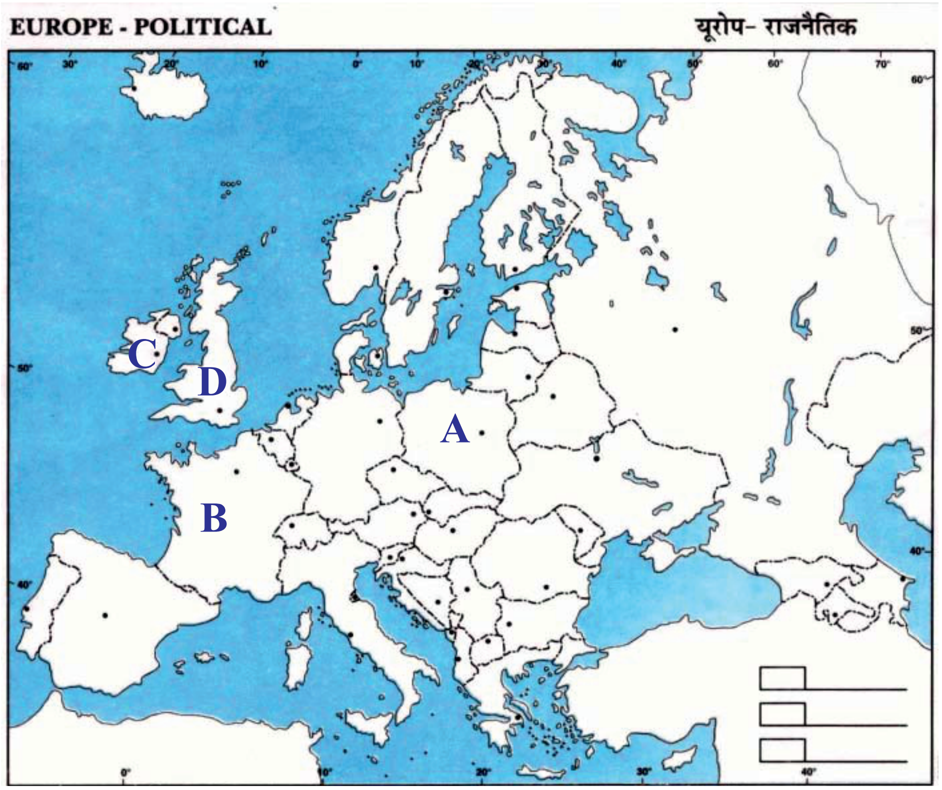

(i) यूरोपीय संघ का एक पुराना सदस्य देश।

(ii) यूरोपीय संघ का एक नया सदस्य देश।

(iii) यूरोपीय संघ का वह देश जो सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है।

(iv) वह देश जिसने 2016 में हुए जनमत संग्रह के पश्चात यूरोपीय संघ से अलग होने का निर्णय लिया।

कार्टून आधारित प्रश्न : (1+1+1+1=4)

नीचे दर्शाए गए कार्टून का अध्ययन कीजिए एवं कार्टून पर आधारित दिए गए प्रश्नों में उत्तर के सही विकल्प का चयन किजिए।

1. दिए गए कार्टून में साइकिल का प्रतीक किस देश की अर्थव्यवस्था को दर्शाता है ?

   a) भारत की अर्थव्यवस्था b) चीन की अर्थव्यवस्था

   a) अमेरिका की अर्थव्यवस्था b) जापान की अर्थव्यवस्था

2. साइकिल के आगे के पहिये में दिया गया प्रतीक चिन्ह किस विचारधारा को दर्शा रहा है ?

   a) साम्यवाद b) पूँजीवाद

   a) समाजवाद b) उदारवाद

3. साइकिल के पीछे के पहिये में दिया गया प्रतीक चिन्ह किस देश की मुद्रा को दर्शा रहा है ?

   a) चीन b) रूस की मुद्रा

   a) भारत की मुद्रा b) अमरीका

4. 1972 में चीन ने किस देश के साथ संबंध बनाकर अपना राजनैतिक और आर्थिक एकांतवास समाप्त किया ?

   a) अमरीका b) कनाडा a) जापान b) भारत

छः अंकीय प्रश्न :-

1. चीनी अर्थव्यवस्था की उन्नति के लिए उत्तरदायी कारकों की व्याख्या कीजिए? (IMP)
2. यूरोपीय संघ एक अधिराष्ट्रीय संगठन के रूप में कैसे उभरा? (M.IMP)
3. चीनी अर्थव्यवस्था की उन्नति का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
4. ''चीन तथा भारत बड़ी आर्थिक शक्तियों के रूप में उभर रहे हैं।'' क्या आप इससे सहमत हैं? कोई तीन तर्क देकर अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।
5. इजरायल किस प्रकार सत्ता के नए केन्द्र के रूप में उभर रहा है? वर्णन कीजिए।

एक अंकीय उत्तर :-

1. यूरोपीय आर्थिक सहयोग संगठन।
2. देंग श्याओपेंग, 1978
3. चाऊ एनलाई
4. एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशंस (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रो का संघ)
5. 1992, मास्ट्रिस्ट संधि द्वारा।
6. सिंगापुर और थाईलैंड।
7. कंबोडिया व पूर्वी तिमोर।
8. स्वीडन तथा डेनमार्क।
9. 1985, शांगेन संधि।
10. यूरो
11. b) 1985
12. सोवियत संघ।
13. iv) 1992 में आसियान क्षेत्रीय मंच की स्थापना की गई।
14. 1982 में।
15. रूस

16. दक्षिण कोरिया (रिपब्लिक ऑफ कोरिया)

17. ब्राजील

द्वि अंकीय उत्तर :-

1. क्षेत्रीय संगठन प्रभुसत्ता सम्पन्न देशों के स्वैच्छिक समुदायों की एक संधि है, जो निश्चित क्षेत्र के भीतर हो तथा उन देशों का सम्मिलित हित हो जिनका प्रयोजन उस क्षेत्र के संबंध में आक्रामक कार्यवाही न हो।

2. सोवियत संघ के विभाजन के बाद विश्व में अमेरिका का वर्चस्व कायम हो गया है। कुछ देशों के संगठनों का और राष्ट्रों का उदय सत्ता के नए केन्द्र के रूप में हुआ है। ये संगठन और राष्ट्र अमरीका के प्रभुत्व को सीमित करेंगे क्योंकि ये संगठन और राष्ट्र राजनीतिक तथा आर्थिक रूप से शक्तिशाली हो रहे है।

3. द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के पश्चात अमरीका ने यूरोप की अर्थव्यवस्था के पुर्नगठन के लिए जबरदस्त मदद की। इसे मार्शल योजना के नाम से जाना जाता है।

4. इण्डोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाइलैंण्ड । (कोई भी दो लिखें)

5. i) 1972 में अमरीका से राजनीतिक व आर्थिक संबंध बनाए।

   ii) 1978 में खुले द्वार की नीति की घोषणा की।

6. कृषि, उद्योग, सेना और विज्ञान-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र।

7. विदेशी पूँजी और प्रौद्योगिकी के निवेश से उच्चतर उत्पादकता को प्राप्त किया जाए।

8. (i) 4) 1972

   (ii) 3) 1978

   (iii) 2) 1982

   (iv) 1) 2001

9. (i) - ग

   (ii) - घ

   (iii) - क

(iv) - ख

10. (i) दक्षिण एशिया के लोगों के जीवन स्तर में वृद्धि

(ii) दक्षिण एशिया में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति व सांस्कृतिक उन्नति

(iii) दक्षिण एशिया में सामूहिक आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता बढ़ाना

(iv) आपसी समस्याओं का शांतिपूर्ण समाधान

11. जापान- सत्ता का नया केन्द्र में से उत्तर लिखिए

चार अंकीय उत्तर :-

1. i) सोवियत संघ के विघटन के बाद 1992 में यूरोपीय संघ का गठन।

ii) यूरोपीय संघ एक राज्य की भाँति है जिसका अपना झण्डा, गान एवं स्थापना दिवस है।

iii) यूरोपीय संसद के गठन के कारण।

iv) एक मुद्रा, समान विदेश एवं सुरक्षा नीति, न्याय एवं घरेलू मामलों पर आपसी सहयोग।

2. i) सुरक्षा समुदाय - आसियान सुरक्षा समुदाय क्षेत्रीय विवादों को सैनिक टकराव तक न ले जाने की सहमति पर आधारित है।

ii) आर्थिक समुदाय - इसका उद्देश्य आसियान देशों का साझा बाजार और उत्पादन आधार तैयार करना तथा इस क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में मदद करना है।

iii) सामाजिक सांस्कृतिक समुदाय - इसका उद्देश्य सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना, टकराव के स्थान पर आपसी सहयोग और बातचीत (कोई-2)।

3. i) सदस्य देशों में एकता की भावना का मजबूत होना।

ii) क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा।

iii) सदस्यों के बीच आपसी व्यापार को बढ़ाना।

iv) क्षेत्र में शांति और सौहार्द को बढ़ाना।

v) विवादों को आपसी बातचीत द्वारा निपटाना।

4. उत्तर स्मरणीय बिन्दुओं में देखें।

5. उत्तर स्मरणीय बिन्दुओं में देखें।

6. उत्तर स्मरणीय बिन्दुओं में देखें।

7. i) कभी-कभी सदस्य देशो द्वारा विदेश और रक्षानीति का एक दूसरे के खिलाफ प्रयोग करना।

   ii) एक संविधान बनाने का प्रयास असफल।

   iii) डेनमार्क व स्वीडन द्वारा मास्ट्रिस्ट संधि व यूरो का विरोध।

   iv) कई सदस्य देश अमरीकी गठबंधन में थे।

8. i) जड़ता को समाप्त करके खुलेद्वार की नीति

   ii) कृषि के निजीकरण से।

   iii) व्यापार के नए नियम और नए विशेष आर्थिक क्षेत्रों के निर्माण द्वारा

   iv) ग्रामीण अर्थव्यवस्था में निजी बचत का परिणाम बढ़ा।

9. i) एक ध्रुवीय विश्व में अमेरिकी वर्चस्व को सीमित करने के लिए सत्ता के नए केन्द्रों का होना आवश्यक है।

   ii) यूरोपीय संघ, आसियान, गुटनिरपेक्ष आन्दोलन तथा दक्षेस जैसे नए केन्द्रों ने क्षेत्रीय स्तर पर अधिक शांतिपूर्ण एवं समृद्धशाली अर्थव्यवस्था का रूप देने में सक्रिय भूमिका निभाई है।

10. i) अंर्तराष्ट्रीय समुदाय में आसिमान की बर्हिमुखी भूमिका को प्रमुखता दी गई है।

   ii) टकराव की जगह बातचीत को बढ़ावा देने की नीति

   iii) 1999 से नियमित रूप से वार्षिक बैठक आयोजित की गई है।

1. गद्यांश आधारित चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर

i) c, जापान   ii) d, जापान

iii) d, अमरीका   iv) b, 11वां

मानचित्र पर अधारित प्रश्न के उत्तर

उपयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबधित अक्षर	देश का नाम
(i)	C	आयरलैण्ड
(ii)	A	पौलैण्ड
(iii)	B	फ्रांस
(iv)	D	ब्रिटेन

कार्टून पर आधारित प्रश्न के उत्तर

1. b) चीन की अर्थव्यवस्था   2. a) साम्यवाद

3. d) अमरीका   4. a) अमरीका

छः अंकीय उत्तर :-

1. स्मरणीय बिंदु देखें।

2. i) सबसे पुराना संगठन जो इसे स्थायित्व और प्रभावकारी बनाता है।

   ii) समान राजनीतिक रूप जैसे-झंडा, गान, स्थापना दिवस और मुद्रा।

   iii) यूरोपीय संघ की सहयोग की नीति।

   iv) विश्व व्यापार में यूरोपीय संघ की हिस्सेदारी अमरीका से तीन गुना अधिक हैं।

   v) इसके पास विश्व की दूसरी सबसे बड़ी सेना है। उसका रक्षा बजट अमेरिका के बाद सबसे अधिक है।

   vi) इसका एक सदस्य देश फ्रांस, संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य है।

3. **पक्ष में :-**

   i) 1972 में राजनीतिक तथा आर्थिक एकांतवास की समाप्ति।

   ii) कृषि, सेना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में आधुनिकीकरण।

   iii) खुले द्वार की नीति।

   iv) कृषि तथा उद्योगो का निजीकरण।

विपक्ष में :-

i) सुधारों का लाभ सभी वर्गों को नहीं मिला।

ii) बेरोजगारी बढ़ी।

iii) महिलाओं के लिए रोजगार और काम के हालात ठीक नहीं है।

iv) पर्यावरण को नुकसान हुआ।

v) भ्रष्टाचार बढ़ा है।

4. **चीन के संदर्भ में**

★ वैश्विक स्तर पर चीन एक बड़ी आर्थिक शक्ति बन चुका है। जापान, अमरीका, रूस के साथ अपने मतभेदों को कुछ हद तक सुलझा लिया है।

  ★ लैटिन अमेरिका व अफ्रीकी देशों में निवेश।

  ★ विश्व व्यापार संगठन का सदस्य।

भारत के संदर्भ में

★ भारत परमाणु शक्ति से सम्पन्न है।

★ अंर्तराष्ट्रीय राजनीति में भी भारत की प्रमुख भूमिका है।

★ भारत ब्रिक्स का सदस्य देश है।

★ भारत ने कोविड महामारी में बांग्लोदश, भूटान आदि देशों को वैक्सीन भेजकर सहायता की और अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर महामारी की रोकथाम में सहायता की।

5. इज़राइल सत्ता का नया केन्द्र से उत्तर देखें।

अध्याय – 3

समकालीन दक्षिण एशिया

दक्षिण एशिया में संघर्ष और शांति के प्रयास और लोकतांत्रिकरणः पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव।

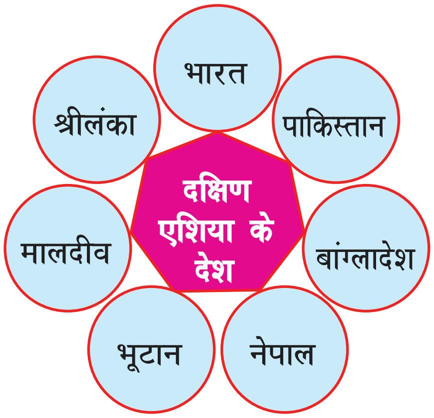

-- दक्षिण एशिया विश्व का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसमें शामिल सात देशों-भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका, तथा मालद्वीव के लिए दक्षिण एशिया पद का इस्तेमाल किया जाता है। इस क्षेत्र की चर्चा में अफगानिस्तान ओर म्यांमार को भी शामिल किया जाता है। दक्षिण एशिया के देशों में आपस में सहयोग ओर संघर्षो का दौर चलता रहता है।

-- चीन को दक्षिण एशिया का देश नहीं माना जाता।

-- उत्तर की विशाल हिमालय पर्वत श्रृंखला, दक्षिण का हिंद महासागर, पश्चिम का अरब सागर और पूरब में मौजूद बंगाल की खाड़ी दक्षिण एशिया को भौगोलिक विशिष्टता प्रदान करते हैं।

-- दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों में एक सी राजनीतिक प्रणाली नहीं हैः-

★ भारत और श्रीलंका में आजादी के बाद से लोकतंत्र है।

★ 1 अप्रैल 2022 को श्रीलंका में राष्ट्रपति गोतबया राजपक्षे द्वारा आपातकाल की घोषणा की गई।

★ पाकिस्तान और बांग्लादेश में कभी लोकतंत्र और कभी सैन्य शासन रहा है।

★ नेपाल में 2006 तक संवैधानिक राजतंत्र था और बाद में लोकतंत्र की बहाली हुई है।

★ भूटान 2008 में संवैधानिक राजतंत्र बना।

★ मालदीव सन् 1968 तक सल्तनत हुआ करता था। अब यहाँ लोकतंत्र है।

-- दक्षिण एशिया के लोग लोकतंत्र को अच्छा मानते है और प्रतिनिधिमूलक लोकतंत्र की संस्थाओं का समर्थन करते हैं।

-- दक्षिण एशिया के लोकतंत्र के अनुभवों से लोकतंत्र के बारे में प्रचलित यह भ्रम टूट गया कि 'लोकतंत्र सिर्फ विश्व के धनी देशों में फल-फूल सकता हैं।'

पाकिस्तानः-

-- पाकिस्तान की राजनीतिक व्यवस्था में सेना बहुत प्रभावशाली है। यही कारण है कि यहाँ बार-बार सैन्य शासन लोकतंत्र को कुचलता रहा है। ऐसा ही बांग्लादेश में भी हुआ है।

-- सर्वप्रथम देश की बागडोर जनरल अयूब खान ने ली फिर जनरल याहिया खान तत्पश्चात जनरल जिया-उल-हक और 1999 में जनरल परवेज मुशर्रफ ने जनता द्वारा निर्वाचित सरकार को हटाकर सैनिक शासन की स्थापना की।

-- कुछ समय के लिए अवश्य जुल्फिकार अली भूट्टो, बेनजीर भूट्टो तथा नवाज शरीफ के नेतृत्व में पाकिस्तान में लोकतांत्रिक सरकार कार्यरत रही। जून 2013 में नवाज शरीफ के नेतृत्व में पाकिस्तान में लोकतांत्रिक सरकार की स्थापना हुई परन्तु 2017 में उन्हें वित्तीय भ्रष्टाचार के मामले में पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दोषी ठहराया गया तथा पद से हटाते हुए दस साल की सजा का आदेश दिया।

-- जुलाई 2018 में पाकिस्तान में हुए आम चुनाव में इमरान खान के नेतृत्व में लोकतांत्रिक सरकार का गठन हुआ।

-- 11 अप्रैल 2022 को शहबाज शरीफ ने 23वें प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभला।

पाकिस्तान में लोकतंत्र के स्थायी ना रह पाने के कारण :-

1. यहां सेना, धर्मगुरु और भूस्वामी अभिजनों का सामाजिक दबदबा है जिसकी वजह से निर्वाचित सरकारों को गिराकर सैनिक शासन कायम हुआ।

2. पाकिस्तान की भारत के साथ तनातनी रहती है जिसकी वजह से सेना समर्थक समूह ज्यादा मजबूत है।

3. अंतरराष्ट्रीय समर्थन का भी अभाव है ।

4. अमेरिका तथा अन्य पश्चिमी देशों ने अपने स्वार्थों से गुजरे वक्त में पाकिस्तान में सैनिक शासन को बढ़ावा दिया है ।

पाकिस्तान में लोकतंत्र का जज्बा मजबूती से कायम रहने के कारण :-

1. पाकिस्तान में स्वतंत्र और साहसी प्रेस मौजूद है।

2. पाकिस्तान में मानवाधिकार आंदोलन भी काफी मजबूत है ।

नेपाल :-

-- नेपाल में लम्बे समय तक राजा और लोकतंत्र समर्थकों में जद्दोजहद चलती रही है। अब वहाँ की राजनीति में माओवादी भी बहुत प्रभावी हो गये हैं।

-- नेपाल में राजा की सेना, लोकतंत्र समर्थको और माओवादियों के बीच लम्बा संघर्ष चला।

-- 2008 में नेपाल राजतंत्र को समाप्त करने के बाद लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया।

-- 2015 में नया संविधान बनाया।

श्रीलंका :-

-- श्रीलंका को 1948 में स्वतंत्रता प्राप्त हुई। श्रीलंका एक सफल लोकतंत्र और सामाजिक, आर्थिक क्षेत्रों में अपनी अच्छी स्थिति के बावजूद सिंहली और तमिल समुदायों के जातीय संघर्ष का शिकार रहा है। सिहंली श्रीलंका के मूल निवासी थे तथा तमिल जो भारत से जाकर श्रीलंका में जा बसे।

-- यह संघर्ष मुख्य रूप से तमिलों द्वारा श्रीलंका में अलग राष्ट्र की मांग एवं संसाधनों पर अधिकार के लिए था, वहीं दूसरी ओर सिंहली समुदाय द्वारा लगातार उनकी इस मांग का विरोध किया जाता रहा।

-- वर्तमान में श्रीलंका गंभीर आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है।

-- 1987 में भारतीय सरकार श्रीलंका के तमिल मसले में प्रत्यक्ष रूप से शामिल हुई।

-- भारत सरकार ने श्रीलंका से एक समझौता किया और तमिलों के बीच रिश्ते सामान्य करने के लिए सेना को भेजा।

-- भारतीय सेना की उपस्थिति को श्रीलंका की जनता ने खास पसंद नहीं किया।

-- 1989 में भारत ने अपनी 'शांति सेना' बिना लक्ष्य प्राप्त किए वापिस बुला ली।

-- नार्वे और आइसलैंड जैसे स्केंडिनेविआई देशों ने अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थ की भूमिका निभाई।

-- अंततः सशस्त्र संघर्ष समाप्त हुआ क्योंकि 2009 में लिट्टे (LTTE) को खत्म कर दिया गया।

बांग्लादेशः-

★ 1947 से 1971 तक बांग्लादेश पाकिस्तान का अंग था।

★ 1947 से 1971 तक इसे पूर्वी पाकिस्तान के नाम से जाना जाता था।

★ अंग्रेजी राज के समय के बंगाल और असम के विभाजित हिस्सों से पूर्वी पाकिस्तान का यह क्षेत्र बना था।

★ इस क्षेत्र के लोग पश्चिमी पाकिस्तान के दबदबे और अपने ऊपर उर्दू भाषा को लादने के खिलाफ थे।

★ इस क्षेत्र के लोगों ने बंगाली संस्कृति और भाषा के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार के खिलाफ विरोध जताना शुरू कर दिया।

★ इस क्षेत्र की जनता ने राजनैतिक सत्ता में समुचित हिस्सेदारी की मांग उठाई।

★ इस क्षेत्र की जनता ने प्रशासन में भी अपने न्यायोचित प्रतिनिधित्व की मांग उठाई।

★ पश्चिमी पाकिस्तान के प्रभुत्व के खिलाफ जन संघर्ष का नेतृत्व शेख मुजीब उर रहमान ने किया।

★ 1970 के चुनावों में शेख मुजीबुर रहमान की नेतृत्व वाली आवामी लीग को पूर्वी पाकिस्तान की सारी सीटों पर विजय मिली।

★ आवामी लीग को संपूर्ण पाकिस्तान के लिए प्रस्तावित संविधान सभा में बहुमत हासिल हो गया।

★ लेकिन सरकार पर पश्चिमी पाकिस्तान के नेताओं का दबदबा था और सरकार ने इस सभा को आहूत करने से इंकार कर दिया।

★ शेख मुजीब को गिरफ्दार कर लिया गया।

★ जनरल याहिया खान के सैनिक शासन में पाकिस्तानी सेना ने पूर्वी पाकिस्तान की जनता के आंदोलन को कुचलने की कोशिश की।

★ हजारों लोग पाकिस्तानी सेना के हाथों मारे गए।

★ पूर्वी पाकिस्तान से बड़ी संख्या में लोग भारत पलायन कर गए।

★ भारत के सामने शरणार्थियों को संभालने की समस्या आन खड़ी हुई।

★ भारत की सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान के लोगों की आजादी की मांग का समर्थन किया और उन्हे वित्तीय और सैन्य सहायता दी।

★ परिणाम स्वरूप 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध छिड़ गया।

★ युद्ध की समाप्ति पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना के आत्मसर्पण तथा एक स्वतंत्र राष्ट्र बांग्लादेश के निर्माण के साथ हुई।

★ बांग्लादेश ने अपना संविधान बना कर उसमें अपने को एक धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक तथा समाजवादी देश घोषित किया।

★ बांग्लादेश में बहुदलीय चुनावों पर आधारित प्रतिनिधि मूलक लोकतंत्र कायम है।

मालदीवः–

★ मालदीव 1968 तक सल्तनत हुआ करता था।

★ 1968 में यह एक गणतंत्र बना और शासन की अध्यक्षात्मक प्रणाली अपनाई गई।

★ 2005के जून में मालदीव की संसद ने बहुदलीय प्रणाली को अपनाने के पक्ष में एक मत से मतदान दिया।

★ मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एम डी पी) का देश के राजनीतिक मामलों में प्रभुत्व है।

★ 2005 के चुनावों के बाद मालदीव में लोकतंत्र मजबूत हुआ है क्योंकि इस चुनाव में विपक्षी दलों को कानूनी मान्यता दे दी गई।

* मालदीव के साथ भारत के संबंध सौहार्दपूर्ण तथा गर्म जोशी से भरे हैं।
* 1988 में मालदीव में भाड़े के सैनिकों द्वारा किए गए षडयंत्र को नाकाम करने के लिए भारत ने वहाँ सेना भेजी।
* भारत ने मालदीव के आर्थिक विकास, पर्यटन और मत्स्य उद्योग में भी सहायता की है।

भारत और दक्षिण एशिया (भारत की दक्षिण एशिया क्षेत्र में भूमिका):-

1. दक्षिण एशिया के भूगोल में भारत बीच में स्थित है और बाकी देश भारत की सीमा के इर्द-गिर्द पड़ते हैं।
2. कुछ छोटे देशों का मानना है कि SAFTA की ओट लेकर भारत उनके बाजार में सेंध मारना चाहता है।
3. छोटे देशों को भय है कि भारत उनके समाज और राजनीति पर असर डालना चाहता है।
4. भारत का मानना है कि SAFTA से इस क्षेत्र के हर देश को लाभ होगा ।
5. भारत का मानना है कि इस क्षेत्र में मुक्त व्यापार बढ़ने मे राजनीतिक मसलों पर सहयोग ज्यादा बेहतर होगा ।
6. भारत नहीं चाहता है कि दक्षिण एशिया के देशों में अस्थिरता पैदा हो क्योंकि ऐसी स्थिति में बाहरी ताकतों को इस क्षेत्र में प्रभाव जमाने में मदद मिलेगी।

चीन और अमेरिका की दक्षिण एशिया की राजनीति में भूमिका:-

* चीन और अमेरिका की दक्षिण एशिया की राजनीति में अहम भूमिका है।
* पिछले कुछ वर्षों में भारत और चीन के संबंध बेहतर हुए हैं।
* चीन की रणनीतिक साझेदारी पाकिस्तान के साथ है, यह भारत चीन संबंधों में एक बड़ी कठिनाई है।
* अमरीका ने शीत युद्ध के बाद भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ संबंध बेहतर किए हैं।
* भारत और पाकिस्तान में आर्थिक सुधार हुए हैं और उदार आर्थिक नीतियां अपनाई गई हैं इससे दक्षिण एशिया में अमेरिकी भागीदारी बढ़ी है ।

★ इस क्षेत्र की जनसंख्या और बाजार दोनों का आकार बड़ा है अतः इस क्षेत्र की सुरक्षा और शांति के भविष्य से अमेरिका के हित भी बंधे हैं ।

एक अंक वाले प्रश्न :-

1. दक्षिण एशिया के एक देश का नाम लिखिए जिसमें संवैधानिक राजतंत्र हैं।
2. नेपाल राजतंत्र को खत्म करने के बाद लोकतांत्रिक गणराज्य कब बना?
3. IPKF का पूरा नाम लिखें।?
4. दक्षिण एशिया का वह कौन सा देश है जिसकी स्वतंत्रता में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है?
5. आपके अनुसार 21वीं शताब्दी में भारत पाकिस्तान में तनाव का प्रमुख कारण क्या है?
6. श्रीलंका को कब स्वतंत्रता प्राप्त हुई?
7. श्रीलंका में किन दो जातियों के मध्य संघर्ष रहा?
8. वाक्य को सही कर पुनः लिखें।

   1960 में विश्व बैंक की मदद से भारत और नेपाल ने सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए।
9. दक्षिण एशिया में मुक्त व्यापार बढ़ाने हेतु.............समझौता किया गया।
10. शेख मुजीब किस पार्टी से संबधित थे?
11. मालदीव में किस पार्टी का दबदबा है?
12. पूर्वी पाकिस्तान के जन-संघर्ष का प्रतिनिधित्व किसने किया?
13. दक्षिण एशिया में चारों तरफ भूमि से घिरे दो देशों के नाम बताएं।

दो अंक वाले प्रश्न :-

1. दक्षिण एशिया में सफल लोकतंत्र वाले किसी एक देश का नाम लिखिए और लोकतंत्र की सफलता का कोई एक कारण लिखिए।
2. दक्षिण एशिया से क्या अभिप्राय हैं?
3. दक्षिण एशिया के उन दो देशों के नाम लिखिए जिनमें लोकतंत्र व सैन्य शासन रहा है।

5. मालदीव में किस प्रकार की शासन प्रणाली है?

गद्यांश आधारित प्रश्न :-

1. निम्न गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़े तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें -

आजादी के बाद से श्रीलंका की राजनीति पर बहुसंख्यक सिंहली समुदाय के हितों की नुमांइदगी करने वालों का दबदबा रहा है। ये लोग भारत छोड़कर श्रीलंका आ बसी एक बड़ी तमिल आबादी के खिलाफ हैं। तमिलों का बसना श्रीलंका के आजाद होने के बाद भी जारी रहा। सिंहली राष्ट्रवादियों का मानना था कि श्रीलंका में तमिलों के साथ कोई रियायत नहीं बरती जानी चाहिए क्योंकि श्रीलंका सिर्फ सिंहली लोगों का है। तमिलों के प्रति उपेक्षा भरे बरताव से एक उग्र तमिल राष्ट्रवाद की आवाज बुलन्द हुई। 1983 के बाद से उग्र तमिल संगठन 'लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) श्रीलंकाई सेना के साथ सशस्त्र संघर्ष कर रहा है। इसने 'तमिल ईलम' यानी श्रीलंका के तमिलों के लिए एक अलग देश की माँग की है। (1+1+1+1=4)

i) आजादी से पहले श्रीलंका को किस नाम से जाना जाता था?

a) सिलोन b) जंबू द्वीप c) सिंहली द्वीप d) इनमें से कोई नहीं

ii) श्रीलंका को........................संघर्ष का सामना करना पड़ा।

a) सैनिक b) राजनैतिक c) भाषाई d) जातीय

iii) श्रीलंका की राजनीति में किस समुदाय का दबदबा हैं?

a) तमिल b) सिंहली c) मुरा d) इनमें से कोई नहीं

iv) श्रीलंका में चले संघर्ष के विषय में कौन सा कथन गलत है?

a) श्री लंका में राजनीति खुले तौर पर सिंहली समुदाय की पक्षधर थी।

b) तमिलों के हितों की अनदेखी की गई।

c) लिट्टे को सार्क देशों का समर्थन प्राप्त था।

d) श्रीलंका में राजनीतिक समानता नहीं थी।

चार अंक वाले प्रश्न :-

1. पाकिस्तान में लोकतंत्र को कमजोर करने वाले कारण लिखिए।
2. नेपाल में लोकतंत्र की स्थापना पर टिप्पणी लिखिए।
3. भारत द्वारा श्रीलंका में 'शांति सेना' भेजने का क्या उद्देश्य था?
4. पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान में बांग्लादेश) में असंतोष के क्या कारण थे?

मानचित्र आधारित प्रश्न :-

दिए गए मानचित्र में चार देशों को A,B,C तथा D से दर्शाया गया है। नीचे दी गयी जानकारी के आधार पर इन देशों की पहचान कीजिए और इनके सही नाम, प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या तथा संबधित अक्षर तालिका के रूप में अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए। (1+1+1+1=4)

क्रम संख्या एवं दी गई जानकारी	वर्णमाला का अक्षर	देश का नाम

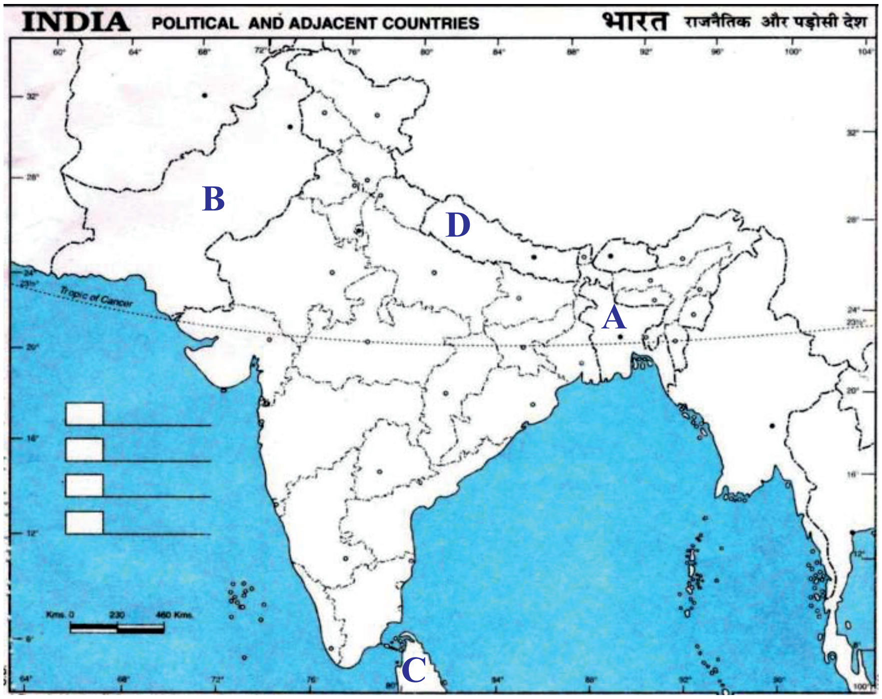

i) चारों ओर स्थल से घिरा देश।

ii) वह देश जहाँ जातीय संघर्ष हुआ।

iii) वह देश जहाँ आजादी के बाद अधिकांश समय तक सैनिक शासन रहा।

iv) 1971 में एक स्वतंत्र देश बना।

कार्टून आधारित प्रश्न :-

नीचे दिए गए कार्टून का अध्ययन कीजिए एवं इस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर के विकल्प का चयन कीजिए। (1+1+1+1=4)

i) उपरोक्त कार्टून किस देश से संबधित है ?

a) बांग्लादेश b) नेपाल c) पाकिस्तान d) श्रीलंका

ii) दिए गए चित्र में बाघ किस समुदाय का प्रतिनिधित्व कर रहा हैं ?

a) सिंहली b) तमिल c) बौद्ध d) मुस्लिम

iii) दिए गए चित्र में दिखाए गए व्यक्ति कौन है ?

a) प्रभाकरण b) मंहिद्रा राजपक्षे

c) राजीव गाँधी d) जयवर्धने

iv) निम्नलिखित में से किस संगठन ने श्रीलंकाई सेना के साथ सशस्त्र संघर्ष किया ?

a) अलकायदा b) लिट्टे (LTTE)

c) लश्करे तयैबा d) हमास

छः अंक वाले प्रश्न :-

1. दक्षिण एशिया की राजनीति में चीन तथा अमरीका की भूमिका का वर्णन कीजिए।
2. श्रीलंका के जातीय संघर्ष का उल्लेख कीजिए। (IMP)
3. दक्षिण एशिया के अपेक्षाकृत छोटे देशों के भारत के प्रति आशंका भरे व्यवहार के क्या कारण हैं ?
4. दक्षिण एशिया के क्षेत्र में शान्ति और सहयोग को कैसे बढ़ाया जा सकता है ? स्पष्ट कीजिए।

एक अंक वाले प्रश्नों के उत्तर संकेत :-

1. भूटान
2. सन् 2008 में
3. भारतीय शांतिसेना (Indian Peace Keeping Force)
4. बांग्लादेश
5. आतंकवाद
6. 1948
7. सिंहली एवं तमिल
8. 1960 में विश्व बैंक की सहायता से भारत और पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए।
9. SAFTA
10. आवामी लीग
11. मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी

12. शेख मुजीबुर्रहमान

13. नेपाल, भूटान

दो अंक वाले प्रश्नों के उत्तर संकेत :-

1. भारत, लोकतंत्र की प्राप्ति के लिए स्वाधीनता संग्राम के दौरान एक लंबा संघर्ष किया।

2. भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका एवं मालदीव को दक्षिण एशिया के देश माना जाता है। कुछ लोग अफगानिस्तान एवं म्यांमार को भी इस क्षेत्र में सम्मिलित करते हैं। चीन दक्षिण एशिया का भाग नहीं माना जाता है।

3. -- पाकिस्तान

   -- बांग्लादेश

4. लोकतांत्रिक

गद्यांश आधारित प्रश्नों के उत्तरः-

1	(a)	सिलोन	2	(d)	जातीय
3	(b)	सिंहली	4	(c)	लिट्टे को सार्क देशों का समर्थन प्राप्त था।

चार अंक वाले प्रश्नों के उत्तर संकेत :-

1. -- राजनीति में सेना का हस्तक्षेप

   -- राजनीति में कट्टरपंथी, धार्मिक नेताओं का दबदबा

   -- विदेशी ताकतों का हस्तक्षेप

   -- राजनीतिक दलों एवं नेताओं के संकीर्ण स्वार्थ इत्यादि

2. -- लोकतंत्र समर्थक आंदोलन के दवाब में राजा ने 1990 में लोकतंत्रिक संविधान की माँग मानी।

   -- 1990 के दशक में राजा की सेना, लोकतंत्र समर्थकों और माओवादियों के बीच त्रिकोणीय संघर्ष।

   -- 2002 में राजा ने संसद भंग की।

-- 2008 में नेपाल राजतंत्र को खत्म कर लोकतांत्रिक गणराज्य बना।

3. श्रीलंका की समस्या भारतवंशी तमिल लोगों से जुड़ी है। भारत की तमिल जनता का भारतीय सरकार पर दबाव था कि वह श्रीलंकाई तमिलों के हितों की रक्षा करें। भारत की सरकार ने श्रीलंका से एक समझौता किया तथा श्रीलंका सरकार और तमिलों के बीच रिश्ते सामान्य करने के लिए भारतीय सेना को भेजा। भारतीय सेना की उपस्थिति को श्रीलंका की जनता ने पसंद नहीं किया। उन्होने समझा कि भारत श्रीलंका के अंदरूनी मामलों में दख़लअंदाजी कर रहा है। 1989 में भारत ने अपनी शांति सेना लक्ष्य हासिल किए बिना वापस बुला ली।

4. 1947 से 1971 तक बांग्लादेश पाकिस्तान का अंग था। इस क्षेत्र के लोग पश्चिमी पाकिस्तान के दबदबे और अपने ऊपर उर्दू भाषा को लादने के खिलाफ थे। पाकिस्तान के निर्माण के तुरंत बाद ही यहां के लोगों ने बंगाली संस्कृति और भाषा के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार के खिलाफ विरोध जताना शुरू कर दिया। इस क्षेत्र की जनता ने प्रशासन में अपने न्यायोचित प्रतिनिधित्व तथा राजनीतिक सत्ता में समुचित हिस्तेदारी की मांग भी उठाई।

मानचित्र आधारित प्रश्न के उत्तर

क्रम संख्या	अक्षर	देश
(i)	D	नेपाल
(ii)	C	श्रीलंका
(iii)	B	पाकिस्तान
(iv)	A	बांग्लादेश

कार्टून आधारित प्रश्न के उत्तर संकेत :-

i) d) श्रीलंका

ii) b) तमिल

iii) b) जयवर्धने

iv) b) लिट्टे (LTTE)

छः अंक वाले प्रश्नों के उत्तर संकेत :-

1. चीन और अमरीका की दक्षिण एशिया में भूमिका वाले पृष्ठ से उत्तर लिखिए

2. -- बहुसंख्यक सिंहली और अल्पसंख्यक तमिल समुदायों में संघर्ष।
   -- लिट्टे द्वारा तमिलों को अधिकार दिलवाने के प्रयास
   -- उग्र तमिलों द्वारा स्वतंत्र राज्य की माँग
   -- श्रीलंका सरकार द्वारा सख्ती
   -- 1987 में राजीव-जयवर्धने समझौता
   -- श्रीलंका में भारत द्वारा शांति सेना को भेजना
   -- नार्वे की मध्यस्थता में शांति स्थापना के प्रयास इत्यादि।

3. -- विशाल आकार
   -- भौगोलिक विशिष्टता
   -- अत्यधिक जनसंख्या
   -- विशालकाय अर्थव्यवस्था
   -- बड़ी सैन्य शक्ति
   -- प्रौद्योगिकी (तकनीक) में बाकी से आगे
   -- अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान।
   -- भारत के बारे में दुष्प्रचार (चीन, पाकिस्तान, पश्चिमी मीडिया आदि के द्वारा)
   -- परमाणु शक्ति संपन्न

4. दक्षिण एशिया में बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, और श्रीलंका को शामिल किया जाता है।

   मेरे विचार से इस क्षेत्र में शांति और सहयोग को बढ़ाया जा सकता हैः

   i) दक्षिण एशिया के यह सभी देश मुक्त व्यापार पर सहमत हो।

   ii) दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार क्षेत्र समझौते के पीछे यही भावना है।

   iii) यह सभी देश अपनी विवाद शांतिपूर्ण प्रयासों द्वारा हल करें।

iv) गैर इलाकाई शक्तियों को इस क्षेत्र से अलग रखने का प्रयास करना चाहिए।

v) एकीकृत बाजार का गठन करें और आपसी व्यापार में वृद्धि करें।

vi) सीमा विवादों को द्विपक्षीय वार्ता से हल करें।

v) किसी भी प्रकार की आतंकवादी गतिविधियों पर पूर्णतः पावंदी हो।

अध्याय – 4

संयुक्त राष्ट्र संघ और इसके संगठन

मुख्य अंग, मुख्य एजेंसियाँ- UNESCO, UNICEF, WHO, ILO, सुरक्षा परिषद और इसके विस्तार की आवश्यकता।

★ अंतर्राष्ट्रीय संगठन अपने उद्देश्यों में व्यापक होते हैं। जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विवादों के समाधान तथा शांति व सुरक्षा स्थापित करने में व विभिन्न देशों के मध्य सौहार्दपूर्ण वातावरण का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की आवश्यकता

1. अंतर्राष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्ण समाधान।
2. युद्धों की रोकथाम में सहायक।
3. विश्व के आर्थिक विकास में सहायक।
4. प्राकृतिक आपदा, महामारी से निपटना।
5. अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना।
6. वैश्विक तापवृद्धि से निपटना।

★ प्रथम विश्व युद्ध के बाद युद्ध रोकने के लिए बनी संस्था राष्ट्रसंघ (लीग-आफ-नेशन्स) के असफल होने के कारण एवं 1939 से 1945 तक चले द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा स्थापित करने के लिए पुनः एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की आवश्यकता महसूस की गई। अतः 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की गई। स्थापना के समय संयुक्त राष्ट्र संघ में 51 सदस्य थे, भारत भी इसके संस्थापक सदस्यों में शामिल था। मई 2013 तक इसके सदस्यों की संख्या 193 हो गयी है। 193वाँ सदस्य दक्षिणी सूडान है।

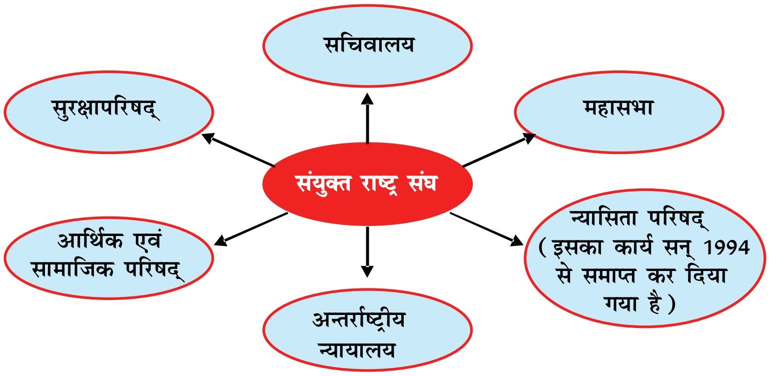

अंगो के नाम	सदस्य संख्या	मुख्यालय	उद्देश्य
सुरक्षा परिषद्	5 स्थायी + 10 अस्थायी	न्यूयार्क	शान्ति एवं सुरक्षा कायम रखना। सैन्य कार्यवाही करना।
महासभा	193	न्यूयार्क	सदस्य प्रवेश व निलम्बन एवं बजट पारित करना।
ट्रस्टीशिप काउंसिल	14	न्यूयार्क	विशेष क्षेत्रों की सामाजिक, आर्थिक उन्नति 1994 में पलाऊ के स्वतंत्र होने पर स्थगित।
अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय	15 न्यायाधीश	हेग	देशों के पारस्परिक विवाद आपसी झगड़े क्षेत्रीय व सीमा विवाद पर विचार।
सचिवालय	महासचिव + अन्य कर्मचारी	न्यूयार्क	संयुक्त राष्ट्र के नित्य कार्यों का संचालन
आर्थिक एवं सामाजिक परिषद्	57	न्यूयार्क	आर्थिक, सामाजिक, शिक्षा स्वास्थ्य पर विचार कर महासभा को रिपोर्ट भेजेगा।

★ इसका सबसे शक्तिशाली अंग सुरक्षा परिषद् है इससे कुल 15 सदस्य है इसमें पांच स्थायी सदस्य (अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन) तथा दस अस्थायी सदस्य है जो दो वर्षो की अवधि के लिए चुने जाते है। स्थायी सदस्यों को वीटो (निषेधाधिकार) की शक्ति प्राप्त है।

★ शीत युद्ध के बाद से ही संयुक्त राष्ट्र में इसके ढाँचे एवं कार्य करने की प्रक्रिया दोनों में सुधार की मांग जोर पकड़ने लगी। सुरक्षा परिषद् में स्थायी व अस्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर बल दिया गया। इसके अतिरिक्तगरीबी, भूखमरी, बीमारी, आतंकवाद पर्यावरण मसले एवं मानवाधिकार आदि मुद्दो पर संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को ओर अधिक सक्रिय बनाने पर बल दिया गया।

★ महासचिव संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रतिनिधि होता है। वर्तमान महासचिव का नाम **एंटोनियो गुटेरेस (पुर्तगाल)** है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव

क्र.सं.	नाम	संबधित देश	कार्यकाल
1.	ट्राइग्व ली	नार्वे	1946-1952
2.	डेग हैमरशोल्ड	स्वीडन	1953-1961
3.	यू थांट	बर्मा (म्यांमार)	1961-1971
4.	कुर्त वाल्डहीम	ऑस्ट्रेलिया	1972-1981
5.	जेवियर पेरेज द कूइयार	पेरू	1982-1991
6.	बुतरस बुतरस घाली	मिस्त्र	1992-1996
7.	कोफी ए. अन्नान	घाना	1997-2006
8.	बान की मून	दक्षिण कोरिया	2007-2016
9.	ऐटोनियो गुटेरेस	पुर्तगाल	2017-वर्तमान

★ भारत संयुक्त राष्ट्र संघ के कार्यक्रमों में अपना योगदान लगातार देता रहा है। चाहे वह शांति सुरक्षा का विषय हो, निःशस्त्रीकरण हो, दक्षिण कोरिया संकट हो, स्वेज नहर का मामला हो या इराक का कुवैत पर आक्रमण हो। इसके अतिरिक्त, मानवाधिकारों की रक्षा, उपनिवेशवाद व रंगभेद का विरोध तथा शैक्षणिक आर्थिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में भी भारत की भूमिका बनी रहती है।

★ **संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रमुख एजेन्सियाँ**

1) विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)
2) संयुक्त राष्ट्र, शैक्षिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)
3) संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (UNICEF)
4) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)
5) संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग (UNHRC)
6) संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग (UNHCR)
7) संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (UNCTAD)

★ **संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्य एवं सिद्धान्त**

1) अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति व सुरक्षा को बनाये रखना।

2) राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधो को बढ़ाना।

3) आपसी सहयोग द्वारा आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा मानवीय ढंग की अन्तर्राष्ट्रीय समस्याओं को हल करना।

4) अंतर्राष्ट्रीय संधियों एवं अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को सम्मानपूर्वक लागू करवाना।

5) राष्ट्रों की प्रादेशिक अखंडता और राजनीति स्वतंत्रता का आदर करना।

★ **संयुक्त राष्ट्र संघ को एक ध्रुवीय विश्व में अधिक प्रासंगिक बनाने के उपाय।**

1) शांति संस्थापक आयोग का गठन।

2) मानवाधिकार परिषद की स्थापना।

3) सहस्त्राब्दि विकास लक्ष्य को प्राप्त करने पर सहमति।

4) एक लोकतंत्र कोष का गठन।

5) आतंकवाद के सभी रूपों की भर्त्सना।

1. संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) 4 नवंबर 1946 को स्थापित किया गया था। फ्रांस के पेरिस में अपने मुख्यालय के साथ, यूनेस्को संयुक्त राष्ट्र का एक विशेष निकाय है जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा, प्राकृतिक विज्ञान, समाज तथा मानव विज्ञान संस्कृति तथा संचार को प्रोन्नत करना है। विगत अनेक वर्षो के मध्य, यूनेस्को द्वारा सदस्य देशों के मध्य साक्षरता के प्रसार, तकनीकी व शैक्षिक प्रशिक्षण तथा स्वतंत्र मीडिया आदि के प्रसार के लिए विशिष्ट कार्य किए गए हैं।

★ स्थापनाः– 4 नवम्बर 1946

★ मुख्यालयः– पेरिस (फ्रांस)

★ महानिदेशकः– ऑड्रे अजोले

★ सदस्य देशः– 193

यूनेस्को के उद्देश्यः-

- ★ शिक्षा विज्ञान संस्कृति और संचार को बढ़ावा देना
- ★ सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देना
- ★ परस्पद संवाद और शांति की संस्कृति को बढ़ावा देना

2. **संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (UNICEF, 1946)**

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की स्थापना संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1946 में एक निकाय के रूप में की गई थी। इसका मुख्य कार्य बच्चों के लिए आपातकालीन निधि एकत्रित करना तथा संपूर्ण विश्व में उनके विकास के कार्यों में सहायता करना है। इसके अतिरिक्त, यूनिसेफ विश्व के समस्त भागों में बच्चों के स्वास्थ्य तथा उत्तम जीवन को सुनिश्चित करने वाले कार्यों में सहायता तथा प्रोत्साहन देता है। संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयार्क में अपने मुख्यालय के साथ यूनिसेफ विश्व के लगभग सभी 193 देशों में सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है।

1953 में संगठन ने अपना नाम बदलकर संयुक्त राष्ट्र बाल कोष कर लिया।

- ★ स्थापनाः- 1946
- ★ मुख्यालयः- न्यूयोर्क (अमेरिका)
- ★ महानिदेशकः- हेनरीटा फोर

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ़) के उद्देश्यः-

- ★ बच्चों के लिए आपातकालीन निधि एकत्रित करना
- ★ शैक्षिक बुनियादी ढाँचा प्रदान करना
- ★ विकासशील दुनिया में बाल जन्म दर को बढ़ाना
- ★ शिक्षा के माध्यम से लैंगिक समानता को स्थापित करना
- ★ हिंसा और दुरूपयोग से बच्चों का संरक्षण करना
- ★ विभिन्न रोगों से शिशुओं का टीकाकरण करना
- ★ बच्चों को पर्याप्त पोषण
- ★ सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था

★ कोविड-19 महामारी के कारण बच्चों को हुए शैक्षिक नुकसान को कम करने का प्रयास

3. **विश्व स्वास्थ्य संगठन (W.H.O.)**

★ स्थापनाः- 7 अप्रैल 1948

★ मुख्यालयः- जिनेवा (स्विट्ज़रलैंड)

★ वर्तमान महानिदेशकः- डॉक्टर टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस

विश्व स्वास्थ्य संगठन के कार्यः-

★ सभी संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण

★ जैव चिकित्सा अनुसंधान

★ अन्य संगठनों के साथ सहयोग

★ व्यापक स्वास्थ्य सेवाओं का विकास

★ महामारियो का उन्मूलन

★ पारिवारिक स्वास्थ्य

★ वर्तमान परिपेक्ष्य में कोविड-19 महामारी को रोकना, पता लगाना और वैश्विक टीकाकरण अभियान की निगरानी।

4. **अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (I.L.O)**

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आई.एल.ओ.) संयुक्त राष्ट्र संघ का एक निकाय है जिसकी स्थापना स्विटज़रलैंड के जिनेवा में अक्टूबर 1919 में की गई थी। इसका उद्देश्य सामाजिक न्याय की कुशल स्थितियों को प्रोन्नत करने तथा अंतर्राष्ट्रीय श्रम मानकों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर श्रमिकों के लिए कार्य करना है। इसके अतिरिक्त महिलाओं तथा पुरूष श्रमिकों को उत्पादक कार्य में संलग्न करने के लिए प्रोत्साहन तथा कार्य स्थल पर उनके लिए सुरक्षा समता तथा स्वाभिमान की स्थिति बनाना भी इसी संगठन के कार्य हैं।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (I.L.O.) के मुख्य कार्यः-

★ सामाजिक न्याय की कुशल स्थितियों को बढ़ावा देना

★ वैश्विक स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय मानकों के माध्यम से श्रमिकों के लिए काम करना

★ श्रमिकों के लिए सुरक्षा, समानता और सम्मानजनक स्थिति को बनाना

★ रोज़गार के अच्छे अवसर प्रोत्साहित करना

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और इसके विस्तार की आवश्यकता

सुरक्षा परिषद का गठन 1945 में किया गया था। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत सुरक्षा परिषद की प्राथमिक ज़िम्मेदारी अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा का रखरखाव है इसमें कुल 15 सदस्य हैं जिनमें 5 स्थाई और 10 गैर स्थाई सदस्य है। भारत ने जनवरी 2021 से सुरक्षा परिषद के गैर स्थायी सदस्य के रूप में आठवीं बार अपना कार्यकाल प्रारम्भ किया है। मौजूदा स्थाई सदस्यों में प्रत्येक के पास सुरक्षा परिषद के निर्णयों पर वीटो का अधिकार है। सुरक्षा परिषद का एकमात्र सुधार 1965 में हुआ था। तब इसमें अस्थाई सदस्यों की संख्या 6 से बढ़ाकर 10 की गई।

सुरक्षा परिषद के विस्तार की आवश्यकताः-

1992 में संयुक्त राष्ट्रसंघ की आम सभा में एक प्रस्ताव स्वीकृत हुआ। यह प्रस्ताव सुरक्षा परिषद के विस्तार की आवश्यकता को भी दर्शाता है। इसके अनुसार-

1- सुरक्षा परिषद अब राजनीतिक वास्तविकताओं की नुमाइंदगी नहीं करती।

2- इसके फैसलों पर पश्चिमी मूल्यों और हितों की छाप होती है। और इन फैसलों पर चंद देशों का दबदबा होता है।

3- सुरक्षा परिषद में बराबर का प्रतिनिधित्व नहीं है।

इन मांगों के फलस्वरूप एक जनवरी 1997 को संयुक्त राष्ट्रसंघ के उस समय के महासचिव कोफ़ी अन्नान ने जांच शुरू कराई कि सुधार कैसे कराए जाएँ। इसके बाद के सालों में सुरक्षा परिषद की स्थायी और अस्थाई सदस्यता के लिए निम्नलिखित मानदंड सुझाए गए-

-- आबादी के दृष्टिकोण से बड़ा राष्ट्र।

-- स्थिर लोकतंत्र व मानवाधिकारों के प्रति निष्ठा।

-- उभरती हुई आर्थिक ताकत।

-- संयुक्त राष्ट्र संघ के बजट में लगातार योगदान।

-- शांति बहाली में योगदान

-- ऐसा देश जो लोकतंत्र और मानवाधिकारों का सम्मान करता हो।

-- ऐसा देश अपने भूगोल, अर्थव्यवस्था और संस्कृति के लिहाज से विश्व की विविधता की नुमाइंदगी करता हो।

संक्षेप में, सभी विकसित व विकासशील देश सुरक्षा परिषद में सुधार का समर्थन करते हैं और इसके स्थाई व अस्थाई सदस्यों की संख्या में वृदधी करना चाहते हैं। परंतु, विकसित देशों का मानना है कि विकासशील देश संयुक्त राष्ट्रसंघ के बजट में अपना अंशदान अधिक करें और नए स्थायी सदस्यों को वीटो का अधिकार देने पर उनकी सहमति नहीं है। जबकि विकासशील देश स्थायी सदस्यता के साथ ही वीटो के अधिकार की भी मांग करते हैं।

★ 1 जनवरी 2021 से भारत ने आठवीं बार सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में अपना कार्यभार प्रारंभ किया है। भारत को कुल 184 वोट प्राप्त हुए।

अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ व गैर सरकारी संगठनः-

संयुक्त राष्ट्र संघ के अतिरिक्त कई अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएँ एवं गैर सरकारी संगठन है जो निरन्तर अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने में लगे है जैसेः-

1) **अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)** .. वैश्विक स्तर पर वित्त व्यवस्था की देख-रेख एवं वित्तीय तथा तकनीकी सहायता मुहैया कराना।

2) **विश्व बैंक (WB)** -मानवीय विकास (शिक्षा, स्वास्थ्य) कृषि और ग्रामीण विकास, पर्यावरण सुरक्षा, आधारभूत ढाँचा तथा सुशासन के लिए काम करता है।

3) **विश्व व्यापार संगठन (WTO)** - यह अंतर्राष्ट्रीय संगठन वैश्विक व्यापार के नियमों को तय करता है।

4) **अंतर्राष्ट्रीय आण्विक उर्जा एजेन्सी (IAEA)** - यह संगठन परमाण्विक उर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने और सैन्य उद्देश्यों में इसके इस्तेमाल को रोकने की कोशिश करता है।

5) **एमनेस्टी इंटरनेशनल :-** यह एक स्वयंसेवी संगठन है। यह पूरे विश्व में मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अभियान चलाता है।

6) **ह्यूमन राइटस वॉच** :- यह स्वयंसेवी संगठन भी मानवाधिकारों की वकालत और उनसे संबंधित अनुसंधान करने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवी संगठन है।

7) **अन्तर्राष्ट्रीय रेड क्रास सोसायटी** :- यह सोसायटी युद्ध और आंतरिक हिंसा के सभी पीड़ितों की सहायता तथा सशस्त्र हिंसा पर रोक लगाने वाले नियमों को लागूकरने का प्रयास करता है।

8) **ग्रीनपीस** :- 1971 के स्थापित ग्रीन पीस फाउण्डेशन विश्व समुदाय को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु कानून बनाने के लिए दबाव डालने का कार्य करती है।

★ हालांकि संयुक्त राष्ट्र संघ में थोड़ी कमियाँ अवश्य है, लेकिन बिना इसके दुनिया और बदहाल होगी। संयुक्त राष्ट्र संघ एवं उपरोक्त वर्णित सभी आर्थिक संस्थाओं एवं गैर सरकारी संगठनों ने पारस्परिक निर्भरता को बढ़ाया है। जिससे की संस्थाओं की उत्तरदायित्वता भी बढ़ती जा रही है। इसलिए आने वाली सरकारों को संयुक्त राष्ट्र एवं इन अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के समर्थन एवं उपयोग के तरीके तलाशने होगें।

-- **एक अंक वाले प्रश्न** :-

1) संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना कब हुई?

2) संयुक्त राष्ट्र संघ की घोषणापत्र पर कितने देशों ने हस्ताक्षर किये?

3) भारत UNO का सदस्य कब बना?

4) वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य देशों की संख्या कितनी है?

5) UNO के वर्तमान महासचिव का नाम बताइये।

6) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय कहाँ स्थित है?

7) IAEA का विस्तृत रूप लिखे।

8) संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रमुख उद्देश्य बताइये।

9) विश्व व्यापार संगठन की स्थापना कब हुई?

10) प्रथम विश्व युद्ध के बाद, युद्ध रोकने के लिए कौन सा अंतर्राष्ट्रीय संगठन बनाया गया?

11) UNHRC का विस्तृत रूप लिखे।

12) विश्व बैंक की औपचारिक स्थापना कब हुई ?

13) संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में................स्थायी और ....अस्थायी सदस्य हैं।

14) UNESCO का विस्तृत रूप लिखे।

15) किस चार्टर के अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की गई।

16) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का कोई एक कार्य बताइए।

17) संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना.......................... के उत्तराधिकारी के रूप में की गई।

18) संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?

i) नई दिल्ली

ii) न्यू यॉर्क

iii) लंदन

iv) मास्को

19) निम्नलिखित में से किस देश को जून 2020 में सुरक्षा परिषद (U.N.) में अस्थायी सदस्यता प्राप्त हुई है ?

i) भारत

ii) चीन

iii) नेपाल

iv) फ्रांस

20) UNICEF को नोबेल का शांति पुरस्कार किस वर्ष दिया गया ?

i) 1960

ii) 1965

iii) 1970

iv) 1975

21) निम्नलिखित में से कौन सी संस्था श्रमिकों के बीच अनुचित भेदभाव के लिए कार्य करती है ?

i) विश्व स्वास्थ्य संगठन

ii) अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक संघ

iii) सुरक्षा परिषद्

iv) उपरोक्त में कोई नहीं

22) विश्व स्वास्थ्य संगठन का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?

i) जिनेवा

ii) न्यू यॉर्क

iii) नई दिल्ली

iv) पेरिस

23) सुरक्षा परिषद् के सदस्यों की संख्या के सन्दर्भ में सही विकल्प चुनिए।

i) 10 स्थायी - 5 अस्थायी

ii) 10 स्थायी - 5 अस्थायी

iii) 5 स्थायी - 15 अस्थायी

iv) 5 स्थायी - 10 अस्थायी

24) दिए गए वाक्य के लिए सही या गलत को चुनिए

''संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में केवल स्थायी सदस्यों के पास वीटो पावर का अधिकार है।

i) सही

ii) गलत

25) निम्नलिखित में से कौन संयुक्त राष्ट्र संघ के अंतर्गत एक प्रमुख अंग नहीं है ?

i) महासभा

ii) सुरक्षा परिषद्

iii) अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय

iv) यूरोपियन संघ

26) संयुक्त राष्ट्र के वर्तमान महासचिव कौन हैं ?

i) बान की मून

ii) कोफ़ी अन्नान

iii) ट्रीगवे ली

iv) एंटोनियो गुतेर्रेस

27) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में अस्थायी सदस्य के रूप में भारत को कितनी बार चुना गया है ?

i) 7 बार

ii) 8 बार

iii) 9 बार

iv) 10 बार

दो अंक वाले प्रश्न

1) निषेधाधिकार किसे कहते है ?

2) विश्व बैंक के कोई दो मुख्य कार्य बताइए।

3) सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों के नाम लिखिये।

4) मानवाधिकारों की रक्षा में सक्रिय दो स्वयं सेवी संगठन कौन से है ?

5) विश्व व्यापार संगठन के कोई दो कार्य बताइए।

6) सुम्मेलित कीजिए :-

i) 24 अक्टूबर 1945	ए) अटलांटिक चार्टर
ii) 10 दिसम्बर 1948	बी) माल्टा सम्मेलन
iii) फरवरी 1945	सी) संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना
iv) अगस्त 1941	डी) मानवाधिकारों की घोषणा

7) सुम्मेलित कीजिए :-

1. रेडक्रॉस सोसाइटी	ए) विश्व व्यापार नियम
2. एमेनेस्टी इंटरनेशनल	बी) युद्ध व आपदा पीड़ित सहायता
3. विश्व व्यापार संगठन	सी) आर्थिक उन्नति व ऋण देना
4. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष	डी) मानवाधिकार रक्षा

8) ऐसे किन्हीं दो अन्र्तराष्ट्रीय मुद्दों को पहचानियें जिन्हें सुलझाना किसी एक देश के लिए संभव नहीं है।

9) पारस्परिक निर्भरता किसे कहते है ?

10) विश्व में अन्तर्राष्ट्रीय संगठन होने के किन्हीं दो लाभों का उल्लेख करें।

चार अंक वाले प्रश्न

गद्यांश पर आधारित प्रश्न

1) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़े और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें:-

''पहले विश्वयुद्ध ने दुनिया को इस बात के लिए जगाया कि झगड़ों के निपटारे के लिए एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए। इसके परिणाम स्वरूप 'लीग ऑफ नेशंस' का जन्म हुआ। शुरूआती सफलताओं के बावजूद यह संगठन दूसरा विश्वयुद्ध न रोक सका। पहले की तुलना में इस महायुद्ध में कहीं ज्यादा लोग मारे गए और घायल हुए।''

गद्यांश पर आधारित प्रश्न

1. प्रथम विश्व युद्ध कब समाप्त हुआ ?

   a) 1915

   b) 1917

   c) 1918

   d) 1920

2. प्रथम विश्व युद्ध के बाद झगड़ों के निपटारे के लिए विश्व स्तर के कौन से संगठन को बनाया गया ?

   a) लीग ऑफ़ नेशंस

   b) संयुक्त राष्ट्र संघ

   c) आसियान

   d) दक्षेस

3. द्वितीय विश्व युद्व का सही काल चुनें।

   a) 1935–1945

   b) 1940–1945

   c) 1939–1945

   d) 1940–1950

4. द्वितीय विश्व युद्व के बाद अंतर्राष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण समाधानों के लिए कौन से संगठन को बनाया गया ?

   a) लीग ऑफ़ नेशंस

   b) संयुक्त राष्ट्र संघ

   c) आसियान

   d) दक्षेस

चार अंक वाले प्रश्न :-

1. बदलती परिस्थितियों में प्रभावी एंव सुचारू ढंग से कार्य करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रक्रिया व ढाँचे में सुधार के कौन-कौन से प्रस्ताव सुझाये गये है ? (IMP)

2. संयुक्त राष्ट्र संघ अमेरिकी वर्चस्व का सामना करने में असफल सिद्ध हुआ है। इस कथन से आप कहाँ तक सहमत है ?

3. सुरक्षा परिषद के कार्य बताइये।

4. भारत के नागरिक के रूप में सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के पक्ष का समर्थन आप कैसे करेगें ? अपने प्रस्ताव का औचित्य सिद्ध करें। (प्ड्च)

5. ऐमेनेस्टी इण्टरनेशनल क्या है ? इसके कोई दो कार्य बताएँ।

6. संयुक्त राष्ट्र के मुख्य सिद्धांतों का वर्णन करें।

7. कार्टून आधारित प्रश्न

7.1) प्रस्तुत कार्टून में दिखाया गया व्यक्ति किस देश को इंगित कर रहा है?

i) अमेरिका   ii) जापान

iii) फ्रांस   iv) रूस

7.2) कार्टून में दिखाए व्यक्ति के दाएँ हाथ में किसका चिन्ह है।

i) आसियान   ii) दक्षेस

iii) संयुक्त राष्ट्र संघ   iv) ब्रिक्स

7.3) कार्टून में दिखाए व्यक्ति के बाएँ हाथ में क्या दर्शाया गया है।

i) बातचीत   ii) सौहार्द

iii) युद्ध   iv) कुछ नहीं

7.4) संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्यालय कहाँ है।

i) भारत   ii) अमेरिका

iii) जापान   iv) फ्रांस

छः अंकों वाले प्रश्न :-

1. अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों की आवश्यकता स्पष्ट करें।
2. संयुक्त राष्ट्र संघ को और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए कौन-कौन से कदम उठाने का निर्णय लिया गया है ?
3. संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के योगदान पर चर्चा कीजिये।
4. बदलते परिवेश में सुरक्षा परिषद में सुधारों की आवश्यकता क्यों महसूस हो रही है ? (IMP)
5. संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख उद्देश्यों का वर्णन कीजिए। इन उद्देश्यों को कैसे पूरा किया जा सकता है ?
6. वैश्विक राजनीति में अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएं एवं संगठन किस हद तक लोकतांत्रिक व जवाबदेह है ?
7. सुरक्षा परिषद की विस्तार की आवश्यकता के किन्ही तीन कारणों का वर्णन कीजिए।
8. यूनेस्को के प्रमुख कार्यों को लिखिए।
9. यूनिसेफ़ के प्रमुख कार्यों को लिखिए।

एक अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. 24 अक्टूबर 1945
2. 51 देशों ने।
3. 30 अक्टूबर 1945
4. 193
5. ऐन्टोनियो गुटेरेस।
6. हेग-नीदरलैंड
7. अन्तर्राष्ट्रीय अणिविक उर्जा ऐजेन्सी।
8. विश्व में शांति एवं सुरक्षा की स्थापना।
9. 1995 में।
10. राष्ट्र संघ (लीग ऑफ नेशन्स)

11. यूनाईटेड नेशन्स हयूमन राइट्स कमीशन।

12. 1944

13. 05 एवं 10

14. United Nations Educational Social & Cultural Organisation (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन)

15. अटलांटिक चार्टर

16. वैश्विक स्तर की वित्त व्यवस्था की देख-रेख करना।

17. राष्ट्र संघ

18. ii) न्यू यॉर्क

19. i) भारत

20. ii) 1965

21. i) अंतराष्ट्रीय श्रमिक संघ

22. i) जिनेवा

23. iv) 5 स्थाई - 10 अस्थायी

24. सही

25. iv) यूरोपियन संघ

26. iv) एंटोनियो गुतेर्रेस

27. ii) 8 बार

दो अंको वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. सुरक्षा परिषद का कोई भी स्थायी सदस्य सुरक्षा परिषद द्वारा लिए जाने वाले निर्णय को रोक सकता है, यही वीटो का अधिकार है।

2. i) कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए काम करता है।

   ii) सदस्य देशों को अनुदान के लिए काम करता है।

3. ब्रिटेन, फ्रांस, अमेरिका, रूस, चीन।

4. i) ऐमेनेस्टी इण्टरनेशनल।

ii) ह्यूमन राइट्स वॉच।

5. i) वैश्विक व्यापार के नियमों को तय करना।

ii) सदस्य देशों के बीच मुक्त व्यापार की राह आसान बनाना।

6. i) सी

ii) डी

iii) बी

iv) ए

7. i) बी

ii) डी

iii) ए

iv) सी

8. वैश्विक तापवृद्धि व आतंकवाद।

9. देशों के बीच विभिन्न मुद्दों पर आपसी निर्भरता ही 'पारस्परिक निर्भरता' कहलाती है।

10. क) अंर्तराष्ट्रीय संगठन युद्ध और शांति के मसलों में मदद करते है।

ख) अंर्तराष्ट्रीय संगठन 'ग्लोबल वार्मिंग' जैसे महत्वपूर्ण प्रश्नों का समाधान मिलकर ढूँढने का प्रयास करते है।

गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तरः–

1 c) 1918

2 a) लीग ऑफ नेशंस

3 c) 1939–45

4 b) संयुक्त राष्ट्र संघ

चार अंको वाले प्रश्नों के उत्तर :–

1. i) सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाना।

ii) वीटो पावर (निषेधाधिकार) की समाप्ति।

iii) विकसित देशों के प्रभाव को समाप्त करना।

iv) कार्यप्रणाली को ज्यादा लोकतांत्रिक बनाना।

2. अमेरीकी वर्चस्व का सामना करने में संयुक्त राष्ट्र के असफल होने के कारणः-

i) अमेरिका सबसे बड़ा वित्तीय योगदान देने वाला देश।

ii) UNO का मुख्यालय अमेरिका के भू क्षेत्र में स्थित है।

iii) UNO में अधिकत्तर कर्मचारी अमेरिका के है।

iv) कोई प्रस्ताव अपने या साथी राष्ट्रों के हितों के अनुकूल न होने पर अपने वीटो से रोक सकता है।

उपरोक्त तथ्यों के बावजूद अमेरीका से वार्ता करने एवं उसपर दबाव बनाने के लिए UNO एक मंच के रूप में अवश्य उपलब्ध है।

3. सुरक्षा परिषद के मुख्य कार्य निम्नलिखित है :-

i) विश्व में शांति स्थापित करना।

ii) किसी भी देश द्वारा भेजी गयी शिकायत पर विचार करना।

iii) अपने निर्णयों को लागू करवाने की कार्यवाही करना।

iv) झगड़ों का निपटारा करना।

4. स्मरणीय बिन्दु देखें।

5. ऐमेनेस्टी इण्टरनेशनल मानवाधिकारों की रक्षा करने वाला एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है। यह संगठन मानवाधिकारों की रक्षा से जुड़ी रिपोर्ट तैयार और प्रकाशित करता है। उसकी ये रिपोर्ट मावाधिकारों से संबंधित अनुसंधान और तरफदारी में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

6. स्मरणीय बिन्दु देखें।

7. कार्टून आधारित प्रश्न के उत्तर

1. i) अमेरिका

2. iii) संयुक्त राष्ट्र संघ

3. iii) युद्ध

4. ii) अमेरिका

छः अंको वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. स्मरणीय बिन्दु देखें।
2. स्मरणीय बिन्दु देखें।
3. स्मरणीय बिन्दु देखें।
4. स्मरणीय बिन्दु देखें।
5. निम्नलिखित कारणों से सुरक्षा परिषद में सुधारों की आवश्यकता महसूस हो रही है:-

    i) सुरक्षा परिषद अब राजनैतिक वास्तविकताओं की नुमांइदंगी नहीं करती।

    ii) इसके फैसलों पर पश्चिमी मूल्यों व हितों का प्रभाव दिखता है।

    iii) सुरक्षा परिषद् में बराबर का प्रतिनिधित्व नहीं है।

    iv) इसके फैसलों पर चंद देशों का दबदबा है, विशेषकर उन देशों का जो संयुक्त राष्ट्र संघ के बजट में ज्यादा योगदान देते है।

6. अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं का लोकतांत्रिक एवं उनकी जवाबदेयता के पक्ष में तर्कः-

    i) महासभा में विश्व के सभी राष्ट्रों की समान सदस्यता।

    ii) आर्थिक विकास के लिए कई इकाईयां स्थापित।

    iii) राष्ट्रों में लोकतंत्र की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र निरन्तर तत्पर।

    iv) संगठन की इकाईयां मानवाधिकारों की रक्षा के प्रति कार्यरत।

    v) मानव विकास (शिक्षा, चिकित्सा) आदि पर बल।

    vi) पर्यावरण की रक्षा पर बल।

    उपरोक्त तथ्यों के बावजूद संयुक्त राष्ट्र में कुछ राष्ट्रों का निरंतर दबदबा बना रहता है। चाहे वो सुरक्षा परिषद् के आकार को न बढ़ाने का निर्णय हो अथवा सुरक्षा परिषद् में वीटो का प्रयोग हो, ये कुछ तथ्य है जो संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाओं के लोकतांत्रिक होने पर प्रश्नचिह्न लगाते है।

7. स्मरणीय बिन्दु देखें।
8. स्मरणीय बिन्दु देखें।
9. स्मरणीय बिन्दु देखें।

अध्याय - 5

समकालीन विश्व में सुरक्षा

सुरक्षा - अर्थ और प्रकार, आतंकवाद ।

★ मनुष्य के जीवन का मुख्य बिन्दु सुरक्षा ही है। अपने नागरिकों को सुरक्षा के विषय पर विश्व के लगभग सभी देशों की चिन्ता एक समान हैं।

★ सुरक्षा का अर्थ है मानव जीवन में व्याप्त खतरों को दूर करना ताकि मनुष्य शांतिपूर्ण जीवनयापन कर सकें।

सुरक्षा की धारणाएँ

- पारंपरिक धारणा
  - बाहरी खतरा
    - सैन्य हमला
    - जनसंहार
    - शक्ति-संतुलन
    - गठबंधन
    - शस्त्रीकरण
  - आंतरिक खतरा
    - कानून व्यवस्था
    - अलगाववाद
    - गृहयुद्ध
- गैर पारंपरिक धारणा
  - मानवता की सुरक्षा
    - (व्यापक अर्थ में भूख/ महामारी और प्राकृतिक विपदा से सुरक्षा
  - विश्व सुरक्षा
    - नवीन चुनौतियों, आतंकवाद, बीमारियों, जलवायु संकट से सुरक्षा शामिल है।

★ **बाहरी सुरक्षा की पारम्परिक अवधारणा के अन्तर्गत -**

-- खतरे का स्रोत कोई दूसरा मुल्क होता है जो सैन्य हमले की धमकी देकर सम्प्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखण्डता जैसे किसी देश के केन्द्रीय मूल्यों के लिए खतरा पैदा करता है।

-- सुरक्षा नीति का सम्बन्ध युद्ध की आशंका को रोकने में होता है। जिसे अपरोध कहा जाता है।

-- देश शक्ति संतुलन अपने पक्ष में रखने के लिए सैन्य शक्ति के साथ आर्थिक व प्रौद्योगिक ताकत बढ़ाने में लगे रहते हैं।

-- किसी देश अथवा गठबंधन की तुलना में अपनी ताकत का असर बढ़ाने के लिये देश गठबंधन बनाते हैं। गठबंधन राष्ट्रीय हितों पर आधारित होते हैं। राष्ट्रीय हित बदलने पर गठबंधन भी बदल जाते हैं।

★ सुरक्षा के पारम्परिक तरीके हैं - निशस्त्रीकरण, अस्त्र नियंत्रण तथा विश्वास की बहाली।

★ पारम्परिक सुरक्षा की आन्तरिक अवधारणा के अन्तर्गत देश के अन्दर आन्तरिक शान्ति और कानून व्यवस्था आती है। एशिया एवं अफ्रीका के नव स्वतंत्र देशों के सामने-आन्तरिक सैन्य संघर्ष, अलगाववादी आन्दोलन और गृहयुद्ध की समस्याएँ रही हैं।

★ सुरक्षा की अपारम्परिक धारणा सैन्य खतरों के साथ-साथ मानव अस्तित्व पर आने वाले खतरों से सम्बद्ध है।

★ सुरक्षा की अपारम्परिक धारणा के अन्तर्गत मानवीय अस्तित्व पर चोट करने वाले व्यापक खतरों और आशंकाओं को शामिल किया जाता है जैसे

- अकाल, महामारी, वैश्विक तापवृद्धि व आतंकवाद आदि।

★ सुरक्षा की अपारम्परिक धारणा के दो पक्ष है - मानवता की सुरक्षा व विश्व सुरक्षा।

★ सुरक्षा की अपारम्परिक धारणा के अन्तर्गत विश्व की सुरक्षा के समक्ष प्रमुख प्रमुख खतरे है **(क) आतंकवाद (ख) मानव अधिकार (ग) वैश्विक निर्धनता (घ) शरणार्थियों की समस्या (ड) बीमारियाँ जैसे- एड्स, बर्ड फ्लू एवं सार्स (सीवियर एक्यूट रेसपिरेटरी सिंड्रोम - SARS)**

★ **सहयोग मूलक सुरक्षा** की अवधारणा अपारम्परिक खतरों से निपटने के लिए सैन्य संघर्ष के बजाए अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग से रणनीतियाँ तैयार करने पर बल देती हैं। यद्यपि अन्तिम उपाय के रूप में बल प्रयोग किया जा सकता है।

★ सहयोग मूलक सुरक्षा में विभिन्न देशों के अतिरिक्त अन्तर्राष्ट्रीय संगठन (संयुक्त राष्ट्र संघ, विश्व बैंक आदि), स्वयंसेवी संगठन (रेडक्रास, एमनेस्टी इण्टरनेशनल आदि), व्यावसायिक संगठन व प्रसिद्ध हस्तियाँ (जैसे नेल्सन मंडेला, मदर टेरेसा आदि) शामिल हो सकती हैं।

★ **भारत की सुरक्षा नीति के चार घटक**

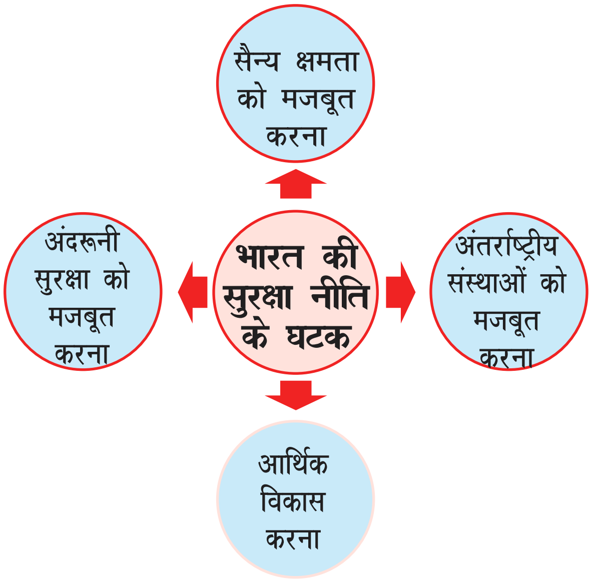

आतंकवादः–

आतंकवाद से तात्पर्य क्रूर हिंसा के व्यवस्थित प्रयोग से है जिससे समाज में भय का वातावरण बनता है। इसका उपयोग प्रमुखता से राजनीतिक – पांथिक उद्देश्यों के अतिरिक्त कई अन्य उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

★ आतंक का एक व्यवस्थित प्रयोग, प्रायः, हिंसक, विशेष रूप से दबाव के साधन के रूप में।

★ हिंसात्मक कार्य जिनका उद्देश्य एक निश्चित पांथिक, राजनीतिक अथवा वैचारिक लक्ष्य के लिए भय (आतंक) उत्पन्न करना तथा विदित रूपेण नागरिकों की सुरक्षा को लक्षित करना तथा उनकी अवहेलना करना है

★ अवैधानिक हिंसा तथा युद्ध करना

विश्व में एक भी राष्ट्र ऐसा नहीं है जो आतंकवाद से पीड़ित नहीं है। यद्यपि कुछ देशों ने आतंकवाद को अच्छे तथा बुरे आतंकवाद में विभाजित करने का प्रयास किया है परन्तु भारत ने इस भेद से सदैव असहमति दिखाई है। भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्पष्ट किया है कि आतंकवाद अच्छे या बुरे में विभाजित नहीं किया जा सकता या एक वैश्विक समस्या है तथा इसका प्रतिकार सामूहिक रूप से किया जाना चाहिए।

एक अंकीय प्रश्न :-

निम्नलिखित दिए गए बहु-विकल्पीय प्रश्नों में दिए गए विभिन्न विकल्पों में से एक सही विकल्प का चयन करिये

1. निम्नलिखित संधियों में से निःशस्त्रीकरण से संबंधित संधि के सही विकल्प का चयन करिये

   (i) 1992 की रासायनिक जैविक हथियार संधि (ii) एन. पी. टी.

   (iii) 1972 की जैविक हथियार संधि (iv) क्योटो प्रोटोकॉल

   (क) i, ii, iii (ख) i, ii, iv

   (ग) ii, iii, iv (घ) i, ii, iii, iv

2. एशिया और अफ्रीका के नव स्वतंत्र देशों के समक्ष खड़ी कौन सी सुरक्षा की चुनौती गौण थी ?

   (क) इन देशों के समक्ष अलगाववादी आंदोलनों से खतरा था।

   (ख) इन देशों के बीच सीमा विवाद थे।

   (ग) भू-क्षेत्र अथवा आबादी पर नियंत्रण को लेकर सहयोग और सलाहकार की नीति थी।

   (घ) इन्हें अंदरूनी सैन्य संघर्ष की भी चिंता करनी थी।

3. निम्नलिखित में से किस वर्ष चीन द्वारा भारत पर आक्रमण किया गया-

   (क) 1947-48 (ख) 1962

   (ग) 1965 (घ) 1971

   खाली स्थान भरो

4. किसी देश के भीतर हिंसा के खतरों से निपटने के लिए व्यवस्था को......... .... कहते हैं।

5. जो लोग राष्ट्रीय सीमा के अंदर अपना घरबार छोड़ चुके होते हैं उन्हें. ....कहा जाता है।

6. ....राजनीतिक मानवाधिकारों के अंतर्गत आता है।

7. सुरक्षा से क्या अभिप्राय है ?

8. अपरोध किसे कहते हैं ?

9. NPT का शब्द विस्तार लिखिए।

10. उत्तरी गोलार्द्ध व दक्षिणी गोलार्द्ध के देशों में प्रमुख अंतर क्या है ?

11. देश के किन्हीं दो केन्द्रीय मूल्य को बतायें।

12. आतंकवाद को एक कैसी समस्या के रूप में देखा जा सकता है ?

    क) एक देश की समस्या

    ख) दो देशों की समस्या

    ग) एशिया महादीप की समस्या

    घ) वैश्विक समस्या

13. निम्न लिखित कथन के लिए सही अथवा गलत लिखिये।

    भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री जी आतंकवाद को अच्छे या बुरे में विभाजित नहीं करते हैं।

द्विअंकीय प्रश्न :-

1. पारम्परिक सुरक्षा से क्या अभिप्राय है ?

2. सहयोगमूलक सुरक्षा से क्या तात्पर्य है ?

3. आन्तरिक रूप से विस्थापित जन से क्या तात्पर्य है ? किसी एक उदाहरण से स्पष्ट कीजिए।

4. अप्रवासी व शरणार्थी में क्या अंतर है ?

5. गठबंधन बनाना किस प्रकार पारम्परिक सुरक्षा नीति का एक तत्व है ?

6. निशस्त्रीकरण से क्या अभिप्राय है ?

7. मिलान कीजिए -

शरणार्थी	--	सैन्य शक्ति के संदर्भ में बाहरी व आन्तरिक खतरों से सुरक्षा
आन्तरिक विस्थापित जन	--	दलाई लामा
परम्परागत सुरक्षा	--	कश्मीरी पंडित
गैर परम्परागत सुरक्षा	--	मानव सुरक्षा व विश्व सुरक्षा।

चार अंकीय प्रश्न

नीचे दिए गए अवतरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (1+1+1+1=4)

"सिर्फ राज्य ही नहीं व्यक्तियों और समुदायों या कहें कि समूची मानवता को सुरक्षा की जरूरत है। यद्यपि इस बात पर मतभेद है कि ठीक-ठीक ऐसे कौन से खतरे हैं, जिनसे व्यक्तियों को बचाया जाना चाहिए। संकीर्ण अर्थों में व्यक्तियों और समुदायों को खून-खराबे से बचाना मानवता की सुरक्षा है, जबकि व्यापक अर्थों में यह 'अभाव से मुक्ति' और 'भय से मुक्ति है।''

1. सुरक्षा की जरूरत किसे कहते है ?
   a) राज्य को
   b) व्यक्तियों को
   c) समुदायों को
   d) सभी को (समूची मानवता को)
2. दिए गए गद्यांश के अनुसार संकीर्ण अर्थों में सुरक्षा क्या है?
   a) व्यक्तियों को खून खराबे से बचाना
   b) समुदायों को खून खराबे से बचाना
   c) व्यक्तियों और समुदायों को खून खराबे से बचाना
   d) इसमें से कोई नहीं
3. दिए गए गद्यांश के अनुसार व्यापक अर्थों में सुरक्षा क्या है?
   a) अभाव से मुक्ति
   b) भय से मुक्ति
   c) अभाव और भय दोनों से मुक्ति
   d) इनमें से कोई नहीं
4. किन खतरों से व्यक्तियों को बचाया जाना चाहिए?
   a) महामारियों
   b) प्राकृतिक आपदाएं

c) आतंकवाद

d) सभी प्रकार के खतरों से

चार अंकीय प्रश्न :-

1. भारत की सुरक्षा रणनीति के प्रमुख घटकों का उल्लेख कीजिए ?

2. प्रति व्यक्ति आय तथा जनसंख्या वृद्धि विश्व में आर्थिक असमानता को कैसे प्रभावित करते है ? गरीबों व अमीरों के बीच वैश्विक स्तर पर आर्थिक अंतर कम करने के लिए कोई दो उपाय सुझाइए।

3. शक्ति संतुलन क्या है ? कोई देश इसे कैसे कायम करता है ?

4. निम्नलिखित चित्र को देखकर प्रश्नों के उत्तर दें।

4.1 सुरक्षा की कितनी अवधारणाएं हैं ?

i) 1 ii) 2 iii) 3 iv) 4

4.2 सुरक्षा के पारम्परिक तरीकों में क्या नहीं आता है ?

i) निशस्त्रीकरण ii) अस्त्र नियंत्रण

iii) विश्वास बहाली iv) शस्त्रीकरण

4.3 सुरक्षा की अपारम्परिक धारणा में क्या सम्मिलित है ?

i) आतंकवाद ii) मानव अधिकार

iii) वैश्विक निर्धनता iv) उपरोक्त सभी

4.4 वर्ष 2020 में विश्व में कौन सी महामारी फैली?

i) कोविड-19 ii) कैंसर

iii) स्पेनिश फ्लू iv) चर्मरोग

छः अंकीय प्रश्न :-

1. बाह्य सुरक्षा की पारम्परिक धारणा में क्या अभिप्राय है? इस प्रकार की सुरक्षा के किन्हीं दो तत्वों का वर्णन कीजिए।
2. आन्तरिक व बाह्य सुरक्षा की पारम्परिक धारणाओं से क्या अभिप्राय है?
3. देश के सामने फिलहाल जो खतरे मौजूद हैं उनमें परमाण्विक हथियार का सुरक्षा अथवा अपरोध के लिए बड़ा सीमित उपयोग रह गया है। इस कथन का विस्तार करें।
4. भारतीय परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए किस किस्म की सुरक्षा को वरीयता दी जानी चाहिए - पारम्परिक या अपारम्परिक? अपने तर्क की पुष्टि में आप कौन से उदाहरण देंगे? (IMP)

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. (क) i, ii, iii
2. (ग) भू क्षेत्र या आबादी नियंत्रण को लेकर सहयोग की नीति
3. (ख) 1962
4. सरकार
5. आंतरिक रूप से विस्थापित जन
6. अभिव्यक्ति और सभा करने की आजादी।
7. खतरे से आजादी।
8. युद्ध की आशंका को रोकना।
9. परमाणु अप्रसार संधि (Nuclear Nonproliferation Treaty)।
10. उत्तरी गोलार्द्ध के अधिकतर देश विकसित है जबकि दक्षिणी गोलार्द्ध के अधिकतर देश विकासशील अथवा अल्प विकसित।
11. सम्प्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता।

12. (घ) वैश्विक समस्या

13. सही

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. सैनिक हमले जिसका स्रोत कोई दूसरा देश होता है, जो सैनिक हमले की धमकी देकर किसी देश के केन्द्रीय मूल्यों जैसे सम्प्रभुता, स्वतंत्रता एवं क्षेत्रीय अखण डता आदि के लिए खतरा पैदा करता है।

2. अपारम्परिक खतरों से निपटने के लिए सैन्य संघर्ष के बजाए अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग से रणनीति तैयार करना।

3. वे प्रवासी जो अपना घर छोड़कर अपने ही देश की सीमाओं में रहते हैं 'आन्तरिक विस्थापित जन' कहलाते हैं। जैसे - जम्मू-कश्मीर राज्य से कश्मीरी पंडित, जो देश के अन्य भागों में रहने को विवश हैं।

4. अप्रवासी अपनी मर्जी से स्वदेश छोड़ते हैं जबकि शरणार्थी युद्ध, प्राकृतिक आपदा अथवा राजनीतिक उत्पीड़न के कारण स्वदेश छोड़ने पर मजबूर होते हैं।

5. गठबंधन व्यवस्था में इस तरह की संधि की व्यवस्था होती है कि कुछ विशेष स्थितियों में दोनो पक्ष एक दूसरे की मदद करेगें।

6. अस्त्र-शस्त्रों का अभाव या अस्त्र-शस्त्रों को नष्ट करना।

7.

शरणार्थी	--	दलाईलामा
परम्परागत सुरक्षा	--	सैन्य शक्ति के संदर्भ में बाहरी व आन्तरिक खतरों से सुरक्षा।
गैर परम्परागत सुरक्षा	--	मानव सुरक्षा व विश्व सुरक्षा
आन्तरिक विस्थापित जन	--	कश्मीरी पंडित

गद्यांश पर आधारित चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर:-

1. d) 2. c) 3. c) 4. d)

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

उ. 1 क) सैन्य क्षमता मजबूत करना

ख) अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं का सम्मान

ग) आन्तरिक सुरक्षा समस्या से निपटना

घ) आर्थिक मजबूती

उ. 2 उच्च प्रति व्यक्ति आय तथा जनसंख्या की कमी के कारण धनी देश को और धनी बनाती है जबकि निम्न प्रति व्यक्ति आय व जनसंख्या की तीव्र वृद्धि एक साथ मिलकर गरीब देशों को और गरीब बनाती है।

सुझाव–

i) जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण पाकर ही वैश्विक स्तर पर आर्थिक अंतर को कम किया जा सकता है।

ii) प्रति व्यक्ति आय बढ़ा कर देश को आर्थिक रूप से समृद्ध किया जा सकता है।

उ. 3 शक्ति संतुलन वह व्यवस्था है जिसमें निरन्तर प्रयास रहता है कि कोई देश अधिक शक्तिशाली बनकर वर्तमान संतुलन को बिगाड़ न दे।

★ अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाकर

★ आर्थिक और प्रौद्योगिकी की ताकत बढ़ाकर

उ. 4 कार्टून आधारित प्रश्न के उत्तर

4.1 ii) 2

4.2 iv) शस्त्रीकरण

4.3 iv) उपरोक्त सभी

4.4 i) कोविड–19

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तर :–

1 ★ बाहृय सुरक्षा की पारम्परिक धारणा :

किसी देश को सबसे बड़ा खतरा सैन्य खतरा माना जाता है।

★ बाह्य सुरक्षा के तत्व :

क) बाहरी आक्रमण के विरूद्ध अपनी रक्षा करना अथवा उसे रोकना।

ख) युद्ध को टालना।

ग) शक्ति संतुलन / गठबंधन बनाना।

2. **आन्तरिक सुरक्षा की पारम्परिक धारणा :-**

पारम्परिक सुरक्षा की अवधारणा आन्तरिक सुरक्षा से जुड़ी हुई है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद पृथ्वी पर सर्वाधिक शक्तिशाली देशों की आन्तरिक सुरक्षा कमोवेश सुनिश्चित थी। 1945 तक अमरीका व सोवियत संघ अपनी-अपनी सीमाओं में शान्ति की अपेक्षा कर सकते थे। यूरोप में अधिकांश शक्तिशाली देशों के समक्ष अपनी सीमाओं में कोई चुनौती नहीं थी।

बाह्य सुरक्षा की पारम्परिक धारणा -

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद का समय शीतयुद्ध का समय था, जिसमें अमरीका के नेतृत्व में पश्चिमी गठबंधन के सामने सोवियत संघ के नेतृत्व में पूर्वी गठबंधन था। दोनों को एक दूसरे से सैनिक आक्रमण का खतरा था। कुछ यूरोपीय शक्तियों को अपने उपनिवेशों में स्वतंत्रता की माँग करने वाले लोगों की हिंसा के प्रति चिन्ता थी।

3. ★ नित नये खतरे विश्व के समक्ष आ रहें है जैसे - वैश्विक तापवृद्धि, महामारियाँ, गरीबी आदि।
   ★ आकाल, महामारियाँ व प्राकृतिक आपदाओं से मरने वालों की संख्या युद्ध, आतंकवाद से मरने वालों की तुलना में आधिक है।
   ★ परमाणु हथियार अकाल, महामारियाँ व प्राकृतिक आपदाओं को रोकने में सक्षम नहीं हैं।

4. भारतीय संदर्भ में दोनों ही खतरे समान रूप से गम्भीर हैं।
   ★ भारत को 1947-48, 1965, 1971 व 1999 में पाकिस्तान के हमले का सामना करना पड़ा जबकि 1962 में चीन ने भारत पर हमला किया।
   ★ कश्मीर व पूर्वोत्तर के राज्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमावर्ती होने के कारण अति संवेदनशील हैं।
   ★ भारत अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं की मजबूती व वैश्विक सहयोग का पक्षधर है।
   ★ गरीबी, कुपोषण, महामारियाँ व आतंकवाद आदि से भारत जूझ रहा है।

अध्याय – 6

पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन

पर्यावरणीय आंदोलन, वैश्विक तापन और जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण

★ पर्यावरण :– परि (ऊपरी) + आवरण (वह आवरण जो वनस्पति तथा जीव जन्तुओं को ऊपर से ढके हुए है। हमारे आस-पास के विभिन्न प्रकार के वातावरण को पर्यावरण कहा जाता है।

प्राकृतिक संसाधन – प्रकृति से प्राप्त मनुष्य के उपयोग के साधन।

★ वर्तमान वैश्विक राजनीति में पर्यावरण का ह्रास एक गंभीर समस्या एवं चिन्तन का विषय बनकर उभरा है, जिसका मुख्य कारण कृषि भूमि की कमी, चारागाह एवं मत्स्य भंडार का अपक्षय, जलीय प्रदूषण एवं जल की कमी, वनों की कटाई है जिसके कारण समाप्त होती जैव विविधता, ओजोन परत की हानि तथा समुद्र तटीय इलाकों में बढ़ता प्रदूषण है।

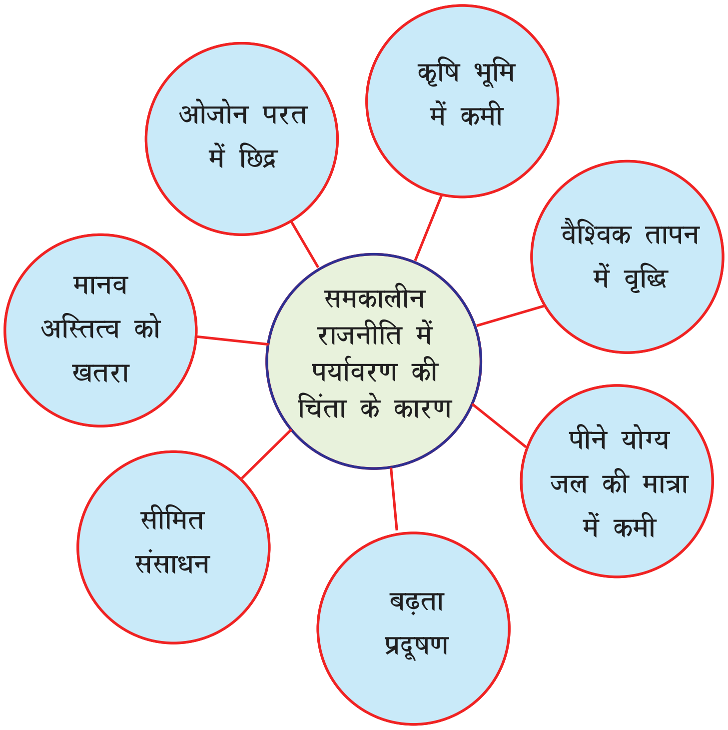

पर्यावरण की सुरक्षा के वैश्विक प्रयास

स.	वर्ष	प्रयास	परिणाम
1.	1972	'क्लब ऑव रोम' ने 'लिमिट्स टू ग्रोथ' पुस्तक प्रकाशित की।	इसमें बढ़ती जनसंख्या के आलोक में प्राकुतिक संसाधनों के विनाश के अंदेशों को बताया गया है।
2.	1972	स्टॉकहोम सम्मेलन	'मानव पर्यावरण सम्मेलन' कराया गया जिसमें एक ही धरती' की अनुगूंज सुनायी दी।
3.	1970 का दशक	UNEP द्वारा आयोजित का विभिन्न कार्यक्रम	पर्यावरण की समस्याओं पर ज्यादा कारगर और ज्यादा सुलझी हुई पहलकदमियों की शुरूआत हुई।
4.	1987	मांट्रियल समझौता	यह ओजोन क्षय को रोकने के लिए किया गया है।
5.	1987	बर्टलैंड रिपोर्ट 'अवर कॉमन फ्यूचर)	इसमें चेताया गया था कि आर्थिक विकास के चालू तौर तरीके आगे चलकर टिकाऊ साबित नहीं होगें।
6.	1992	ब्राजील (रियो-डि-जेनेरियो) प्रथम पृथ्वी सम्मेलन	⋆ 170 देशों, हजारों स्वयंसेवी संगठनों तथा अनेक बहुराष्ट्रीय निगमों ने भाग लिया। ⋆ पर्यावरण सुरक्षा को लेकर विकसित व विकासशील देशों के बीच अंतर था। विकसित देशों की चिंता ओजोन परत के क्षय एवं वैश्विक ताप को लेकर थी। विकासशील देश अपने तथा पर्यावरण सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए चिंतित

			थे। **एजेंडा-21** इसमें विकास के तौर तरीके के सुझाए गये। यह कहा गया कि आर्थिक वृद्धि का तरीका ऐसा होना चाहिए जिसे पर्यावरण को कोई नुकसान न पहुँचे। इसे ही **'टिकाऊ विकास"** भी कहा गया।
7.	1997	क्योटो प्रोटोकॉल	औद्योगिक देशों के लिए ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।
8.	2002	जोहांसबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) दूसरा पृथ्वी सम्मेलन	★ मूलरूप से दीर्घकालिक विकास पर केन्द्रित था। ★ तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने इसका बहिष्कार किया था। ★ चीन व रूस में 1997 के क्योटो प्रोटोकॉल को सहमति दे दी थी। ★ ब्राजील ने एक प्रस्ताव के माध्यम से 2010 तक विश्व भर मे कुल ऊर्जा के इस्तेमाल का 10% गैर परम्परागत स्रोतों से होने का लक्ष्य रखा था।
9.	2007	बाली (इंडोनेशिया) तीसरा पृथ्वी सम्मेलन	★ इसे Cop-3 के नाम से भी जाना जाता है। ★ क्योटो प्रोटोकॉल पर बातचीत हुई। पूर्व में पर्यावरण को लेकर किये गये।

			प्रयासों का मूल्यांकन किया गया। ★ 2009 तक अगले सम्मेलन से पूर्व कुछ ठोस रोड मैप व निर्धारित लक्ष्यों को तैयार करना।
10.	2009	कोपेनहेगन सम्मेलन	★ 2012 में समाप्त हो रही क्योटो संधि को आगे लागू करने के लिए मानदंडो को निश्चित करना। धरती का ताप 2°C से अधिक नहीं करने पर सहमति बनी। कार्बन उत्सर्जन में कटौती की बात कही गयी।
11.	2010	कानकुन सम्मेलन (COP-16)	ग्रीन हाउस उत्सर्जन में कटौती की बात भी कही गई।
12.	2012	रियो + 20 रियो डी–जेनेरियो	★ प्रथम पृथ्वी सम्मलेन के 20 वर्ष बाद रियों में यह सम्मेलन हो रहा था। इसलिए रियो + 20 कहा गया। ★ सतत विकास के लिए नवीकृत राजनैतिक प्रतिबद्धता सुनिश्चित की गई। ★ नई उभरती चुनौतियों का समाधान करना उद्देश्य था। रियो सम्मेलन का मूल्यांकन किया गया।
13.	2013	वॉरसा (COP-19)	यह कहा गया कि सभी सदस्य देश संभवतः 2015 की पहली तिमाही तक कार्बन उत्सर्जन में कटौती करेंगे।

14.	2015	पेरिस समझौता (COP–19 Conference of Parties)	★ यह 2020 से लागू होगा। ★ वैश्विक तपमान में बढ़ोतरी को 2°c के भीतर सीमित करना। ★ भारत ने 2 अक्टूबर 2016 को हस्ताक्षर किये ओर 2030 तक अपनी उत्सर्जन तीव्रता को 2015 के मुकाबले 33–35% तक कम करने का लक्ष्य रखा है। ★ अमेरिका ने स्वयं को इस समझौते से अलग रखा है।
15.	2016	COP-22 माराकेश (मोरक्को)	★ विकासशील देशों द्वारा निर्धारित अभीष्ट राष्ट्रीय निर्धारित अंशदान को प्राप्त करने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना इसका मुख्य विषय था।
16.	2017	COP-23 बॉन (जर्मनी)	★ चरणब) तरीके से कोयले के उपयोग को सीमित करने पर सहमति ★ समाधान की दिशा में लिंग संबधी कारकों की पहचान का निर्माण ★ स्थानीय लागों की राय को अहमियत ★ कृषि के माध्यम से होने वाले ग्रीन हाउस उत्सर्जन के मुद्दे पर विचार विमर्श का निर्णय है।
17.	2018	COP-24 पोलैंड	वर्ष 2018 में आयोजित की जायेगी।

18.	सीओपी-26 2021	26वां संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन ग्लासगो, स्कॉटलैंड, यूनाइटेड किंगडम, 31 अक्टूबर से 13 नवंबर 2021 तक। COP (सीओपी-27) नवम्बर, 2022 में मिस्र में हुआ है।	COP 26 तापमान वृद्धि और जलवायु परिवर्तन को सीमित करने के लिए विश्व के नेताओं को एक साथ लाने के लिए एक साथ लाया। COP26 बैठक का मुख्य उद्देश्य 2030 तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के लिए प्रतिबद्ध होना था।

★ **साझी संपदा** :- साझी संपदा उन संसाधनो को कहते हैं जिन पर किसी एक का नहीं बल्कि पूरे समुदाय का अधिकार होता है। जैसेः संयुक्त परिवार का चूल्हा, चारागाह, मैदान, कुआँ या नदी। इसमें पृथ्वी का वायुमंडल अंटार्कटिका, समुद्री सतह और बाहरी अंतरिक्ष भी शामिल है इस दिशा में कुछ महत्वपूर्ण समझौते जैसे अंटार्कटिका संधि (1959) मांट्रियल न्यायाचार (1987) और अंटार्कटिका पर्यावरणीय न्यायाचार (1991) हो चुके है।

साझी संपदा, भिन्न भिन्न जिम्मेदारियों

★ वैश्विक साझी संपदा की सुरक्षा को लेकर भी विकसित एवं विकासशील देशों का मत भिन्न है। विकसित देश इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सभी देशों में बराबर बाँटने के पक्ष में है। परन्तु विकासशील देश दो आधारों पर विकसित देशों की इस नीति का विरोध करते है, पहला यह कि साझी संपदा को प्रदूषित करने में विकसित देशो की भूमिका अधिक है दूसरा यह कि विकासशील देश अभी विकास की प्रक्रिया में है। अतः साझी संपदा की सुरक्षा के संबंध में विकसित देशों की जिम्मेवारी भी अधिक होनी चाहिए तथा विकासशील देशों की जिम्मेदारी कम की जानी चाहिए।

★ भारत ने भी पर्यावरण सुरक्षा के विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अपना योगदान दिया है :-

1) 2002 क्योटो प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर एवं उसका अनुमोदन।

2) 2005 में जी-8 देशों की बैठक में विकसित देशों द्वारा की जा रही ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी पर जोर।

3) नेशनल ऑटो-फ्यूल पॉलिसी के अंर्तगत वाहनों में स्वच्छ ईधन का प्रयोग।

4) 2001 में उर्जा संरक्षण अधिनियम पारित किया।

5) 2003 में बिजली अधिनियम में नवीकरणीय उर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया गया।

6) भारत में बायोडीजल से संबंधित एक राष्ट्रीय मिशन पर कार्य चल रहा है।

7) भारत SAARC के मंच पर सभी राष्ट्रों द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा पर एक राय बनाना चाहता है।

8) भारत में पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए 2010 में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (NGT) की स्थापना की गई।

9) भारत विश्व का पहला देश है जहाँ अक्षय उर्जा के विकास के लिए अलग मन्त्रालय है।

10) कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन में प्रति व्यक्ति कम योगदान (अमेरिका 16 टन, जापान 8 टन, चीन 06 टन तथा भारत 01.38 टन।

11) 1. भारत ने पेरिस समझौते पर 2 अक्टूबर 2016 हस्ताक्षर किये हैं 2. 2030 तक भारत ने उत्सर्जन तीव्रता को 2005 के मुकाबले 33-35ः कम करने का लक्ष्य रखा है।

12) 1. COP-23 में भारत वृक्षारोपण व वन क्षेत्र की वृद्धि के माध्यम से 2030 तक 2.5 से 3 विलियन टन CO_2 के बराबर सिंक बनाने का वादा किया है।

2. भारत कर्क व मकर रेखा के बीच स्थित सभी देशों के एक वैश्विक सौर गठबंधन के मुखिया के रूप में कार्य करेगा।

★ पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर विभिन्न देशों की सरकारों के अतिरिक्त विभिन्न भागों में सक्रिय पर्यावरणीय कार्यकताओ ने अन्तर्राष्ट्रीय एवं स्थानीय स्तर पर कई आंदोलन किये है जैसे :-

1) दक्षिणी देशों मैक्सिकों, चिले, ब्राजील, मलेशिया, इण्डोनेशिया, अफ्रीका और भारत के वन आंदोलन।

2) ऑस्ट्रेलिया में खनिज उद्योगों के विरोध में आन्दोलन।

3) थाइलैंण्ड, दक्षिण-अफ्रीका, इण्डोनेशिया, चीन तथा भारत में बड़े बाँधों के विरोध में आंदोलन जिनमें भारत का नर्मदा बचाओ आंदोलन प्रसिद्ध है।

★ **संसाधनों की भू-राजनीति :-** यूरोपीय देशों के विस्तार का मुख्य कारण अधीन देशों का आर्थिक शोषण रहा है। जिस देश के पास जितने संसाधन होगें उसकी अर्थव्यवस्था उतनी ही मजबूत होगी।

1) इमारती लकड़ी :- पश्चिम के देशों ने जलपोतों के निर्माण के लिए दूसरे देशों के वनों पर कब्जा किया ताकि उनकी नौसेना मजबूत हो और विदेश व्यापार बढ़े।

2) तेल भण्डार :- विश्व युद्ध के बाद उन देशों का महत्व बढ़ा जिनके पास यूरेनियम और तेल जैसे संसाधन थे। विकसित देशों ने तेल की निर्बाध आपूर्ति के लिए समुद्री मार्गो पर सेना तैनात की।

3) जल :- पानी के नियन्त्रण एवं बँटवारे को लेकर लड़ाइयाँ हुई। जार्डन नदी के पानी के लिए चार राज्य दावेदार है इजराइल, जार्डन, सीरिया एवम् लेबनान।

★ **मूलवासी :-** संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1982 में ऐसे लोगों को मूलवासी बताया जो मौजूदा देश में बहुत दिनों से रहते चले आ रहे थे तथा बाद में दूसरी संस्कृति या जातियों ने उन्हें अपने अधीन बना लिया, भारत में 'मूलवासी' के लिए जनजाति या आदिवासी शब्द का प्रयोग किया जाता है 1975 में मूलवासियों का संगठन World Council of Indigeneous People बना।

★ मूलवासियों की मुख्य माँग यह है कि इन्हें अपनी स्वतंत्र पहचान रखने वाला समुदाय माना जाए, दूसरे आजादी के बाद से चली आ रही परियोजनाओं के कारण इनके विस्थापन एवं विकास की समस्या पर भी ध्यान दिया जाए।

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और संरक्षण का उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए वनस्पतियों और जीवों की रक्षा और संरक्षण करना है।

जलवायु परिवर्तन से तात्पर्य तापमान और मौसम के पैटर्न में दीर्घकालिक बदलाव से है। ये बदलाव स्वाभाविक हो सकते हैं, लेकिन 1800 के दशक से, मानव गतिविधियां जलवायु परिवर्तन का मुख्य चालक रही हैं, मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन (जैसे कोयला, तेल और गैस) के जलने के कारण, जो

गर्मी-फँसाने वाली गैसों का उत्पादन करती है। धरती के वातावरण में तापमान के लगातार हो रही विश्वव्यापी बढ़ोतरी को ग्लोबल वार्मिंग कहते हैं।

★ प्राकृतिक संरक्षण किसी प्राकृतिक संसाधन के दोहन, विनाश को रोकने के लिए उसका उचित प्रबंधन है।
★ प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग
★ वर्षा संचयन, जल निकायों का पुनरुद्धार
★ सीवेज और औद्योगिक कचरे का उपचार
★ अंतर्राष्ट्रीय संधियों और समझौतों का उचित कार्यान्वयन
★ ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत जैसे सौर और पवन ऊर्जा का उपयोग करें।

एक अंक वाले प्रश्न :-

खाली स्थान भरो-

1. ओजोन परत में छेद होने का प्रमुख कारण ....गैस की मात्रा में कमी का होना है।
2. साझे .... संसाधन को लेकर देशों के बीच हिंसक संघर्ष हुए हैं।
3. भारत में मूलवासी के लिए .... शब्द का प्रयोग किया जाता है।

निम्नलिखित दिए गए बहु-विकल्पीय प्रश्नों में दिए गए विभिन्न विकल्पों में से एक सही विकल्प का चयन करिये

4. रियो सम्मेलन कब हुआ?

(क) 1992 (ख) 1997

(ग) 2002 (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

5. विश्व का पहला बांध विरोधी आंदोलन कहाँ हुआ?

(क) भारत (ख) कनाडा

(ग) ऑस्ट्रेलिया (घ) नॉर्वे

6. उत्तर-दक्षिण विभेद क्या है?

(क) उत्तर और दक्षिण दिशा में स्थित देशों के बीच विकास को लेकर मतभेद

(ख) विकसित और विकासशील देशों के बीच विकास को लेकर मतभेद

(ग) उपर्युक्त दोनों (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

7. निम्नलिखित में से किन संसाधनों को लेकर भू-राजनीति की जाती रही है?

(i) इमारती लकडी (ii) इंटरनेट (iii) तेल (iv) जल

(क) i, ii, iii, iv (ख) i, ii, iii

(ग) ii, iii, iv (घ) i, iii, iv

निम्नलिखित को सही करके पुनः लिखिए

8. क्योटो प्रोटोकाल 1992 में हुआ।
9. प्रथम पृथ्वी सम्मेलन दक्षिण अफ्रीका में हुआ।
10. तेल भंडार में सऊदी अरब दूसरे नंबर पर है।

निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

11. ''क्योटो प्रोटोकॉल'' क्या है?
12. वैश्विक ताप वृद्धि (ग्लोबल वार्मिग) किसे कहते है?
13. विश्व जलवायु के सम्बन्ध में अन्टार्कटिका महाद्वीप की क्या भूमिका है?
14. वायुमण्डल में ग्रीन हाऊस गैस बढ़ने से क्या प्रभाव होता है?
15. जलवायु परिवर्तन और विश्व की तापवृद्धि का क्या कारण है?
16. रियो + 20 क्या है?

निम्नलिखित का विस्तृत रूप लिखिए–

17. UNFCCC
18. UNEP
19. CFC
20. WWF

दो अंक वाले प्रश्न :–

1. 'एजेण्डा-21' क्या है?
2. रियो सम्मेलन के किन्हीं दो परिणामों का उल्लेख कीजिए।

3. भारत और चीन को क्योटो प्रोटोकॉल की बाध्यताओं से छूट देने का क्या कारण था?

4. धरती के ऊपरी वायुमंडल में क्या परिवर्तन आ रहे है?

5. मूलवासियों के अस्तित्व को सबसे बड़ा खतरा क्या है?

6. विश्व की सांझी सम्पदा के आकार में निरन्तर कमी के कोई दो कारण लिखिये।

7. जलवायु परिवर्तन के संबंध में अमेरिका की नीति में क्या परिवर्तन आया है?

गद्यांश आधारित चार अंकीय प्रश्न

पृथ्वी के पर्यावरण को संरक्षित, सुरक्षित तथा पोषित करने के लिए राज्य विश्व भागीदारी की भावना के आधार पर सहयोग करेगें। पर्यावरण को खराब करने से संबंधित असमान भागीदारी को ध्यान में रखते हुऐ राज्य साझे परन्तु भिन्न-भिन्न जिम्मेदारियों को निभायेंगें।

i) गद्यांश में लिखी गई बातें कब और कहाँ कही गई हैं?

a) पृथ्वी सम्मेलन 1992

b) स्टॉकहोम सम्मेलन 1972

c) कोपनहेगन सम्मेलन 2009

d) पेरिस समझौता 2015

ii) राज्यों को सांझी परंतु भिन्न भिन्न जिम्मेदारियां निभाने को क्यों कहा जा रहा है।

a) पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने में विकसित देशों की भूमिका अधिक है

b) पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने में विकासशील देशों की भूमिका अधिक है।

c) सभी राष्ट्रों का समान योगदान है

d) इनमें से कोई नहीं

iii) पर्यावरण संरक्षण को अधिक प्रोत्साहन मिलने का क्या आधार है?

a) निरंतर बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग

b) निरंतर कृषि भूमि में होती कमी

c) वायुमंडल में ओजोन गैस की मात्रा में लगातार कमी

d) उपरोक्त सभी

iv) रियो डी जेनेरियो (1992) समम्मेलन को किस नाम से पुकारा जाता है?

a) पृथ्वी सम्मेलन

b) जल सम्मेलन

c) आर्थिक सम्मेलन

d) वायु सम्मेलन

चार अंकीय प्रश्न :-

1. विश्व की साझी विरासत का क्या अर्थ है? इसका दोहन और प्रदूषण कैसे होता है।
2. साझी संपदा की सुरक्षा के संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किये गये प्रयासों की विवेचना कीजिए।
3. पर्यावरण संरक्षण के संदर्भ में साझी जिम्मेदारी लेकिन अलग-अलग भूमिका के विषय में भारतीय दृष्टिकोण क्या है?
4. मूलवासी कौन है? उनके अधिकारो पर टिप्पणी कीजिए।
5. टिकाऊ विकास क्या है? इसको कैसे लागू किया जा सकता है?

चार अंकीय कार्टून आधारित प्रश्न :-

नीचे दर्शाये गये कार्टून का अध्ययन कीजिए एवं इस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प का चयन कीजिए।

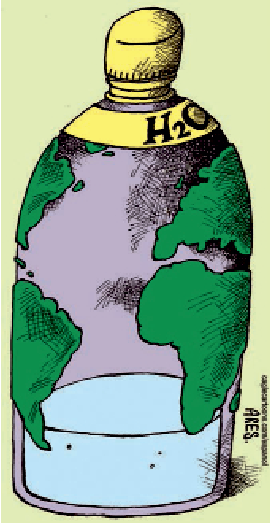

1. पृथ्वी में किस संसाधन की कमी हो रही है?

i) विश्व में स्वच्छ पानी की कमी हो रही है,

ii) विश्व में स्वच्छ वायु की कमी हो रही हैं।

iii) विश्व में स्वच्छ सौर ऊर्जा की कमी हो रही हैं।

iv) विश्व में अस्वच्छ पानी की कमी हो रही हैं।

2. कौन सा प्राकृतिक संसाधन साझा संसाधन माना जाता है?

i) श्रम एक साझा संसाधन है।

ii) पानी एक साझा संसाधन है

iii) पूँजी एक साझा संसाधन हैं।

iv) प्रौद्योगिकी एक साझा संसाधन हैं

3. वे देश जिनके बीच जल के लिए हिंसक संघर्ष हुआ।

i) जापान - चीन - रूस

ii) जर्मनी - इटली - फ्रांस

iii) जार्डन - सीरिया - इजरायल

iv) इजरायल - सीरिया - टर्की

4. विश्व में पानी की कमी का कारण -

i) बढ़ती जनसंख्या

ii) ताप वृद्धि

iii) प्रदूषण

iv) उपर्युक्त सभी

मानचित्र आधारित प्रश्न

2. दिए गए विश्व के रेखा-मानचित्र में पांच देश A, B, C तथा D द्वारा चिन्हित किये गये हैं। नीचे दी गयी जानकारी के आधार पर उन्हें पहचानिये और उनके सही नाम, प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या तथा संबंधित अक्षर सहित, निम्नलिखित तालिका के रूप में अपनी नोटबुक में लिखिए

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबधित अक्षर	देश का नाम
i		
ii		
iii		
iv		

चार अंकीय मानचित्र आधारित प्रश्न

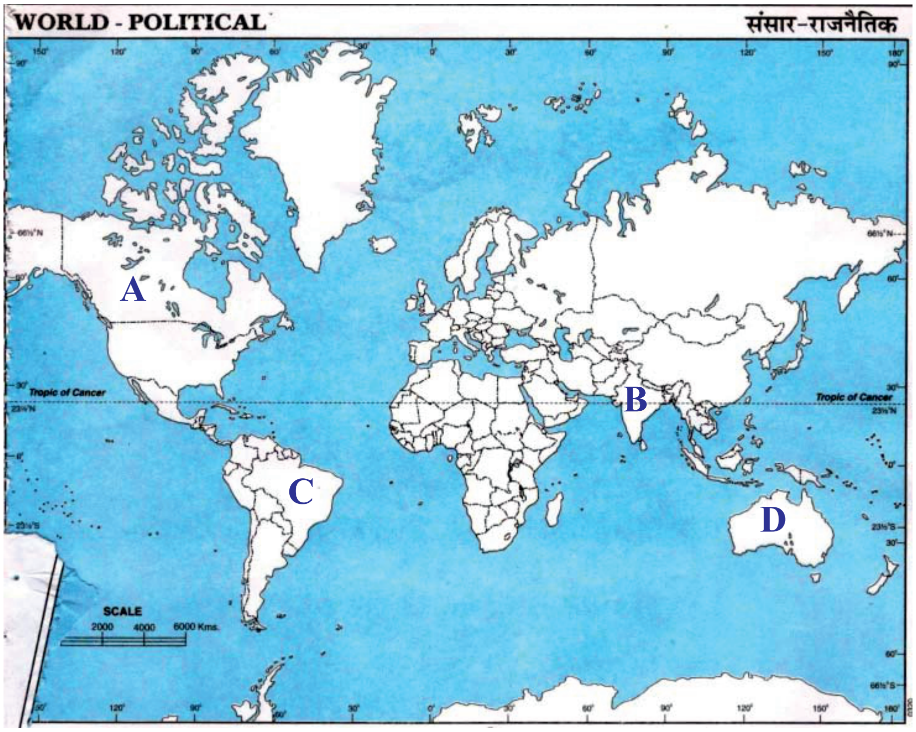

i) वह देश जहाँ जून 1992 में पृथ्वी सम्मेलन हुआ

ii) ग्रीन हाउस गैसों का प्रमुख उत्सर्जनकर्ता देश।

iii) क्योटो-प्रोटोकॉल की बाध्यताओं से मुक्त रखा गया देश।

vi) पहला बाँध-विरोधी आंदोलन इस देश में हुआ था।

छः अंकों वाले प्रश्न :-

1. वैश्विक राजनीति में पर्यावरण की चिन्ता अपरिहार्य है। स्पष्ट करें। (IMP)

2. विश्व में पर्यावरण प्रदूषण के क्या कारण है और इसका संरक्षण कैसे किया जा सकता है? विचार प्रकट करे।

3. "सांझी जिम्मेदारी लेकिन अलग-अलग भूमिकाएँ" से क्या अभिप्राय है? हम इस विचार को कैसे लागू कर सकते है? (IMP)

4. पृथ्वी को बचाने के लिए जरूरी है कि विभिन्न देश सुलह और सहकार की नीति अपनाएँ, पर्यावरण के सवाल पर उत्तरी और दक्षिणी देशों के बीच जारी वार्ताओं की रोशनी में इस कथन की पुष्टि करें।

एक अंक वाले प्रश्नों के उत्तरः

1. ओजोन
2. जल
3. आदिवासी
4. क - 1992
5. ग - ऑस्ट्रेलिया
6. ख - विकसित और विकासशील देशों के बीच विकास को लेकर मतभेद।
7. घ - i, iii, iv (इमारती लकड़ी, तेल, जल)
8. 1997 में
9. ब्राजील
10. पहले
11. क्योटो प्रोटोकॉल जापान के शहर में हुए एक समझौते का नाम है जिसमें ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन की कमी के लक्ष्य निर्धारित किए गए।
12. पर्यावरण प्रदूषण से विश्व के बढ़ते तापमान को ग्लोबल वार्मिंग कहते है।
13. विश्व जलवायु को सन्तुलित रखता है।
14. ग्रीन हाऊस गैसे ओजोन परत को नुकसान पहुँचाती है।
15. बढ़ता औद्योगीकरण
16. 1992 के पहले पृथ्वी सम्मेलन के 20 वर्षों बाद 2012 में पुनः सम्मेलन हुआ। जिसे रियो + 20 कहा गया है।

17. संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन पर बुनियादी नियमाचार

18. संयुक्त राज्य पर्यावरण कार्यक्रम

19. क्लोरो फ्लोरों कार्बन

20. विश्व वन्यजीव कोष

दो अंको वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. रियो सम्मेलन में सतत विकास के कुछ तौर-तरीके सिखाये गये इसे ही एजेण्डा-21 कहा गया।

2. i) ग्लोबल वार्मिंग मुख्य चिन्ता के विषय के रूप में उभरा।

   ii) टिकाऊ विकास पर जोर।

3. क्योंकि ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन में इनका योगदान अधिक नहीं था।

4. ओजोन परत में छेद जिसके कारण मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण को खतरा हुआ।

5. जंगल गायब हो रहे है तथा वन्य जीवन जन्तुओं की संख्या घट रही हैं

6. अंधाधुंध संसाधनों का दोहन, बढ़ती जनसंख्या

7. राष्ट्रपति ओबामा के कार्यकाल में अरबों डॉलर की सहायता वैश्विक ताप की समस्या से निपटाने के लिए दी गयी थी जबकि राष्ट्रपति ट्रंप ने यह कहकर कि ऐसा करने से अमेरिका की GDP अगले 10 साल 2500 अरब डॉलर से घटकर और कमजोर हो जाएगी अमेरिका को पेरिस समझौते से अलग कर लिया है।

गद्यांश पर आधरित प्रश्नों के उत्तर

i) a) पृथ्वी सम्मेलन 1992

ii) a) पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने में विकसित देशों की भूमिका अधिक है

iii) d) उपरोक्त सभी

iv) a) पृथ्वी सम्मेलन

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. ऐसी संपदा जिस पर किसी एक व्यक्ति या समुदाय का अधिकार नहीं वरन् संपूर्ण वैश्विक समुदाय का अधिकार हो, वैश्विक साझी संपदा कहलाती है।

--   दोहन एवं प्रदूषण के कारण :-

i) निजीकरण

ii) गहनतर खेती

iii) आबादी की वृद्धि

iv) परिस्थितिकी तंत्र की गिरावट।

v) कार्बन गैसों का अत्याधिक उत्र्सजन।

2. स्मरणीय बिन्दु देखें।

3. भारत का विचार है कि ग्रीन हाऊस गैसों की उत्सर्जन दर में कमी करने की अधिक जिम्मेदारी विकसित देशों की है, क्योंकि इन देशों ने लम्बी अवधि तक इन गैसों का ज्यादा उत्सर्जन किया है तथा विलासिता एवं आवश्यकता में अन्तर होना चाहिए।

4. स्मरणीय बिन्दु देखें।

5. अर्थ के लिए स्मरणीय बिन्दु देखें, : विकास की वह नीतियां जहां मानव की न केवल वर्तमान आवश्यकताओं की पूर्ति हो वरन् अनन्त काल मानव की आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित हो सके।

   लागू करने के तरीके।

   i) अपरिग्रह की भावना (आवश्यकताओं में कमी)

   ii) आवश्यकता अनुसार उत्पादन करना।

   iii) प्राकृतिक सह अस्तित्व।

   iv) प्राकृतिक साधनों का उचित एवं पूर्ण प्रयोग

1. कार्टून आधारित प्रश्न के उत्तर

   1. i) विश्व में स्वच्छ पानी की कमी हो रही है।

   2. ii) पानी एक साझा संसाधन है।

   3. iii) इजरायल, जार्डन, सीरिया।

   4. iv) उपर्युक्त सभी।

मानचित्र आधारित प्रश्न का उत्तर

2. i) C ब्राजील ii) A अमरीका iii) B भारत iv) D आस्ट्रेलिया

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. निम्न कारणों से वैश्विक राजनीति में पर्यावरण की चिन्ता अपरिहार्य है :-

   i) बढ़ता प्रदूषण ii) ओजोन परत में छेद iii) स्वच्छ पेयजल की कमी। iv) जैव विविधता को खतरा v) उपजाऊ जमीन, मस्त्य भंडार, चारगाह का तेजी से घटना vi) जल चक्र गड़बड़ाने का खतरा vii) प्राकृतिक संसाधनों का दोहन viii) जनसंख्या विस्फोट

2. विश्व में पर्यावरण प्रदूषण के उत्तरदायी कारक :-

   i) जनसंख्या वृद्धि ii) वनो की कटाई iii) उपभोक्तावादी संस्कृति को बढ़ावा iv) संसाधनों का अत्याधिक दोहन v) औद्योगिकीकरण को बढ़ावा। vi) परिवहन के अत्यधिक साधन।

   संरक्षण के उपाय :- i) जनसंख्या नियंत्रण ii) वन संरक्षण iii) पर्यावरण मित्र तकनीक का प्रयोग iv) प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित प्रयोग। v) परिवहन के सार्वजनिक साधनों का प्रयोग vi) जन जागरूकता कार्यक्रम vii) अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग।

3. ''साझी जिम्मेदारी भूमिकाएँ अलग-अलग :- स्मरणीय बिन्दु देखें।

   विचार को लागू करने के उपाय :-

   i) पर्यावरण संरक्षण हेतु अंतर्राष्ट्रीय कानून विकासशील देशों के अनुकूल हो।

   ii) पर्यावरण संरक्षण हेतु संयुक्त कोष।

   iii) व्यक्तिगत, क्षेत्रीय, राजकीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास।

   iv) साझी संपदा तथा संसाधनों पर अनुसंधान कार्य।

4. स्मरणीय बिंदु देखें

अध्याय – 7

वैश्वीकरण

वैश्वीकरणः अर्थ,अभिव्यक्तियाँ और वाद-विवाद।

वैश्वीकरण बहुआयामी प्रक्रिया है, जिसमें हम अपने निर्णयों को दुनिया के एक क्षेत्रों में कार्यान्वित करते हैं, जो दुनिया के दूरवर्ती क्षेत्रों में व्यक्तियों के व्यवहार के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्मरणीय बिन्दु :-

★ एक अवधारणा के रूप में वैश्वीकरण का बुनियादी तत्व 'प्रवाह' है। प्रवाह कई प्रकार के होते हैं जैसे-वस्तुओं, पूँजी, श्रम और विचारों का विश्व के एक हिस्से से दूसरे अन्य हिस्से में मुक्त प्रवाह।

★ वैश्वीकरण को भूमण्डलीकरण भी कहते है और यह एक बहुआयामी अवधारणाा है। यह न तो केवल आर्थिक परिघटना है और न ही सिर्फ सांस्कृतिक या राजनीतिक परिघटना

★ **वैश्वीकरण के कारण :-**

1) उन्नत प्रौद्योगिकी एवं विश्वव्यापी पारस्परिक जुड़ाव जिस कारण आज विश्व एक वैश्विक ग्राम बन गया है।

2) टेलीग्राफ, टेलीफोन, माइक्रोचिप, इंटरनेट एवं अन्य सूचना तकनीकी साधनों ने विश्व के विभिन्न भागों के बीच संचार की क्रांति कर दिखाई है।

3) पर्यावरण की वैश्विक समस्याओं जैसे सुनामी, जलवायु परिवर्तन वैश्विक तापवृद्धि से निपटने हेतू अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग।

★ **वैश्वीकरण की विशेषताएँ :-**

1) पूंजी, श्रम, वस्तु एवं विचारों का गतिशील एवं मुक्त प्रवाह।

2) पूंजीवादी व्यवस्था, खुलेपन एवं विश्व व्यापार में वृद्धि।

3) देशों के बीच आपसी जुड़ाव एवं अन्तः निर्भरता।

4) विभिन्न आर्थिक घटनाएँ जैसे मंदी और तेजी तथा महामारियों जैसे एंथ्रेक्स, कोविड-19 इबोला, HIV AIDS, स्वाइन फ्लू जैसे मामलों में वैश्विक सहयोग एवं प्रभाव

★ **वैश्वीकरण के उदाहरण :-**

-- विभिन्न विदेशी वस्तुओं की भारत में उपलब्धता।

-- युवाओं को कैरियर के विभिन्न नए अवसरों का मिलना।

-- किसी भारतीय का अमेरिकी कैलेंडर एवं समयानुसार सेवा प्रदान करना।

-- फसल के खराब हो जाने से कुछ किसानों द्वारा आत्म-हत्या कर लेना।

-- अनेक खुदरा (रिटेल) व्यापारियों को डर है कि रिटेल में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) लागू होने से बड़ी रिटेल कम्पनियाँ आयेंगी और उनका रोजगार छिन जायेगा।

-- लोगों के बीच आर्थिक असमानता में वृद्धि।

ये उदाहरण सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों प्रकृति के हो सकते है।

★ वैश्वीकरण के प्रभाव मुख्यतः तीन प्रकार के है राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक।

★ **वैश्वीकरण की अभिव्यक्तियाँ**

(i) राजनीतिक (ii) आर्थिक (iii) सांस्कृतिक

वैश्वीकरण के प्रभाव

आर्थिक		राजनीतिक		सांस्कृतिक	
सकारात्मक	नकारात्मक	सकारात्मक	नकारात्मक	सकारात्मक	नकारात्मक
★ आर्थिक प्रवाह में तेजी ★ व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि ★ आर्थिक विकास	★ अमीर व गरीब के बीच अंतर बढ़ा विकसित देशों को अधिक लाभ ★ आर्थिक उपनिवेशवाद	★ प्रौद्योगिकी व सूचना की तीव्रता से राज्यों की कार्यकुशलता में वृद्धि ★ सुरक्षा के वैकल्पिक साधन उपलब्ध	न्यूनतम हस्तक्षेपकारी राज्य ★ MNCs में वृद्धि ★ बाजार अर्थव्यवस्था का निर्धारक	★ सांस्कृतिक समरूपता आई है ★ बाहरी सांस्कृतिक प्रभावों से पसंदी का क्षेत्र बढ़ा	★ प्रत्येक देशी की संस्कृति की मौलिकता समाप्त ★ कम ताकतवर समाजों की संस्कृति का लोप
		★ राज्यों की भूमिका कम जरूर हुई है पर समाप्त नहीं	★ राज्यों की प्रभुसत्ता प्रभावित व लोक कल्याण कारी राज्य की भूमिका कम		अल्पविकसित व विकासशील देशों की संस्कृति का पाश्चत्यीकरण

★ **वैश्वीकरण के राजनीतिक प्रभाव।**

1) वैश्वीकरण से राज्य की क्षमता में कमी आई है। राज्य अब कुछेक मुख्य कार्यो जैसे कानून व्यवस्था बनाना तथा सुरक्षा तक ही सीमित है। अब बाजार आर्थिक और सामाजिक प्राथमिकताओं का मुख्य निर्धारक है।

2) राज्य की प्रधानता बरकरार है तथा उसे वैश्वीकरण से कोई खास चुनौती नहीं मिल रही है।

3) इस पहलू के अनुसार वैश्वीकरण के कारण अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएँ जुटा सकते है और कारगर ढंग से कार्य कर सकते है। अतः राज्य अधिक ताकतवर हुए है।

★ **वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभाव :-**

1) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्वबैंक एवं विश्व व्यापार संगठन जैसे -

अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा आर्थिक नीतियों का निर्माण। इन संस्थाओं में धनी, प्रभावशाली एवं विकसित देशों का प्रभुत्व।

2) आयात प्रतिबंधो में अत्यधिक कमी।

3) पूंजी के प्रवाह से पूंजीवादी देशों को लाभ परन्तु श्रम के निर्बाध प्रवाह न होने के कारण विकासशील देशों को कम लाभ।

4) विकसित देशों द्वारा वीजा नीति द्वारा लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध।

5) वैश्वीकरण के कारण सरकारें अपने सामाजिक सरोकारों से मुंह मोड़ रही है उसके लिए सामाजिक सुरक्षा कवच की आवश्यकता है।

★ वैश्वीकरण के आलोचक कहते है कि इससे समाजों में आर्थिक असमानता बढ़ रही है।

वैश्वीकरण के सांस्कृतिक प्रभाव

1) सांस्कृतिक समरूपता द्वारा विश्व में पश्चिमी संस्कृतियों को बढ़ावा।

2) खाने-पीने एवं पहनावे में विकल्पों की संख्या में वृद्धि।

3) लोगों में सांस्कृतिक परिवर्तनों पर दुविधा।

4) संस्कृतियों की मौलिकता पर बुरा असर।

5) सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण जिसमें प्रत्येक संस्कृति कही ज्यादा अलग और विशिष्ट हो रही है।

★ भारत और वैश्वीकरण :-

-- आजादी के बाद भारत ने संरक्षणवाद की नीति अपनाकर अपने घरेलू उत्पादों पर जोर दिया ताकि भारत आत्मनिर्भर रहे।

-- 1991 में लागू नई आर्थिक नीति द्वारा भारत वैश्वीकरण के लिए तैयार हुआ और खुलेपन की नीति अपनाई।

-- वैश्वीकरण के कारण भारत की आर्थिक वृद्धि दर में 7.5 प्रतिशत वार्षिक की बढ़ोतरी हुई। जो 1990 में 5.5 प्रतिशत वार्षिक थी।

-- भारत के अनिवासी भारतीय विदेशों में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा दे रहे है।

-- भारत के लोग कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर में अपना वर्चस्व स्थापित करने में कामयाब रहे हे।

-- आज भारतीय लोग वैश्विक स्तर पर उच्च पदों पर आसीन होने में सफल हुए है।

★ वैश्वीकरण का प्रतिरोध :-

विश्व द्वारा	भारत द्वारा	
	वामपंथी	दक्षिणपंथी
1. 1999 में सिएटल में WTO की मंत्रिस्तरीय बैठक के समय यह कहा गया कि विकासशील देशों के हितों की उपेक्षा हुई है। 2. वैश्वीकरण का प्रतिरोध WSF (विश्व सामाजिक मंच) द्वारा भी किया जा रहा है। इसकी निम्नलिखित बैठकें हुई हैं- प्रथम 2001 - पोर्ट अल्गोर चौथी 2004 - मुंबई सातवीं 2007 - नैरोबी (केन्या)	धनी व्यक्तियों को अधिक धनी और गरीब को और अधिक गरीब बनाती है	राजनैतिक आर्थिक व सांस्कृतिक प्रभावों को लेकर चिंतित है - 1. राजनैतिक क्षेत्र में चाहते हैं कि राज्य की भूमिका बढ़े। 2. आर्थिक क्षेत्र में संरक्षणवाद की नीति अपनाना चाहते हैं। 3. सांस्कृतिक क्षेत्र में अपनी संस्कृति की सुरक्षा चाहते हैं।

★ **वैश्वीकरण का विरोध :-**

-- वामपंथी विचारक इसके विभिन्न पक्षों की आलोचना करते है।

-- राजनीतिक अर्थों में उन्हें राज्य के कमजोर होने की चिंता है।

-- आर्थिक क्षेत्र में वे कम से कम कुछ क्षेत्रों में आर्थिक निर्भरता एवं संरक्षण वाद का दौर कायम करना चाहते है।

-- सांस्कृतिक संदर्भ में इनकी चिंता है कि परंपरागत संस्कृति को हानि होगी और लोग अपने सदियों पुराने जीवन मूल्य तथा तौर तरीकों से हाथ धो देंगे।

-- वर्ल्ड सोशल फोरम (WSF) नव उदारवादी वैश्वीकरण के विरोध का एक विश्वव्यापी मंच है इसके तहत मानवाधिकार कार्यकर्ता, पर्यावरणवादी मजदूर, युवा और महिला कार्यकर्ता आते है।

-- 1999 में सिएट्ल में विश्व व्यापार संगठन की मंत्री-स्तरीय बैठक का विरोध हुआ जिसका कारण आर्थिक रूप से ताकतवर देशों द्वारा व्यापार के अनुचित तौर -तरीकों के विरोध में हुआ।

एक अंकीय प्रश्न :-

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. वैश्वीकरण के उदय का मुख्य कारण क्या है?

   a) उन्नत प्रौद्योगिकी

   b) संचार की क्रान्ति

   c) विश्वव्यापी पारस्परिक जुड़ाव

   d) उपरोक्त सभी

2. निम्नलिखित में से वैश्वीकरण के बारे में कौन सा कथन सही नही है?

   a) वैश्वीकरण एक बहुआयामी प्रक्रिया है।

   b) वैश्वीकरण और भूमंडलीकरण एक ही हैं।

   c) वैश्वीकरण केवल एक आर्थिक परिघटना है।

   d) वैश्वीकरण देशों के बीच आपसी जुड़ाव है।

3. WSF की पहली बैठक कहां और कब हुई ?

a) 2004 यूरोप में

b) 2001 ब्राजील में

c) 2002 ब्राजील में

d) 2005 अमेरिका में

4. वैश्वीकरण के विरोध का विश्वव्यापी मंच कौन सा है ?

a) भारत सोशल मंच

b) विश्व सोशल फोरम

c) विश्व उपभोक्ता मंच

d) उपरोक्त सभी

खाली स्थान भरो

5. वैश्वीकरण को बढ़ाबा देने में..................की प्रमुख भूमिका है।

6. वर्ल्ड सोशल फोरम की पहली बैठक 2001 में....................में हुई।

7. वैश्वीकरण के संबंध वस्तुओं, पूंजी व सेवाओं के एक देश से दूसरे देश में प्रवाह से है। (सही अथवा गलत)

8. वैश्वीकरण 1993 के बाद से फैलना प्रारम्भ हुआ (सही/गलत)

निम्नलिखित प्रश्न में दो वक्तत्व हैं। एक को कथन A और दूसरे को कारण R कहा गया है। आपको दोनों वक्तव्यों का परीक्षण करने है व निम्नलिखित कूट के आधार पर निर्णय कर अपना उत्तर अंकित करना है।

कूटः

(क) A और R दोनों सही हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

(ख) A और R दोनों सही हैं परंतु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(ग) A सही हैं परंतु R गलत है।

(घ) A गलत हैं और R सही है।

9. कथन A : वैश्वीकरण एक पूंजीवादी प्रक्रिया है, जिसका सर्वप्रमुख एवं अंतिम उद्देश्य पूंजीवाद को बढ़ावा देना है।

कारण R : वैश्वीकरण से सभी को लाभ होता है चाहे वे विकसित देश हों या विकासशील या अल्पविकसित।

10. कथन A : भारत में वैश्वीकरण का विरोध किया गया है।

    कारण R : वैश्वीकरण राज्य की भूमिका को सीमित करता है।

11. कथन A : वैश्वीकरण से विश्व में आर्थिक प्रवाह में वृद्धि हुई है।

    कारण R : वैश्वीकरण सांस्कृतिक समरूपता का भी कारक है।

दो अंकीय प्रश्न :-

1. सामाजिक सुरक्षा कवच से आप क्या समझते हो?
2. वैश्वीकरण में किसका मुक्त प्रवाह होता है?
3. विकसित देशों की वीजा नीति क्या है, बताइए?
4. संरक्षणवाद क्या है?
5. मैक्डोनाल्डीकरण का क्या अर्थ है?
6. विज्ञान और प्रौद्योगिकी का वैश्वीकरण पर क्या प्रभाव पड़ा?

गद्यांश आधारित चार अंकीय प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भारत में वैश्वीकरण का विरोध कई इलाकों से हो रहा है। आर्थिक वैश्वीकरण के खिलाफ वामपंथी तेवर की आवाजें राजनीतिक दलों की तरफ से उठी है। तो इंडियन सोशल फोरम जैसे मंचो से भी। औद्योगिक श्रमिक और किसानों के संगठनों ने बहुराष्ट्रीय निगमों के प्रवेश का विरोध किया है। कुछ वनस्पतियों मसलन 'नीम' को अमेरिकी और यूरोपीय फर्मों ने पेटेंन्ट कराने के प्रयास किए। इसका भी कड़ा विरोध हुआ।

1. वामपंथी राजनीति दलों ने वैश्वीकरण का विरोध क्यों किया?

    a) वैश्वीकरण पूंजीवाद का प्रसार है

    b) वैश्वीकरण पूंजीवाद के खिलाफ है

    c) वैश्वीकरण साम्यवाद का प्रसार है

    d) इनमें से कोई नहीं

2. आर्थिक वैश्वीकरण का विरोध किसने किया?

a) राजनीतिक दलों ने

b) इंडियन सोशल फोरम ने

c) इनमें से कोई नहीं

d) 1 और 2 दोनों

3. इंडियन सोशल फोरम जैसा वैश्विक संगठन कौन सा है?

a) IMF

b) WSF

c) WB

d) इनमें से कोई नहीं

4. पेटेंट से आप क्या समझते हैं?

a) बौद्धिक संपदा अधिकार

b) किसी नवाचार को अपने नाम पर रजिस्टर्ड कराना

c) किसी खोज को अपने नाम पर रजिस्टर्ड कराना

d) उपरोक्त सभी

4 अंकीय प्रश्न :-

1. वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभाव बताइएँ।
2. सांस्कृतिक समरूपता एवं सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण में अंतर स्पष्ट करो।
3. वैश्वीकरण का भारत पर क्या प्रभाव पड़ा? स्पष्ट करो।
4. वैश्वीकरण के विरोध और इस बारे में बनी राजनीतिक सहमति पर भारत के परिपेक्ष्य में चर्चा करो।
5. वैश्वीकरण के कारण राज्य की क्षमता में कमी आती है, समझाइये।
6. विश्वव्यापी ''पारस्परिक जुड़ाव'' क्या है? इसके कौन कौन से घटक है?

7. निम्नलिखित कार्टून को समझकर सही विकल्पों को चुने-

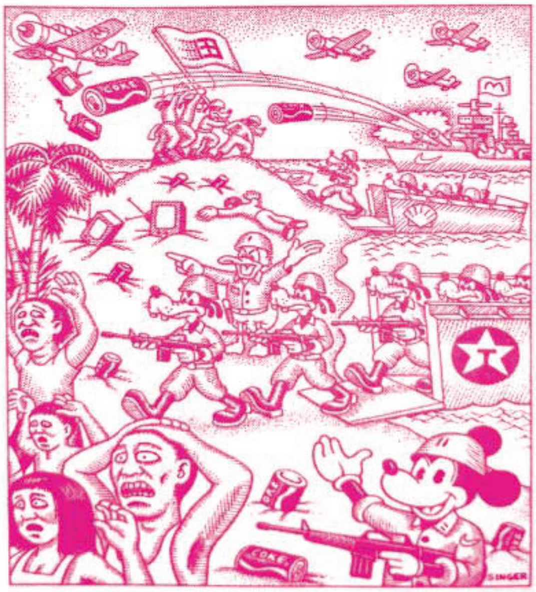

7.1 वैश्वीकरण के सांस्कृतिक प्रभाव को दिखाने के लिए किस कार्टून का उपयोग किया गया है ?

i) मिक्की माउस ii) शिन चेन

iii) डोरीमोन iv) कोई नहीं

7.2 किन पदार्थों/वस्तुओं का उपयोग वैश्वीकरण के लिए किया जा रहा है।

i) सोफ्ट ड्रिंक ii) मैक्डोनलड

iii) माइक्रोसाफ्ट iv) उपरोक्त सभी

7.3 भारत में उदारीकरण की शुरूआत किस वर्ष मानी जाती है।

i) 1947 ii) 1975

iii) 1991 iv) 2000

7.4 कौन एक भारतीय बहुराष्ट्रीय कम्पनी है ?

i) नेस्ले ii) टाटा मोटर्स

iii) पेप्सीको iv) सिटी बैंक

चार अंकीय मानचित्र आधारित प्रश्न :-

दिए गए विश्व के रेखा-मानचित्र में पांच देश A, B, C तथा D द्वारा चिन्हित किये गये हैं। नीचे दी गयी जानकारी के आधार पर इन देशों की पहचान कीजिए और उनके सही नाम, प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या तथा संबंधित अक्षर तालिका के रूप में उत्तरपुस्तिका में लिखिए

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबंधित अक्षर	देश का नाम
1		
2		
3		
4		

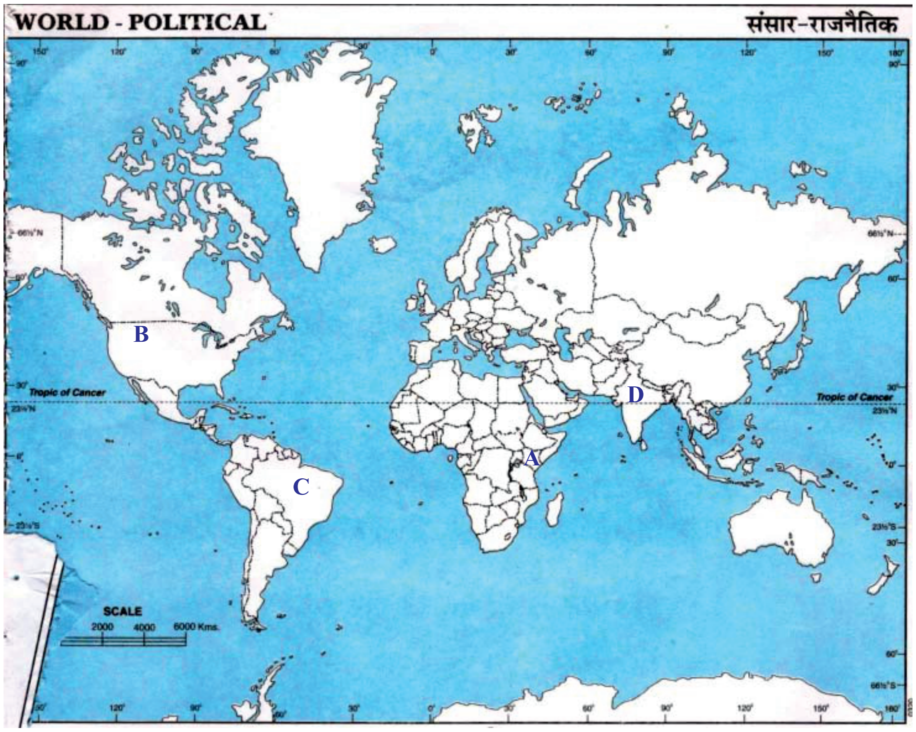

1. जहाँ 1999 में विश्व व्यापार संगठन की मंत्री स्तरीय बैठक हुई। जहाँ बड़े पैमाने पर आर्थिक रूप से ताकतवर देशों द्वारा व्यापार के अनुचित तौर-तरीके अपनाने के विरोध में प्रदर्शन हुए।
2. वह देश जहाँ 2001 में 'व्लर्ड सोशल फोरम' की पहली बैठक हुई।

3. वह देश जिसने 1991 में वैश्वीकरण की नीति को अपनाया।
4. वह देश जहाँ 2007 में 'व्लर्ड सोशल फोरम' की सातवीं बैठक हुई।

छः अंकीय प्रश्न :-

1. वैश्वीकरण ने भारत को कैसे प्रभावित किया है और भारत कैसे वैश्वीकरण को प्रभावित कर रहा है?
2. क्या आप इस तर्क से सहमत है कि वैश्वीकरण से सांस्कृतिक विभिन्नता बढ़ रही है? तर्क दें।
3. वैश्वीकरण के कारण विकासशील देशों में राज्य की बढ़ती या कम होती भूमिका का वर्णन करें।
4. वैश्वीकरण का प्रतिरोध किन आधारों पर किया जा रहा है?

एक अंकीय प्रश्नों के उतर

1. a) उन्नत प्रौद्योगिकी
2. c) वैश्वीकरण केवल एक आर्थिक परिघटना है
3. b) 2001 ब्राजील में
4. b) विश्व सोशल फोरम
5. प्रौद्योगिकी
6. पोर्ट अल्गोरे
7. सही
8. गलत
9. ग
10. क
11. ख

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, साफ-सफाई एवं नौकरी की सुविधा सरकार द्वारा उपलब्ध करवाना सामाजिक सुरक्षा कवच कहलाता है।
2. पूंजी, विचार, वस्तु एवं श्रम का मुक्त प्रवाह।

3. विकासशील देशों के लोगों को वीजा देने के नियमों में सख्ती ताकि अधिक संख्या में आकर लोग विकसित देशों में नौकरियाँ न हासिल कर ले।

4. 1991 से पहले अपने घरेलू उत्पादों को बचाने एवं एकाधिकार बनाएँ रखने हेतु विदेशी कम्पनियों पर प्रतिबंध लगाना संरक्षणवाद कहलाता है।

5. इसमें विभिन्न देशों की संस्कृति पर पश्चिमी संस्कृति हावी हो जाती है।

6. इसके विकास के कारण विश्व में पारस्परिक जुड़ाव एवं पारस्परिक निर्भरता बढ़ी।

गद्यांश के उत्तर

1 a) वैश्वीकरण पूंजीवाद का प्रसार है

2 d) 1 और 2 दोनों

3 b) WSF

4 a) उपरोक्त सभी

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1 – समान व्यापारिक तथा श्रम कानूनों द्वारा संतुलित आर्थिक विकास।
- पश्चिमी देशों द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के नियमों का निर्धारण।
- बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से घरेलू एवं लघु उद्योगों को नुकसान।
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)ए विनिवेश जैसे आर्थिक सुधारों का पूरे विश्व में लागू होना।

2. सांस्कृतिक समरूपता का अर्थ है पश्चिमी संस्कृति का पूरे विश्व में फैलना ताकि वह एक वैश्विक संस्कृति का रूप ले सके।

-- सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण में विभिन्न संस्कृतियाँ दूसरी संस्कृतियों की अच्छी बातों को अपनी संस्कृति में शामिल करती है जिस कारण प्रत्येक संस्कृति अनूठी बन रही है।

3. तीव्र आर्थिक विकास, नये अवसरों की उपलब्धता, घरेलु उद्योगों में नई चुनौतियों का उभार, विश्व राजनीति में भारत का महत्वपूर्ण स्थान।

4. - 1991 में शुरू हुए आर्थिक सुधारों का वामपंथी एवं दक्षिणपंथी विचारधारा वाले दलों द्वारा विरोध करना।

-- वामपंथी दलों ने राजनीतिक एवं सांस्कृतिक पक्ष पर अधिक विरोध किया।

राजनीतिक सहमति :- 1991 के बाद चाहे किसी भी दल का शासन हो।

आर्थिक सुधार, उदारीकरण व खुलेपन की नीति बिना रूकावट जारी है।

5. - कल्याणकारी राज्य का स्थान उदारवादी राज्य ने लिया।

- अहस्तक्षेप की नीति से राज्य के कार्य क्षेत्र में कमी।

- राज्य का मुख्य कार्य सुरक्षा, कानून व्यवस्था और विदेशी संबंधों तक सीमित।

-- आर्थिक और सामाजिक प्राथमिकताओं का प्रमुख निर्धारक बाजार है न कि राज्य।

6. - विश्व के सभी देश सूचना एवं संचार तंत्र के विकास द्वारा नजदीक हुए।

- पारस्परिक निर्भरता एवं पारस्परिक सहयोग।

- घटक इंटरनेट, टेलीफोन, टेलीग्राफ, माइक्रोचिप इत्यादि।

7. 7.1 i) मिक्की माउस।

7.2 iv) उपरोक्त सभी

7.3 iii) 1991

7.4 iv) टाटा मोटर्स

मानचित्र आधारित प्रश्न के उत्तर :-

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबधित अक्षर	देश का नाम
1	B	अमरीका (सिएटल)
2	C	ब्राजील (पोर्टो अलगेरे)
3	D	भारत
4	A	केन्या (नैरोबी)

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. वैश्वीकरण का भारत पर प्रभाव

★ तीव्र आर्थिक विकास

★ विश्व राजनीति में भारत का महत्वपूर्ण स्थान

★ नये अवसरों की उपलब्धता।

★ मजदूरों एवं किसानों की स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव

★ घरेलू उद्योगों में नई चुनौतियों का उभार

★ सांस्कृतिक वैभिन्न्नीकरण।

-- भारत द्वारा वैश्वीकरण को प्रभावित करना।

★ सस्ते श्रम की बदौलत भारतीय कम्पनियों को out-sourcing द्वारा अधिक काम।

★ अत्यधिक युवा जनसंख्या एवं क्रय शक्ति में वृद्धि द्वारा विकसित देशों में भारत के प्रति आकर्षण।

★ कम्प्यूटर एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से विकास कर अपना प्रभुत्व जमाना।

2. हाँ

- विभिन्न संस्कृतियों का मेल-जोल
- विभिन्न देशों द्वारा अन्य देशों के त्यौहारो का आनंद उठाना
- विभिन्न खान-पान की वस्तुओं द्वारा खाने में विकल्पों में बढ़ोत्तरी
- नीली जींस तथा खादी कुर्ते का प्रयोग आदि।

3. स्मरणीय बिन्दु देखें।

4. स्मरणीय बिन्दु देखें।

राजनीति विज्ञान

कक्षा – बारहवीं

स्वतंत्र भारत में राजनीति

द्वितीय पुस्तक

भाग - 2

अध्याय – 8

राष्ट्र निर्माण की चुनौतियाँ

स्मरणीय बिन्दु :-

राष्ट्र और राष्ट्र निर्माण

सरदार वल्लभभाई पटेल और राज्यों का एकीकरण

विभाजन की विरासत- शरणार्थियों के पुनर्वास की चुनौतियाँ, कश्मीर मुद्दा, राष्ट्र निर्माण में नेहरू का दृष्टिकोण

भाषा पर राजनीतिक संघर्ष और भाषा के आधार पर राज्यों का गठन

स्मरणीय बिन्दुः-

★ लगभग 200 वर्ष की अंग्रेजों की गुलामी के बाद 14-15 अगस्त सन 1947 की मध्यरात्रि को हिन्दुस्तान आजाद हुआ। लेकिन इस आजादी के साथ देश की जनता को देश के विभाजन का सामना करना पड़ा। संविधान सभा के विशेष सत्र में प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने 'भाग्यवधु से चिर-प्रतीक्षित भेंट या 'ट्रिस्ट विद् डेस्टिनी' के नाम से भाषण दिया।

★ आजादी की लड़ाई के समय दो बातों पर सबकी सहमति थी।

1)आजादी के बाद देश का शासन लोकतांत्रिक पद्धति से चलाया जायेगा।

2)सरकार समाज के सभी वर्गों के लिए कार्य करेगी।

★ नए राष्ट्र की चुनौतियाँ :-

मुख्य तौर पर भारत के सामने तीन तरह की चुनौतियाँ थी।

1. **एकता एवं अखंडता की चुनौती –**

भारत अपने आकार और विविधता में किसी महादेश के बराबर था। यहाँ विभिन्न भाषा, संस्कृति और धर्मो के अनुयायी रहते थे, इन सभी को एकजुट करने की चुनौती थी।

2. **लोकतंत्र की स्थापना –**

भारत ने संसदीय शासन पर आधारित प्रतिनिधित्वमूलक लोकतंत्र को अपनाया है। और भारतीय संविधान में प्रत्येक नागरिक को मौलिक अधिकार तथा मतदान का अधिकार दिया गया है।

3. **समानता पर आधारित विकास –**

ऐसा विकास जिससे सम्पूर्ण समाज का कल्याण हो, न कि किसी एक वर्ग का अर्थात् सभी के साथ समानता का व्यवहार किया जाए और सामाजिक रूप से वंचित वर्गो तथा धार्मिक सांस्कृतिक अल्पसंख्यक समुदायों को विशेष सुरक्षा दी जाए।

विभाजन :–

मुस्लिम लीग ने 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' को अपनाने के लिए तर्क दिया कि भारत किसी एक कौम का नहीं, अपितु 'हिन्दू और मुसलमान' नाम की दो कौमों का देश है। और इसी कारण मुस्लिम लीग ने मुसलमानों के लिए एक अलग देश यानी पाकिस्तान की माँग की।

-- भारत के विभाजन का आधार धार्मिक बहुसंख्या को बनाया गया।

जिसके कारण कई प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न हुई जिनका विवरण निम्नलिखित है।

क) मुसलमानों की जनसंख्या के आधार पर पाकिस्तान में दो इलाके शामिल होंगे पश्चिमी पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान और इनके मध्य में भारतीय भू-भाग का बड़ा विस्तार रहेगा।

ख) मुस्लिम-बहुल प्रत्येक इलाका पाकिस्तान में जाने को राजी नहीं था। पश्चिमोत्तर सीमाप्रांत के नेता खान-अब्दुल गफ्फार खाँ जिन्हें 'सीमांत गांधी' के नाम से जाना जाता है, वह 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' के एकदम खिलाफ थे।

ग) 'ब्रिटिश इंडिया' के मुस्लिम-बहुल प्रान्त पंजाब और बंगाल में अनेक हिस्से बहुसंख्यक गैर-मुस्लिम आबादी वाले थे। ऐसे में इन प्रान्तों का बँटवारा धार्मिक बहुसंख्या के आधार पर जिले या उससे निचले स्तर के प्रशासनिक हलके को आधार बनाकर किया गया।

घ) भारत विभाजन केवल धर्म के आधार पर हुआ था। इसलिए दोनों ओर के अल्पसंख्यक वर्ग बड़े असमंजस में थे, कि उनका क्या होगा। वह कल से भारत के नागरिक होगें या पाकिस्तान के।

ङ) विभाजन की समस्या :-

भारत-विभाजन की योजना में यह नहीं कहा गया कि दोनों भागों से अल्पसंख्यकों का विस्थापन भी होगा। विभाजन से पहले ही दोनों देशों के बँटने वाले इलाकों में हिन्दू-मुस्लिम दंगे भड़क उठे। पश्चिमी पंजाब में रहने वाले अल्पसंख्यक गैर मुस्लिम लोगों को अपना घर-बार, जमीन-जायदाद छोड़कर अपनी जान बचाने के लिए वहाँ से भारत आना पड़ा। और इसी प्रकार कुछ मुसलमानों को पाकिस्तान जाना पड़ा।

च) विभाजन की प्रक्रिया में भारत की भूमि का ही बँटवारा नहीं हुआ बल्कि भारत की सम्पदा का भी बँटवारा हुआ।

छ) आजादी एवं विभाजन के कारण भारत को विरासत के रूप में शरणार्थियों के पुनर्वास की समस्या मिली। लोगों के पुनर्वास को बड़े ही संयम ढंग से व्यावहारिक रूप प्रदान किया। शरणार्थियों के पुनर्वास के लिए सर्वप्रथम एक पुनर्वास मंत्रालय बनाया गया।

रजवाड़ो का विलय :-

★ रजवाड़ो का विलय- स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले भारत दो भागों में बँटा हुआ था- ब्रिटिश भारत एवं देशी रियासत। इन देशी रियासतों की संख्या लगभग 565 थी।

★ रियासतों के शासकों को मनाने-समझाने में सरदार पटेल (गृहमंत्री) ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई और अधिकतर रजवाड़ो को उन्होंने भारतीय संघ में शामिल होने के लिए राजी किया था।

★ देशी रियासतों के बारे में तीन अहम बातें :-

1) अधिकतर रजवाड़ो के लोग भारतीय संघ में शामिल होना चाहते थे।

2) भारत सरकार कुछ इलाकों को थोड़ी स्वायत्तता देने के लिए तैयार थी।

3) विभाजन की पृष्ठभूमि में विभिन्न इलाकों के सीमांकन के सवाल पर खींचतान जोर पकड़ रही थी और ऐसे में देश की क्षेत्रीय एकता और अखण डता का प्रश्न सबसे महत्वपूर्ण हो गया था। अधिकतर रजवाड़ों के शासकों ने भारतीय संघ में अपने विलय के एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर कर दिये थे इस सहमति पत्र को 'इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन' कहा जाता है।

★ जूनागढ़, हैदराबाद, कश्मीर और मणिपुर की रियासतों का विलय बाकी रियासतों की तुलना में थोड़ा कठिन साबित हुआ।

1) **हैदराबाद का विलय :-**

हैदराबाद के शासक को 'निज़ाम' कहा जाता था। उन्होंने भारत सरकार के साथ नवंबर 1947 में एक साल के लिए यथास्थिति बहाल रहने का समझौता किया। कम्युनिस्ट पार्टी और हैदराबाद कांग्रेस के नेतृत्व में किसानों और महिलाओं ने निजाम के खिलाफ आंदोलन शुरू किया। इस आंदोलन को कुचलने के लिए निजाम ने एक अर्द्ध-सैनिकबल (रजाकार) को लगाया। इसके जबाव में भारत सरकार ने सितंबर 1948 को सैनिक कार्यवाही के द्वारा निज़ाम को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया। इस प्रकार हैदराबाद रियासत का भारतीय संघ में विलय हुआ।

2) **मणिपुर रियासत का विलय :-**

मणिपुर की आंतरिक स्वायत्तता बनी रहे, इसको लेकर महाराजा बोधचंद्र सिंह व भारत सरकार के बीच विलय के सहमति पत्र पर हस्ताक्षर हुए। जनता के दबाव में जून 1948 में निर्वाचन करवाया गया इस निर्वाचन के फलस्वरूप संवैधानिक राजतंत्र कायम हुआ। मणिपुर भारत का पहला भाग है जहाँ सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के सिद्धांत को अपनाकर जून 1948 में चुनाव हुए।

सरदार पटेल तथा राष्ट्रीय एकता

भारत के प्रथम उप-प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल 1918 के खेड़ा सत्याग्रह तथा 1928 के बारदोली सत्याग्रह के पश्चात स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेता के रूप में उभरे।

स्वतंत्रता के समय रजवाड़ों के एकीकरण की समस्या राष्ट्रीय एकता व भारत की अखंडता के लिए एक बड़ी चुनौती थी। ऐसे कठिन समय में सरदार पटेल ने सभी 565 देसी रियासतों के एकीकरण के साहसिक कार्य का उत्तरदायित्व लिया। सभी देसी रियासतों के स्वतंत्र भारत में विलय को लेकर भारत में लौह पुरूष के नाम से विख्यात सरदार पटेल का दृष्टिकाण स्पष्ट था। वे भारत की क्षेत्रीय अखंडता को लेकर कोई समझौता नहीं चाहते थे। उनके राजनीतिक अनुभव, कूटनीतिक कौशल और दूरदर्शिता के कारण 565 में से कई रियासतें भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले ही भारत में विलय के लिए अपनी सहमति दें चुकीं थीं।

सरदार पटेल को एकीकरण में मुख्यतः तीन राज्यों हैदराबाद, जूनागढ़ तथा कश्मीर द्वारा चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्हीं के नेतृत्व में भारतीय सेनाओं ने हैदराबाद तथा जूनागढ़ को भारत में विलय के लिए तैयार किया। पाकिस्तान की मंशा, जो कि जिन्ना के विभाजनकारी ''द्विराष्ट्र सिद्धांत'' पर आधारित थी, से भली-भांति परिचित होने के कारण, सरदार पटेल की कश्मीर पर राय अन्य नेताओं से भिन्न थीं। हैदराबाद की भांति वें कश्मीर को भी सैन्य अभियान के द्वारा ही भारत में मिलाना चाहते थे। परंतु कुछ महत्वपूर्ण नेताओं के अदूरदर्शी राजनीतिक निर्णयों के कारण सरदार पटेल कश्मीर का भारत में पूरी तरह से विलय कराने में सफल नही हो पाए। तथापि सरदार पटेल सदैव एक ऐसे अद्‌भुत नेता के रूप में जाने जाते रहेंगेजो स्वयं में राष्ट्रवाद, परिवर्तक तथा यथार्थवाद के सम्मिश्रण थे जिन्हें भारतीय राजनीतिक इतिहास में एनसीआर (NCR - Nationalist Catalyst Realist) के रूप में जाना जाता है।

राज्यों का पुनर्गठन :-

★ औपनिवेशिक शासन के समय प्रांतो का गठन प्रशासनिक सुविधा के अनुसार किया गया था, लेकिन स्वतंत्र भारत में भाषाई और सांस्कृतिक बहुलता के आधार पर राज्यों के गठन की माँग हुई।

★ भाषा के आधार पर प्रांतो के गठन का राजनीतिक मुद्दा कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन (1920) में पहली बार शामिल किया गया था।

- ★ तेलगुभाषी, लोगों ने माँग की कि मद्रास प्रांत के तेलुगुभाषी इलाकों को अलग करके एक नया राज्य आंध्र प्रदेश बनाया जाए।
- ★ आंदोलन के दौरान कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता पोट्टी श्री रामुलू की लगभग 56 दिनों की भूख-हड़ताल के बाद मृत्यु हो गई।
- ★ इसके कारण सरकार को दिसम्बर 1952 में आंध्र प्रदेश नाम से अलग राज्य बनाने की घोषणा करनी पड़ी। इस प्रकार आंध्रप्रदेश भाषा के आधार पर गठित पहला राज्य बना।

राज्य पुनर्गठन आयोग (SRC) :-

- ★ 1953 में केन्द्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय के भूतपूर्व न्यायाधीश फजल अली की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया। आयोग की प्रमुख सिफारिशे :-

1) त्रिस्तरीय (भाग A,B,C) राज्य प्रणाली को समाप्त किया जाए।
2) केवल 3 केन्द्रशासित क्षेत्रों (अंडमान और निकोबार, दिल्ली, मणिपुर) को छोड़कर बाकी के केन्द्रशासित क्षेत्रों को उनके नजदीकी राज्यों में मिला दिया जाए।
3) राज्यों की सीमा का निर्धारण वहाँ पर बोली जाने वाली भाषा होनी चाहिए। इस आयोग ने अपनी रिपोर्ट 1955 में प्रस्तुत की तथा इसके आधार पर संसद में राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 पारित किया गया और देश को 14 राज्यों एवं 6 संघ शासित क्षेत्रों में बाँटा गया।

क्र.स.	मूल राज्य	नए राज्य बने	वर्ष
1	बम्बई	महाराष्ट्र, गुजरात	1960
2.	असम	नागालैंड	1963
3.	वृहत्तर पंजाब	हरियाणा, पंजाब	1966
4.	वृहत्तर पंजाब	हिमाचल प्रदेश	1966
5.	असम	मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा	1972
6.	असम	मिजोरम, अरूणाचल प्रदेश	1987
7.	उत्तर प्रदेश	उत्तराखण्ड	2000
8.	बिहार	झारखंड	2000
9.	मध्य प्रदेश	छत्तीसगढ़	2000
10.	आंध्र प्रदेश	तेलंगाना	2014

★ संघ शासित क्षेत्र जो बाद में राज्य बने –
मिजोरम, मणिपुर, त्रिपुरा और गोवा आदि।

एक अंकीय प्रश्न :–

1. जवाहर लाल नेहरू के किस भाषण को भाग्यवधू से 'चिर प्रतीक्षित भेंट' के नाम से जाना जाता है ?
2. आजादी के बाद भारत के सामने पहली चुनौती क्या थी ?
3. जिन्ना ने द्वि–राष्ट्र सिद्धान्त का प्रतिपादन क्यों किया था ?
4. रजवाड़ो के शासकों और भारतीय संघ के मध्य जिस सहमति पत्र पर हस्ताक्षर हुए, उसे क्या कहा जाता है ?
5. किस राज्य में पहली बार सार्वभौम वयस्क मताधिकार के सिद्धांत को अपनाकर चुनाव हुए।
6. किस अधिवेशन के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने मान लिया कि राज्यों का पुनर्गठन भाषा के आधार पर होगा ?
7. स्वतंत्र भारत के पहले गर्वनर जनरल कौन थे। उन्होंने 1959 में किस पार्टी की स्थापना की ?
8. आंध्र–आंदोलन के दौरान किस नेता की मृत्यु भूख–हड़ताल से हुई थी ?
9. भारत में 1956 में भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन क्यों किया गया ?
10. प्रथम चुनाव आयुक्त कौन थे ?
11. सीमान्त गाँधी ने नाम से किसे जाना जाता है ?
12. भारत के किन दो प्रान्तों का बँटवारा 1947 के विभाजन की सबसे बड़ी त्रासदी का कारण बना ?
13. पंजाबी भाषा की पदमश्री तथ ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मनित कवयित्री का नाम लिखें।
14. निम्नलिखित घटनाओं को उनके कालक्रम के अनुसार लिखिये–
    (क) कांग्रेस का नागपुर अधिवेशन
    (ख) राज्य पुर्नगठन आयोग की स्थापना
    (ग) पोट्टीश्रीरामुलु की भूख हड़ताल
    (घ) आंध्र प्रदेश बनाने की घोषणा

15. निम्नलिखित कथन को शुद्ध करके दोबारा लिखें-
भारत में विविधता का आधारभूत सिद्धांत है-
''भारत में विभिन्न क्षेत्र और भाषाई समूहों को अपनी संस्कृति बनाये रखने की छूट नहीं होगी।''

16. आजादी के समय मणिपुर के राजा..................................थे।

17. हैदराबाद के शासक ....के नाम से जाने जाते थे।

18. पंडित जवाहर लाल नेहरू जी द्वारा ''भाग्य वधू से चिर-प्रतीक्षित भेंट'' भाषण कब दिया गया?
i) 26 जनवरी 1945
ii) 14-15 अगस्त 1947 की मध्य रात्रि
iii) 15 जनवरी 1950
iv) 26 अगस्त 1950

19. स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री कौन थे?
i) महात्मा गाँधी जी
ii) पंडित नेहरू जी
iii) सरदार पटेल जी
iv) डा. भीम राव अम्बेड़कर जी

20. स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारत में कुल कितनी रियासतें थीं?
i) 500
ii) 510
iii) 525
iv) 565

21. ''स्टेचू ऑफ़ यूनिटी'' प्रतिमा किस भारतीय राजनेता से संबंधित है?
i) महात्मा गाँधी जी
ii) पंडित नेहरू जी
iii) सरदार पटेल जी
iv) लाल बहादुर शास्त्री जी

22. कथन के लिए सही अथवा गलत बताएं।
सरदार पटेल जी को NCR की संज्ञा दी जाती है।

23. ''स्टेचू ऑफ यूनिटी'' प्रतिमा किस भारतीय राज्य में है?
   i) गुजरात
   ii) हिमाचल प्रदेश
   iii) पंजाब
   iv) राजस्थान
24. राज्य पुनर्गठन गठन ने कितने राज्यों के गठन के सिफारिश की?
   i) 12 राज्य
   ii) 14 राज्य
   iii) 16 राज्य
   iv) 18 राज्य
25. कथन के लिए सही अथवा गलत बताएं।
   भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन (1920) में राज्यों के पुनर्गठन के लिए भाषा को आधार बनाने का मुद्दा शामिल था।
26. कथन के लिए सही अथवा गलत बताएं।
   खेड़ा सत्याग्रह (1918) और बारदोली सत्याग्रह (1928) के बाद सरदार पटेल स्वतंत्र आंदोलन के प्रमुख नेता के रूप में उभरें।

द्वि अंकीय प्रश्न :-

1. आजादी की लड़ाई के समय किन दो बातों पर सभी सहमत थे?
2. भारत की आजादी के समय राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़ी दो बाधांए कौन सी थी?
3. महात्मा गांधी के अनुसार 15 अगस्त 1947 खुशी एवं गमीं दोनों का दिन क्यों था?
4. आजादी के समय देश के पूर्वी और पश्चिमी इलाकों में राष्ट्र-निर्माण की चुनौती के लिहाज से दो मुख्य अंतर क्या थे?
5. द्विराष्ट्र सिद्धान्त क्या है?
6. स्वतंत्र भारत के नेता राजनीति को समस्या के रूप में नहीं देखते थे, वे राजनीति को समस्या के समाधन के रूप में मानते थे। आप इस कथन से कहाँ तक सहमत है?

7. आजादी के बाद भारतीय नेता भारतीय संघ के राज्यों का भाषायी आधार पर पुर्नगठन के सिद्धान्त को स्वीकारने में क्यों संकोच कर रहे थे?

8. 1950 के दशक में, देश के शेष हिस्सों कों भाषायी आधार पर पुर्नगठित किया गया था लेकिन पंजाब को 1966 तक प्रतीक्षा क्यों करनी पड़ी?

चार अंकीय प्रश्न–

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उत्तर दीजिए–

1. छोटे-छोटे विभिन्न आकार के देशों में बाँटे जाने की इस संभावना के विरूद्ध अंतरिम सरकार ने कड़ा रूख अपनाया। मुस्लिम लीग ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के इस कदम का विरोध किया। लोगों का मानना था कि रजवाडों को अपनी मनमर्जी का रास्ता चुनने के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए। रजवाड़ों के राजाओं को मनाने-समझाने में सरदार पटेल ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई और अधिकतर रजवाड़ों को उन्होंने भारतीय संघ मे शामिल होने के लिए राजी कर लिया।

गद्यांश पर आधारित प्रश्न :–

1. अंतरिम सरकार में प्रधान मंत्री कौन थे?
   a) पंडित जवाहर लाल नेहरू
   b) सरदार वल्लभ भाई पटेल
   c) डा. भीम राव अम्बेड़कर
   d) लाल बहादुर शास्त्री
2. अंतरिम सरकार में गृह मंत्री कौन थे?
   a) पंडित जवाहर लाल नेहरू
   b) सरदार वल्लभ भाई पटेल
   c) सी राज गोपालाचारी
   d) मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
3. रजवाड़ों के भारतीय संघ में विलय में सबसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक भूमिका किसने निभाई?
   a) पंडित जवाहर लाल नेहरू
   b) सरदार वल्लभ भाई पटेल
   c) बाबू जगजीवन राम
   d) मौलाना अबुल कलाम आज़ाद

4. अंतरिम सरकार का कार्यकाल कौन सा था?

a) 1940-1945

b) 1945-1950

c) 1947-1952

d) 1950-1955

चार अंकीय प्रश्न :-

1. भारत के विभाजन की प्रक्रिया की किन्ही चार समस्याओ का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
2. रजवाड़ों के सन्दर्भ में 'इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन' का अर्थ स्पष्ट करें।
3. आजादी के बाद राष्ट्र-निर्माण की किन चुनौतियों को सफलता पूर्वक निपटाया गया?
4. हैदराबाद का विलय भारत में किस प्रकार हुआ?
5. भारतीय चुनाव आयोग के समक्ष पहले आम चुनाव करवाने से पूर्व आयी किन्हीं चार समस्याओं की व्याख्या कीजिये।
6. कार्टून आधारित प्रश्न

6.1 कार्टून में दाई ओर खड़े नेता को पहचानिये।

i) पं नेहरू ii) महात्मा गांधी

iii) सरदार पटेल iv) लाल बहादुर शास्त्री

6.2 बाएं ओर चित्रित व्यक्ति किसके ऊपर बैठा है?

i) दूसरे राजा के ऊपर ii) राज्य की जनता के ऊपर

iii) कुर्सी के ऊपर iv) मेज के ऊपर

6.3 राजा के डिब्बे में क्या दिखाया गया है?

i) विदेशी मामले ii) प्रतिरक्षा मामले

iii) संचार मामले iv) उपरोक्त सभी

6.4 स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री कौन थे?

i) पं नेहरू ii) महात्मा गांधी

iii) सरदार पटेल iv) लाल बहादुर शास्त्री

7. दिये गए भारत के राजनैतिक रेखा मानचित्र में, चार राज्यों को A, B, C, D द्वारा चिह्नित किया गया है। नीचे दी गयी जानकारी के आधार पर उनकी पहचान कीजिए और उत्तर पुस्तिका में उनके सही नाम उनकी क्रम संख्या तथा संबंधित अक्षर सहित लिखिए।

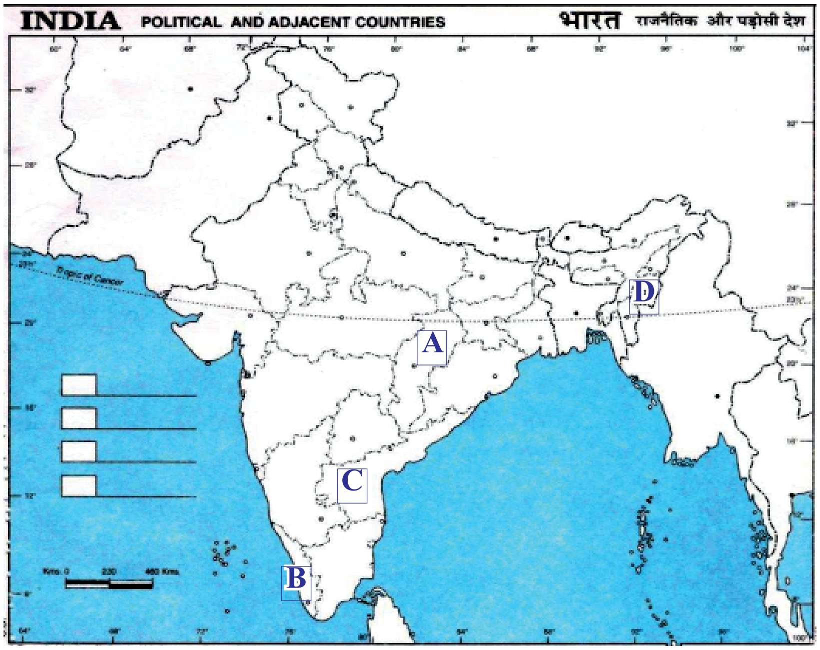

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबधित अक्षर	देश का नाम
1		
2		
3		
4		

1. वह राज्य जिसे मध्य प्रदेश से अलग कर बनाया गया है।
2. स्वतंत्र भारत में साम्यवादी सरकार द्वारा शासित पहला राज्य
3. पोट्टी श्री रामुलु से संबधित राज्य।
4. भारत का वह भाग जहाँ सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार पर सबसे पहले चुनाव हुआ।

छः अंकीय प्रश्न :-

1. राज्य पुनर्गठन आयोग क्या था? इसकी महत्वपूर्ण सिफारिशें क्या थी? (IMP)
2. रजवाड़ों को भारतीय संघ में शामिल करने के मूल आधार क्या थे? इस कार्य में किसने भूमिका निभाई?
3. स्वतंत्रता के समय भारत के समक्ष आई किन्हीं तीन चुनौतियों की व्याख्या कीजिए। (IMP)
4. 1947 में भारत के विभाजन के किन्हीं दो कारणों की व्याख्या कीजिए। विभाजन के किन्हीं चार प्रमुख परिणामों का विश्लेषण कीजिए।
5. रजवाड़ों के भारतीय संघ में विलय में सरदार पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका पर एक नोट लिखिए।

उत्तर एक अंकीय :-

1. 1947 के 14-15 अगस्त की मध्यरात्रि को हिन्दुस्तान के आजाद होने पर नेहरू जी ने संविधान सभा के जिस विशेष सत्र को सम्बोधित किया था उस भाषण को ही इस नाम से जाना जाता है।
2. देश को एकता के सूत्र में बाँधना।
3. जिन्ना ने हिन्दुओं के लिए हिन्दुस्तान तथा मुसलमानों के लिए पाकिस्तान के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए द्वि-राष्ट्र सिद्धांत का प्रतिपादन किया।

4. ‘इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन’
5. मणिपुर
6. नागपुर अधिवेशन (1920)
7. सी. राजगोपालाचारी। उन्होंने 1959 में स्वतंत्र पार्टी की स्थापना की।
8. पोट्टी श्रीरामुलू।
9. i) आंदोलनों का दबाव

   ii) विविधता बचाये रखने के लिए।
10. सुकुमार सेन
11. खान अब्दुल गफ्फ़ार खान
12. पंजाब व बंगाल
13. अमृता प्रीतम
14. क

    ग

    घ

    ख
15. भारत में विविधता का आधारभूत सिद्धांत है

    ‘‘भारत में विभिन्न क्षेत्र व भाषायी समूहों को अपनी संस्कृति बनाये रखने की छूट होगी।’’
16. राजा बोधचंद्र सिंह
17. निजाम
18. ii) 14-15 अगस्त 1947 मध्यरात्रि
19. iii) सरदार पटेल जी
20. iv) 565
21. iii) सरदार पटेल जी
22. सही
23. i) गुजरात
24. ii) 14 राज्य

25. सही

26. सही

उत्तर दो अंकीय :-

1. i) शासन लोकतांत्रिक पद्धति से चलाया जायेगा।

   ii) सरकार समाज के सभी वर्गो के लिए कार्य करेगी।

2. i) पाकिस्तान से आए शरणार्थियों की पुनर्वास संबंधी चुनौती।

   ii) साम्प्रदायिक एकता की चुनौती।

3. महात्मा गाँधी के अनुसार 15 अगस्त 1947 खुशी का दिन इसलिए होना था क्योंकि भारत को आजादी मिलनी थी और गम का दिन इसलिए क्योंकि भारत के विभाजन के साथ-साथ हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच दंगे भी हो रहे थे।

4. i) पूर्वी क्षेत्र में सांस्कृतिक एवं आर्थिक संतुलन की समस्या थी। परन्तु पश्चिमी क्षेत्र में विकास की चुनौती थी।

   ii) पूर्वी क्षेत्र भाषायी समस्या से जूझ रहा था जबकि पश्चिमी क्षेत्र में धार्मिक एवं जातिवादी समस्याएँ अधिक थी।

5. स्मरणीय बिन्दु देखें।

6. उनके अनुसार राजनैतिक गतिविधि का उद्देश्य जनहित का फैसला लेना व उस पर अमल करना होता है इसीलिये वो राजनीति को समस्या के समाधान के रूप में देखते हैं।

7. साम्प्रदायिक विभाजन के बाद उन्होंने महसूस किया कि भाषाओं के आधार पर राज्यों के गठन से और बाधायें गठित हो सकती है। और देश का विखंडन हो सकता है।

8. 'पंजाबी सूबा' आंदोलन का नेतृत्व कमजोर था। इसे गैर-सिक्खों और सिक्खों में कुछ जातियों का समर्थन प्राप्त नहीं था। पंजाब का यह आंदोलन अन्य राज्य में हुए आंदोलनों जैसा मजबूत नहीं था।

चार अंकीय प्रश्न

गद्यांश आधरित प्रश्नों के उत्तर

1. a) 2. b) 3. b) 4. c)

उत्तर चार अंकीय :-

1 i) प्रांतो का विभाजन।

   ii) रियासतों का विलय।

iii) विस्थापितों की समस्या।

iv) खाद्यान्न संकट।

2. स्मरणीय बिन्दु देखे।

3. स्मरणीय बिन्दु देखे।

4. स्मरणीय बिन्दु देखे।

5. स्मरणीय बिन्दु देखे।

6. 6.1 iii) सरदार पटेल

6.2 ii) राज्य की जनता के ऊपर

6.3 iv) उपरोक्त सभी

6.4 iii) सरदार पटेल

मानचित्र आधारित प्रश्न का उत्तर

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबधित अक्षर	देश का नाम
1	A	छत्तीसगढ
2	B	केरल
3	C	आंध्रप्रदेश
4	D	मणिपुर

उत्तर छः अंकीय :-

1. स्मरणीय बिन्दु देखें।

2. i) रजवाड़ों के निवासी भारतीय संघ में शामिल होना चाहते थे।

ii) भारत सरकार का दृष्टिकाण लचीला था। वह कुछ क्षेत्रों को थोड़ी स्वायत्तता देने को भी राजी थी।

iii) राष्ट्र विभाजन की पृष्ठभूमि में, राष्ट्र की अखंडता तथा उसकी क्षेत्रीय सीमाओं के एकीकरण का सवाल सबसे अहम था। सरदार पटेल जिन्हें 'लौह पुरूष'' कहा जाता है, ने इस कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

3. स्मरणीय बिन्दु देखें।

4. स्मरणीय बिन्दु देखें।

5. स्मरणीय बिन्दु देखें।

अध्याय - 9

नियोजित विकास

भारत के आर्थिक विकास का बदलता स्वरूप, योजना आयोग और पंचवर्षीय योजनाएँ, राष्ट्रीय विकास परिषद और नीति आयोग।

नियोजन का आशय है उपलब्ध संसाधनों के श्रेष्ठतम प्रयोग के लिए भविष्य की योजना बनाना/ नियोजन के माध्यम से उत्पादन में वृद्धि, रोजगार के अवसरों में वृद्धि और आर्थिक स्थिरता आदि लक्ष्यों को प्राप्त किया जाता है।

स्मरणीय बिन्दु :-

- ★ आजादी के बाद लगभग सभी इस बात पर सहमत थे कि भारत के विकास का अर्थ आर्थिक संवृद्धि और आर्थिक समाजिक न्याय दोनो ही है।
- ★ इस बात पर भी सहमति थी कि आर्थिक विकास और सामाजिक-आर्थिक न्याय को केवल व्यवसायी, उद्योगपति व किसानों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। सरकार को प्रमुख भूमिका निभानी होगी।
- ★ आजादी के वक्त 'विकास' का पैमाना पश्चिमी देशों को माना जाता था। आधुनिक होने का अर्थ था पश्चिमी औद्योगिक देशों की तरह होना।
- ★ विकास के दो मॉडल थे पहला-उदारवादी - पूँजीवादी मॉडल तथा दूसरा-समाजवादी मॉडल। भारत ने मिश्रित अर्थव्यवस्था का मॉडल, जिसमें सार्वजनिक व निजी क्षेत्र दोनों के गुणों का समावेश था, अपनाया।
- ★ आजादी के आन्दोलन के दौरान नेताओं में सहमति बन गयी थी कि गरीबी मिटाने और सामाजिक-आर्थिक पुर्नवितरण के काम का मुख्य जिम्मा आजाद भारत की सरकार का होगा।
- ★ बाम्बे प्लान :- 1944 में उद्योगपतियों के एक समूह ने देश में नियोजित अर्थव्यवस्था चलाने का प्रस्ताव दिया जिसमें सरकार औद्योगिक तथा अन्य आर्थिक क्षेत्रों में निवेश के बड़े कदम उठाये।
- ★ योजना आयोग की स्थापना मार्च, 1950 में भारत सरकार के एक प्रस्ताव द्वारा की गई। प्रधानमंत्री इसके अध्यक्ष बने।

★ 01 जनवरी 2015 से योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग अस्तित्व में आया है। जिसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं एवं वर्तमान उपाध्यक्ष राजीव कुमार है। नीति शब्द का विस्तार है National Institution For Transforming India.

★ पंचवर्षीय योजना से तात्पर्य था कि अगले पाँच सालों के लिए सरकार की आमदनी और खर्च की योजना होगी।

★ **प्रथम पंचवर्षीय योजना** (1951-56) में ज्यादा जोर कृषिक्षेत्र पर था। इसी योजना के अन्तर्गत बाँध और सिचाई के क्षेत्र में निवेश किया गया। भागड़ा-नांगल परियोजना इनमे से एक थी।

★ **द्वितीय पंचवर्षीय योजना** (1956-61) में उद्योगों के विकास पर जोर दिया गया। सरकार ने देसी उद्योगों को संरक्षण देने के लिए आयात पर भारी शुल्क लगाया। इस योजना के योजनाकार पी.सी. महालनोबीस थे।

★ जे.सी. कुमारप्पा जैसे गाँधीवादी अर्थशास्त्रीयों ने विकास की वैकल्पिक योजना प्रस्तुत की, जिसमें ग्रामीण औद्योगीकरण पर ज्यादा जोर था।

★ चौधरी चरण सिंह ने भारतीय अर्थव्यवस्था के नियोजन में कृषि को केन्द्र में रखने की बात प्रभावशाली तरीके से उठायी।

योजना आयोगः-

योजना आयोग की स्थापना 15 मार्च 1950 को एक प्रस्ताव के द्वारा की गयी थी। 1 जनवरी 2015 से इसका स्थान नीति आयोग ने ले लिया है। यह एक संविधानेत्तर निकाय था जो परामर्शदात्री अथवा सलाहकारी संस्था के रूप में कार्य करता था। इसका अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते थे।

योजना आयोग के उद्देश्य :-

1. देश के संसाधनों का अनुमान लगाना।
2. देश के विकास के लिए योजना बनाना।
3. विभिन्न कार्यक्रमों के बीच प्राथमिकता का निर्धारण करना।
4. योजनाकाल के दौरान हुई प्रगति का आकलन करना।

नीति आयोग– 2015

- ★ नीति आयोग मूल रूप से एक थिंकटैंक या एक सलाहकार निकाय है। निधियों के आवंटन का अधिकार नीति आयोग को नहीं दिया गया है। शक्तियां वित्त मंत्रालय के पास हैं। नीति आयोग स्वयं को आवश्यक ज्ञान और कौशल के साथ एक अत्याधुनिक संसाधन केंद्र के रूप में विकसित कर रहा है जो इसे गति के साथ कार्य करने, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने, सरकार के लिए रणनीतिक नीति दृष्टि प्रदान करने और आकस्मिक मुद्दों से निपटने में सक्षम बनाएगा।
- ★ दृष्टिकोण नीचे से ऊपर (काम करने का तरीका)
- ★ राष्ट्रीय एजेंडा और सहकारी संघवाद

योजना आयोग 1950

- ★ योजना आयोग के पास राज्यों पर और योजना आयोग द्वारा अनुमोदित परियोजनाओं के लिए नीतियां लागू करने की शक्ति थी।
- ★ योजना आयोग आर्थिक विकास के लिए उपयुक्त नीतियों को डिजाइन और निष्पादित करने में मदद करेगा।
- ★ योजना आयोग का मुख्य उद्देश्य भारत के आर्थिक विकास के लिए उपयुक्त नीतियां बनाना, योजना बनाना और उन्हें क्रियान्वित करना था।
- ★ दृष्टिकोण नीचे से ऊपर से नीचे (काम करने का तरीका)
- ★ पंचवर्षीय योजनाएँ :-

पंचवर्षीय योजनाएं	अवधि	उद्देश्य
प्रथम	1951-56	कृषि विकास
द्वितीय	1956-61	औद्योगिक विकास
तृतीय	1961-66	खाद्यान्न आत्मनिर्भरता, बेरोजगारी उन्मूलन
चौथी	1969-74	उत्पादन वृद्धि, आर्थिक स्थिरता
पांचवी	1974-79	आत्मनिर्भरता, निर्धनता दूर करना।
छठी	1980-85	उर्जा संसाधन विकास, कमजोर

		वर्ग की हित पूर्ति
सातवीं	1985–90	खाद्य उत्पादन, आधुनिकीकरण, ग्रामीण विकास
आठवीं	1992–97	रोजगार, स्वास्थ्य, साक्षरता
नौवीं	1997–2002	सामाजिक न्याय, 6.5 प्रतिशत आर्थिक विकास
दसवीं तथा	2002–2007	सामाजिक-औद्योगिक विकास 7 प्रतिशत आर्थिक विकास
ग्यारहवीं	2007–2012	उर्जा, रोजगार, 9 प्रतिशत विकास
बारहवीं	2012–2017	8 प्रतिशत आर्थिक विकास

राष्ट्रीय विकास परिषद् :–

राष्ट्रीय विकास परिषद की स्थापना 6 April 1952 में प्रथम पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत (भारत सरकार के एक प्रस्ताव) द्वारा की गई। यह एक सलाहकारी निकाय है। योजनाओं को तैयार करने मे राज्यों की भागीदार को सुनिश्चित करना इसका मुख्य उद्देश्य था। इसके पदेन अध्यक्ष प्रधान मंत्री होते हैं।

Oct 1967 में प्रशासनिक सुधार आयोग की सिफारिश पर इसका पुनर्गठन किया गया और इसके कामों को सिरे से परिभाषित किया गया।

'नीति आयोग' :–

स्वतन्त्रता के पश्चात भारत के नियोजित विकास के लिए, समाजवादी प्रतिमान पर आधारित योजना आयोग की स्थापना की गई। चुंकि वैश्वीकरण के युग में तथा विशेष रूप से 21वीं शताब्दी में विकास की दबाब पूर्ण चुनौतियों का सामना करने में यह निष्भावी तथा अप्रासंगिक होता जा रहा था, अतः 15 अगस्त 2014 के अपने स्वतन्त्रता दिवस के भाषण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योजना आयोग को समाप्त किए जाने की बात की। केन्द्रीय सरकार को केंद्र व राज्य स्तर की नीतियों के निर्माण में आवश्यक व तकनीकी परामर्श देने के उद्देश्य से 1 जनवरी 2015 को योजना आयोग के स्थान पर 'नीति आयोग' का गठन किया गया।

भारत के प्रधानमंत्री नीति आयोग के पदेन सभापति है तथा वे नीति आयोग के उपसभापति की नियुक्ति करते हैं। नीति आयोग के प्रथम उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया थे। वर्तमान में नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री सुमन बैरी है। (2022)

राष्ट्रीय सुरक्षा तथा आर्थिक नीतियों के मध्य सांमजस्य स्थापित करने तथा सामरिक क्षेत्र में नीतिसंगत कार्यक्रमों का दीर्घकालिक ढांचा तैयार करने के उद्देश्य से नीति आयोग केंद्र सरकार के 'वैचारिक केंद्र' अथवा 'प्रबुद्ध मण्डल' के रूप में कार्य करता है। 'उर्ध्वमुखी दृष्टिकोण' (Bottom Up Approach) को अंगीकार करते हुए तथा देश के समस्त राज्यों की समान भागीदारी को सुनिश्चित करते हुए नीति आयोग सहकारी संघवाद के भाव से कार्य करता है।

एक अंकीय प्रश्न :-

1. द्वितीय पंचवर्षीय योजना का खाका किसने तैयार किया ?
2. भारत में नीति आयोग अध्यक्ष कौन होता है ?
3. भारत में नियोजित विकास का प्रमुख लक्ष्य क्या था ?
4. NDC का विस्तार रूप लिखिए ?
5. NDC की स्थापना कब हुई ?
6. स्वतंत्रता के समय भारत के नीति-निर्माता किस मॉडल से प्रभावित थे ?
7. नीति आयोग ने .... संघवाद के भाव को बढ़ाया है ?
8. पी. सी. महालनोबीस कौन थे ?
9. योजना आयोग का मुख्य उद्देश्य क्या था ?
10. नियोजन का एक लाभ लिखिए ?
11. कौन सा निकाय 'थिंक टैंक' की तरह कार्य करता है ?
12. स्वतंत्रता प्राप्ति के वर्षों में विकास का क्या अभिप्राय था ?
13. योजना आयोग की स्थापना कब हुई ?
14. पंचवर्षीय योजना का मॉडल भारत में किस देश से प्रेरित होकर अपनाया गया ?

सही विकल्प चुने-

15. भारतीय उद्योगपतियों द्वारा नियोजित अर्थव्यवस्था चलाने के लिए एक संयुक्त प्रस्ताव तैयार किया गया था इस वर्ष में-

    (i) 1944 (ii) 1945 (iii) 1942 (iv) 1946

16. भारत में शुरूआती दौर में विकास की जो नीति अपनायी उसमें निम्नलिखित में से कौन सा विचार शामिल नहीं था।

    (i) नियोजन (ii) उदारीकरण (iii) सहकारी खेती (iv) आत्म निर्भरता

17. नीति आयोग की स्थापना किस वर्ष की गयी ?

    a) 2010

    b) 2012

    c) 2014

    d) 2015

18. निम्नलिखित वाक्य को सही करके लिखिए-

    राष्ट्रीय विकास परिषद का अध्यक्ष राष्ट्रपति होता है।

19. खाली स्थान भरिए-

    भारत में पंचवर्षीय योजनाओं के प्रारम्भ वर्ष................................में हुआ।

20. नीति आयोग के वर्तमान उपाध्यक्ष निम्नलिखित में से कौन हैं-

    a) डॉक्टर संजीव कुमार

    b) डॉक्टर राजीव कुमार

    c) श्री सुमन बेरी

    d) डॉक्टर मुकेश कुमार

दो अंकीय प्रश्न :-

1. बाम्बे प्लान क्या था ?
2. विकास से क्या अभिप्राय है ?
3. राष्ट्रीय विकास परिषद की स्थापना कब हुई ?

4. नीति आयोग का कार्य करने का दृष्टिकोण कैसा है ?

5. द्वितीय पंचवर्षीय योजना किस प्रकार प्रथम पंचवर्षीय योजना से भिन्न थी ?

6. क्या भारत की आर्थिक नीति में 1991 के बाद बदलाव आया है ?

7. भारत की अर्थव्यवस्था को मिश्रित अर्थव्यवस्था क्यों कहते है ?

8. नीति आयोग का मुख्यालय कहाँ स्थित है ? वर्तमान में इसका सी.ई.ओ. कौन है।

9. नीति आयोग का प्रमुख उद्देश्य लिखिए।

10. नीति आयोग की दो विशेषताएं लिखिए।

चार अंकीय प्रश्न :-

1. मिश्रित अर्थव्यवस्था की आलोचना किस आधार पर की गई ?

2. योजना आयोग के मुख्य कार्यों का वर्णन कीजिए।

3. स्वतंत्रता के पश्चात भारत में हुए आर्थिक विकास के बदलते स्वरूप का विवरण कीजिए।

4. स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था की कौन सी समस्याएँ थी।

5. भारत की मिश्रित अर्थव्यवस्था के मॉडल के मुख्य परिणामों का परीक्षण कीजिए।

6. राष्ट्रीय विकास परिषद की स्थापना क्यों की गयी ?

चार अंकीय गद्यांश पर आधारित प्रश्न

1. नीचे लिखे अवतरण को पढ़े और इसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों का सही विकल्प चुनिए

   विकास के दो जाने-माने मॉडल थे, भारत ने उनमें से किसी को नहीं अपनाया। पूंजीवादी मॉडल में विकास का काम पूर्णतया निजी क्षेत्रा के भरोसे होता है। भारत ने यह रास्ता नहीं अपनाया था। भारत ने विकास का समाजवादी मॉडल भी नहीं अपनाया जिसमें हर तरह के उत्पादन पर राज्य का नियंत्रण होता है। भारत ने दोनों मॉडलों को मिले-जुले रूप में लागू किया।

1. विकास के जाने माने मॉडल किन-किन देशों से प्रभावित थे ?

   a) पूंजीवादी मॉडल – सोवियत संघ
      समाजवादी मॉडल – अमेरिका

   b) पूंजीवादी मॉडल – अमेरिका
      समाजवादी मॉडल – सोवियत संघ

   c) दोनों ही सही हैं

   d) उपयुर्क्त में दोनों ही गलत

2. पूँजीवादी और समाजवादी मॉडल में क्या अंतर है ?

   a) पूंजीवादी मॉडल में निजी संपत्ति का अस्तित्व होता है जबकि समाजवादी मॉडल में उत्पादन व वितरण के साधनों पर राज्य का अस्तित्व होता है।

   b) पूंजीवादी मॉडल में सरकार का हस्तक्षेप अधिक।

   c) समाजवादी मॉडल में निजी सम्पत्ति का अस्तित्व

   d) उपयुर्क्त में से कोई नहीं

3. भारत ने कौन सी अर्थव्यवस्था अपनायी ?

   a) पूंजीवादी अर्थव्यवस्था

   b) मिश्रित अर्थव्यवस्था

   c) समाजवादी अर्थव्यवस्था

   d) उदारवादी अर्थव्यवस्था

4. विकास के कितने मॉडल थे ?

   a) दो b) चार c) पाँच d) एक

छः अंकीय प्रश्न :-

1. स्वतंत्रता के पश्चात भारत में अपनाए जाने वाले आर्थिक विकास के मॉडल से सम्बन्धित सहमति तथा असहमति के विभिन्न क्षेत्रों का परीक्षण कीजिए।

2. स्वतंत्रता के बाद से लागू पंचवर्षीय योजनाओं की क्या उपलब्धियाँ रही वर्णन कीजिए।

3. (एनडीसी) राष्ट्रीय विकास परिषद क्या है? उसकी भूमिका क्या है?।
4. आजादी प्राप्ति के बाद से भारत का विकास हो रहा है परन्तु फिर भी राष्ट्रीय एकीकरण के कुछ मुद्दे हल करना अभी बाकी है, उल्लेख कीजिए।
5. नीति आयोग की स्थापना का क्या औचित्य है?

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. पी. सी. महालनोबीस
2. भारत में नीति आयोग का अध्यक्ष देश के प्रधानमंत्री होता हैं।
3. आर्थिक विकास व सभी नागरिकों की भलाई।
4. राष्ट्रीय विकास परिषद
5. 6 अप्रैल 1952
6. समाजवादी मॉडल
7. सहकारी
8. दूसरी पंचवर्षीय योजना के योजनाकार, प्रसिद्ध अर्थशास्त्री
9. योजना आयोग का मुख्य उद्देश्य भारत के अर्थिक विकास का था।
10. समय सीमा के भीतर उद्देश्य प्राप्त करना।
11. नीति आयोग।
12. सबका समान विकास
13. 1950
14. सोवियत संघ
15. 1944
16. उदारीकरण
17. 2015
18. प्रधानमंत्री
19. 1951
20. (c) श्री सुमन बेरी

दो अंकीय प्रश्न के उत्तर :-

1. 1944 में उद्योगपतियों के समूह द्वारा देश में नियोजित अर्थव्यवस्था चलाने हेतु तैयार किया गया प्रस्ताव।
2. विकास एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है जिसमें बदलाव मानव, समाज, देश व प्रकृति को बेहतरी की ओर ले जाता है।
3. 6 अप्रैल 1952
4. नीति आयोग का कार्य करने का दृष्टिकोण (कार्यशैली) नीचे से ऊपर है। (Bottoms up approach)
5. प्रथम पंचवर्षीय योजना कृषि आधारित, जबकि द्वितीय उद्योग आधारित थी। पहली पंचवर्षीय योजना का मूलमंत्र था धीरज लेकिन दूसरी योजना की कोशिश तेज गति से संरचनात्मक बदलाव करने की थी।
6. भारत की आर्थिक नीति में 1991 के बाद बदलाव आया है। नई आर्थिक नीति लागू की गई है।
7. भारत में पूँजीवादी व समाजवादी मॉडल दोनों के मिले-जुले मॉडल के गुण हैं। इसलिए मिश्रित अर्थव्यवस्था कहलाती है।
8. नई दिल्ली, परमेश्वरम अय्यर
9. नीति आयोग को निधि के आवंटन का अधिकार नहीं है। राष्ट्रीय एजेंडा एवं सहकारी संघवाद को बढ़ावा देना।
10. राष्ट्रीय सुरक्षा तथा आर्थिक नीतियों के साथ सामंजस्य स्थापित करना तथा सामरिक क्षेत्र में नीतिसंगति कार्यक्रमों का दीर्घकालिक ढाँचा तैयार करना।

चार अंकीय प्रश्न के उत्तर :-

1. ★ निजी क्षेत्रा को बढ़ावा नहीं
   ★ घरेलू बाजार प्रतिस्पर्द्धाविहीन हो गया
   ★ शिक्षा व चिकित्सा में कम खर्च।
   ★ राज्य के हस्तक्षेप के कारण एक नये मध्य वर्ग का उदय
2. ★ देश के संसाधनों व पूँजी का अनुमान लगाना
   ★ विकास की योजना बनाना

* विकास की प्राथमिकता निश्चित करना।
* विकास योजना के बाधक कारकों का पता लगाना।
* प्रगति की योजना का मूल्यांकन करना।

3. ★ भारत के सकल घरेलू उत्पाद दर में वृद्धि
   * आर्थिक सुधार किए गये
   * निजी क्षेत्र का विकास
   * आर्थिक उदारवाद
   * मुक्त बाजार अर्थ व्यवस्था की दिशा की ओर अग्रसर

4. i) कमजोर अर्थव्यवस्था
   ii) प्रतिव्यक्ति निम्न आय
   iii) निम्न जीवर स्तर
   iv) कृषि का प्रभुत्व
   v) कृषि एवं उद्योगों का कम उत्पादन

5. i) कृषि व्यापार व उद्योगों का अधिकांश भाग निजी हाथों में छोड़ दिया गया।
   ii) राज्य द्वारा निर्मित मुख्य भारी उद्योगों ने औद्योगिक ढाँचे, नियमित, व्यापार व कृषि में हस्तक्षेप किया। इससे निजी व सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में वृद्धि हुई और इसने भावी विकास का आधार बनाया।

6. राष्ट्रीय विकास परिषद की स्थापना के उद्धेश्य-
   i) देश के सभी भागों में तीव्र और संतुलित विकास करने के लिए।
   ii) योजनाओं के कार्यान्वयन में राज्यों के सहयोग को सुनिश्चित करना
   iii) नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार करना।
   iv) प्रति-व्यक्ति आय में वृद्धि करना।

चार अंकीय गद्यांश पर आधारित उत्तर :-

1. 1. b) पूंजीवादी मॉडल- अमेरिका, समाजवादी मॉडल- सोवियत संघ

2. a) पूँजीवादी मॉडल में निजी संपत्ति का अस्तित्व होता है जबकि समाजवादी मॉडल में उत्पादन व वितरण के साधनों पर राज्य का अस्तित्व होता है।

3. b) भारत ने मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाया तथा अपने देश के विकास के लिए दोनों मॉडल में से कुछ-कुछ बातों को अपनाया तथा उन्हें मिले-जुले रूप से लागू किया।

4. a) दो

छः अंकीय प्रश्न के उत्तर :-

1. सहमति के क्षेत्रः-

i) भारत के विकास का अर्थ आर्थिक वृद्धि तथा सामाजिक न्याय होना चाहिए।

i) विकास के मुद्दे को केवल व्यापारियों, उद्योगपतियों व किसानो पर ही नहीं छोड़ा जा सकता है। अपितु सरकार को एक प्रमुख भूमिका निभानी चाहिये।

iii) गरीबी उन्मूलन तथा सामाजिक व आर्थिक वितरण के काम को सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी माना गया।

असहमति के क्षेत्र :-

i) सरकार द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका पर असहमति।

ii) यदि आर्थिक वृद्धि से असमानता हो तो न्याय की जरूरत से जुड़े महत्व पर असहमति।

i) उद्योग बनाम् कृषि तथा निजी बनाम् सार्वजनिक क्षेत्र के जुड़े मुद्दे पर असहमति।

2. i) भारत के भविष्य की बुनियाद मजबूत

ii) भूमि सुधार प्रक्रिया आरम्भ।

iii) राष्ट्रीय आय में वृद्धि।

iv) सामाजिक न्याय स्थापित।

v) साक्षरता में वृद्धि

vi) उत्पादन में आत्मनिर्भरता।

3. राष्ट्रीय विकास परिषद एक कार्यकारी निकाय है; यह देश की पंचवर्षीय योजनाओं का अनुमोदन करती थी, प्रधानमंत्री, परिषद का अध्यक्ष होता है। इसका गठन 1952 में किया गया। योजना के लिए संसाधनों के मूल्यांकन सहित राष्ट्रीय योजना के निर्माण के लिए दिशा-निर्देश निर्धारित करना।

4. i) निरक्षरता ii) दरिद्रता

   iii) जातिवाद iv) भाषावाद

6. **भारत की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए।**

★ योजना आयोग भूमंडलीकरण के दौर में नवीन चुनौतियों से निपटने में असमर्थ था।

★ देश की राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी स्थितियों में परिवर्तन हो रहा था।

★ भारत अब विकासशील से विकसित देश बनने की ओर अग्रसर है।

उपयुक्त चुनौतियों से निपटने के लिए ही नीति आयोग की स्थापना की गयी है।

अध्याय - 10

भारत की विदेश नीति

विदेश नीति के सिद्धांत, भारत के अन्य देशों के साथ बदलते संबंधः अमरीका, रूस, चीन, इजराइल; भारत के पड़ोसी देशों के साथ संबंधः पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, श्रीलंका और म्यांमार; भारत का परमाणु कार्यक्रम।

भारत बहुत चुनौतीपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियों में आजाद हुआ था। उस समय लगभग संपूर्ण विश्व दो ध्रुवों मे बँट चुका था। ऐसे में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू ने बड़ी दूरदर्शिता के साथ भारत की विदेश नीति तय की।

भारत की विदेश नीति पर नेहरू जी का प्रभाव :-

-- भारत की विदेश नीति पर देश के पहले प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री पं जवाहर लाल नेहरू की अमिट छाप है। नेहरू जी की विदेश नीति के तीन मुख्य उद्देश्य थे।

1) कठिन संघर्ष से प्राप्त सम्प्रभुता को बचाए रखना।

2) क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखना।

3) तेज गति से आर्थिक विकास करना।

नेहरू इन उद्देश्यों को गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाकर हासिल करना चाहते थे।

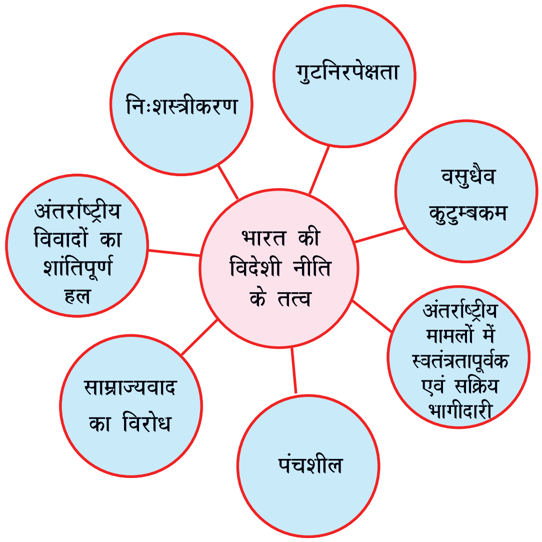

पंचशील :- 29 अप्रैल 1954 को भारत के प्रधानमंत्री पं नेहरू तथा चीन के प्रमुख चाऊ एन लाई के बीच द्विपक्षीय समझौता हुआ जिसके अग्रलिखित पांच बिन्दु है :-

i) एक दूसरे के विरूद्ध आक्रमण न करना।

ii) एक दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना।

iii) एक दूसरे की क्षेत्रीय संप्रभुता का सम्मान करना

iv) समानता और परस्पर मित्रता की भावना।

v) शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व

गुट निरपेक्षता की नीति (विदेश नीति का एक प्रमुख तत्व)

अथक प्रयासों से मिली स्वतन्त्रता के पश्चात भारत के समक्ष एक बड़ी चुनौती अपनी संप्रभुता को बचाए रखने की थी। इसके अतिरिक्त भारत को तीव्र आर्थिक व सामाजिक विकास के लक्ष्य को भी प्राप्त करना था। अतः इन दोनों उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए भारत ने गुट निरपेक्षता की नीति को अपनी विदेश नीति के एक प्रमुख तत्व के रूप में अंगीकार किया।

इस नीति के द्वारा भारत जहाँ शीत युद्ध के परस्पर विरोधी खेमों तथा उनके द्वारा संचालित सैन्य संगठनों जैसे- नाटो, वारसा पैक्ट आदि से अपने को दूर रख सका। वहीं आवश्यकता पड़ने पर दोनों ही खेमों से आर्थिक व सामरिक सहायता भी प्राप्त कर सका।

एशिया तथा अफ्रीका के नव.स्वतन्त्र देशों के मध्य भविष्य में अपनी महत्वपूर्ण व विशिष्ट स्थिति की संभावना को भाँपते हुए भारत ने वि-औपनिवेशिकरण की प्रक्रिया का प्रबल समर्थन किया। इसी कड़ी में 1955 में इंडोनेशिया के शहर बांडुंग में एफ्रो-एशियाई सम्मेलन हुआ, जिसमें गुट निरपेक्ष आंदोलन की नींव पड़ी। सितंबर 1961 में बेलग्रेड में प्रथम गुट निरपेक्ष सम्मेलन के साथ इस आंदोलन का औपचारिक प्रारम्भ हुआ। वर्तमान समय में इस आंदोलन में तृतीय विश्व के 120 सदस्य देश हैं।

4 मई 2020 को अज़रबैजान की अध्यक्षता में गुटनिरपेक्ष समूह के देशों का एक वर्चुअल सम्मेलन का आयोजन हुआ।

इसमें COVID-19 को मानवता का सबसे बड़ा संकट बताया गया, आतंकवाद और Fake News जैसे मुद्‌दों पर चिंता व्यक्त की।

भारत अमेरिकी संबंध : शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद भारत द्वारा उदारीकरण एवं वैश्वीकरण की नीति अपनाने के कारण महत्वपूर्ण हो गए है।

-- अमेरिका आज भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार

-- अमेरिका के विभिन्न राष्ट्रध्यक्षों द्वारा भारत से संबंध प्रगाढ़ करने हेतु भारत की यात्रा।

-- अमेरिका में बसे प्रवासी भारतीयों का खासकर सिलीकॉन वैली में प्रभाव है।

-- सामरिक महत्व के भारत अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते का सम्पन्न होना।

-- बराक ओबामा की 2015 की भारत यात्रा के दौरान रक्षा सौदों से सबंधित समझौते का नवीनीकरण किया गया तथा कई क्षेत्रों में भारत को ऋण प्रदान करने की घोषणा की गयी।

-- तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की आउटर्सोसिंग संबंधी नीति से भारत के व्यापारिक हित प्रभावित होने की संभावना है।

-- वर्तमान में विभिन्न वैश्विक मंचों पर अमेरिका राष्ट्रपति तथा भारतीय प्रधानमंत्री के बीच हुई मुलाकातों तथा वार्ताओं को दोनों देशों के मध्य आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक तथा सैन्य संबधों के सुदृढ़ीकरण की दिशा में संकारात्मक संघर्ष के रूप में देखा जा सकता है।

भारत और रूस के संबध :-

1. पूर्व साम्यवादी देशों के साथ भारत के संबंध अच्छे हैं, रूस के साथ विशेष रूप से प्रगाढ़ है।
2. दोनों का सपना बहुध्रुवीय विश्व का है।
3. दोनों देश सहअस्तित्व, सामूहिक सुरक्षा, क्षेत्रीय सम्पुभुता, स्वतंत्रता, स्वतन्त्र विदेश नीति, अन्तर्राष्ट्रीय झगड़ों का वार्ता द्वारा हल, संयुक्त राष्ट्रसंघ के सुदृढ़ीकरण तथा लोकतंत्र में विश्वास रखते है।
4. 2001 में भारत और रूस द्वारा 80 द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर
5. भारत रूसी हथियारों का खरीददार।
6. रूस से तेल का आयात।

7. परमाण्विक योजना तथा अंतरिक्ष योजना में रूसी मदद।

8. कजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के साथ उर्जा आयात बढ़ाने की कोशिश।

9. गोवा में दिसम्बर 2016 में हुए ब्रिक्स (BRICS) सम्मेलन के दौरान रूस-भारत के बीच हुए 17 वें वार्षिक सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्राी नरेन्द्र मोदी एवं रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन के बीच रक्षा, परमाणु उर्जा, अंतरिक्ष अभियान समेत आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने एवं उनके लक्ष्यों की प्राप्ति पर बल दिया गया।

   वैश्विक स्तर पर अन्य देशों की तुलना में रूस के साथ भारत के संबंध करीबी और बेहद मजबूत रहे हैं। भारत और रूस ऐतिहासिक रूप से रक्षा, व्यापार, उर्जा, अंतरिक्ष आदि क्षेत्रों में एक दूसरे से जुड़े रहे है। हाल ही में रूसी रक्षा मंत्रालय के निमंत्रण पर भारतीय रक्षा मंत्री द्वितीय विश्व युद्ध की 75 वी विजय दिवस परेड मे शामिल होने के लिए मास्को (रूस) पहुँचे थे। भारतीय रक्षा मंत्री ने अपनी तीन दिवसीय रूस यात्रा के दौरान भारत और रूस के संबंधों को 'विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त सामरिक साझेदारी' बताया तथा दोनो देशों के बीच वर्तमान द्विपक्षीय रक्षा अनुबंधों को जारी रखते हुए शीघ्र ही कई अन्य क्षेत्रों में भी द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक मज़बूत करने की प्रतिबद्धता को दोहराया।

10. वर्ष 2018 और वर्ष 2019 में दोनों देशों के शासनाध्यक्षों ने एक दूसरे के देश की यात्रा की।

–– भारत-चीन संबंध

★ 1949 में चीनी क्रांति के बाद चीन की कम्यूनिस्ट सरकार को मान्यता देने वाला भारत पहले देशों में एक था। नेहरू जी ने चीन से अच्छे संबंध बनाने की पहल की। उप-प्रधानमंत्री एवं तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने आशंका जताई कि चीन भारत पर आक्रमण कर सकता है। नेहरू जी का मत इसके विपरित यह था कि इसकी संभावना नहीं है।

★ 1950 में चीन ने तिब्बत पर अपना नियंत्रण जमा लिया। तिब्बती जनता ने इसका विरोध किया। भारत ने इसका खुला विरोध नहीं किया। तिब्बती धाार्मिक नेता दलाई लामा ने अपने अनुयायियों सहित भारत से राजनीतिक शरण मांगी

और 1959 में भारत ने उन्हें राजनीतिक शरण दे दी। चीन ने भारत के इस कदम का कड़ा विरोध किया।

- ★ चीन और भारत के मध्य विवाद का दूसरा बड़ा कारण सीमा-विवाद था। चीन, जम्मू-कश्मीर के लद्दाख वाले हिस्से के अक्साई-चीन और अरूणाचल प्रदेश के अधिकतर हिस्सों पर अपना अधिकार जताता है।
- ★ 1962 में चीन ने भारत पर हमला कर दिया। भारतीय सेना ने इसका कड़ा प्रतिरोध किया। परन्तु चीनी बढ़त रोकने में नाकामयाब रहे। आखिरकार चीन ने एक तरफा युद्ध विराम घोषित कर दिया।
- ★ चीन से हारकर भारत की छवि का अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत नुकसान हुआ।

भारत चीन सम्बन्ध सहयोग के क्षेत्रः-

- ★ 1962 के बाद भारत-चीन संबंधों को 1976 में राजनयिक संबंध बहाल कर शुरू किया गया।
- ★ 1979 में श्री अटल बिहारी वाजपेयी (विदेश मंत्री) तथा श्री राजीव गांधी ने 1988 में प्रधानमंत्री के तौर पर चीन की यात्रा की परन्तु चीन के साथ व्यापारिक संबंधों पर ही ज्यादा चर्चा हुई।
- ★ 2003 में भी अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री के तौर पर चीन की यात्रा की जिसमें प्राचीन सिल्करूट (नाथूला दर्रा) को व्यापार के लिए खोलने पर सहमति हुई जो 1962 से बंद था। इससे यह मान्यता भी मिली कि चीन सिक्किम को भारत का अंग मानता है।
- ★ 1970 के दशक में चीनी नेतृत्व बदलने से अब वैचारिक मुद्दों की जगह व्यापारिक मुद्दे प्रमुख हो रहे है।
- ★ 1988 में प्रधानमंत्री राजीव गॉधी ने चीन की यात्रा की जिसके बाद सीमा विवाद पर यथास्थिति बनाए रखने की पहल की गई।
- ★ दोनो देशों ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में परस्पर सहयोग और व्यापार के लिए सीमा पर चार पोस्ट खोलने हेतु समझौते किए है।
- ★ 1999 से द्विपक्षीय व्यापार 30 फीसदी सालाना की दर से बढ़ रहा है।

★ विदेशों में ऊर्जा सौदा हासिल करने के मामलों में भी दोनों देश सहयोग द्वारा हल निकालने पर राजी हुए है।

★ वैश्विक धरातल पर भारत और चीन ने विश्व व्यापार संगठन जैसे अन्य अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संगठनों के संबंध में एक जैसी नीतियाँ अपनायी है।

भारत-चीन सबंध (विवाद के क्षेत्र) :-

1. 1950 में चीन द्वारा तिब्बत को हड़पने तथा भारत चीन सीमा पर बस्तियाँ बनाने के फैसले से दोनों देशों के संबंध एकदम बिगड़ गये।
2. चीन ने 1962 में लद्दाख और अरूणाचल प्रदेश पर अपने दावे को जबरन स्थापित करने के लिए भारत पर आक्रमण किया। अरूणाचल प्रदेश को उस समय (NEFA) नार्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी के नाम से जाना जाता था।
3. चीन द्वारा पाकिस्तान को मदद देना।
4. चीन भारत के परमाणु परीक्षणों का विरोध करता है।
5. बांग्लादेश तथा म्यांमार से चीन के सैनिक संबंध को भारतीय हितों के खिलाफ माना जाता है।
6. संयुक्त राष्ट्र संघ ने आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद पर प्रतिबंध लगाने वाले प्रस्ताव को पेश किया। चीन द्वारा वीटो पावर का प्रयोग करने से यह प्रस्ताव निरस्त हो गया।
7. भारत ने अजहर मसूद के आतंवादी घोषित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ में प्रस्ताव पेश किया, जिस पर चीन ने वीटो पावर का प्रयोग किया।
8. चीन की महत्वाकांक्षी योजना One Belt One Road, जो कि POK से होती हुई गुजरेगी, उसे भारत को घेरने की रणनीति के तौर पर लिया जा रहा है।
9. वर्ष 2017 में भूटान के भू-भाग, परन्तु भारत के लिए सामरिक रूप से अत्यन्त महत्वपूर्ण डोकलाम पर अधिपत्य के दावे को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव।
10. चीन द्वारा अरूणाचल प्रदेश में अपनी दावेदारी जताने, पाकिस्तान से चीन की मित्रता एवं भारत के खिलाफ चीनी मदद से भारत चीन संबंध खराब होते है। चीन और भारत सीमा विवाद सुलझाने के लिए प्रयत्नशील है।

भारत चीन के समकालीन संबंध–

- ★ सन् 2014 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत का दौरा किया। इसमें मुख्य समझौता कैलाश मानसरोवर यात्रा हेतू वैकल्पिक सुगम सड़क मार्ग खोलना था।
- ★ मई 2016 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी चीन यात्रा पर गए। यह यात्रा चीन द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ में पाकिस्तान के आतंकवादी अजहर मसूद के पक्ष में वीटो करने तथा परमाणु आपूर्ति समूह (एनएसजी) द्वारा यूरेनियम की भारत को आपूर्ति से पहले चीन द्वारा भारत को एनपीटी पर हस्ताक्षर करने के लिए बाध्य करने जैसे जटिल मुद्दों पर चर्चा हुई।
- ★ भारत व चीन के मध्य संबंधों को सकारात्मक रूप देने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा चीन के राष्ट्रपति शी जिंनपिंग के द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं।

  दोनों देश शांति व पारदर्शिता (भारत चीन सीमा पर) बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध हैं।
- ★ भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा P2P (People to People) संबंधों पर STRENGTH की संकल्पना के आधार पर जोर दिया जा रहा है।

  S–Spirituality आध्यात्मिकता T–Tradition, Trade, Technology (रीतियाँ, व्यापार, तकनीक) R-Relationship (संबंध) E-Entertainment (Art, movies) मनोरंजन (कला व सिनेमा) N–Nature Conservation (प्रकृति का संरक्षण) G-Games (खेल), T-Tourism (पर्यटन), H-Health & Healing (स्वास्थ्य व निदान)।
- ★ हाल ही में चीन द्वारा भारत की ओर से निरंतर की जाने वाली मांग को मानते हुए पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन जैश-ए-मुहम्मद के सरगना अजहरमसूद को वैश्विक आतंकी घोषित करने के सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव पर अपनी सहमति दी गयी, जिसे भारत-चीन सम्बन्धों के मध्य सुधार के रूप में देखा जा सकता है।
- ★ मई 2018 में, दोनों देश स्वास्थ्य, शिक्षा और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्रों में अपफगानिस्तान में अपने विकास कार्यक्रमों के समन्वय के लिए सहमत हुए।
- ★ 11 अक्टूबर 2019 को, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत और चीन के

बीच दूसरी अनौपचारिक बैठक के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ तमिलनाडु के महाबलिपुरम में मुलाकात की।

–– भारत-पाकिस्तान संबंध

- ★ भारत विभाजन (1947) द्वारा पाकिस्तान का जन्म हुआ। पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध शुरू से ही कड़वे रहे है। कश्मीर मुद्दे पर 1947 में ही दोनों देशों की सेनाओं के बीच छाया-युद्ध छिड़ गया। इसी छाया युद्ध में पाकिस्तान ने कश्मीर के एक बड़े भाग पर अनाधिकृत कब्जा जमा लिया।
- ★ 1965 में पाकिस्तान ने भारत पर हमला कर दिया। ततकालीन प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री ने "जय जवान, जय किसान" का नारा दिया। इस समय भारत में अकाल की स्थिति भी थी। हमारी सेना लाहौर के नजदीक तक पहुँच गई थी।
- ★ संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएनओ) के हस्तक्षेप से युद्ध समाप्त हुआ। 1966 में ताशकंद समझौता हुआ जिसमें भारत की ओर से श्री लाल बहादुर शास्त्री और पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल अयूब खाँ ने हस्ताक्षर किए।
- ★ 1970 में पाकिस्तान के पहले आम चुनावों में पश्चिमी पाकिस्तान में पीपीपी के जुल्फिकार अली भुट्टो जबकि पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में अवामी लीग के शेख-मुजीबुर्रहमान (बंग-बंधु) विजयी हुए। दोनों भागों में संस्कृति एवं भाषा को लेकर गंभीर मतभेद थे। अवामी लीग ने एक परिसंघ बनाने की मांग रखी।
- ★ पाकिस्तान द्वारा पूर्वी पाकिस्तान में दमन के विरोध में जनता ने विद्रोह कर दिया। शेख मुजीब गिरफ्तार कर लिए गए। 80 लाख बांग्लादेशी शरणार्थी भारत में घुस आए। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने इस मुक्ति संग्राम को अपना नैतिक एवं भौतिक समर्थन दिया।
- ★ 1971 में पाकिस्तान को चीन तथा अमेरिका से मदद मिली। इस स्थिति में श्रीमती इंदिरा गांधी ने सोवियत संघ के साथ 20 वर्षीय मैत्री संधि पर हस्ताक्षर किए।
- ★ 1971 में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ पूर्णव्यापी युद्ध छेड़ दिया। भारत विजयी हुआ। पाकिस्तानी सेना ने 90,000 सैनिकों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। नये देश बांग्लादेश का उदय हुआ।

★ 1972 में शिमला समझौता हुआ। इस पर भारत की ओर से प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी और पाकिस्तान की ओर से जुल्फिकार अली भुट्टो ने हस्ताक्षर किए।

★ 1999 में भारत ने पाकिस्तान से संबंध सुधारने की पहल करते हुए दिल्ली-लाहौर बस सेवा शुरू की परन्तु पाकिस्तान ने भारत के खिलापफ कारगिल संघर्ष छेड़ दिया।

★ कारगिल में अपने को मुजाहिद्दीन कहने वालों ने सामरिक महत्व के कई इलाकों जैसे द्रास, माश्कोह, बतालिक आदि पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने बहादुरी से अपने इलाके खाली करा लिए।

★ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की भारत यात्रा तथा भारतीय प्रधनमंत्री नरेन्द्र मोदी की पाकिस्तान यात्रा दोनों देशो के बीच संबधों को सुधारने के लिए की गयी। लेकिन पाकिस्तान की और से युद्ध विराम का उल्लंघन व आतंकी घुसपैठ की कार्यवाही ने दोनों देशों के संबंधों में कटुता बनी रही।

★ 2016 में उरी में सेना मुख्यालय पर पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा किए गए आतंकी हमले ने तथा जवाब में भारत की ओर से की गयी सैन्य कार्यवाही ने दोनों देशों के मध्य कटुता को और अधिक बढ़ा दिया। 2018 में पाकिस्तान में इमरान खान के नेतृत्व में नव-निर्वाचित सरकार के साथ भारत सरकार द्वारा किए गए शांतिप्रयासों के बाद भी पाकिस्तान की ओर से निरंतर संघर्ष विराम के उल्लंघन तथा आतंकी घुसपैठ के कारण दोनों देशों के मध्य सम्बन्धों में सुधार की संभावनाएं निरंतर कम हुई हैं। जनवरी 2019 में जम्मू-कश्मीर में सी आर पी एफ के जवानों पर पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा आत्मघाती हमला किया गया जिसके जवाब में भारतीय वायुसेना द्वारा की गयी कार्यवाही ने दोनों देशों के मध्य युद्ध की स्थितियाँ उत्पन्न की। इसके अतिरिक्त भारत ने पाकिस्तान को सन् 1996 में दिया सर्वाधिक वरीय राष्ट्र (MFN) का दर्जा भी छीन लिया।

भारत और पाकिस्तान के मध्य विवाद के प्रमुख मुद्दे :-

1. सरक्रीक रेखा, सियाचिन ग्लेशियर और कश्मीर दोनों के मध्य विवाद का क्षेत्र है।
2. पाकिस्तान पर यह भी आरोप है कि वह कश्मीरी उग्रवादियों को हथियार, प्रशिक्षण और धन देता है।

3. पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी (ISI) पर बांग्लादेश और नेपाल के गुप्त ठिकानों से पूर्वोत्तर भारत में भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने का आरोप है।

4. भारत पर आतंकवादी हमले के लिए पाकिस्तान आतंकवादियों को सुरक्षा प्रदान करता है।

5. इसके जवाब में पाकिस्तान की सरकार भारतीय सरकार और उसकी खुफिया एजेंसियों पर सिंध और बलूचिस्तान में समस्या भड़काने का आरोप लगाती हैं।

भारत और पाकिस्तान (सहयोग के क्षेत्र)ः-

1. विभाजन के पश्चात कश्मीर संघर्ष के बावजूद भारत और पाकिस्तान की सरकारों ने मिलजुल कर प्रयास किया कि बंटवारे के समय जिन महिलाओं का अपहरण हुआ था उन्हें उनके परिवार के पास वापस लौटाया जा सके।

2. 1960 में विश्व बैंक की सहायता से भारत और पाकिस्तान ने सिंधु जल नदी पर हस्ताक्षर किए

3. करतारपुर गलियारे से दोनों देशों के संबंधों में सुधार की उम्मीद है।

म्यांमार ः-

म्यांमार जिसे पूर्व में बर्मा के नाम से जाना जाता था। 1948 में स्वतंत्रता प्राप्त हुई। भारत-म्यामांर संबंध सांझा ऐतिहासिक, जातीय, सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों में निहित है।

भारत और म्यामांर सहयोग के मुद्देः-

- ★ 1951 में भारत म्यांमार ने मित्रता संधि पर हस्ताक्षर किए।
- ★ म्यांमार भारत की 'ACT EAST' नीति का भाग है।
- ★ भारत म्यांमार थाईलैण्ड राजमार्ग परियोजना की कम्बोडिया तक बनाने का निर्णय 2016 में लिया गया।
- ★ कालादान मल्टी मॉडल परियोजना के द्वारा कलकत्ता बन्दरगाह और बंगलादेश के सितवे बंदरगाह को जोड़ा गया।
- ★ 2017 में उदारवाद वीजा नीति भारत ने म्यांमार के साथ जारी की इसके अंतर्गत म्यांमार के लोग भारत आ सकते है परन्तु उन से कोई शुल्क नहीं लिया जायेगा।
- ★ भारत और म्यांमार BIMSTEC के सदस्य भी है।

भारत नेपाल संबंध :-

वर्तमान में नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा हैं। जो नेपाली कांग्रेस से संबधित हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार उन्होंने 13 जुलाई 2021 को कार्यभार संभाला हैं।

भारत-नेपाल मधुर संबध

★ भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय संघि है जो दोनों देशों के बीच नागरिकों और वस्तुओं की मुक्त आवाजाही की अनुमति देती है। इस संधि के तहत दोनों देशों के नागरिक एक दूसरे के देश में बिना पासपोर्ट और बीजा के आ-जा सकते हैं और काम कर सकते हैं।

★ भारतीय सेना की गोरखा रेज़ीमेंट में नेपाल के पहाड़ी इलाकों से भी युवाओं की भर्ती की जाती है।

★ भारत, नेपाल को आपदा प्रबंधन के साथ-साथ तकनीकी और मानवीय सहायता भी प्रदान करता है।

भारत नेपाल (विवाद के बिंदु)

★ नेपाल की चीन के साथ दोस्ती को लेकर भारत सरकार ने अप्रसन्न्ता जतायी है।

★ चारों ओर जमीन से घिरे नेपाल को लगता है कि भारत उसको अपने भू-क्षेत्र से होकर समुद्र तक जाने से रोकता है।

★ हाल ही में नेपाल द्वारा आधिकारिक रूप से नेपाल का नवीन मानचित्र जारी किया गया जो उत्तराखंड के कालापानी, लिंपियाधुरा और लिपुलेख को अपना संप्रभु क्षेत्र का भाग मानता है।

भारत बांग्लादेश संबंध (सहयोग के क्षेत्र):-

★ आपदा प्रबंधन, विकास, आर्थिक सहयोग से संबंधित मामलों में दोनों एक दूसरे के निकट हैं।

★ बांग्लादेश भारत की "LOOK East" और 2014 से "ACT EAST" नीति का हिस्सा है।

★ पर्यावरण के मसले पर भी सहयोगात्मक रवैया है।

★ भारत ने बांग्लादेश को कोविड-19 के दौरान वैक्सीन देने में भी सहयोग किया है।

भारत-बांग्लादेश (असहयोग या विवाद के क्षेत्र):-

★ ढाका का भारत को प्राकृतिक गैस निर्यात ना करने का फैसला

★ भारतीय सेना को पूर्वोत्तर भारत में जाने के लिए अपने इलाके से बांग्लादेश का रास्ता देने से इनकार

★ गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी पर जल विवाद

★ बांग्लादेश सरकार भारत की सरकार पर चटगांव पर्वतीय क्षेत्र में विद्रोह को हवा देने, बांग्लादेश के प्राकृतिक गैस में सेंधमारी करने और व्यापार में बेईमानी करने का आरोप लगाती है

भारत-इजरायल संबंध:-

★ भारत सरकार द्वारा 17 सितंबर 1950 को आधिकारिक तौर पर इजराइल को मान्यता दी गई।

★ 1992 में इजरायल के साथ पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित हुए और दूतावास खोले गए।

★ रक्षा और कृषि द्विपक्षीय संबंधों के प्रमुख स्तंभ रहे हैं।

★ भारत इजराइल से महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकी का आयात करता है।

★ अंतरिक्ष, अनुसंधान, जल, ऊर्जा और कृषि के विकास पर भी सहयोग है।

★ आतंकवादी विरोधी मुद्दों पर भी दोनों देशों का रवैया सहयोगात्मक है।

★ 2017 और 2018 में दोनों देशों के शासनाध्यक्षों को की यात्राओं के साथ संबंध और मजबूत हुए हैं।

यद्यपि भारत तथा इजरायल के मध्य ऐतिहासिक तथा संस्कृतिक संबंधों को पुरातन समय से ही देखा जा सकता है, परंतु दोनों के मध्य कूटनीतिक संबंध औपचारिक रूप से 1992 में भारत में इजरायल के दूतावास की स्थापना के पश्चात विकसित हुए।

परंतु दोनों देशों के मध्य औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित होने पश्चात भी, इनके मध्य संबंधों में सुदृढ़ता 1996 तथा 1998 में भारत में एनडीए सरकार की स्थापना के बाद ही आई। दोनों लोकतांत्रिक देशों के मध्य सरकार के प्रमुख की यात्राओं के पश्चात दोनों के मध्य संबंध और अधिक प्रगाढ़ हुए। 2017 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजरायल तथा 2018 में इजराइल के तत्कालीन प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत की यात्रा की। दोनों राष्ट्रों ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान, सुरक्षा एवं सैन्य, आतंकवाद विरोधी अंतरिक्ष अनुसंधान जल एवं उर्जा तथा कृषि विकास के क्षेत्रों में व्यापक सहयोग प्रांरभ किया है।

भारत-श्रीलंका संबंधः-

भारत-श्रीलंका के मध्य सांस्कृतिक, बौद्धिक, धार्मिक और भाषायी संबंध प्राचीन काल से हैं।

★ भारत ने श्रीलंका के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जिससे व्यापारिक संबंध दृढ़ हुए हैं।

★ 26 सिंतबर 2020 को वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंका के तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री एच. ई. महिन्द्रा राजपक्षे के साथ द्विपक्षीय सम्मेलन किया।

-- भारत का परमाणु कार्यक्रम

★ मई 1974 में पोखरण में भारत ने अपना पहला परमाणु परीक्षण किया। फिर मई 1998 में पोखरण में ही भारत ने पाँच परमाणु परीक्षण कर स्वयं को परमाणु शक्ति सम्पन्न देश घोषित कर दिया। इसके तुरंत बाद पाकिस्तान ने भी परमाणु परीक्षण कर स्वयं को परमाणु शक्ति घोषित कर दिया।

भारत की परमाणु नीति सदैव ही शांति उन्मुख रही है, जिसका स्पष्ट प्रभाव 'प्रथम प्रयोग नहीं' (No First Use) की नीति में स्पष्ट होता है। परंतु समकालीन क्षेत्रीय सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के कारण, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत की क्षेत्रीय व राष्ट्रीय सुरक्षा के अनुरूप 'प्रथम प्रयोग नहीं' नीति की समीक्षा की जा सकती है तथा इसमें परिवर्तन भी किया जा सकता है। इसके साथ ही भारत परमाणु आपूर्ति कर्ता

समूह में स्वयं की सदस्यता प्राप्त करने के लिए भी प्रतिबद्ध है तथा व्यापक परमाणु प्रतिबंध संधि (CTBT) व परमाणु अप्रसार संधि (NPT) जैसी भेदभाव पुर्ण तथा अन्याय पूर्ण नाभिकीय संधियों का भी विरोध करता है।

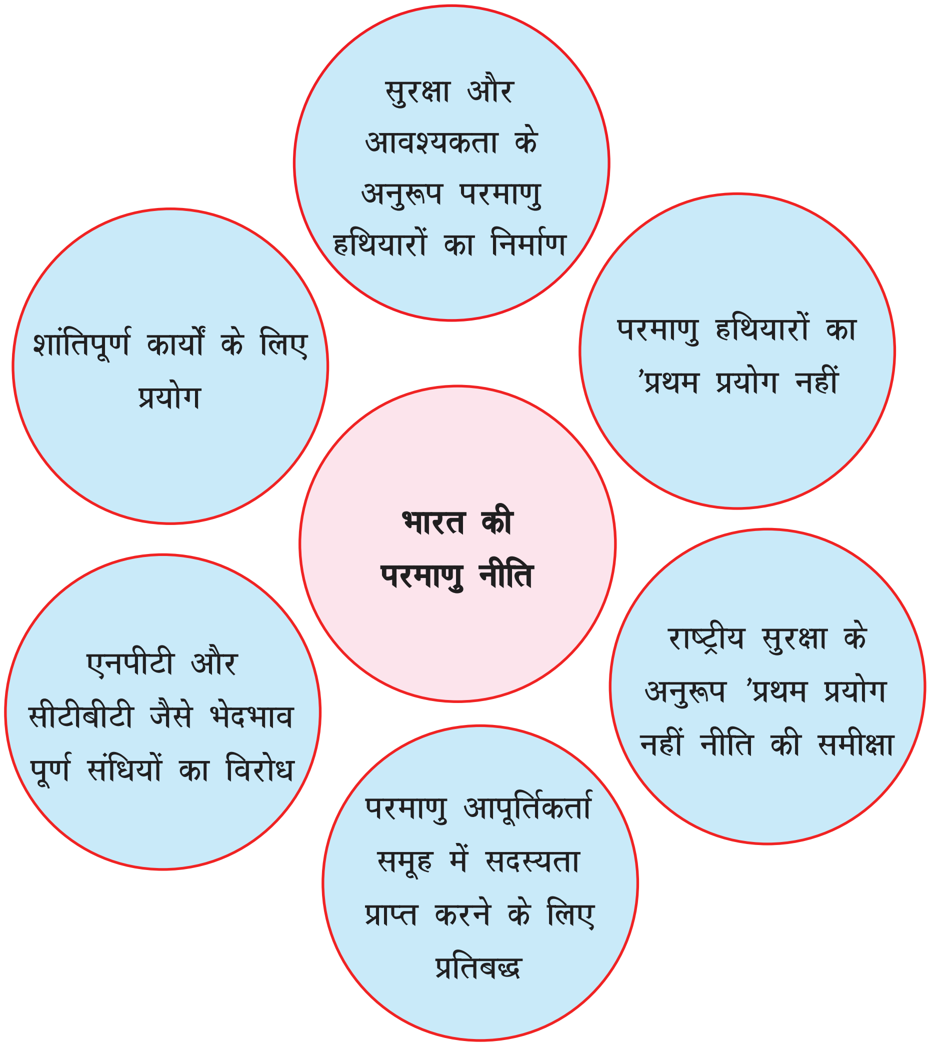

भारत की परमाणु नीति के सिद्धांत :

★ भारत शांतिपूर्ण कार्यों के लिए परमाणु शक्ति का प्रयोग करेगा।

★ भारत अपनी सुरक्षा एवं आवश्यकता अनुसार परमाणु हथियारों का निर्माण करेगा।

★ भारत परमाणु हथियारों का प्रयोग पहले नहीं करेगा। (NO FIRST USE

POLICY) परंतु समकालीन क्षेत्रीय व राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियों को देखते हुए वर्तमान सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के अनुरूप 'प्रथम प्रयोग नहीं' नीति की समीक्षा की जाती है और इसमें परिवर्तन भी किया जा सकता है।

★ परमाणु हथियारों का प्रयोग करने की शक्ति सर्वोच्च राजनीतिक सत्ता के हाथ में होगी। इसके साथ ही भारत परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह में स्वयं की सदस्यता प्राप्त करने के लिए प्रतिबंध है तथा व्यापक परमाणु प्रतिबंध संधि (CTBT) व परमाणु अप्रसार संधि (NPT) जैसी भेदभाव पूर्ण तथा अन्याय पूर्ण संधियों का विरोध भी करता है।

एक अंकीय प्रश्न ः-

1. भारत की विदेश नीति की कोई दो विशेषताएँ बताइयें ?
2. जवाहर लाल नेहरू ने पंचशील की घोषणा कब की ?
3. भारत द्वारा गुट निरपेक्षता की नीति अपनाए जाने का क्या कारण था ?
4. भारत चीन युद्ध कब हुआ ?

   a) 1948 b) 1962 c) 1965 d) 1971
5. 'नेफा' किस राज्य को कहा जाता है ?

   a) असम b) मिजोरम c) आंध्रप्रदेश d) अरूणाचल प्रदेश
6. NPT का शब्द विस्तार लिखो ?
7. भारत ने 1959 में किसे राजनीतिक शरण दी ?
8. भारत ने अपना प्रथम परमाणु परीक्षण कब और कहाँ किया ?

   a) 1965 पंजाब में b) 1971 पश्चिमी बंगाल में

   c) 1974 राजस्थान के पोखरण में d) 1978 राजस्थान के पोखरण में
9. बंगबंधु उपनाम से किसे जाना जाता है ?
10. बांग्लादेश कब अस्तित्व में आया ?
11. CTBT का शब्द विस्तार लिखिए ?
12. भारत ने अपना दूसरा परमाणु परीक्षण कब और कहाँ किया ?

    a) 1998 राजस्थान के पोखरण में b) 2000 गुजरात में

c) 2004 केरल में d) 2014 हरियाणा में

13. कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र संघ ने कब अपनी 'विवादित क्षेत्र' सूची से निकाल दिया?

14. निम्न वाक्यों में से कौन सा असत्य है।

i) गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाने के कारण भारत, सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका, दोनों की सहायता हासिल कर सका।

ii) भारत ने 1968 में परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था।

iii) शीतयुद्ध का प्रभाव भारत-पाक संबंधों पर भी पड़ा।

iv) भारत और अमेरिका ने 20 सूत्रीय संधि पर हस्ताक्षर किए।

15. अरूणाचल प्रदेश को पहले किस नाम से जाना जाता था?

16. मैकमोहन सीमा रेखा किन दो देशों को मध्य खीचीं गई?

17. गुट निरपेक्ष देशों की वर्तमान सदस्य संख्या बताइए।

a) 110 b) 120 c) 130 d) 140

18. सिन्धु नदी जल समझौता किन दो देशों के मध्य हुआ।

दो अंकीय प्रश्न :-

1. पंचशील समझौते पर किन नेताओं ने हस्ताक्षर किए?
2. भारत-चीन के मध्य विवाद के कोई दो विषयों का उल्लेख करो।
3. ताशकंद समझौता किन दो देशों के मध्य हुआ और कब?
4. भारत और पाकिस्तान के मध्य सिंधु नदी जल बंटवारा संधि कब हुई? इस संधि में किसने मध्यस्थता की भूमिका निभाई?
5. भारत ने CTBT पर हस्ताक्षर करने से क्यों मना कर दिया?
6. शिमला समझौता कब तथा किसके बीच हुआ।
7. भारत ने एक बीस वर्षीय संधि किस देश के साथ और क्यों की?
8. भारत चीन के मध्य प्राचीन सिल्क रूट व्यापार के लिए खोल दिया गया? यह कौन सा रूट है?

9. शिमला समझौते के कोई दो प्रमुख प्रावधान बताइए ?

10. सही मिलान करो।

कॉलम (क)	कॉलम (ख)
i) 1950-64 के दौरान भारत की विदेश नीति का लक्ष्य	ए) तिब्बती धार्मिक नेता जो सीमा पार करके भारत चले आए।
ii) पंचशील	बी) श्रेत्रीय अखंडता और सम्प्रभुता की रक्षा तथा आर्थिक विकास
iii) बांडुंग सम्मेलन	सी) शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पाँच सिद्धांत
iv) दलाई लामा	डी) इसकी परिणति गुटनिरपेक्ष आंदोलन में हुई।

गद्यांश आधारित प्रश्न :

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए** **(1+1+1+1)**

1999 के शुरुआती महीनों में भारतीय इलाके के नियंत्रण सीमा रेखा के कई ठिकानों जैसे द्रास, माशकोह, काकसर और बतालिक पर अपने को मुजाहिदीन बताने वालों ने कब्जा कर लिया था। पाकिस्तानी सेना की इसमें मिलीभगत भापकर भारतीय सेना इस कब्जे के खिलाफ हरकत में आई। इससे दोनों देशों के बीच संघर्ष छिड़ गया। इसे करगिल की लड़ाई के नाम से जाना जाता है। 1999 के मई-जून में यह लड़ाई जारी रही। 26 जुलाई 1999 तक भारत अपने अधिकतर ठिकानों पर पुनः अधिकार कर चुका था। करगिल की लड़ाई ने पूरे विश्व का ध्यान खींचा था क्योंकि इससे ठीक एक साल पहले दोनों देश परमाणु हथियार बनाने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर चुके थे। बहरहाल, यह लड़ाई सिर्फ करगिल के इलाके तक ही सीमित रही। पाकिस्तान में इस लड़ाई को लेकर बहुत विवाद मचा। कहा गया कि सेना के प्रमुख ने प्रधानमंत्री को इस मामले में अंधेरे में रखा। इस लड़ाई के तुरंत बाद पाकिस्तान की हुकूमत पर जनरल परवेज मुशर्रफ की अगुवाई में पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण कर लिया।

1. करगिल का संघर्ष किस वर्ष हुआ था ?

a) 1990 b) 1992 c) 1997 d) 1999

2. इस लड़ाई के तुरंत बाद पाकिस्तान की हुकूमत पर किसने नियंत्रण कर लिया था ?

a) पाकिस्तानी सेना ने b) विपक्षी दलों ने

c) धर्मगुरुओं ने d) अभिजात्य वर्ग ने

3. अपने को मुजाहिद्दीन बताने वालों ने भारतीय इलाके के नियंत्रण सीमा रेखा के कौन से इलाकों पर अपना कब्जा कर लिया था ?

a) द्रास ,माशकोह ,काकसर b)माशकोह ,काकसर और बतालिक

c) द्रास ,माशकोह ,काकसर और बतालिक d) काकसर और बतालिक

4. .... तक भारत ने अपने अधिकतर ठिकानों पर पुनः अधिकार कर लिया था।

a) 26 जुलाई 1999 b) 26 मई 1999

c) 26 अगस्त 1999 d) 26 सितंबर 1999

चार अंकीय प्रश्न :-

1. भारत की विदेश नीति के कोई चार सिद्धांत बताओ ?
2. अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा के प्रोत्साहन हेतु, भारत के संविधान में दिए गए राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतो के किन्हीं चार सिद्धांतों को सूचीबद्ध कीजिए।
3. भारत के परमाणु कार्यक्रम की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। (IMP)
4. विदेश नीति के मसले पर सभी दलों में एक सर्वसहमति है। टिप्पणी करो ?
5. 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति का त्याग कर दिया। इस कथन का आलोचनात्मक विश्लेषण करो।

मानचित्र पर आधारित प्रश्न :-

1. दिए गए मानचित्र में 4 देशों A,B,C और D को दर्शाया गया है। नीचे दी गई जानकारी के आधार पर इन देशों की पहचान कीजिए और इनकी सही नाम प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या तथा संबंधित अक्षर तालिका के रूप में अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए।

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबधित अक्षर	देश का नाम
i		
ii		
iii		
iv		

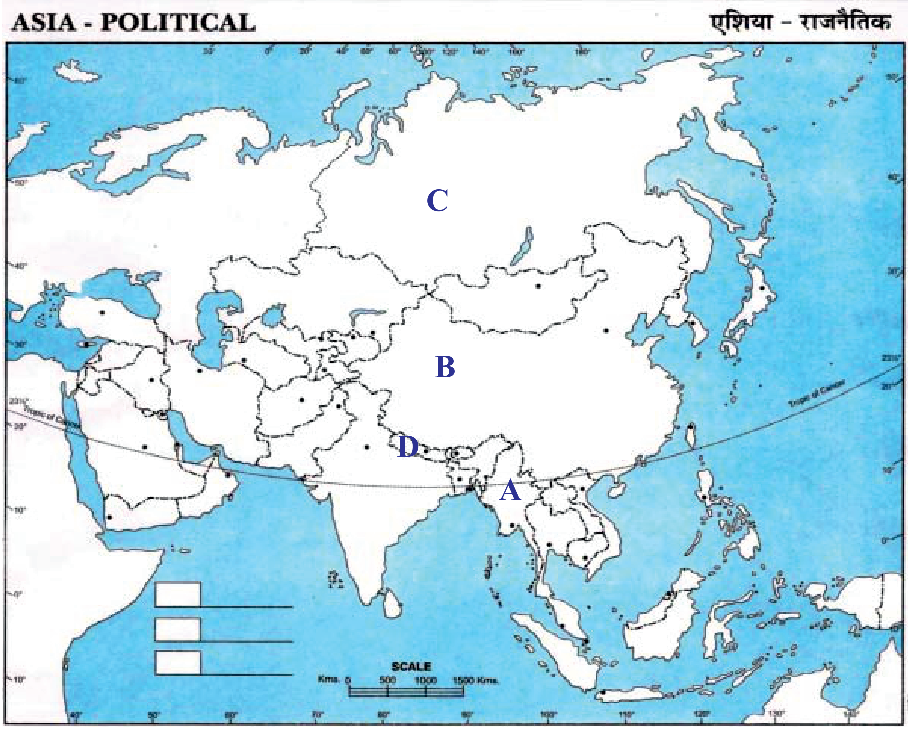

i) वह देश जिसने तिब्बत के पारंपरिक नेता दलाई लामा को भारत में शरण देने का कड़ा विरोध किया।

ii) वह देश जिसके साथ भारत की द्विपक्षीय संधि है तथा दोनों देशों के नागरिकों और वस्तुओं की मुक्त आवाजाही की अनुमति है।

iii) वह देश जिसे 1948 में स्वतंत्रता प्राप्त हुई तथा जो भारत की ACT EAST नीति का हिस्सा है।

iv) भारत के संबंध इस देश के साथ मैत्रीपूर्ण है तथा भारत इस देश से तेल का आयात करता है

छः अंकीय प्रश्न :-

1. किसी राष्ट्र का राष्ट्रीय नेतृत्व किस तरह उस राष्ट्र की विदेश नीति को प्रभावित करता है? भारत की विदेश नीति से कोई दो उदाहरण देते हुए संक्षेप में व्याख्या कीजिए।
2. 1977 के पश्चात् विश्व राजनीति में आए नाटकीय बदलावों का भारत की विदेश नीति पर पड़े प्रभावों का वर्णन करो।
3. भारत-चीन संबंधों में मतभेद और सहमति के बिन्दु बताइए। (IMP)
4. भारत की विदेश नीति के मुख्य सिद्धांत बताइए। (IMP)
5. भारत द्वारा परमाणु नीति एवं कार्यक्रम अपनाने के कोई चार कारण लिखिए।
6. भारत-इजरायल संबंधों को विस्तार पूर्वक लिखिए।

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. गुट निरपेक्षता और पंचशील
2. 1954 में
3. विश्व में चल रही गुटबाजी में न पड़कर स्वतन्त्रतापूर्वक विकास करने के लिए गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाई।
4. 1962
5. अरूणाचल प्रदेश को
6. परमाणु अप्रसार संधि।
7. तिब्बती धर्मगुरू दलाई लामा को
8. 1974 में राजस्थान के पोखरण में
9. शेख मुजीबुर्रहमान
10. 1971
11. परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि
12. 1998 में राजस्थान के पोखरण में पाँच परमाणु परीक्षण।
13. 2010

14. (iv) भारत और अमेरिका ने 20 सूत्रीय संधि पर हस्ताक्षर किए।

15. नेफा या उत्तर पूर्वी सीमांत

16. भारत एवं चीन

17. 120 सदस्य

18. भारत एवं पाकिस्तान

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :–

1. भारत के प्रधानमंत्री पं जवाहर लाल नेहरू और चीन के प्रमुख चाऊएन लाई।
2. तिब्बत, अरूणाचल प्रदेश सहित पूर्वोतर भारत में सीमा विवाद।
3. भारत और पाकिस्तान 1966
4. 1960, विश्व बैंक
5. क्योंकि भारत मानता है कि यह संधि भेदभाव पूर्ण है।
6. 1972, भारत व पाकिस्तान के मध्य।
7. 1971 में सोवियत संघ के साथ क्योंकि भारत अमेरिका चीन और पाकिस्तान की धुरी तोड़ना चाहता था।
8. सिक्किम और तिब्बत के मध्य नाथूला दर्रा द्वारा।
9. विवादों का शांतिपूर्ण समाधान, बल प्रयोग नहीं, स्व्ब को मान्यता, संचार साधनों की स्थापना।
10. i) बी ii) सी iii) डी iv) ए

गद्यांश आधरित प्रश्न का उत्तर

1. d) 2. a) 3. c) 4. d)

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर :–

1. गुटनिरपेक्षता, पंचशील, क्षेत्रीय अखंडता और तेज गति से आर्थिक विकास।
2. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 में वर्णित है–

   i) अंर्तराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना।

   ii) राष्ट्रों के बीच न्यायसंगत और सम्मानपूर्ण संबधों को बनाए रखना।

iii) अंर्तराष्ट्रीय विधि और संधि बाध्यताओं का आदर बढ़ाना।

iv) अंर्तराष्ट्रीय विवादों को मध्यस्थय द्वारा निपटाने को प्रोत्साहन देना।

3. -- 1940 के दशक में होमी जहाँगीर भाभा के निर्देशन में शुरूआत।

-- 1974 में पहला तथा 1998 में दूसरा परमाणु परीक्षण पोखरण में।

-- NPT और CTBT का विरोध।

-- परमाणु नीति की घोषणा एवं शांतिपूर्ण कार्यों के लिए परमाणु शक्ति का प्रयोग।

4. देखे स्मरणीय बिन्दु।

5. स्वयं उत्तर दें।

मानचित्र आधारित प्रश्न के उत्तर

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबधित अक्षर	देश का नाम
i) वह देश जिसने तिब्बत के धर्मगुरु पारंपरिक नेता दलाई लामा को भारत में शरण देने का द्य कड़ा विरोध किया।	B	चीन
ii) वह देश जिसके साथ भारत के द्विपक्षीय संधि है तथा दोनों देशों के नागरिकों और वस्तुओं की मुक्त आवाजाही की अनुमति है।	D	नेपाल
iii) वह देश जिसे 1948 में स्वतंत्रता प्राप्त हुई तथा जो भारत की ACT EAST नीति का हिस्सा है।	A	म्यानमार
iv) भारत के संबंध इस देश के साथ मैत्रीपूर्ण है तथा भारत इस देश से तेल का आयात करता है।	C	रूस

छः अकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. -- नेतृत्व करने वाले दल की विचारधारा का प्रभाव।

-- दल के ऐतिहासिक चरित्र का प्रभाव।

-- नेहरू जी द्वारा गुटनिरपेक्षता की नीति का पालन करना।

-- प्रधानमंत्री श्री राजीवगांधी द्वारा पड़ोसी देशों से संबंध सामान्य बनाना।

-- वाजपेयी द्वारा परमाणु नीति की घोषणा।

2. -- जनता पार्टी सरकार द्वारा सच्ची गुटनिरपेक्षता नीति का पालन।

-- सोवियत संघ के प्रति झुकाव का अंत।

-- चीन व अमेरिका के साथ संबंधो में सुधार।

-- क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने पर जोर।

-- सैन्य हितों के स्थान पर आर्थिक हितों पर जोर।

-- 1990 के दशक में अमेरिका समर्थित नीतियों की आलोचना।

3. **मतभेद :-** सीमा विवाद, पाकिस्तान को भारत विरोधी गतिविधियों में समर्थन, तिब्बत विवाद आदि।

सहमति :- पर्यावरण मुद्दों पर विकसित देशों के खिलाफ, WTO में विकासशील देशों का पक्ष, आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति।

4. देखे स्मरणीय बिन्दु

5. देखे स्मरणीय बिन्दु

6. देखे स्मरणीय बिन्दु

अध्याय – 11

भारत में दल और दलीय व्यवस्था

- एक दलीय वर्चस्व
- दो दलीय व्यवस्था
- बहुदलीय गठबंधन व्यवस्था

स्मरणीय बिन्दु :-

★ भारतीय नेताओं की स्वतन्त्रता आंदोलन के समय से ही लोकतंत्र में गहरी प्रतिबद्धता (आस्था) थी। इसलिए भारत ने स्वतंत्रता के बाद लोकतंत्र का मार्ग अपनाया जबकि लगभग उसी समय स्वतंत्र हुए कई देशों में अलोकतांत्रिक शासन व्यवस्था कायम हुई।

★ 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के समय देश में अंतरिम सरकार थी। अब संविधान के अनुसार नयी सरकार के लिए चुनाव करवाने थे। जनवरी 1950 में चुनाव आयोग का गठन किया गया। सुकुमार सेन पहले चुनाव आयुक्त बने।

★ वर्तमान में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त श्री राजीव कुमार हैं।

★ **चुनाव आयोग की चुनौतियाँ :-**

-- स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाना।

-- चुनाव क्षेत्रों का सीमांकन।

-- मतदाता सूची बनाने के मार्ग में बाधाएं।

-- अधिकारियों और चुनावकर्मियों को प्रशिक्षित करना।

-- कम साक्षरता के चलते मतदान की विशेष पद्धति के बारे में सोचना।

★ अक्टूबर 1951 से फरवरी 1952 तक प्रथम आम चुनाव हुए।

★ पहले तीन आम चुनावों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व रहा।

★ भारत में एक दल का प्रभुत्व दुनिया के अन्य देशों में एक पार्टी के प्रभुत्व से इस प्रकार भिन्न रहा।

-- मैक्सिको में PRI की स्थापना 1929 में हुई, जिसने मैक्सिको में 60 वर्षों तक शासन किया। परन्तु इसका रूप तानाशाही का था।

-- बाकी देशों में एक पार्टी का प्रभुत्व लोकतंत्र की कीमत पर कायम हुआ।

-- चीन, क्यूबा और सीरिया जैसे देशों में संविधान सिर्फ एक ही पार्टी को अनुमति देता है।

-- म्यांमार, बेलारूस और इरीट्रिया जैसे देशों में एक पार्टी का प्रभुत्व कानूनी और सैन्य उपायों से कायम हुआ।

-- भारत में एक पार्टी का प्रभुत्व लोकतंत्र एवं स्वतंत्र निष्पक्ष चुनावों के होते हुए रहा है।

कांग्रेस के प्रभुत्व के कारण

★ प्रथम तीन आम चुनावों में कांग्रेस का (एक दल का) प्रभुत्व रहा :-

-- स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका

-- सुसंगठित पार्टी

-- सबसे पुराना राजनीतिक दल

-- पार्टी का राष्ट्र व्यापी नेटवर्क

-- प्रसिद्ध नेता

-- सबको समेटकर मेलजोल के साथ चलने की प्रकृति।

-- भारत की चुनाव प्रणाली।

★ कांग्रेस की प्रकृति एक सामाजिक और विचारधारात्मक गठबंधन की है। कांग्रेस में किसान और उद्योगपति, शहर के बाशिंदे (रहने वाले) और गाँव के निवासी, मज़दूर और मालिक एवं मध्य, निम्न और उच्च्य वर्ग तथा जाति सबको जगह मिली।

कांग्रेस ने अपने अंदर गरमपंथी और नरमपंथी, दक्षिणपंथी, वामपंथी और मध्यमार्गियों को समाहित किया।

★ कांग्रेस के गठबंधनी स्वभाव ने विपक्षी दलों के सामने समस्या खड़ी की और कांग्रेस को असाधारण शक्ति दी। चुनावी प्रतिस्पर्धा के पहले दशक में कांग्रेस

ने शासक-दल की भूमिका निभायी और विपक्ष की भी। इसी कारण भारतीय राजनीति के इस कालखंड को कांग्रेस-प्रणाली कहा जाता है।

नेहरू की मृत्यु के बाद कांग्रेस के समक्ष कई चुनौतियाँ आयी जो निम्नलिखित है।

1. राजनैतिक उत्तराधिकार की चुनौती

1964 के मई में जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के बाद लाल बहादुर शास्त्री 1966 तक देश के प्रधानमंत्री रहे। शास्त्री जी का 10 जनवरी 1966 को ताशकंद में निधन हो गया। शास्त्री जी की मृत्यु के बाद मोरारजी देसाई व इंदिरा गांधी के मध्य राजनैतिक उत्तराधिकार के लिये संघर्ष हुआ व इंदिरा गाँधी को प्रधानमंत्री बनाया गया। सिंडिकेट ने इंदिरा गाँधी को अनुभवहीन होने के बावजूद प्रधानमंत्री बनाने में समर्थन दिया, यह मान कर कि वे दिशा निर्देशन के लिये सिंडीकेट पर निर्भर रहेंगी।नेतृत्व के लिये प्रतिस्पर्धा के बावजूद पार्टी में सत्ता का हस्तांतरण बड़े शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया।

2. चौथा आम चुनाव 1967 :-

मानसून की असफलता, व्यापक सूखा, विदेशी मुद्रा भंडार में कमी, निर्यात में गिरावट तथा सैन्य खर्चे में बढ़ोत्तरी से देश में आर्थिक संकट की स्थिति।

-- विपक्षी दलों ने जनता को लामबंद करना शुरू कर दिया ऐसी स्थिति में अनुभवहीन प्रधानमंत्री का चुनावों का सामना करना भी एक बड़ी चुनौती थी।

-- चुनावों के नतीजों को राजनैतिक भूकम्प का संज्ञा दी गयी। कांग्रेस 9 राज्यों (उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, पं.बंगाल, उड़ीसा, मद्रास व केरल) में सरकार नहीं बना सकी। ये राज्य भारत के किसी एक भाग में स्थित नहीं थे।

3. **कांग्रेस का विभाजन** :- सिंडीकेट व इंदिरा गांधी के मध्य बढ़ते मतभेद व राष्ट्रपति चुनाव (1969) में इंदिरा गांधी समर्थित उम्मीदवार वी.वी. गिरी की जीत व कांग्रेस के अधिकारिक उम्मीदवार एन. संजीव रेड्डी की हार से कांग्रेस को 1969 में कांग्रेस को विभाजन की चुनौती झेलनी पड़ी। कांग्रेस (आर्गेनाइजेशन) व कांग्रेस (रिक्विजिनिस्ट) में विभाजित हो गयी।

निष्कर्षः-

1971 के चुनावों में इंदिरा गांधी ने अपने जनाधार की खोयी हुयी जमीन को पुनः प्राप्त करते हुये, गरीबी हटाओ के नारे से कांग्रेस को एक बार पुनः स्थापित कर दिया।

स्मरणीय बिन्दु

★ लाल बहादुर शास्त्री 1964 से 1966 तक प्रधानमंत्री रहे। इस अवधि में देश ने दो चुनौतियों का सामना किया

-- 1965 का भारत-पाकिस्तान युद्ध

-- खाद्यान्न का संकट (मानसून की असफलता से)

★ इन चुनौतियों से निपटने के लिये शास्त्री जी ने 'जय जवान जय किसान का नारा दिया।

★ 1965 के युद्ध की समाप्ति के सिलसिले में 1966 में सोवियत संघ के ताशकंद (वर्तमान में उज्बेकिस्तान की राजधानी) में भारत व पाकिस्तान के मध्य ताशकंद समझौता हुआ। ताशकंद समझौते पर भारत की तरफ से लाल बहादुर शास्त्री व पाकिस्तान की तरफ से मोहम्मद अयूब खान ने हस्ताक्षर किये।

★ 1960 के दशक को खतरनाक दशक भी कहा जाता है क्योंकि इस दौरान भारत ने दो युद्धो (1962 भारत चीन तथा 1965 में भारत व पाकिस्तान के मध्य) का सामना किया तथा देश में मानसून की असफलता से सूखे की स्थिति पैदा हो गई।

★ चौथे आम चुनाव के दौरान देश की आर्थिक स्थिति अस्थिर थी, मँहगाई बढ़ गयी थी, बढ़ती बेरोजगारी, खाद्यान्न की कमी के चलते जन विरोध धीरे-धीरे उग्र रूप धारण करने लगा।

★ जो दल अपने कार्यक्रम व विचारधाराओं के धरातल पर एक दूसरे से अलग थे, एकजुट हुये तथा उन्होंने सीटों के मामले में चुनावी तालमेल करते हुये एक कांग्रेस विरोधी मोर्चा बनाया। समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया ने इस रणनीति को गैर-कांग्रेसवाद का नाम दिया।

★ चुनावों के जनादेश को 'राजनैतिक भूकम्प' की संज्ञा दी गयी क्योंकि कांग्रेस पहली बार चुनाव हारी थी। उसे प्राप्त वोटों के प्रतिशत व सीटो की संख्या में कमी आयी थी।

★ 1967 के चुनावों से राज्यों में गठबंधन की परिघटना सामने आयी। गैर कांग्रेसी पार्टियों ने एक जुट होकर SVD (संयुक्त विधायक दल) बनाया। पंजाब में बनी SVD की सरकार को "Popular United Front" कहा गया।

★ **दल बदल** – जब कोई जन प्रतिनिधि किसी खास दल के चुनाव चिह्न पर चुनाव जीत जाये व चुनाव जीतने के बाद उस दल को छोड़कर दूसरे दल में शामिल हो जाये तो इसे दल-बदल कहते हैं।

★ 1967 के चुनावों के बाद कांग्रेस के एक विधायक (हरियाणा) गयालाल ने एक पखवाड़े (15 दिन) में तीन बार पार्टी बदली, उनके ही नाम पर 'आयाराम-गयाराम' का जुमला बना। यह जुमला दल बदल की अवधारणा से संबंधित हैं।

★ कांग्रेस के भीतर प्रभावशाली व ताकतवर नेताओं के समूह को अनौपचारिक तौर पर सिंडिकेट कहा जाता था। इस समूह के नेताओं का पार्टी के संगठन पर नियंत्रण था।

	सिंडिकेट के नेता	राज्य
1.	के. कामराज (Mid day Meal शुरू कराने के लिये प्रसिद्ध)	मद्रास
2.	एस. के. पाटिल	बम्बई (मुंबई) शहर
3.	के.एस. निज लिंगप्पा	मैसूर (कर्नाटक)
4.	एन. सजीव रेड्डी	आंध्र प्रदेश
5.	अतुल्य घोष	पश्चिम बंगाल

★ **1969 का राष्ट्रपति चुनाव** – डा. जाकिर हुसैन की मृत्यु के बाद, सिंडिकेट ने तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष एन. संजीव रेड्डी को कांग्रेस पार्टी का उम्मीदवार घोषित कर दिया। इंदिरा गांधी ने तत्कालीन उपराष्ट्रपति वी.वी. गिरि को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति पद के लिये नामांकन भरवा दिया। इंदिरागांधी ने अंतरात्मा की आवाज पर वोट देने के लिये कहा, वी.वी. गिरी चुनाव जीत गये।

★ 1969 में राष्ट्रपति पद के चुनावों के बाद कांग्रेस का विभाजन हो गया।

Congress

Cong 'O'
(सिंडिकेट समर्थित ग्रुप)

Cong. (R)
(इंदिरा गांधी समर्थित ग्रुप)

★ देसी रियासतों का विलय भारतीय संघ में करने से पहले सरकार ने रियासतों के

तत्कालीन शासक परिवार को निश्चित मात्रा में निजी संपदा रखने का अधिकार दिया तथा सरकार की तरफ से कुछ विशेष भत्ते देने का भी आवश्वासन दिया। यह दोनों (निजी संपदा व भत्ते) इस बात को आधार मान कर तय की जायेगी कि उस रियासत का विस्तार, राजस्व व क्षमता कितनी है। इस व्यवस्था को प्रिवी पर्स कहा गया)

- ★ इंदिरा गांधी ने 1967 के चुनावों की खोई जमीन प्राप्त करने के लिये दस सूत्रीय कार्यक्रम अपनाये इसमें बैंको का राष्ट्रीयकरण, खाद्यान्न का सरकारी वितरण, भूमि सुधार आदि शामिल थे।
- ★ 1971 के चुनावों में गैर-साम्यवादी तथा गैर-कांग्रेसी विपक्षी पार्टियों ने चुनावी गठबंधन ''ग्रैंड अलायंस'' बनाया।
- ★ इंदिरा गांधी ने सकारात्मक कार्यक्रम रखा व गरीबी हटाओ का नारा दिया। ग्रैंड अलायंस ने 'इंदिरा हटाओ' का नारा दिया।
- ★ इंदिरा गांधी ने प्रिवी पर्स की समाप्ति पर चुनाव अभियान में जोर दिया।
- ★ चुनाव परिणाम

कांग्रेस 'आर' व सी.पी. आई	--	375 सीट
गठबंधन	--	352 कांग्रेस ़23 कप्युनिस्ट पार्टी
कांग्रेस 'O'	--	16 सीट
ग्रैंड अलायंस	--	40 से भी कम सीट

★ **दो दलीय व्यवस्था :-**

जनवरी 1977 में विपक्षी पार्टियों ने मिलकर जनता पार्टी का गठन किया

-- कांग्रेसी नेता बाबू जगजीवन राम ने 'कांग्रेस फोर डेमोक्रेसी' दल का गठन किया, जो बाद में जनता पार्टी में शामिल हो गया।

-- जनता पार्टी ने आपातकाल की ज्यादतियों को मुद्‌दा बनाकर चुनावों को उस पर जनमत संग्रह का रूप दिया।

-- 1977 के चुनाव में कांग्रेस को लोकसभा में 154 सीटें तथा जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों को 330 सीटें मिली।

-- आपातकाल का प्रभाव उत्तर भारत में अधिक होने के कारण 1977 के चुनाव में कांग्रेस को उत्तर भारत में ना के बराबर सीटें प्राप्त हुई।

-- जनता पार्टी की सरकार में मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री तथा चरण सिंह व जगजीवन राम दो उपप्रधानमंत्री बनें।

-- जनता पार्टी के पास किसी दिशा, नेतृत्व व एक साझे कार्यक्रम के अभाव में यह सरकार जल्दी ही गिर गई।

-- 1980 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 353 सीटें हासिल करके विरोधियों को शिकस्त दी।

★ **बहुदलीय व्यवस्थाः-**

कांग्रेस की हार के साथ भारत की दलीय व्यवस्था से उसका प्रभुत्व समाप्त हो गया अब केन्द्र में गठबंधन सरकारों के निर्माण में क्षेत्रीय दलों का महत्व बढ़ गया ।

-- 1989 के चुनावों के बाद गठबंधन का युग आरंभ हुआ। चुनावों के बाद जनता दल और कुछ क्षेत्रीय दलों को मिलाकर बने राष्ट्रीय मोर्चे ने भाजपा और वाम मोर्चे के समर्थन से गठबंधन सरकार बनायी।

-- 1998 से 2004 तक भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में भारतीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार रही। इस दौरान अटल बिहारी वाजपेयी प्रधनमंत्री रहे। 2004 से 2009 व 2009 से 2014 तक कांग्रेस के नेतृत्व में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार ने लगातार दो कार्यकाल पूरे किए। इस दौरान डा. मनमोहन सिंह प्रधनमंत्री रहे। 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने इतिहास रचते हुए 30 साल बाद पूर्ण बहुमत प्राप्त किया परन्तु चुनाव पूर्व गठबंधन की प्रतिबद्धता का सम्मान करते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनाई।

विभिन्न पार्टी प्रणालियों के लाभ

एक दलीय प्रणाली	**द्वि-दलीय प्रणाली**	**बहुदलीय प्रणाली**
राजनैतिक स्थिरता मजबूत शासन अनुशासन स्थापित करता है। कोई गुटबाजी नहीं	राजनैतिक स्थिरता मतदाताओं के लिए चुनाव करना असान शासन करने की प्रक्रिया को गति देता है कम गुटबाजी	मतदाताओं के लिए व्यापक विकल्प चुनावी पारदर्शिता बढ़ाएं उत्तरदायी और जवाबदेह सरकार एक विशाल और सामाजिक विविधता वाले देश के लिए अच्छा विकास

गठबंधन सरकारों के उदय के कारण

- राष्ट्रीय राजनीतिक दलों का कमजोर होना
- क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का प्रादुर्भाव व सरकारों के निर्माण में बढ़ती भूमिका
- जाति व सम्प्रदाय आधारित अवसरवादी राजनीति का उदय

एक अंकीय प्रश्न

1. स्वतंत्रता के बाद भारत में शासन की कौन सी व्यवस्था को अपनाया गया?

   i) अध्यक्षात्मक व्यवस्था

   ii) अर्द्धअध्यक्षात्मक व्यवस्था

   iii) लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था

   iv) इनमें से कोई नहीं

2. 1967 के चुनाव में दूसरी बड़ी पार्टी कौन सी थी?

   i) जनता पार्टी

   ii) सी पी आई

   iii) स्वतंत्र पार्टी

   iv) इनमें से कोई नहीं

3. नेहरू जी की मृत्यु के बाद भारत के प्रधानमंत्री कौन बनें?

   i) लाल बहादुर शास्त्री

   ii) इंदिरा गांधी

   iii) के कामराज

   iv) राजीव गांधी

4. दल बदल की राजनीति कब से शुरू हुई?

   i) 1971

   ii) 1984

   iii) 1967

iv) 1969

5. लोकसभा का पांचवा आम चुनाव किस वर्ष में करवाया गया?

   i) 1971

   ii) 1980

   iii) 1984

   iv) 1967

6. ताशकंद समझौता किन देशों के मध्य हुआ?

   i) भारत-चीन

   ii) भारत-रूस

   iii) भारत-पाकिस्तान

   iv) भारत-बांग्लादेश

प्रश्न संख्या 7 से 9 में दिए कथनों को सही करके लिखिएः-

7. (MDM) 'दोपहर का भोजन' स्कूली बच्चों के लिए यह योजना इंदिरा गांधी ने लागू की.

8. प्रथम आम चुनाव के अभियान, मतदान और मतगणना में कुल 1 साल का समय लगा।

9. एक दलीय प्रभुत्व से आप क्या समझते हैं?

10. प्रथम आम चुनाव में कितने विधायकों और कितने सांसदों का चुनाव किया गया?

11. 1967 के चुनाव परिणामों ने किस प्रकार की राजनीति को जन्म दिया?

    i) एक दलीय

    ii) दो दलीय

    iii) गठबंधन

    iv) i) और ii) दोनों

12. EVM का शब्द विस्तार करिए।

13. भारत में किस आयोग की स्थापना जनवरी 1950 में हुई?

14. पहले आम चुनाव में कांग्रेस का चिन्ह क्या था?

15. भारत रत्न से सम्मानित पहले भारतीय कौन थे

दो अंकीय प्रश्नः-

1. भारत के चुनाव आयोग का गठन कब हुआ तथा प्रथम चुनाव आयुक्त कौन बनाए गए?

2. ''राजनीति समस्या नहीं अपितु समस्या का समाधान है'' इस कथन का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

3. पांचवी लोकसभा के लिए चुनाव कब हुए और इसके परिणाम क्या निकले?

4. 1977 में कांग्रेस पार्टी की पराजय के कारणों का उल्लेख कीजिए।

5. मार्च 1977 के आम चुनाव में जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों ने लोकसभा में कितनी सीटें जीती

गद्यांश आधारित चार अंकीय प्रश्न :-

I. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों का उत्तर चुनिए

चुनावों को दो बार स्थगित करना पड़ा। चुनाव अभियान, मतदान और मतगणना में कुल 6 महीने लगे।

चुनावों के परिणाम घोषित हुए तो हारने वाले उम्मीदवारों ने भी इन परिणामों को निष्पक्ष बताया।

सार्वभौमिक मताधिकार के इस प्रयोग ने आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। हिंदुस्तान टाइम्स ने लिखा ''यह बात हर जगह मानी जा रही है कि भारतीय जनता ने विश्व के इतिहास में लोकतंत्रा के सबसे बड़े प्रयोग को बखूबी अंजाम दिया'' 1952 का आम चुनाव पूरी दुनिया में लोकतंत्र के इतिहास के लिए मिल का पत्थर साबित हुआ।

1. प्रथम आम चुनाव की प्रक्रिया में 6 महीनों का वक्त क्यों लगा?

   a) चुनाव हेतु संसाधनों की कमी

   b) प्रशिक्षित चुनाव कर्मियों का अभाव

   c) लगभग 17 करोड़ मतदाता

   d) उपरोक्त सभी

2. सार्वभौमिक मताधिकार क्या है ?

a) जातिभेद के बिना मत देने का अधिकार

b) धर्म भेद के बिना मत देने का अधिकार

c) सभी व्यस्कों को बिना लिंग भेद के मत देने का अधिकार

d) उपरोक्त सभी

3. प्रथम आम चुनाव में कौन सी पार्टी विजयी रही ?

a) कांग्रेस

b) स्वतंत्रा पार्टी

c) जनसंघ

d) इनमें से कोई नहीं

4. हिंदुस्तान टाइम्स द्वारा की गई टिप्पणी का क्या आशय है ?

a) मतदाताओं की विशाल संख्या

b) केवल 15 प्रतिशत साक्षर मतदाता

c) गरीबी के माहौल में चुनाव

d) उपरोक्त सभी

II. निम्न गद्यांश को पढ़िए व दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार की हार से पार्टी का टूटना तय हो गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को अपनी पार्टी से निष्कासित कर दिया । पार्टी से निष्कासित प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी पार्टी ही असली कांग्रेस है।

1969 के नवंबर तक सिंडकेट की अगुवाई वाले कांग्रेसी खेमे को कांग्रेस(O) (ऑर्गेनाइजेशन) और इंदिरा गांधी की अगुवाई वाले कांग्रेसी खेमे को कांग्रेस (R) कहा जाने लगा।

1. यह गद्यांश किस निर्वाचन से संबंधित है ?

a) तीसरा आम चुनाव 1962

b) भारत के राष्ट्रपति का चुनाव 1969

c) चौथा आम चुनाव 1967

d) पांचवा आम चुनाव 1971

2. इस निर्वाचन में कांग्रेस का आधिकारिक प्रत्याशी कौन था?

a) के कामराज

b) नीलम संजीव रेड्डी

c) राजीव गांधी

d) वी वी गिरी

3. कांग्रेस अध्यक्ष ने किस प्रधानमंत्री को अपनी पार्टी से निष्कासित कर दिया?

a) वी वी गिरी

b) इंदिरा गांधी

c) लाल बहादुर शास्त्री

d) मोरारजी देसाई

4. इनमेंसे कौन सिंडिकेट के नेता नहीं है?

a) के कामराज

b) एस के पाटिल

c) अतुल्य घोष

d) इंदिरा गांधी

चार अंकीय प्रश्नः-

1. पूर्ण रूप लिखेंः-

PUF

SVD

CWC

DMK

2. 1970 के दशक में इंदिरा गांधी की सरकार क्यों लोकप्रिय थी?

3. भारत में एक दल की प्रधानता के कारणों का वर्णन कीजिए।

4. आजादी से पहले कांग्रेस की प्रकृति का वर्णन कीजिए?

5. कांग्रेस किन अर्थो में एक विचारधारात्मक गठबंधन थी? उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए।

6. सही मिलान कीजिए

a)	ग्रैंड अलायंस	i)	कोई निर्वाचित प्रतिनिधि जिस पार्टी के टिकट से चुनाव जीता हो उस पार्टी को छोड़कर दूसरे दल में चला जाए
b)	सिंडिकेट	ii)	इंदिरा गांधी को हटाने के लिए विपक्षी पार्टी को एकजुट होने की नीति
c)	दलबदल	iii)	कांग्रेस की नीतियों के विरूद्ध अलग-अलग विचारधाराओं की पार्टियों का एकजुट होना
d)	गैर कांग्रेसबाद	iv)	कांग्रेस के भीतर ताकतवर व प्रभावशाली नेताओं का समूह

चार अंकीय कार्टून आधारित प्रश्न-

1. नीचे दिए गए कार्टून का अध्ययन कीजिए एवं इस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प का चयन कीजिए।

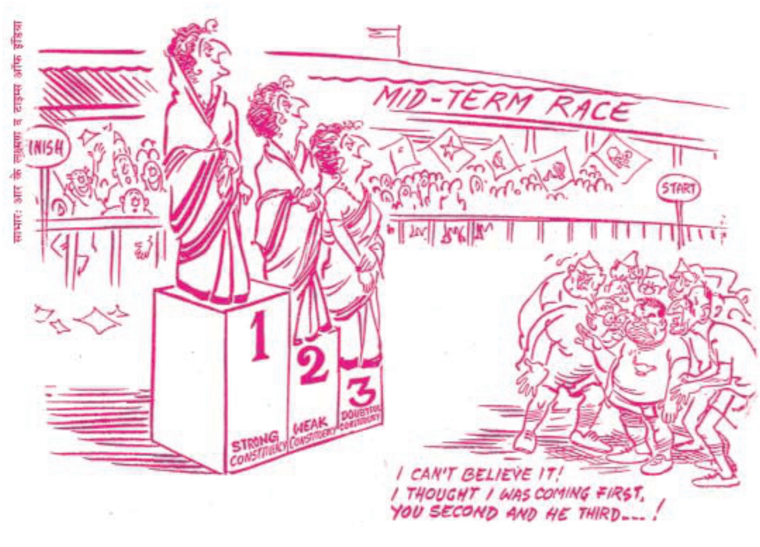

1. i) यह 1971 के लोकसभा के चनुावों से सबंधित है।
   ii) यह 1967 के लोकसभा के चनुावों से सबंधित है।
   iii) यह 1977 के लोकसभा के चनुावों से सबंधित है।
   iv) यह 1951 के लोकसभा के चनुावों से सबंधित है।

2. i) पराजित खिलाड़ियों के रूप में सिडिकेट के नेताओं को दिखाया गया है।

ii) पराजित खिलाड़ियों के रूप में प्रमुख विपक्षी नेताओं ग्रैंड अलायंस को दिखाया गया है।

iii) पराजित खिलाड़ियों के रूप में कांग्रेस के नेताओं को दिखाया गया है।

iv) पराजित खिलाड़ियों के रूप में राज्यों के नेताओं को दिखाया गया है।

3. i) यह कार्टून 'The Grand Start' के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

ii) यह कार्टून 'The Grand End' के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

iii) यह कार्टून 'The Grand Finish' के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

iv) यह कार्टून 'The Grand Begin' के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

4. कार्टून में किस नेता को विजयी दिखाया गया है?

i) इंदिरा गांधी

ii) सरोजनी नायडू

iii) विजय लक्ष्मी पंडित

iv) कमला गांधी

मानचित्र पर आधारित प्रश्न :-

1. दिये गये भारत के राजनैतिक मानचित्र (1967 के विधानसभा चुनाव) में चार राज्य A, B, C, तथा D द्वारा चिन्हित किये गये है। दी गयी जानकारी के आधार पर उन्हें पहचानिए और उनके सही नाम, प्रयोग की जानकारी की क्रम संख्या तथा संबंधित अक्षर सहित निम्नलिखित तालिका के रूप में उत्तर दीजिए।

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबधित अक्षर	देश का नाम
i		
ii		
iii		
iv		

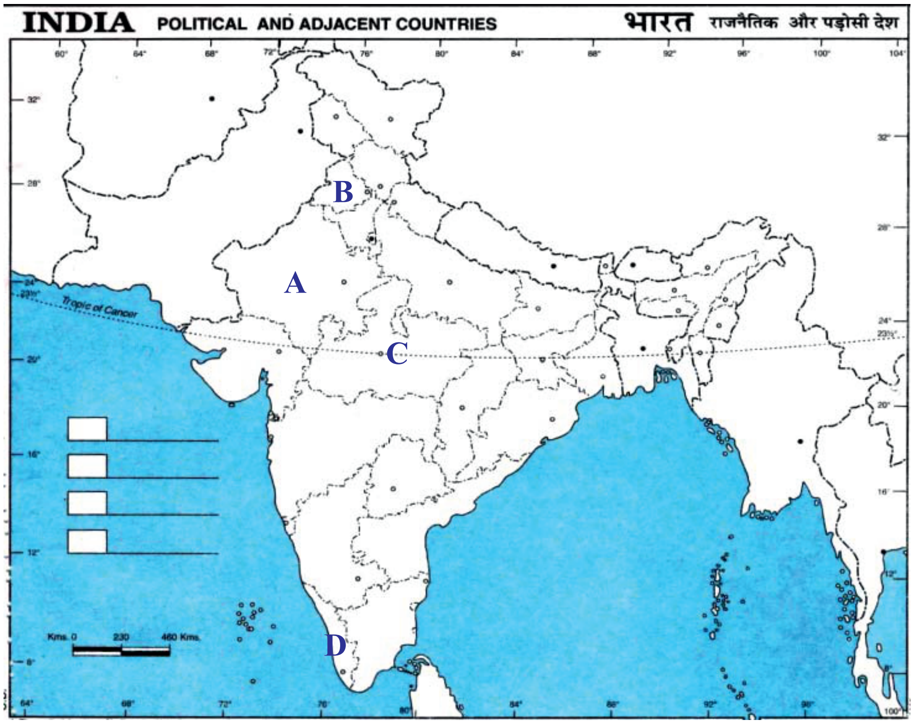

i) वो राज्य जहाँ कांग्रेस को बहुमत नहीं मिला परन्तु कुछ अन्य दलों की सहायता से सरकार बन गई।

ii) वो राज्य जहाँ कम्यूनिस्ट पार्टी की सरकार बनी।

iii) वो राज्य जहाँ विधान सभा चुनाव में कांग्रेस ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई।

iv) एक राज्य जहाँ पापुलर यूनाईटेड फ्रंट की सरकार बनी।

छः अंक वाले प्रश्न :-

1. कांग्रेस में 1969 में हुये विभाजन के कारण स्पष्ट कीजिये। (IMP)
2. 1960 के दशक से आरंभ हुई दल-बदल की राजनीति से भारतीय राजनीति आज भी त्रस्त है, इस बात को ध्यान में रखते हुये दल-बदल के कुप्रभावों की चर्चा कीजिये।
3. 1967 के आम चुनाव के समय भारत की आर्थिक व राजनैतिक स्थिति का वर्णन कीजिए। (IMP)
4. 1970 के दशक के प्रारम्भिक वर्षों में, इंदिरा गाँधी की सरकार को लोकप्रिय बनाने में सहायक किन्हीं छः कारकों की व्याख्या कीजिए।

5. पार्टियों के भीतर गठबन्धन तथा पार्टियों के बीच गठबंधन में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

6. भारत में राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा को सशक्त बनाने वाले कारणो की विवेचना कीजिए।

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तरः-

1. (iii) लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था
2. (iii) स्वतंत्र पार्टी
3. (i) लाल बहादुर शास्त्री
4. (iii) 1967
5. (i) 1971
6. (iii) भारत-पाकिस्तान
7. (MDM) दोपहर का भोजन स्कूली बच्चों के लिए योजना के. कामराज ने लागू की।
8. प्रथम आम चुनाव के अभियान, मतदान और मतगणना में कुल 6 माह का समय लगा
9. बहुदलीय पद्धति के अंतर्गत जहां किसी एक दल की प्रधानता होती है उसे एक दलीय प्रभुत्व कहा जाता है।
10. 3200 और 489
11. iii) गठबंधन
12. इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन
13. निर्वाचन आयोग
14. दो बैलों की जोड़ी
15. सी राजगोपालाचारी

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तरः-

1. जनवरी 1950, सुकुमार सेन
2. समाज में साधनों का उचित बटवारा करने के लिए राजनीति ही सबसे उचित

माध्यम प्रस्तुत करती है।

3. 1971- परिणाम-इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने भारी जीत हासिल की

4. ★ आपातकाल की घोषणा
   ★ विपक्षी दलों का एक होना

5. जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों ने लोकसभा में कुल 542 में से 330 सीटें जीती

गद्यांश पर आधरित प्रश्नों के उत्तरः-

I. 1. b) भारत के राष्ट्रपति का चुनाव 1969
   2. b) नीलम संजीव रंड्डी
   3. c) इंदिरा गांधी
   4. d) इंदिरा गांधी

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तरः-

1. सही मिलान

a)	PUF	--	पॉपुलर यूनाइटेड फ्रंट
b)	SVD	--	संयुक्त विधायक दल
c)	CWC	--	कांग्रेस वर्किंग कमिटी
d)	DMK	--	द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम

2. ★ 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की विजय
   ★ गरीबी हटाओ की राजनीति
   ★ प्रिवी पर्स की समाप्ति
   ★ गरीबों, भूमिहीन किसानों और वंचितों की रक्षक
   ★ भूमि सुधार

3. ★ कांग्रेस को सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व प्राप्त था।
   ★ लगभग सारे विपक्षी दल कांग्रेस से निकले थे।
   ★ कांग्रेस और विपक्षी दलों की नीतियों में समानता थी।
   ★ राज्यों में गठबंधन सरकारों का असफल होना।

4. ★ बीसवीं सदी में कांग्रेस अमीरों व व्यापारियों का दबाव समूह था। जिस पर अंग्रेजी बोलने वाले उच्च वर्ग का प्रभुत्व था।

★ गांधी के आगमन से शहरी, ग्रामीण, पूंजींपति, मजदूर और विभिन्न जातियाँ कांग्रेस के सदस्य बने।

★ स्वतंत्रता प्राप्ति पर कांग्रेसी इंद्रधनुष के समान विविध वर्ग, जाति, धर्म भाषा, प्रतिनिधि वाली पार्टी थी।

5. ★ कांग्रेस में अनेक विचारधाराओं को मानने वाले लोग शामिल थे।

★ उदाहरण शांति वादी और क्रांतिवादी।

★ इसमें लोग अपने गुटों में रहते हुए भी शामिल हो सकते थे।

★ कांग्रेस सोशिलिस्ट पार्टी का गठन भी कांग्रेस के भीतर हुआ।

★ इसका नेतृत्व किसी एक वर्ग, जाति या पेशे तक सीमित नहीं था

6. सही मिलानः-

a)	ग्रैंड अलायंस	i)	कांग्रेस की नीतियों के विरूद्ध अलग-अलग विचारधाराओं की पार्टियों का एकजुट होना
b)	सिंडिकेट	ii)	कांग्रेस के भीतर ताकतवर व प्रभावशाली नेताओं का समूह
c)	दलबदल	iii)	कोई निर्वाचित प्रतिनिधि जिस पार्टी के टिकट से चुनाव जीता हो उस पार्टी को छोड़कर दूसरे दल में चला जाए
d)	गैर कांग्रेसबाद	iv)	इंदिरा गांधी को हटाने के लिए विपक्षी पार्टी को एकजुट होने की नीति

चार अंक वाले कार्टून के प्रश्नों के उत्तरः-

1. i) यह 1971 के लोकसभा के चुनावों से संबंधित है।

ii) पराजित खिलाड़ियों के रूप में प्रमुख विपक्षी नेताओं (ग्रैंड़ अलांयस) को दिखाया गया है। मोरारजी देसाई, के कामराज, निजलिंगपा (कोई दो)

iii) यह कार्टून "The Grand finish" नाम से प्रसिद्ध हुआ था।

iv) इंदिरा गांधी

मानचित्र प्रश्न का उत्तरः-

1.	i)	A	राजस्थान
	ii)	D	केरल
	iii)	C	मध्य प्रदेश
	iv)	B	पंजाब

छः अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. -- 1969 का राष्ट्रपति चुनाव

-- बैंको का राष्ट्रीयकरण तथा प्रिवी पर्स जैसे मुद्दो पर तत्कालीन वित्त मंत्री मोरारजी देसाई से मतभेद

-- सिंडीकेट व युवा वर्ग में मतभेद

-- इंदिरा गाँधी की समाजवादी नीतियाँ

-- इंदिरा गाँधी का कांग्रेस से निष्कासन

-- इंदिरा गाँधी द्वारा सिंडीकेट को महत्व न देना

-- दक्षिण पंथी व वामपंथी विषय पर कलह

2. -- राष्ट्रीय हितों की अवहेलना

-- राजनैतिक अस्थिरता

-- अवसरवादिता को बढ़ावा

-- मतदाताओं से विश्वासघात

-- प्रशासन में ढील

-- राजनीति में मतदाताओं की बढ़ती उदासीनता

3. भारत की राजनैतिक व आर्थिक स्थिति अत्यन्त दयनीय थी -

-- गंभीर खाद्यान्न संकट

-- विदेशी मुद्रा भण्डार में कमी।

-- औद्योगिक उत्पादन तथा निर्यात में कमी।

-- सैन्य खर्चो में बढ़ोत्तरी।

-- देश में बंद तथा हड़ताल की स्थिति।

-- व्यापक जन-असंतोष

-- आर्थिक विकास व नियोजन की कमी।

4. श्रीमती इन्दिरा गाँधी एवं कांग्रेस(आर) की जीत के निम्नलिखित कारण थे-

   i) श्रीमती गाँधी का चमत्कारिक नेतृत्व।

   ii) समाजवादी नीतियाँ।

   iii) गरीबी हटाओं का नारा।

   iv) कांग्रेस दल पर इंदिरा गाँधी की पकड़।

   v) वोटों का धुव्रीकरण।

   vi) कमजोर विपक्षी दल।

5. पार्टी के भीतर गठबन्धन भारत में प्रथम आम चुनावों से ही देखने को मिला। जब कांग्रेस एक सतरंगे सामाजिक व विचारधारात्मक गठबंधन के रूप में दिखी। अलग-अलग गुटो के होने से इसका स्वभाव सहनशील बना। तथा कांग्रेस के भीतर ही संगठन का ढांचा अलग होने पर भी व्यवस्था में सन्तुलन साधने के एक साधन के रूप में काम किया। वर्तमान राजनीति में पार्टियों के बीच गठबन्धन दिखाई देता है जहाँ भारतीय लोकतंत्र हित में अलग-अलग विचार धाराओं को मानने वाले दल आम सहमति के मुद्दो पर मिली जुली सरकार बनाते है परन्तु अपने दल की नीतियाँ नहीं बदलते।

6. i) संवैधानिक प्रावधान

   ii) स्वतंन्त्र चुनाव आयोग

   iii) स्वतंन्त्र प्रेस

   iv) स्वतंन्त्र न्यापालिका

   v) बहुदलीय व्यवस्था

   vi) दबाव एवम् हित समूह

अध्याय - 12

लोकतांत्रिक पुनरूस्थान

- जय प्रकाश नारायण और समग्र क्रान्ति
- राम मनोहर लोहिया और समाजवाद
- पंडित दीन दयाल उपाध्याय और एकात्म मानववाद
- राष्ट्रीय आपातकाल
- लोकतान्त्रिक अभ्युत्थान-वयस्क, पिछड़े और युवाओं की भागीदारी

जय प्रकाश नारायण तथा समग्र क्रांति

जय प्रकाश नारायण अपने तीन प्रमुख योगदानों के लिए जाने जाते हैं-

भ्रष्टाचार के विरूद्ध संघर्ष, सामुदायिक समाजवाद का सिद्धांत तथा 'समग्र क्रांति' के प्रवर्तक।

स्वातंत्र्योत्तर भारत में जय प्रकाश नारायण ऐसे प्रथम नेता थे जिन्होंने मुख्यतः गुजरात और बिहार में युवा सहभागिता द्वारा भ्रष्टाचार के विरूद्ध एक वृहत अभियान आरंभ किया। उन्होंने भ्रष्टाचार के विरूद्ध लोकपाल संस्था के पक्ष से समर्थन किया। सामुदायिक समाजवाद का उनका सिद्धांत समुदाय, क्षेत्र एवं राष्ट्र के त्रि-स्तरीय रूप में एक यथार्थ संघ का उदाहरण उदृत करते हुए भारत को समुदायों के एक समाज के रूप में दृष्टिगत करता है।

उपरोक्त सिद्धांतों पर आधरित अपने 'समग्र आंदोलन' के माध्यम से जय प्रकाश नारायण व्यक्ति, समाज तथा राज्य के रूपांतरण का प्रतिपादन करते हैं। समग्र क्रांति के लिए उनका आह्वान नैतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा पारिस्थितिकीय रूपांतरण के समावेशन की पहल है। उनका राजनीतिक रूपांतरण लोकतांत्रिक राजनीति में प्रतिनिधियों को वापिस बुलाने के अधिकार, ग्राम्य/मौहल्ला समितियों के महत्व तथा देश की स्वच्छ राजनीति में ऊपर के लोगों / विशिष्ट वर्गों को राजनीतिक संघर्ष में सम्मिलित होने का आह्वान है।

जय प्रकाश नारायण के अनुसार इस रूपांतरण का मूल तत्व 'व्यक्ति' है जो भारत में परिवर्तन का प्रमुख द्योतक है।

'राम मनोहर लोहिया तथा लोकतांत्रिक समाजवाद'

राम मनोहर लोहिया भारत में समाजवाद के प्रमुख प्रतिपादकों में से एक प्रतिपादक रहें हैं। समाजवाद को लोकतंत्र से सम्बद्ध करते हुए उन्होंने 'लोकतांत्रिक समाजवाद' के विचार का प्रतिपादन किया। लोहिया भारतीय समाज में पूंजीवाद तथा साम्यवाद दोनों को ही समान रूप से अप्रसांगिक मानते थे। उनके लोकतांत्रिक समाजवाद के दो सिद्धांत थे - भोजन एवं शरण के रूप में आर्थिक उद्देश्य तथा लोकतंत्र एवं स्वतंत्रता के रूप में गैर-आर्थिक उद्देश्य।

लोहिया ने चौबुर्ज राजनीति का प्रतिपादन किया जिसमें उन्होंने राजनीति तथा समाजवाद के चार स्तम्भों का वर्णन किया जो परस्पर एक दूसरे से सम्बद्ध हैं। ये चार स्तम्भ हैं। - केन्द्र, क्षेत्र, जिला एवं ग्राम्य। सकारात्मक कार्यवाही को प्रधानता देते हुए लोहिया का मत है कि यह सिद्धांत न केवल अशक्त लोगों के लिए होना चाहिए अपितु महिलाओं और गैर-धार्मिक अल्पसंख्यकों को भी इसका लाभ मिलना चाहिए।

लोकतांत्रिक समाजवाद तथा चौबुर्ज राजनीति के सिद्धांतों पर आधरित लोहिया 'समाजवादी दल' (Party of Socialism) का पक्ष समर्थन करते हैं जो सभी दलों के विलय का एक प्रयास है। लोहिया के अनुसार समाजवाद दल तीन प्रतीकों पर आधारित होगा - कुदाल (प्रयास का प्रतीक), मत (मताधिकार का प्रतीक), बंधनग्रह (समपर्ण का प्रतीक)।

'दीन दयाल उपाध्याय तथा एकात्म मानवावाद'

पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक दार्शनिक, समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री तथा राजनीतिज्ञ थे। उनके दर्शन को 'एकात्म मानववाद' कहा जाता हैं जो एक 'स्वदेशीय सामाजिक-आर्थिक प्रतिमान' का प्रतिपादन है जहाँ मानव विकास का केन्द्र होता है। व्यक्ति तथा समाज की आवश्यकताओं के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए प्रत्येक मानव के लिए एक गरिमामयी जीवन सुनिश्चित करना एकात्म मानववाद का उद्देश्य है। एकात्म मानववाद प्राकृतिक संसाधनों के समपोषित उपभोग का समर्थन करता है जिससे इन संसाधनों की पुर्नःपूर्ति हो सके। यह न केवल राजनीतिक अपितु आर्थिक तथा सामाजिक लोकतंत्र एवं स्वतंत्रता को भी बढाता है। चूंकि यह सिद्धांत विविधता का संवर्धन करता है, भारत जैसे विविध राष्ट्र के लिए यह श्रेष्ठकर है।

एकात्म मानववाद का दर्शन निम्न तीन सिद्धांतों पर आधरित हैः

- ★ समग्रता की प्रधानता
- ★ धर्म की सर्वोच्चता
- ★ समाज की स्वायतता

पंडित दीनदयाल उपाध्याय पश्चिमी 'पूंजीवादी व्यक्तिवाद' तथा 'मार्क्सवादी समाजवाद' दोनों के विरोधी थे। उनके अनुसार पूंजीवादी तथा समाजवादी विचारधराएँ केवल मानव शरीर और मस्तिष्क की आवश्यकताओं पर ही बल देती हैं, अतः ये भौतिकवादी उद्देश्य पर आधरित हैं जबकि मानव के समग्र विकास के लिए आध्यात्मिक विकास भी उतना ही आवश्यक है जो पूंजीवाद और समाजवाद दोनों में अनुपस्थित है। आंतरिक चेतना, पवित्र मानवीय आत्मा पर आधरित अपने दर्शन जिसे चित्त कहते हैं, दीनदयाल उपाध्याय एक वर्गविहीन, जातिविहीन तथा संघर्षमुक्त सामाजिक व्यवस्था की परिकल्पना करते हैं।

राष्ट्रीय आपातकाल–

25 जून 1975 से 18 माह तक अनुच्छेद 352 के प्रावधान आंतरिक अशांति के तहत भारत में आपातकाल लागू रहा। आपातकाल में देश की अखंडता व सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रखते हुए समस्त शक्तियाँ केंद्रीय सरकार को प्राप्त हो जाती है।

आपातकाल के प्रमुख कारक–

1) आर्थिक कारकः–

- ★ गरीबी हटाओं का नारा कुछ खास नहीं कर पाया था।
- ★ बांग्लादेश के संकट से भारत की अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ बड़ा था।
- ★ अमेरिका ने भारत को हर तरह की सहायता देनी बंद कर दी थी।
- ★ अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों के बढ़ने से विभिन्न चीजों की कीमतें बहुत बढ़ गई थी।
- ★ औद्योगिक विकास की दर बहुत कम हो गयी थी।
- ★ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी बहुत बढ़ गई थी।

★ सरकार ने खर्चे कम करने के लिए सरकारी कर्मचारियों का वेतन रोक दिया था।

(2) छात्र आंदोलन :-

★ गुजरात के छात्रों ने खाद्यान्न, खाद्य तेल तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती हुई कीमतें तथा उच्च पदों पर व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ जनवरी 1974 में आंदोलन शुरू किया।

★ मार्च 1974 में बढ़ती हुई कीमतों, खाद्यान्न के अभाव, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ बिहार में छात्रों ने आंदोलन शुरू कर दिया।

★ जय प्रकाश नारायण (जेपी) ने इस आंदोलन का नेतृत्व दो शर्तो पर स्वीकार किया।

(क) आंदोलन अहिंसक रहेगा।

(ख) यह बिहार तक सीमित नहीं रहेगा, अपितु राष्ट्रव्यापी होगा।

★ जयप्रकाश नारायण ने सम्पूर्ण क्रांति द्वारा सच्चे लोकतंत्र की स्थापना की बात की थी।

★ जेपी ने भारतीय जनसंघ, कांग्रेस (ओ), भारतीय लोकदल, सोशलिस्ट पार्टी जैसे गैर-कांग्रेसी दलों के समर्थन से 'संसद-मार्च' का नेतृत्व किया था।

★ इंदिरा गांधी ने इस आंदोलन को अपने प्रति व्यक्तिगत विरोध से प्रेरित बताया था।

3. रेल हड़ताल:-

★ जार्ज फर्नांडिज़ के नेतृत्व में बनी राष्ट्रीय समिति ने रेलवे कर्मचारियों की सेवा तथा बोनस आदि से जुड़ी माँगो को लेकर 1974 में हड़ताल की थी।

★ सरकार ने हड़ताल को असंवैधानिक घोषित किया और उनकी माँगे स्वीकार नहीं की।

★ इससे मजदूरों, रेलवे कर्मचारियों, आम आदमी और व्यापारियों में सरकार के खिलाफ असंतोष पैदा हुआ।

4. न्यायपालिका के संघर्षः-

★ सरकार के मौलिक अधिकारों में कटौती, संपत्ति के अधिकार में कांट-छांट और नीति-निर्देशक सिद्धांतो को मौलिक अधिकारों पर ज्यादा शक्ति देना जैसे प्रावधानों को सर्वोच्च न्यायालय ने निरस्त कर दिया।

★ सरकार ने जेःएम. शैलट, के.एस. हेगड़े तथा ए.एन. ग्रोवर की वरिष्ठता की अनदेखी करके ए.एन.रे. को सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करवाया।

★ सरकार के इन कार्यो से प्रतिबद्ध न्यायपालिका तथा नौकरशाही की बातें होने लगी थी।

आपातकाल की घोषणाः-

★ 12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जगमोहन लाल सिन्हा ने इंदिरा गांधी के 1971 के लोकसभा चुनाव को असंवैधानिक घोषित कर दिया।

★ 24 जून 1975 को सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय के फैसले पर स्थगनादेश सुनाते हुए, कहा कि अपील का निर्णय आने तक इंदिरा गांधी सांसद बनी रहेगी परन्तु मंत्रिमंडल की बैठकों में भाग नहीं लेगी।

★ 25 जून 1975 को जेपी के नेतृत्व में इंदिरा गांधी के इस्तीफे की माँग को लेकर दिल्ली के रामलीला मैदान में राष्ट्रव्यापी सत्याग्रह की घोषणा की। इंदिरा गांधी के इस्तीफे की माँग की।

★ जेपी ने सेना, पुलिस और सरकारी कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे सरकार के अनैतिक और अवैधानिक आदेशों का पालन न करें।

★ 25 जून 1975 की मध्यरात्रि में प्रधानमंत्री ने अनुच्छेद 352 (आंतरिक गडबडी होने पर) के तहत राष्ट्रपति से आपातकाल लागू करने की सिफारिश की।

★ परिणामस्वरूप तत्कालीन राष्ट्रपति फखरूद्दीन अली अहमद ने 25 जून, 1975 की मध्यरात्रि को आपातकाल की उद्घोषणा की।

आपातकाल के परिणामः-

★ विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया गया।

★ प्रेस पर सेंसरशिप लागू कर दी गयी।

★ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध।

★ धरना, प्रदर्शन और हड़ताल पर रोक।

★ नागरिकों के मौलिक अधिकार निष्प्रभावी कर दिये गये।

★ सरकार ने निवारक नजरबंदी कानून के द्वारा राजनीतिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।

★ इंडियन एक्स्प्रेस और स्टेट्स मैन अखबारों को जिन समाचारों को छापने से रोका जाता था, वे उनकी खाली जगह में छोड़ देते थे।

★ 'सेमिनार' और 'मेनस्ट्रीम' जैसी पत्रिकाओं ने प्रकाशन बंद कर दिया था।

★ कन्नड़ लेखक शिवराम कारंत तथा हिन्दी लेखक फणीश्वरनाथ रेणु ने आपातकाल के विरोध में अपनी पदवी सरकार को लौटा दी।

★ 42 वें संविधान संशोधन (1976) द्वारा अनेक परिवर्तन किए गये जैसे प्रधानमंत्री, राष्टपति और उपराष्ट्रपति पद के निर्वाचन को अदालत में चुनौती न दे पाना तथा विधायिका के कार्यकाल को 5 साल से बढ़ाकर 6 साल कर देना आदि।

आपातकाल के दौरान किए गए कार्य :-

-- बीस सूत्री कार्यक्रम में भूमि सुधार, भू-पुनर्वितरण, खेतिहर मजदूरों के पारिश्रमिक पर पुनः विचार, प्रबंधन में कामगारों की भागीदारी, बंधुआ मजदूरी की समाप्ति आदि जनता की भलाई के कार्य शामिल थे।

-- विरोधियों को निवारक नज़रबंदी कानून के तहत बंदी बनाया गया।

-- मौखिक आदेश से अखबारों के दफ्रतरों की बिजली काट दी गई।

-- दिल्ली में झुग्गी बस्तियों को हटाने तथा जबरन नसबंदी जैसे कार्य किये गये।

आपातकाल के सबक :-

1) आपातकाल के दौरान भारतीय लोकतंत्र की ताकत ओर कमजोरियाँ उजागर हो गई थी, लेकिन जल्द ही कामकाज लोकतंत्र की राह पर लौट आया। इस प्रकार भारत से लोकतंत्र को विदा कर पाना बहुत कठिन है।

2) आपातकाल की समाप्ति के बाद अदालतों ने व्यक्ति के नागरिक अधिकारों की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाई है तथा इन अधिकारों की रक्षा के लिए कई संगठन अस्तित्व में आये है।

3) संविधान के आपातकाल के प्रावधान में 'आंतरिक अशान्ति' शब्द के स्थान पर 'सशस्त्र विद्रोह' शब्द को जोड़ा गया है। इसके साथ ही आपातकाल की घोषणा की सलाह मंत्रिपरिषद् राष्ट्रपति को लिखित में देगी।

4) आपातकाल में शासक दल ने पुलिस तथा प्रशासन को अपना राजनीतिक औजार बनाकर इस्तेमाल किया था। ये संस्थाएँ स्वतंत्र रूप से कार्य नहीं कर पाई थी।

आपातकाल के बाद की राजनीति

-- जनवरी 1977 में विपक्षी पार्टियों ने मिलकर जनता पार्टी का गठन किया।

-- कांग्रेसी नेता बाबू जगजीवन राम ने ''कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी' दल का गठन किया, जो बाद में जनता पार्टी में शामिल हो गया।

-- 1977 के चुनाव में कांग्रेस को लोकसभा में 154 सीटें तथा जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों को 330 सीटे मिली।

-- आपातकाल का प्रभाव उत्तर भारत में अधिक होने के कारण 1977 के चुनाव में कांग्रेस को उत्तर भारत में ना के बराबर सीटें प्राप्त हुई।

-- जनता पार्टी की सरकार में मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री तथा चरण सिंह व जगजीवनराम दो उपप्रधानमंत्री बने।

-- जनता पार्टी के पास किसी दिशा, नेतृत्व व एक साझे कार्यक्रम के अभाव में यह सरकार जल्दी ही गिर गई।

-- 1980 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 353 सीटें हासिल करके विरोधियों को करारी शिकस्त दी।

नागरिक स्वतंत्रता संगठनों का उदय –

-- नागरिक स्वतंत्रता एवं लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लोगों के संघ का उदय अक्टूबर, 1976 में हुआ।

-- इन संगठनों ने न केवल आपातकाल बल्कि सामान्य परिस्थितियों में भी लोगों को अपने अधिकारों के प्रति सतर्क रहने के लिए कहा है।

-- 1980 में नागरिक स्वतंत्रता एवं लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लोगों के संघ का नाम बदलकर 'नागरिक स्वतंत्रताओं के लिए लोगों का संघ' रख दिया गया।

-- गरीबी सहभागिता, लोकतन्त्रीकरण तथा निष्पक्षता से सम्बन्धित चिन्ताओं के सन्दर्भ में भारतीय नागरिक स्वतंत्रता संगठनों (ब्स्ै) ने अनेक क्षेत्रों में संगठित होकर कार्य करना प्रारम्भ कर दिया है।

'लोकतान्त्रिक अभ्युत्थान'

देश की लोकतान्त्रिक राजनीति में जनता की बढ़ती सहभागिता को लोकतान्त्रिक अभ्युत्थान के रूप में इंगित किया जाता है। इस सिद्धांत के आधार पर, समाज विज्ञानी भारत के स्वातंत्रयोत्तर इतिहास में तीन लोकतांन्त्रिक अभ्युत्थानों का वर्णन करते हैं।

प्रथम लोकतान्त्रिक अभ्युत्थान को 1950 के दशक से 1970 के दशक तक चिन्हित किया जा सकता है जो केन्द्र व राज्य दोनों की लोकतान्त्रिक राजनीति में भारतीय वयस्क मतदाताओं की बढ़ती सहभागिता पर आधारित था। पश्चिम के इस मिथक को मिथ्या सिद्ध करते हुए कि एक सफल लोकतन्त्र आधुनिकीकरण, नगरीकरण, शिक्षा तथा मीडिया पहुँच पर आधरित होता है, संसदीय लोकतंत्र के सिद्धान्त पर लोकसभा तथा राज्यों की विधनसभाओं में चुनावों के सफल आयोजन ने भारत के प्रथम लोकतांत्रिक अभ्युत्थान को सार्थक किया।

1980 के दशक में समाज के निम्न वर्गो यथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग की बढ़ती राजनीतिक सहभागिता को 'द्वितीय लोकतान्त्रिक अभ्युत्थान' के रूप में व्याख्यायित किया गया है। इस सहभागिता ने भारतीय राजनीति को इन वर्गो के लिए अधिक अनुग्राही तथा सुगम बना दिया है। यद्यपि इस अभ्युत्थान ने इन वर्गो, विशेषतः दलितों, के जीवन स्तर में कोई व्यापक परिवर्तन नहीं किया है, परन्तु संगठनात्मक तथा राजनीतिक मंचों पर इन वर्गो की सहभागिता ने इनके स्वाभिमान को सुदृढ़ तथा देश की लोकतान्त्रिक राजनीति में इन वर्गो के सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने का अवसर प्रदान किया है।

1990 के दशक के प्रारम्भ से उदारीकरण, निजीकरण तथा वैश्वीकरण के युग (LPG - Liberalization, Privatization, Globalization) को एक प्रतिस्पर्धक बाजार समाज के उद्‌भव के लिए उत्तरदायी माना जाता है, जिसमें अर्थव्यवस्था, समाज और राजनीति के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सम्मिलित किया जाता है। उदारीकरण का यह दशक 'तृतीय लोकतान्त्रिक अभ्युत्थान' के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। तृतीय लोकतान्त्रिक अभ्युत्थान एक प्रतिस्पर्द्धी चुनाव राजनीति का प्रतिनिधित्व

करता है जो 'श्रेष्ठतम की उत्तरजीविता' (Survival of the Fittest) के सिद्धान्त पर आधरित ना होकर 'योग्यतम की उत्तरजीविता' (Survival of the Ablest) पर आधारित होता है। यह भारतीय चुनावी बाजार में तीन परिवर्तनों को रेखांकित करता हैः राज्य से बाजार की ओर, सरकार से शासन की ओर तथा नियंत्रक राज्य से सुविधप्रदाता राज्य की ओर। इसके अतिरिक्त तृतीय लोकतान्त्रिक अभ्युत्थान ने उस युवा वर्ग की सहभागिता को इंगित किया है जो भारतीय समाज का एक महत्वपूर्ण भाग हैं तथा भारत की समकालीन लोकतान्त्रिक राजनीति में अपनी बढ़ती चुनावी प्राथमिकता की दृष्टि से विकास तथा प्रशासन दोनों के लिए वास्तविक परिवर्तन के रूप में उदित हुआ है।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (एक अंकीय)

1. सम्पूर्ण क्रांति का लक्ष्य क्या था ?
2. प्रेस सेंसरशिप से क्या अभिप्राय है ?
3. किस संविधान संशोधन के द्वारा विधायिका के कार्यकाल को 5 से बढ़ाकर 6 वर्ष किया गया

   a) 25 b) 42 c) 44 d) 62
4. आपातकाल के दौरान गरीबों के हित के लिए किस कार्यक्रम की घोषणा की गई ?

   a) पंचबर्षीय योजनाओं की b) दस सूत्रीय कार्यक्रम की

   c) बीस सूत्रीय कार्यक्रम d) गरीबी हटाओं

निम्नलिखित को सही करके लिखिए-

5. 'कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी' पार्टी के कामराज के नेतृत्व में बनी ?
6. किस साम्यवादी दल ने आपातकाल के दौरान कांग्रेस पार्टी का साथ दिया था ?

खाली स्थान भरियेः-

7. 25 जून 1975 को आपातकाल की घोषणा राष्ट्रपति ....ने की थी।
8. 1976 में स्वतंत्रता से सम्बन्धित किस संगठन का निर्माण हुआ ?
9. प्रतिबद्ध न्यायपालिका से क्या अभिप्राय है ?

10. 'गरीबी हटाओ' का नारा कब और किसने दिया?

11. 1973 में किसे भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया?

12. 1975 में संविधान के किस अनु० के आधार पर आपातकाल लगाया गया?

13. समग्र क्रांति का विचार किसके द्वारा दिया गया?

14. 1974 में हुई रेल हड़ताल का नेतृत्व किसके द्वारा किया गया?

15. जे.पी. आन्दोलन को समर्थन प्रदान करने वाले दल का नाम चुनिए।

    a) कांग्रेस b) जनसंघ

    c) स्वतंत्र पार्टी d) भारतीय लोकदल

16. स्वतंत्रता के बाद भारत में ....लोकतान्त्रिक अभ्युत्थानों का वर्णन मिलता है।

17. लोकपाल की संस्था का समर्थन किसने किया–

    a) राम मनोहर लोहिया

    b) दीन दयाल उपाध्याय

    c) जय प्रकाश नारायण

    d) यागेन्द्र यादव

18. चौबुर्ज राजनीति का प्रतिपादन .... ने किया

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (दो अंकीय)

1. आपातकाल के दौरान किन दो संगठनों पर प्रतिबंध लगाया गया था?

2. 1974 के गुजरात तथा बिहार के छात्रों ने किन मुद्दों पर आंदोलन छेड़ा था।

3. 42वें संविधान संशोधन द्वारा किए गए किन्हीं दो मुख्य बदलावों का उल्लेख करें।

4. 1977 के चुनावों में जनता पार्टी के जीतने के किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए?

5. आपातकाल और इसके आसपास की अवधि को क्यों संवैधानिक संकट की अवधि के रूप में देखा जाता है?

6. रेल हड़ताल कब और किस प्रमुख मांग को लेकर हुई थी?

7. निवारक नजरबंदी से आप क्या समझते हैं?

8. तृतीय लोकतान्त्रिक अभ्युत्थान किस सिद्धांत पर आधरित है?

9. एकात्म मानववाद का दर्शन किन सिद्धांतों पर आधरित है?

गद्यांश पर आधरित प्रश्नः-

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देंः-

आपातकाल की घोषणा के साथ ही शक्तियों के बँटवारे का संघीय ढ़ाँचा व्यवहारिक तौर पर निष्प्रभावी हो जाता है और सारी शक्तियाँ केन्द्र सरकार के हाथ में चली आती है। दूसरे, सरकार चाहे तो ऐसी स्थिति में किसी एक अथवा सभी मौलिक अधिकारों पर रोक लगा सकती है अथवा उस में कटौती कर सकती है। संविधान के प्रावधान में आए शब्दों से यह स्पष्ट हो जाता है कि आपातकाल को वहां एक असाधारण स्थिति के रूप में देखा गया है जब सामान्य लोकतांत्रिक राजनीति के कामकाज नहीं किए जा सकते हैं। इसी कारण सरकार को आपातकाल की स्थिति में विशेष शक्तियाँ प्रदान की गई है। 25 जून 1975 की रात में प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति फखरूद्दीन अली अहमद से आपातकाल लागू करने की सिफारिश की।

राष्ट्रपति ने तुरन्त उद्घोषणा कर दी। आधी रात के बाद सभी बड़े अखबारों के दफ्तरों की बिजली काट दी गई। तड़के सवेरे बड़े पैमाने पर विपक्षी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी हुई। 26 जून की सुबह 6ः00 बजे एक विशेष बैठक में मंत्रीमंडल को इन बातों की सूचना दी गई, लेकिन तब तक बहुत कुछ हो चुका था।

1. किस अनुच्छेद के तहत 25 जून 1975 को आपातकाल घोषित किया गया था?
   - i) अनुच्छेद 350
   - ii) अनुच्छेद 352
   - iii) अनुच्छेद 356
   - iv) अनुच्छेद 360

2. आपातकाल की उद्घोषणा किसने जारी की?
   - i) राष्ट्रपति फकरूद्दीन अली अहमद
   - ii) प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी
   - iii) जय प्रकाश नारायण
   - iv) मोरारजी देसाई

3. राष्ट्रीय आपातकाल की अवधि में निम्नलिखित में कौन सा कथन सही है?
   i) शक्तियों के बँटवारे का संघीय ढाँचा निष्प्रभावी हो जाता है
   ii) सारी शक्तियाँ केन्द्र सरकार के हाथ में चली जाती है।
   iii) सरकार चाहे तो मौलिक अधिकारों पर रोक लगा सकती है
   iv) उपरोक्त सभी
4. इंदिरा गांधी ने राष्ट्रीय आपातकाल किस आधार पर लगाया था?
   i) संवैधनिक गड़बड़ी की आशंका में
   ii) बाहरी गड़बड़ी की आशंका में
   iii) अंदरूनी गड़बड़ी की आशंका में
   iv) उपरोक्त सभी

चार अंकीय प्रश्न–

1. 1970 के दशक के प्रारंभ में न्यायपालिका और विधायिका के बीच किस प्रकार का संघर्ष रहा? वर्णन कीजिए।
2. आपातकाल के पश्चात विपक्ष की भूमिका का अवलोकन कीजिए।
3. सरकार द्वारा 1975 में आपातकाल लागू करने के पक्ष में क्या तर्क दिए गए?

नीचे दिए गये कार्टून का ध्यानपूर्वक अध्यन कीजिए तथा निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

चार अंकीय कार्टून पर अधारित प्रश्न –

4.1 यह कौन से वर्ष की घटना का प्रतीकात्मक कार्टून है ?

i) 1970

ii) 1975

iii) 1977

iv) 1980

4.2 नीचे लेटा हुआ व्यक्ति किस पार्टी को इंगित करता रहा है ?

i) कम्यूनिष्ट पार्टी

ii) स्वतंत्र पार्टी

iii) कांग्रेस पार्टी

iv) समाजवादी पार्टी

4.3 आपातकाल के समय किन संशोधन को ''लघु संविधान'' भी कहा गया ?

i) 15वें

ii) 30वें

iii) 42वें

iv) 85वें

4.2 आम लोगों के साथ निम्नलिखित में से कौन से नेता खड़े हैं ?

i) अटल विहारी वाजपेयी

ii) चौधरी चरण सिंह

iii) मोरारजी देसाई

iv) उपरोक्त सभी

चार अंकीय मानचित्र पर आधारित प्रश्न :-

1. दिये गये भारत के राजनैतिक मानचित्र में चार राज्य A, B, C तथा D द्वारा चिन्हित किये गये है। दी गयी जानकारी के अधार पर उन्हें पहचानिए और उनके सही नाम, प्रयोग की जानकारी की क्रम संख्या तथा संबंधित अक्षर सहित निम्नलिखित तालिका के रूप में उत्तर दीजिए।

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबधित अक्षर	देश का नाम
i		
ii		
iii		
iv		

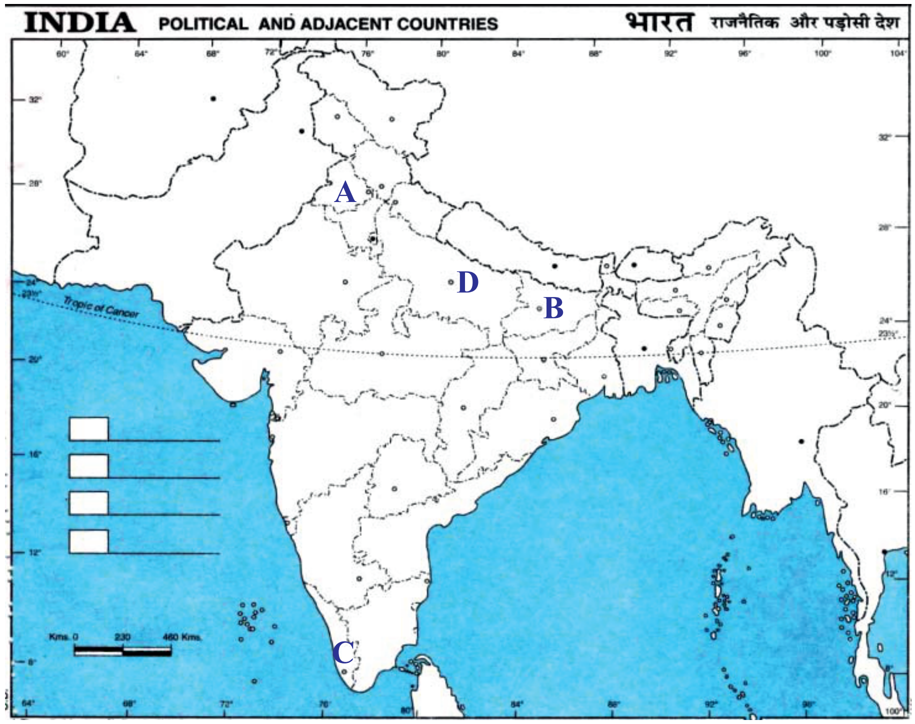

i) वह राज्य जहाँ जनवरी 1947 में छात्रों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन छेड़ दिया।

ii) 1977 के चुनावों में इस राज्य में अकाली दल की सरकार बनी।

iii) पं दीन दयाल उपाध्याय से संबंधित राज्य।

iv) वह राज्य जहाँ लम्बे समय तक कम्युनिष्ट पार्टी की सरकार रही ?

छः अंकीय प्रश्न

1. किन्हीं चार परिस्थितियों का वर्णन कीजिए जिनके कारण 1975 में आपातकालीन स्थिति की घोषणा की गई।

2. 25 जून, 1975 को भारत में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा क्यों की गई? इस आपातकाल के किन्हीं तीन परिणामों का विश्लेषण कीजिए।
3. आपातकाल से मिलने वाले किन्हीं तीन सबको का विश्लेषण कीजिए।(IMP)
4. 1975 के आपात्काल में उजागर हुई भारतीय लोकतंत्र की कमजोरियों और ताकतों के किन्हीं तीन-तीन बिन्दुओं का वर्णन कीजिए।
5. 1980 के मध्यावधि चुनावों के लिए उत्तरदायी परिस्थितियों की व्याख्या कीजिए।
6. जय प्रकाश नारायण के किन्हीं तीन प्रमुख योगदानों का वर्णन कीजिए।
7. दीन दयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के विषय में आप क्या जानते है। वर्णन कीजिए

उत्तर (एक अंकीय)

1. सच्चे लोकतंत्र की स्थापना।
2. समाचार पत्रों में कुछ भी छापने से पहले सरकारी अनुमति लेकर अखबारों को छापना प्रेस सेंसरशिप कहलाता है।
3. (b) 42वें
4. बीस सूत्रीय कार्यक्रम की।
5. बाबू जगजीवन राम।
6. सी पी आई (भारतीय साम्यवादी दल)
7. फखरूद्दीन अली अहमद।
8. नागरिक स्वतंत्रता संगठन 1976
9. सरकार की नीतियों के अनुसार कार्य करना।
10. इन्दिरा गाँधी, 1971
11. ए.एन. रे
12. अनु० 352
13. जय प्रकाश नारायण
14. जार्ज फर्नांडीज़
15. भारतीय लोकदल
16. तीन

17. जय प्रकाश नारायण

18. राममनोहर लोहिया

उत्तर दो अंकीय

1. राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आर एस एस) और जमात-ए-इस्लामी।
2. क) खाद्यान्न की कमी, खाद्य तेल तथा अन्य वस्तुओं की बढ़ती कीमते

   ख) बेरोजगारी तथा उच्च पदों पर जारी भ्रष्टाचार।
3. क) प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के निर्वाचन को अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती।

   ख) विधायिका का कार्यकाल 5 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष किया गया।
4. क) आपातकाल की घोषणा और कांग्रेस की कार्यगुजारी।

   ख) विपक्षी दलों का एक होना।
5. संसद और न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्रों को लेकर छिड़ा संवैधानिक संघर्ष आपातकाल के मूल में था। सरकार के पास बहुमत होने के बावजूद लोकतंत्र को ठप्प करने का फैसला लिया तथा संवैधानिक शक्तियों का आपातकाल के दौरान दुरूपयोग हुआ।
6. मई 1974 में , बोनस और सेवा से जुड़ी शर्तो को लेकर की गई।
7. निवारक -नजरबंदी -

   मुख्यतया किसी अपराध में संलग्न व्यक्ति को ही गिरफ्तार किया जाता है परंतु कभी जब किसी व्यक्ति के स्वतंत्र रहने पर उसके द्वारा अपराध किए जाने की आशंका होती है तो उसे बंदी बना लिया जाता है। इसी को निवारक नजरबंदी कहते है।
8. प्रतिस्पर्द्धा पर
9. समग्रता की प्रधानता, धर्म की सर्वोच्चता, समाज की स्वायत्तता

गद्यांश पर आधरित प्रश्नों के उत्तर।

गद्यांश I

1	ii)	352	2. iv)	राष्ट्रपति फखरूद्दीन अली अहमद
3.	iv)	उपरोक्त सभी	4. iii)	अंदरूनी गड़बड़ी की आशंका

उत्तर चार अंकीय

1. सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार के कई कार्यों को संविधान के विरूद्ध माना। कांग्रेस न्यायालय के इस रवैये को लोकतंत्र के सिद्धांतो और संसद की सर्वोच्चता के विरूद्ध मानने लगी। इस दल का आरोप था कि न्यायालय एक यथास्थिति वाली संस्था है, और यह गरीबों की कल्याणकारी योजनाओं को लागू होने से रोक रही है।

2. i) विपक्षी नेताओं ने एकजुट होकर जनता पार्टी बनाई।

   ii) 1977 में स्वतंत्र निष्पक्ष चुनाव हुए तथा इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस को जनता ने हार का मुँह दिखाया।

   iii) आपातकाल के दौरान किए गये अनुचित संवैधानिक संशोधन बदल दिए गए।

   iv) विपक्ष अब आलोचना करने के लिए स्वतंत्र था।

3. v) सरकार को विपक्षी दल उसकी नीतियों के अनुसार शासन नहीं चलाने दे रहे। वे बार-बार धरना प्रदर्शन, सामूहिक कार्यवाही, राष्ट्रव्यापी आंदोलन की धमकियाँ देकर देश में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहे है।

   i) सारी ताकत कानून-व्यवस्था की बहाली पर लगानी पड़ती है। षड्यंत्रकारी ताकतें सरकार के प्रगतिशील कार्यक्रमों में अंड़गे डाल रही थी।

   ii) विपक्षी दल सेना, पुलिस कर्मचारियों तथा लोगों को सरकार के विरूद्ध भड़का रहे हैं। इसलिए सरकार ने राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की।

4. कार्टून आधारित प्रश्न के उत्तर-

   4.1 iii) 1970

   4.2 iii) कांग्रेस पार्टी

   4.3 iii) 42वें

   4.4 iii) उपरोक्त सभी

5. मानचित्र आधारित प्रश्न के उत्तर-

   5.1 B बिहार

   5.2 A पंजाब

5.3 D उत्तर प्रदेश

5.4 C केरल

उत्तर छः अंकीय

1. क) 'गरीबी हटाओ' का नारा अपना प्रभाव खोता जा रहा था।

   ख) 1972–73 में मानसून के विफल होने से कृषि की पैदावार में भारी गिरावट।

   ग) 1973 में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमते बढ़ने से भारतीय अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ा।

   घ) रेलवे कर्मचारियों की हड़ताल।

   ङ) गुजरात और बिहार के छात्र आंदोलन।

   च) श्रीमती इंदिरा गांधी के निर्वाचन को इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा अवैध घोषित कर दिया गया था।

   छ) सरकार की गलत नीतियों के कारण जनता में आक्रोश पनपा।

2. भारत में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा निम्न कारणों से की गई थी।

   i) इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इंदिरा गांधी के 1971 के लोकसभा चुनाव को अवैध घोषित कर देना।

   ii) सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उच्च-न्यायालय के फैसले पर स्थगनादेश देना।

   iii) जे पी द्वारा राष्ट्रव्यापी सत्याग्रह आंदोलन की शुरूआत करना।

   आपातकाल के निम्न परिणाम हुए।

   i) मौलिक अधिकारों का स्थगन।

   ii) राजनीतिक नेताओं की गिरफ्तारी।

   iii) प्रेस की आजादी पर रोक।

   iv) हड़तालों पर प्रतिबन्ध।

   v) पुलिस और प्रशासन का दुरूपयोग।

3. आपातकाल से निम्नलिखित तीन सबक मिले –

   i) संविधान के विवादपूर्ण अनुच्छेदों में संशोधन।

ii) भारत में लोकतंत्र की नींव का और मजबूत होना।

iii) आपातकाल के बाद न्यायालय व नागरिकों का अधिकारों के प्रति ज्यादा सचेत होना।

iv) पुलिस और प्रशासन का निष्पक्ष रूप से काम करना।

4. आपातकाल के दौरान भारतीय लोकतन्त्र की कमजोरियां-

i) लोकतांत्रिक संस्थओं का अपंग होना

ii) आपातकाल के प्रावधानों में अस्पष्टता।

iii) पुलिस व प्रशासन का दुरूपयोग।

आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की ताकत-

i) नागरिक अधिकारों के प्रति जागरूक होना।

ii) लोकतंत्र की पुनः स्थापना।

iii) नागरिक संगठनों का अस्तित्व में आना।

5. स्मरणीय बिन्दु देखें।

6. स्मरणीय बिन्दु देखें।

7. स्मरणीय बिन्दु देखें।

अध्याय – 13

क्षेत्रीय आकांक्षायें

क्षेत्रीय दलों का उदय, पंजाब संकट, कश्मीर मुद्दा, स्वायत्तता के लिए आंदोलन

स्मरणीय बिन्दु

क्षेत्रीय दलों का उदयः–

★ एक क्षेत्र विशेष के लोगों द्वारा अपनी विशिष्ट भाषा, धर्म, संस्कृति, भौगोलिक विशिष्टताओं आदि के आधार पर की जाने वाली विशिष्ट मांगों को क्षेत्रीय आकांक्षाओं के रूप में समझा जा सकता है।

★ यूरोप के देशों में सांस्कृतिक विभिन्नता को राष्ट्र के लिए खतरा माना जाता है परन्तु भारत में विविधता की चुनौती से निपटने के लिए देश की आन्तरिक सीमाओं का पुनः निर्धारण किया गया है और सभी समुह के व्यक्तियों को अपनी संस्कृति बनाये रखने की अधिकार है।

★ भारत में सन् 1980 के दशक को स्वायत्तता के दशक के रूप में देखा जाता हैं कई बार संकीर्ण स्वार्थो, विदेशी प्रोत्साहन आदि के कारण क्षेत्रीयता की भावना जब अलगाव का रास्ता पकड़ लेती है तो यह राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के लिए गम्भीर चुनौती बन जाती है।

★ क्षेत्रीयता के प्रमुख कारण :–

-- धार्मिक विभिन्नता

-- सांस्कृतिक विभिन्नता

-- भौगोलिक विभिन्नता

-- राजनीतिक स्वार्थ

-- असंतुलित विकास

-- क्षेत्रीय राजनीतिक दल इत्यादि

भारत ने भाषा, धर्म, क्षेत्र, जातीय और भौगोलिक विविधता को बनाये रखने के लिए एक लोकतांत्रिक दृष्टिकोण अपनाया।

- ★ लोकतंत्र क्षेत्रीय आकांक्षाओं की राजनीतिक अभिव्यक्ति की अनुमति देता है।
- ★ लोकतांत्रिक, राजनीति पार्टियों और समूहों को उनकी क्षेत्रीय पहचान, आकांक्षा और विशिष्ट क्षेत्रीय समस्याओं के आधार पर लोगों को संबोधित करने की अनुमति देती है।
- ★ क्षेत्रीय दलों का उदय लोकतंत्र को मजबूत करता है
- ★ लोकतांत्रिक राजनीति का अर्थ यह भी है कि नीति निर्माण की प्रक्रिया में क्षेत्रीय मुद्दों और समस्याओं पर पर्याप्त ध्यान दिया जाएगा और समायोजन किया जाएगा। ऐसी व्यवस्था कभी-कभी तनाव और समस्याओं का कारण बन सकती है।
- ★ कभी-कभी, राष्ट्रीय एकता की चिंता क्षेत्रीय आवश्यकताओं और आकांक्षाओं पर भारी पड़ सकती है। इसलिए, क्षेत्रों की शक्ति, उनके अधिकारों और उनके अलग अस्तित्व के मुद्दों पर राजनीतिक संघर्ष उन राष्ट्रों के लिए आम हैं जो एकता बनाने और बनाए रखने की कोशिश करते हुए विविधता का सम्मान करना चाहते हैं।

स्वतंत्रता के बाद तनाव के क्षेत्र

स्वतंत्रता के बाद हमारे देश को विभाजन, विस्थापन, शरणार्थियों की आमद, रियासतों का एकीकरण, राज्यों का पुनर्गठन, भाषाई राज्यों के गठन के लिए कई हिस्सों में जन आंदोलन आदि जैसे कई कठिन मुद्दों का सामना करना पड़ा।

पंजाब संकट -

1920 के दशक में गठित अकाली दल ने पंजाबी भाषी क्षेत्रों के गठन के लिए आन्दोलन चलाया जिसके परिणाम स्वरूप पंजाब प्रान्त से अलग करके सन् 1966 में हिन्दी भाषी क्षेत्र हरियाणा तथा पहाड़ी क्षेत्र हिमाचल प्रदेश बनाये गये।

- ★ अकाली दल से सन् 1973 के आनन्दपुर साहिब सम्मेलन में पंजाब के लिए अधिक स्वायत्तता की मांग उठी। कुछ धार्मिक नेताओं ने स्वायत्त सिक्ख पहचान की मांग की और कुछ चरमपन्थियों ने भारत से अलग होकर खालिस्तान बनाने की मांग की।
- ★ **ऑपरेशन ब्लू स्टार** - सन् 1980 के बाद अकाली दल पर उग्रपन्थी लोगों का नियन्त्रण हो गया और इन्होंने अमृतसर के स्वर्ण मन्दिर में अपना मुख्यालय

बनाया। सरकार ने जून 1984 में उग्रवादियों को स्वर्ग मन्दिर से निकालने के लिए सैन्य कार्यवाही (ऑपरेशन ब्लू स्टार) की।

★ **पंजाब समझौता** – जुलाई 1985 में अकाली दल के अध्यक्ष हरचन्द सिंह लोंगोवाल तथा प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समझौते ने पंजाब में शान्ति स्थापना के प्रयास किये।

पूर्वोत्तर भारत – इस क्षेत्र में सात राज्य है भारत की 04 प्रतिशत आबादी रहती है। यहाँ की सीमायें चीन, म्यांमार, बांग्लादेश और भूटान से लगती है। यह क्षेत्र भारत के लिए दक्षिण पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार है। संचार व्यवस्था एवं लम्बी अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखा आदि समस्याये यहां की राजनीति को संवेदनशील बनाती है। पूर्वोत्तर भारत की राजनीति में स्वायत्तता की मांग, अलगाववादी आंदोलन तथा बाहरी लोगों का विरोध मुद्दे प्रभावी रहे है।

ए) **स्वायत्तता के लिए आंदोलन** – आजादी के समय मणिपुर एवं त्रिपुरा को छोड़कर पूरा क्षेत्र असम कहलाता था जिसमें अनेक भाषायी जनजातिय समुदाय रहते थे इन समुदायों ने अपनी विशिष्टता को सुरक्षित रखने के लिए अलग-अलग राज्यों की मांग की।

बी) **अलगाववादी आन्दोलन** – 1) मिजोरम – सन् 1959 में असम के मिजो पर्वतीय क्षेत्र में आये अकाल का असम सरकार द्वारा उचित प्रबन्ध न करने पर यहाँ अलगाववादी आन्दोलन उभरे।

★ सन् 1966 मिजो नेशनल फ्रंट (M.N.F.) ने लाल डेंगा के नेतृत्व में आजादी की मांग करते हुए सशस्त्र अभियान चलाया। 1986 में राजीव गांधी तथा लाल डेगा के बीच शान्ति समझौता हुआ और मिजोरम पूर्ण राज्य बना।

2) नागालैण्ड – नागा नेशनल कांउसिल (N.N.C) ने अंगमी जापू फिजो के नेतृत्व में सन् 1951 से भारत से अलग होने और वृहत नागालैंण्ड की मांग के लिए सशस्त्र संघर्ष चलाया हुआ है। कुछ समय बाद N.N.C में दोगुट एक इशाक मुइवा (M) तथा दूसरा खापलांग (K) बन गये। भारत सरकार ने सन् 2015 में N.N.C - M गुट से शान्ति स्थापना के लिए समझौता किया परन्तु स्थाई शान्ति अभी बाकी है।

सी) **बाहरी लोगों का विरोध** – पूर्वोत्तर के क्षेत्र में बंगलादेशी घुसपैठ तथा भारत के दूसरे प्रान्तो से आये लोगों को यहां की जनता अपने रोजगार और संस्कृति के लिए खतरा मानती है।

★ 1979 से असम के छात्र संगठन आसू (AASU) ने बाहरी लोगों के विरोध में ये आन्दोलन चलाया जिसके परिणाम स्वरूप आसू और राजीव गांधी के बीच 1985 में शान्ति समझौता हुआ। सन् 2016 के असम विधान सभा चुनावों में भी बांग्लादेशी घुसपैठ का प्रमुख मुद्दा था।

द्रविड आन्दोलन – दक्षिण भारत के इस आन्दोलन का नेतृत्व तमिल समाज सुधारक ई.वी. रामास्वामी नायकर 'पेरियार' ने किया। इस आन्दोलन ने उत्तर भारत के राजनीतिक, आर्थिक व सांस्कृतिक प्रभुत्व, ब्राहमणवाद व हिन्दी भाषा का विरोध तथा क्षेत्रीय गौरव बढ़ाने पर जोर दिया। इसे दूसरे दक्षिणी राज्यों में समर्थन न मिलने पर यह तमिलनाडु तक सिमट कर रह गया। इस आन्दोलन के कारण एक नये राजनीतिक दल – ''द्रविड कषगम'' का उदय हुआ यह दल कुछ वर्षों के बाद दो भागो (D.M.K. एवं A.I.A.D.M.K.) में बंट गया ये दोनों दल अब तमिलनाडु की राजनीति में प्रभावी है।

सिक्किम का विलय :– आजादी के बाद भारत सरकार ने सिक्किम के रक्षा व विदेश मामले अपने पास रखे और राजा चोग्याल को आन्तरिक प्रशासन के अधिकार दिये। परन्तु राजा जनता की लोकतांन्त्रिक भावनाओं को नहीं संभाल सका और अप्रैल 1975 में सिक्किम विधान सभा ने सिक्किम का भारत में विलय का प्रस्ताव पास करके जनमत संग्रह कराया जिसे जनता ने सहमती प्रदान की। भारत सरकार ने प्रस्ताव को स्वीकार कर सिक्किम को भारत का 22वाँ राज्य बनाया।

गोवा मुक्ति :– गोवा, दमन और दीव सोलहवीं सदी से पुर्तगाल के अधीन थे और 1947 में भारत की आजादी के बाद भी पुर्तगाल के अधीन रहे। महाराष्ट्र के समाजवादी सत्याग्रहियों के सहयोग से गोवा में आजादी का आन्दोलन चला दिसम्बर 1961 में भारत सरकार ने गोवा में सेना भेजकर आजाद कराया और गोवा दमन, दीव को संघ शासित क्षेत्र बनाया।

★ गोवा को महाराष्ट्र में शामिल होने या अलग बने रहने के लिए जनमत संग्रह जनवरी 1967 में कराया गया और सन् 1987 में गोवा को राज्य बनाया गया।

'कश्मीर विषयः- भारतीय संघ में एकीकरण के साथ ही, कश्मीर स्वातंत्रयोत्तर भारत का एक ज्वलंत विषय बना रहा है। समस्या तब और जटिल हो गई जब इसे अनुच्छेद 370 तथा अनुच्छेद 35-ए के माध्यम से संविधन में एक विशेष स्थान दिया गया-

अनुच्छेद 370 ने इसे पृथक संविधान/संविधान सभा/ध्वज, मुख्यमंत्री का प्रधानमंत्री के रूप में तथा राज्यपाल का सदर - ए- रियासत के रूप में नव नामांकन, राज्य में अध्किांश संघीय नियमों का गैर-प्रवर्तन जैसे विशेष अधिकार प्रदान किए, जबकि राज्य में संपत्ति-क्रय को वर्जित करता है। जम्मू और कश्मीर राज्य की विशेष स्थिति के एक निशान, एक प्रधान का प्रसार करते हुए राजनीतिक क्षेत्र में अनुच्छेद 370 तथा 35-ए को निरस्त करने का आह्वाहन किया गया।

इस पृष्ठिभूमि में वर्तमान सरकार ने 5 अगस्त 2019 को कश्मीर से धारा 370 तथा 35-ए के उन्मूलन हेतु राज्यसभा में जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन विधेयक प्रस्तुत किया। लोक सभा में इस विध्येयक को 6 अगस्त 2019 को पारित किया गया।

9 अगस्त 2019 को राष्ट्रपति की स्वीकृति के पश्चात, धारा 370 तथा 35-ए को निरस्त कर दिया गया तथा जम्मू और कश्मीर दो केन्द्र-शासित प्रेदशों, लद्दाख तथा जम्मू और कश्मीर में विभक्त हो गया।

आजादी के बाद से अब तक उभरी क्षेत्रीय आकांक्षाओं के सबक-

-- क्षेत्रीय आकांक्षाये लोकतांन्त्रिक राजनीति की अभिन्न अंग है।

-- क्षेत्रीय आकाक्षाओं को दबाने की बजाय लोकतान्त्रिक बातचीत को अपनाना अच्छा होता है।

-- सत्ता की साझेदारी के महत्व को समझना।

-- क्षेत्रीय असन्तुलन पर नियन्त्रण रखना।

एक अंकीय प्रश्न -

निम्नलिखित वाक्यों को सही करके लिखिए

1. द्रविड़ आंदोलन आंध्र प्रदेश में चलाया गया।

2. भारत सरकार को असम समस्या के समाधान में सफलता नहीं मिली।

3. जम्मू कश्मीर राज्य को 373 अनुच्छेद के तहत विशेष राज्य का दर्जा दिया गया था।

4. 1975 में एक प्रस्ताव पारित किया गया और सिक्किम भारत का 23वां राज्य बना।

5. हरियाणा राज्य को पंजाब से 1960 में अलग कर एक नया राज्य बनाया गया।

निम्नलिखित दिए गए बहु-विकल्पीय प्रश्नों में दिए गए विभिन्न विकल्पों में से एक सही विकल्प का चयन करिये

6. अलगाववादी आंदोलन किन राज्यों में चलाया गया-

(क) मिजोरम, नागालैंड (ख) मणिपुर, त्रिपुरा

(ग) असम, मिजोरम (घ) मिजोरम, मणिपुर

7. एम. एन. एफ. का संबंध किस राज्य से है-

(क) नागालैंड (ख) मिजोरम

(ग) मणिपुर (घ) मेघालय

8. 1947 के बाद भी गोआ किस के अधीन रहा-

(क) डच (ख) अंग्रेज

(ग) पुर्तगाली (घ) उपर्युक्त सभी के

9. अकाली दल किस राज्य का क्षेत्रीय दल है-

(क) हरियाणा (ख) हिमाचल प्रदेश

(ग) उत्तर प्रदेश (घ) पंजाब

10. आजादी के समय जम्मू कश्मीर का शासक कौन था

(क) हरि चंद (ख) हरि सिंह (ग) हरि राम (घ) हरि लाल

11. क्षेत्रीय आकांक्षाओं की उचित राजनीतिक अभिव्यक्ति किस शासन प्रणाली में होती है ?

12. मिजो नेशनल फ्रंट के संस्थापक नेता कौन था ?

13. पंजाब के आतंकवाद को समाप्त करने के लिए भारत सरकार ने कौन सा सैन्य अभियान चलाया था ?

14. भारत में स्वायत्तता की मांग का दशक किसे माना जाता है ?

15. पेरियार के नाम से किस को जाना जाता है ?

16. राजनीतिक दल D.M.K. की स्थापना किसने की थी ?

17. वर्ष 2019 में जम्मू और कश्मीर राज्य किन दो केन्द्र शासित प्रदेशों में विभक्त हो गया ?

18. गोवा दमन एंव दीव पुर्तगाल से कब स्वतंन्त्र हुए ?

19. द्रविड आन्दोलन का नारा क्या था ?

20. गोवा पुर्तगाल से कब स्वतंत्र हुआ ?

दो अंकीय प्रश्न :-

1. पंजाब समझौता कब और किनके बीच हुआ ?

2. ऑपरेशन ब्लू स्टार कब और कहाँ चलाया गया था ?

3. उन चार देशों के नाम लिखिये जिनकी सीमाये भारत के पूर्वोतर राज्यो से लगी हुई है।

4. कश्मीर और लद्दाख में किस-किस धर्म के लोगों की बहुलता है।

5. असम का क्षेत्रीय राजनीतिक दल 'असमगण परिषद्' किन दलों को मिलाकर बनाया गया।

6. वृहत्तर पंजाब का विभाजन कब हुआ तथा कौन से नये राज्य बनाये गये।

7. पूर्वोत्तर भारत का क्षेत्र संवेदनशील मानने के कोई दो कारण लिखिये।

8. राज्य और उनके गठन के वर्षो का मिलान कीजिए

क) हरियाणा	i) 1987
ख) मेघालय, मणीपुर, त्रिपुरा	ii) 1966
ग) नागालैंण्ड	iii) 1960
घ) अरूणाचल प्रदेश, मिजोरम	iv) 1972

9. आसू क्या था ? इसकी प्रमुख माँगों का उल्लेख कीजिए।

गद्यांश पर आधरित प्रश्नः-

1. नीचे लिखे अवतरण को पढ़े और इसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंः हजारिका का एक गीत..... एकता की विजय पर हैं, पूर्वोत्तर के सात राज्यों को इस गीत में एक ही माँ की सात बेटियाँ कहा गया है... मेघालय अपने रास्ते गई.... अरूणाचल भी अलग हुई और मिजोरम असम के द्वार पर दूल्हे की तरह दूसरी बेटी से ब्याह रचाने को खड़ा है... इस गीत का अंत असमी लोगों की एकता को बनाए रखने के संकल्प के साथ होता है और इसमें समकालीन असम में मौजूद छोटी-छौटी कौमों को भी अपने साथ एकजुट रखने की बात कहीं गई है..... करबी और मिजिंग भाई-बहन हमारे ही प्रियजन हैं।

संजीब बरूआ

1. लेखक यहां किस एकता की बात कर रहा है?
   a) पड़ोसी देशों की एकता
   b) पूर्वोत्तर के 7 राज्यों का एकता
   c) भारत की एकता
   d) विश्व की एकता
2. पुराने राज्य असम से अलग करके पूर्वोत्तर के मुख्य राज्य क्यों बनाए गए?
   a) क्षेत्रीय मांगों को पूरा करने के लिए,
   b) पूर्वोत्तर के समुचित विकास के लिए
   c) पूर्वोत्तर के संतुलित विकास के लिए
   d) उपरोक्त सभी
3. पूर्वोत्तर के किन्ही दो राज्यों के नाम लिखिए।
   a) मणिपुर और मिजोरम
   b) मणिपुर और पंजाब
   c) मणिपुर और बंगाल
   d) त्रिपुरा और बंगाल

4. भूपेन हजारिका ने पूर्वोत्तर के 7 राज्यों को क्या नाम दिया है?

a) एक ही मां की 7 बेटियां

b) एकता का विजय

c) एकता का संकल्प

d) एकजुट रहना

2. नीचे दिये गये गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

''छः साल की सतत् अस्थिरता के बाद राजीव गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने 'आसू' के नेताओं के साथ बातचीत शुरू की। जिसके परिणामस्वरूप एक समझौता हुआ''

1. आसू (AASU) किस राज्य का संगठन है?

a) मणिपुर

b) मिजोरम

c) मेघालय

d) असम

2. (AASU) का शब्द विस्तार बताइए

a) ऑल एशिया स्टूडेंट यूनियन

b) ऑल असम स्टूडेंट यूनियन

c) ऑल असम स्टूडेंट यूनिवर्सल

d) ऑल असम स्कॉलर यूनियन

3. राजीव गांधी और आसू (AASU) के नेताओं के बीच समझौता कब हुआ?

a) 1980

b) 1982

c) 1985

d) 1986

4. (AASU) की एक प्रमुख मांग को लिखिए।

a) बाहरी लोगों का विरोध

b) अपनी संस्कृति की रक्षा

c) गरीबी दूर करना

d) उपरोक्त सभी

चार अंकीय प्रश्न :-

1. क्षेत्रवाद एवं पृथकतावाद में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
2. पंजाब समझौते के प्रमुख प्रावधानों का वर्णन कीजिए। (IMP)
3. पंजाब के अलग प्रान्त बनने पर भी अकाली दल अधिक लोकप्रिय क्यों नहीं हुआ ?
4. भारत में क्षेत्रीय असन्तोष को नियन्त्रित करने के सुझाव दीजिए।
5. स्वतंन्त्रता के बाद देश में उत्पन्न तनाव और संघर्ष के क्या कारण रहे है ?
6. हर क्षेत्रीय आंदोलन अलगाववादी आंदोलन की और अग्रसर नहीं होता। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये। (IMP)
7. आनंदपुर साहब प्रस्ताव क्या था ? इसके विवादस्पद होने के क्या कारण थे ?

मानचित्र पर आधारित प्रश्न :-

1. दिये गये भारत के मानचित्र में चार राज्यों को A, B, C तथा D द्वारा दर्शाया गया है। नीचे दी गयी जानकारी के अधार पर इन राज्यों की पहचान कीजिए और उनके सही नाम, प्रयोग की जानकारी की क्रम संख्या तथा संबंधित अक्षर तालिका के रूप में उत्तर पुस्तिका में लिखिए।

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबधित अक्षर	देश का नाम
i		
ii		
iii		
iv		

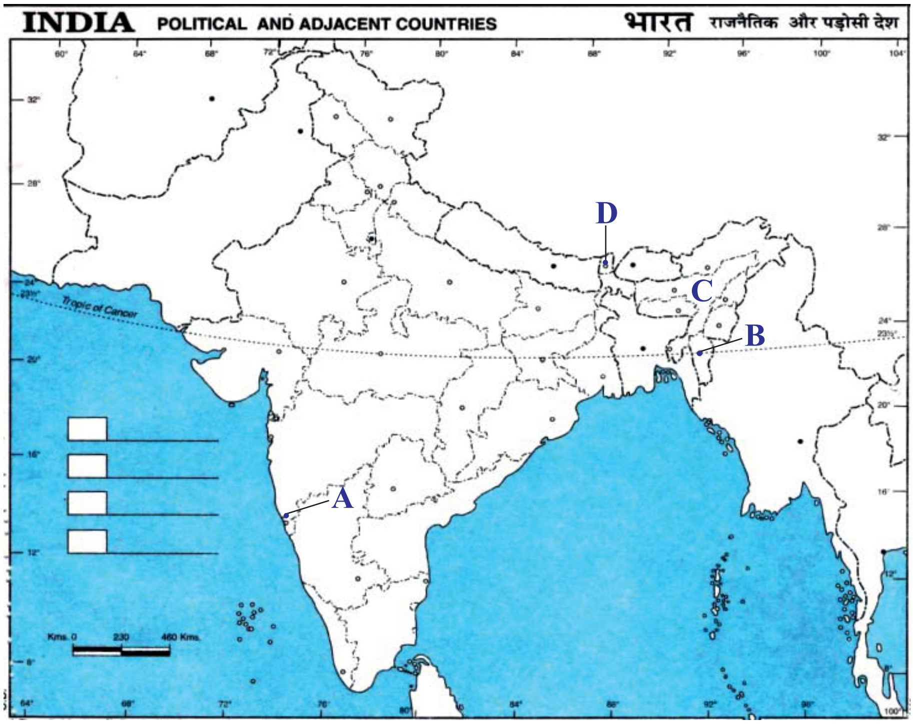

i) वर्ष 1986 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए एवं नए बने राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बने।

ii) वह राज्य जिसमें 1979 से 1985 तक 'बाहरी लोगों' के विरोध में आन्दोलन चलाया।

iii) भारत संघ का यह 22वीं राज्य बना।

iv) वह राज्य जो 1961 में पुर्तगाल शासन से भारतीय सेना द्वारा मुक्त करवाया गया और भारतीय संघ का एक भाग बना।

छः अंकीय प्रश्न :-

1. "क्षेत्रीय मांगो का मानना और भाषा के आधार पर नये राज्यो का गठन करना एक लोकतांन्त्रिक कदम के रूप में देखा जाता है" इस कथन को न्यायोचित सिद्ध करने के लिए तीन उपयुक्त तर्क दीजिए।
2. स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद से जम्मू कश्मीर की राजनीति सदैव विवादग्रस्त एवं संघर्ष युक्त रही है क्यों? वर्णन कीजिए। (IMP)
3. किन कारणो से भारतीय लोकतंन्त्र की सफलता के लिए क्षेत्रवाद पर नियन्त्रण लगाना आवश्यक है?
4. असम का आन्दोलन सांस्कृतिक स्वाभिमान और आर्थिक पिछड़ेपन की मिली जुली अभिव्यक्ति था इस कथन पर अपने मत प्रकट करे। (IMP)

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. द्रविड़ आंदोलन तमिलनाडु में चलाया गया।
2. भारत सरकार को असम समस्या के समाधान में सफलता मिली।
3. जम्मू कश्मीर राज्य को 370 अनुच्छेद के तहत विशेष राज्य का दर्जा दिया गया।
4. 1975 में एक प्रस्ताव पारित किया गया और सिक्किम भारत का 22वां राज्य बना।
5. हरियाणा राज्य को पंजाब से 1966 में अलग कर एक नया राज्य बनाया गया।
6. क मिजोरम, नागालैंड
7. ख मिजोरम
8. ग पुर्तगाली
9. घ पंजाब
10. ख हरि सिंह
11. लोकतांत्रिक शासन प्रणाली
12. लाल डेंगा
13. ऑपरेशन ब्लू स्टार

14. 1980 का दशक

15. ई. वी. रामा स्वामी नायकर

16. सी. अन्नादुराई

17. लद्दाख तथा जम्मू कश्मीर

18. दिसम्बर 1961

19. "उत्तर हर दिन बढ़ता जाय दक्षिण दिन-दिन घटता जाय"

20. सन् 1961

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. जुलाई 1985, अकाली दल अध्यक्ष हर चन्द्र सिंह लोगोवाला व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी।

2. जून 1984 में। पंजाब में अमृतसर के स्वर्ण मन्दिर में

3. चीन, म्यामार, बांग्लादेश और भूटान।

4. कश्मीर में इस्लाम तथा लद्दाख में बौद्ध लोगों की बहुलता है।

5. असमगण संग्राम परिषद और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन।

6. 1966 में (हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश)

7. पूरे भारत में अलग-थलग, जटिल सामाजिक संरचना, आर्थिक पिछड़ापन तथा लम्बी अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखा- (कोई दो)

8. क) ii) ख) iv) ग) iii) घ) i)

9. आसू (ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन) एक छात्र संगठन था। इसकी प्रमुख मांग थी कि 1951 के बाद जितने भी लोग असम में आकर बसे हैं उन्हें असम से बाहर भेजा जाये।

गद्यांश पर आधरित प्रश्नों के उत्तर :-

1. 1. (b) पूर्वोत्तर के 7 राज्यों की एकता

   2. (d) उपरोक्त सभी

   3. (a) मणिपुर और मिजोरम

   4. (a) एक ही मां की 7 बेटियां

2. 1. (a) असम

2. (b) ऑल असम स्टूडेंट यूनियन

3. (c) 1985

4. (d) उपरोक्त सभी

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. क्षेत्रवाद - क्षेत्रीय आधार पर राजनीतिक, आर्थिक एवं विकास सम्बन्धी मांग उठाना। पृथकतावाद - किसी क्षेत्र का देश से अलग होने की भावना होना या मांग उठाना।

2. -- चण्डीगढ पंजाब को दिया जायेगा।

-- पंजाब हरियाणा सीमा विवाद सुलझाने के लिए आयोग की नियुक्ति होगी।

-- पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के बीच राबी व्यास के पानी बंटवारे हेतु न्यायाधिकरण गठित किया जायेगा।

-- पंजाब में उग्रवाद प्रभावित लोगों को मुआवजा दिया जायेगा।

-- पंजाब से विशेष सुरक्षा बल अधिनियम।

3. -- पंजाब के हिन्दुओं में अकाली दल का प्रभाव नहीं।

-- केन्द्र सरकार ने अकाली दल सरकार को बर्खास्त किया।

-- सिक्ख समुदाय भी वर्गो में बटा हुआ था।

-- दलित सिक्खो पर कांग्रेस का प्रभाव रहा है।

4. -- सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास।

-- भाषावाद की समस्या का समाधान।

-- राष्ट्रीय एकता का महत्व बताना।

-- क्षेत्रीय हितो के स्थान पर राष्ट्रीय हितो को प्रमुखता देना।

5. -- भाषा के आधार पर नये राज्यों के गठन की मांग

-- गैर हिन्दी भाषी क्षेत्रों में हिन्दी भाषा का विरोध।

-- जम्मू कश्मीर में स्वायत्तता का आन्दोलन।

-- जन जातिय आन्दोलन

-- अलगाववादी आन्दोलन।

6. स्मरणीय बिन्दु एवं एन. सी. ई. आर. टी. की पाठ्यपुस्तक देखें।

7. स्मरणीय बिन्दु एवं एन. सी. ई. आर. टी. की पाठ्यपुस्तक देखें।

मानचित्र पर आधारित उत्तर

1.

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबधित अक्षर	देश का नाम
i	B	मिजोरम
ii	C	असम
iii	D	सिक्किम
iv	A	गोवा

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. कथन के पक्ष में तर्क -

i) 60 वर्षों में भाषायी आधार पर बनने वाले राज्यों ने लोकतान्त्रिक राजनीति की प्रकृति को सकारात्मक और रचनात्मक बना दिया है।

ii) भाषायी आधार पर राज्यों के निर्माण से राज्यों की सीमाये निर्धारित करने में भाषा सभी के लिए एक समान आधार बन गई है।

iii) इससे देश विघटन होने के बजाय एकीकरण हुआ।

iv) लोगों की क्षेत्रीय आकांक्षाये पूरी हुई है लोगों को ताकत मिली है और लोकतंत्र सफल हुआ है लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अनेक क्षेत्रीय अपेक्षाओं को स्थान दिया जा रहा है (किन्ही तीन की व्याख्या करें)

2. -- कश्मीर के तीन सामाजिक आर्थिक क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख)

-- पाकिस्तानी सेना द्वारा कबाइलियो के रूप में आक्रमण

-- अनुच्छेद 370 द्वारा विशेष राज्य

-- अक्साई चीन का मामला

-- अलगाव वादियों के दृष्टिकोण

-- पाकिस्तान द्वारा आतंकवादियों को बढ़ावा।

3. i) राष्ट्र की एकता में बाधा

ii) देश के सन्तुलित विकास में बाधा

iii) केन्द्र व राज्य सरकारो के सम्बन्ध कटु

iv) राज्यों के आपसी सम्बन्धों में दरार

v) हिंसात्मक आन्दोलन को बढ़ावा।

iv) आर्थिक प्रगति में बाधा

vii) राष्ट्रीय हितो की अनदेखी

4. A) देश की मुख्य भूमि से भौगोलिक पृथकता तथा सांस्कृतिक पहचान का अहसास।

B) आर्थिक पिछड़ापन।

C) बाहरी लोगो की बढ़ती संख्या से स्थानीय लोगों में अनेक आशंकाये (डर) पैदा हो गई है जैसे–

i) संस्कृति को खतरा

ii) राजनीतिक महत्व घटना

iii) बेरोजगारी बढ़ना

iv) व्यापार एवं व्यवसाय के अवसर कम होना

अध्याय - 14

भारतीय राजनीतिः प्रवृतियाँ और विकास

गठबंधन का दौरः राष्ट्रीय मोर्चा, संयुक्त मोर्चा, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन, [UPA],-I & II, राष्ट्रीय लोकतान्त्रिक गठबंधन [NDA] -I, II,III, & IV, विकास और सुशासन के मुद्दे।

स्मरणीय बिन्दु

★ 1989 के आम चुनावों में किसी भी दल को बहुमत प्राप्त ना होने की स्थिति में भारतीय राजनीति में केन्द्रीय स्तर पर गठबन्धन के युग का आरम्भ हुआ। इस बदलाव ने राष्ट्रीय राजनीति में क्षेत्रीय दलों की भूमिका में अभिवृद्धि की।

★ 1990 के पश्चात् भारतीय राजनीति में सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक स्तर पर कई बड़े बदलाव देखे गए जिन्होंने भारतीय राजनीति की दशा व दिशा को बदलने का काम किया।

1990 के बाद प्रमुख बदलाव

- कांग्रेस प्रणाली की समाप्ति
- राष्ट्रीय राजनीति में जनता दल व भारतीय जनता पार्टी की प्रभावशाली भूमिका
- राष्ट्रीय राजनीति में मंडल मुद्दे का उदय।
- नयी आर्थिक नीति
- गठबंधन की राजनीति का उदय

गठबंधन का युग :-

1989 के बाद केंद्रीय सरकारें

लोकसभा	अवधि (वर्ष)	सरकार	प्रधानमंत्री
9वीं	1989-1991	राष्ट्रीय मोर्चा	श्री वी.पी. सिंह श्री चन्द्रशेखर
10वीं	1991-1996	कांग्रेस	श्री पी.वी. नरसिम्हा राव

11वीं	1996-1996 1996-1998	भाजपा संयुक्त मोर्चा	श्री अटल बिहारी वाजपेयी श्री एच.डी. देवगौड़ा श्री इंद्र कुमार गुजराल
12वीं	1998-1999	राजग गठबंधन-I	श्री अटल बिहारी वाजपेयी
13वीं	1999-2004	राजग गठबंधन-II	श्री अटल बिहारी वाजपेयी
14वीं	2004-2009	संप्रग गठबंधन-I	डा. मनमोहन सिंह
15वीं	2009-2014	संप्रग गठबंधन-II	डा. मनमोहन सिंह
16वीं	2014-2019	राजग गठबंधन-III	श्री नरेन्द्र मोदी
17वीं	2019-अभी तक	राजग गठबंधन-IV	श्री नरेन्द्र मोदी

-- 1989 के आम चुनावों के बाद कांग्रेस की हार के साथ भारत की दलीय व्यवस्था से उसका प्रभुत्व समाप्त हो गया और बहुदलीय शासन-प्रणाली का युग शुरू हुआ। अब केंद्र में गठबंधन सरकारों के निर्माण में क्षेत्रीय दलों का महत्व बढ़ गया।

-- 1989 के चुनावों के बाद गठबंधन का युग आरंभ हुआ। इन चुनावों के बाद जनता दल और कुछ क्षेत्रीय दलों को मिलाकर बने राष्ट्रीय मोर्चे ने भाजपा और वाम मोर्चे के समर्थन से गठबंधन सरकार बनायी।

-- 1998 से 2004 तक भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठनबंधन की सरकार रही। इस दौरान अटल बिहारी वाजयेपी प्रधानमंत्री रहे। 2004 से 2009 व 2009 से 2014 तक कांग्रेस के नेतृत्व में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार ने लगातार दो कार्यकाल पूरे किए। इस दौरान डा. मनमोहन सिंह प्रधनमंत्री रहे। 2014 में नेरन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने इतिहास रचते हुए 30 साल बाद पूर्ण बहुमत प्राप्त किया परन्तु चुनाव पूर्व गठबंधन की प्रतिबद्धता का सम्मान करते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनाई।

गठबंधन सरकारों के उदय के कारण

- राष्ट्रीय राजनीतिक दलों का कमजोर होना
- क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का प्रादुर्भाव व सरकारों के निर्माण में बढ़ती भूमिका
- जाति व सम्प्रदाय आधारित अवसरवादी राजनीति का उदय

2019 में भी श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने पूर्ण बहुमत प्राप्त होने के बाद भी केन्द्र में राजग IV (एनडीए IV) की सरकार बनाई।

यद्यपि राजग कहा जाने वाला 2014 का भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन अपने पूर्ववर्ती गठबंधन सरकारों से बड़े स्तर पर भिन्न था। जहां पूर्ववर्ती गठबंध्न एक राष्ट्रीय दल के नेतृत्व में होते थे, वहीं राजग गठबंधन ना केवल एक राष्ट्रीय दल अर्थात भाजपा के मार्गदर्शन में कार्य कर रहा था अपितु लोकसभा में पूर्ण बहुमत प्राप्त दल के प्रभुत्व के रूप में भी था। इसे एक 'अतिरिक्त बहुमत गठबंधन' भी कहा गया। इस अर्थ में गठबंधन की राजनीति की प्रकृति में एक बड़ा परिवर्तन देखा जा सकता है जो एक दलिय नेतृत्वशील गठबंधन के स्थान पर एक दलिय प्रभुत्वशील गठबंधन के रूप में दृष्टिगत होता है।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की प्रमुख पार्टियाँ (2004-2009) (2009-2014)	राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की प्रमुख पार्टियाँ (2014-2019) (2019-अभी तक)
1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	1. भारतीय जनता पार्टी
2. राष्ट्रीय जनता दल	2. शिरोमणि अकाली दल (अब नहीं)
3. डी.एम.के	3. शिव सेना (एकनाथ शिंदे)
4. नेशनल कांफ्रेंस	4. लोक जनशक्ति पार्टी
5. झारखंड मुक्ति मोर्चा	5. अपना दल
6. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी इत्यादि	6. नेशनल पीपुल्स पार्टी इत्यादि

विकास व शासनः-

2014 के पश्चात भारतीय राजनीति में एक बड़ा परिर्वतन जाति व पंथ आधारित राजनीति का विकास व सुशासन उन्मुख राजनीति की ओर स्थानांतरण है। 'सबका साथ, सबका विकास' के अपने पूर्व निर्धरित लक्ष्य के साथ, राजग सरकार ने विकास तथा सुशासन को जनता के लिए सुलभ बनाने के उद्देश्य से विभिन्न सामाजिक-आर्थिक कल्याणकारी योजनांए प्रारंभ की है, जैसे -- प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, स्वच्छ भारत अभियान, जन धन योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, किसान फसल बीमा योजना, 'बेटी पढ़ाओं, देश बढ़ाओं' योजना, आयुष्मान भारत योजना आदि।

इन सभी योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं को केन्द्र सरकार की योजनाओं का वास्तविक लाभार्थी बनाकर सामान्य जन के द्वार तक प्रशासन पहुंचाना रहा है। विभिन्न राज्यों के मतदाता --- जातियों, वर्गों, समुदायों, लिंग तथा क्षेत्रों से ऊपर उठकर विकास और सुशासन के विषयों को केन्द्रीय मंच पर लाने में सफल हुए।

विभिन्न सामाजिक - आर्थिक कल्याणकारी योजना

1. **प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना** - इसकी शुरुआत 1 मई 2016 को हुई। इसमें ग्रामीण और वंचित परिवारों के लिए खाना पकाने के, स्वच्छ ईधन (LPG) को उपलब्ध कराना है।
2. **स्वच्छ भारत अभियान**- यह आभियान भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2014 में प्रारंभ किया गया । इस अभियान का उदेश्य खुले में शौच की समस्या को समाप्त करना व कचरे का सही निपटान करना है।
3. **जन-धन योजना** - यह योजना 28 अगस्त 2014 को प्रारंभ हुई। इस योजना के अंतर्गत देश के गरीन लोगों के बैंक में या पोस्ट ऑफिस में खाते खोलकर उन्हें बैंकिंग सुविधा का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया है।
4. **दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना** - इस योजना का प्रारंभ वर्ष 2015 है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों का विद्युतीकरण, किसानों को पर्याप्त बिजली पहुंचाना व अन्य उपभोक्ताओं को नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करना है।
5. **किसान फसल बीमा योजना** - यह योजना वर्ष 2016 में प्रारंभ हुई। इसके अंतर्गत देश के किसानों को किसी भी प्राकृतिक आपदा के कारण फसल में बर्बादी होने पर बीमा प्रदान किया जाता है।
6. **बेटी पढ़ाओ, देश बढ़ाओ** - यह कार्यक्रम वर्ष 2015 में शुरू की गई। इस कार्यक्रम के तहत बेटियों की शिक्षा, विकास प्रतिभा को निखारने का प्रयास किया जाता है। लोगों को यह समझाने का भी प्रयास है कि हमारी बेटियाँ घर ही नहीं देश भी चला सकती है।
7. **आयुष्मान भारत भोजना** - यह भारत सरकार की स्वास्थ्य योजना है। इस योजना का उदेश्य आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराना है। इसकी शुरूआत वर्ष 2018 में की गई।

सहमति के विषय :-

विभिन्न दलों में बढ़ती सहमति के विषय निम्न हैं :-

1) नई आर्थिक नीति पर सहमति

2) पिछड़ी जातियों के राजनीतिक और सामाजिक दावों की स्वीकृति।

3) क्षेत्रीय दलों की भूमिका एवं साझेदारी को स्वीकृति।

4) विचारधारा की जगह कार्यसिद्धि पर जोर।

एक अंक वाले प्रश्न :-

खाली स्थान भरो

1. समान नागरिक सहिंता का संबंध अनुच्छेद................. से है।

2. 2009 के लोकसभा चुनाव के परिणामस्वरूप ....गठबंधन ने केंद्र में सरकार बनाई।

3. केंद्र में पहली गठबंधन सरकार. ....दल ने 1989 में बनाई।

निम्नलिखित दिए गए बहु-विकल्पीय प्रश्नों में दिए गए विभिन्न विकल्पों में से एक सही विकल्प का चयन करिये

4. किस वर्ष को भारत में गठबंधन सरकारों (केन्द्र स्तर पर) के युग का प्रारंभ माना जाता है।

5. 1989 में केंद्र में गठबंधन सरकार के प्रादुर्भाव के लिए उत्तरदायी कारक थे-

   (i) कांग्रेस की केंद्र में मजबूत स्थिति होना

   (ii) किसी भी दल को बहुमत नहीं मिलना

   (iii) कांग्रेस दल में चमत्कारिक नेताओं की कमी होना

   (iv) क्षेत्रीय दलों की बढ़ता प्रभाव

   (क) i, iii, iv (ख) i, iv

   (ग) ii, iii, iv (घ) i, iii

निम्नलिखित वाक्यों के समक्ष सही या गलत का निशान लगाइए-

6. भारतीय जनता पार्टी को मई 2014 में पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ।

7. कांग्रेस को 1984 के चुनाव में सर्वाधिक 415 सीटें मिली।

निम्न प्रश्नों के उत्तर देः

8. बहुजन समाज पार्टी की स्थापना में किसकी महत्वपूर्ण भूमिका थी?
9. भारतीय राजनीति में कब गठबन्धन सरकारों का युग (केन्द्र में) प्रारम्भ हुआ?
10. कांग्रेस ने कब गठबन्धन राजनीति की हकीकत को समझ कर केन्द्रीय स्तर पर गठबन्धन कर सरकार बनाई?
11. समान नागरिक संहिता से क्या अभिप्राय है?

दो अंक वाले प्रश्न ः-

1. गठबंधन सरकार से क्या अभिप्राय है?
2. राष्ट्रीय मोर्चा में मुख्य घटक दल कौन सा था? इस गठबंधन का मुख्य चुनावी मुद्दा क्या था?
3. गठबंधन सरकारों का युग किस कारण आरम्भ हुआ?
4. बामसेफ का शब्द विस्तार एवं स्थापना वर्ष लिखिए।
5. 'तीन तलाक' पर वर्तमान में मोदी सरकार द्वारा लाया गया विधेयक समान नागरिक संहिता की ओर एक कदम है। स्पष्ट करें।

चार अंकीय प्रश्न –

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधरित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. 1989 के चुनावों से भारत में गठबंधन की राजनीति के एक लम्बे दौर की शुरूआत हुई। इसके बाद से केन्द्र में अधिकांशतः गठबंधन सरकारें बनी। ये सभी या तो दूसरे दलों पर टिकी अल्पमत सरकारें थी जो इन सरकारों में शमिल नहीं हुई। इस नए दौर में कोई सरकार क्षेत्रीय पार्टियों की साझेदारी या उनके समर्थन से ही बनाई जा सकती थी। मई 2014 में भाजपा को पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ परन्तु केन्द्र में श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग (छक।) की गठबंधन सरकार बनी।

   (i) गठबंधन राजनीति का युग केन्द्र में किस वर्ष शुरू हुआ?

   a) 1979 b) 1989 c) 1999 d) 2014

(ii) संयुक्त मोर्चा सरकार का गठन किस वर्ष हुआ ?

a) 1996 b) 1999 c) 2001 d) 2004

(iii) 2014 के लोकसभा चुनावों में पूर्ण बहुमत किस दल को मिला ?

a) बसपा b) भाजपा c) कांग्रेस d) आप

(iv) वर्ष 2014 में भारत के प्रधानमंत्री कौन बने ?

a) मनमोहन सिंह b) वी.पी.सिंह

c) राजनाथ सिंह d) नरेन्द्र मोदी

2. स्वतंत्रता के पश्चात 17 वी लोकसभा चुनाव 2019 में पुनः भाजपा के नेतृत्व में राजग 543 में से 350 से अधिक स्थानों पर विजय प्राप्त करके सत्ता के केन्द्र में आता है। स्वयं भाजपा ने इस लोकसभा चुनाव में 303 सीटों पर विजय प्राप्त की, जो 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के पश्चात कांग्रेस को मिली अप्रत्याशित विजय के पश्चात निम्न सदन में किसी एक दल द्वारा विजित अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। 2019 में भाजपा की इस अप्रत्याशित सफलता के आधार पर, समाज विज्ञानियों ने समकालीन दलीय व्यवस्था को 'बीजेपी व्यवस्था' के रूप में परिभाषित करना प्रारंभ कर दिया है, जिसमें भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति में कांग्रेस व्यवस्था की भांति एक दलीय प्रभुत्व का युग दर्शित होना प्रारंभ हो गया है।

i) 1984 के चुनाव में किस दल को पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ था ?

a) भाजपा b) कांग्रेस c) जनता दल d) राष्ट्रीय जनता दल

ii) 17 वी लोकसभा का चुनाव किस वर्ष हुआ ?

a) 1984 b) 2009 c) 2014 d) 2019

iii) भाजपा ने 17 वी लोकसभा में कितनी सीटों पर विजय प्राप्त की ?

a) 303 b) 315 c) 350 d) 543

iv) भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री कौन हैं ?

a) श्री रामनाथ कोविंद b) श्री राजनाथ सिंह

c) श्री नरेन्द्र मोदी d) श्री अमित शाह

चार अंक वाले प्रश्न

1. भारतीय जनता पार्टी के अभ्युदय पर टिप्पणी करें।
2. गठबंधन राजनीति के दो सकारात्मक तथा दो नकारात्मक प्रभाव बताइये ? (IMP)

3. जनता के सरोकार एवं भागीदारी से जुड़े कोई चार ऐसे मुद्दे बताइये जो जनता के अधिकारों एवं लोकतंत्र के विकास से जुड़े है ?

4. कार्टून आधारित प्रश्नः–

4.1 किस प्रधानमंत्री को कठपुतली के तौर पर दिखाया गया है ?

(i) पं. नेहरू (ii) लाल बहादुर शास्त्री

(iii) इंद्र कुमार गुजराल (iv) वी.पी. सिंह

4.2 कठपुतली सरकार की डोर किसके हाथों में है ?

(i) लाल बहादुर शास्त्री व पं. नेहरू

(ii) लाल कृष्ण आडवाणी

(iii) ज्योति बसु व मोरार जी देसाई

(iv) लाल कृष्ण आडवाणी व ज्योति बसु

4.3 भारत में केंद्रीय स्तर पर गठबंधन सरकारों का युग किस वर्ष प्रारंभ हुआ है ?

(i) 1985 (ii) 1989

(iii) 1995 (iv) 2000

4.4 1989 में किस मोर्चे ने सरकार बनाई ?

(i) राष्ट्रीय मोर्चा (ii) संयुक्त मोर्चा

(iii) रा०ज०ग० (iv) स०प्र०ग०

5. दिए गए भारत के रेखा-मानचित्र में चार देश A, B, C तथा D द्वारा चिन्हित किये गये हैं। नीचे दी गयी जानकारी के आधार पर उन्हें पहचानिये और उनके सही नाम, प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या तथा संबंधित अक्षर सहित, निम्नलिखित तालिका के रूप में अपनी नोटबुक में लिखिए-

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबधित अक्षर	देश का नाम
i		
ii		
iii		
iv		

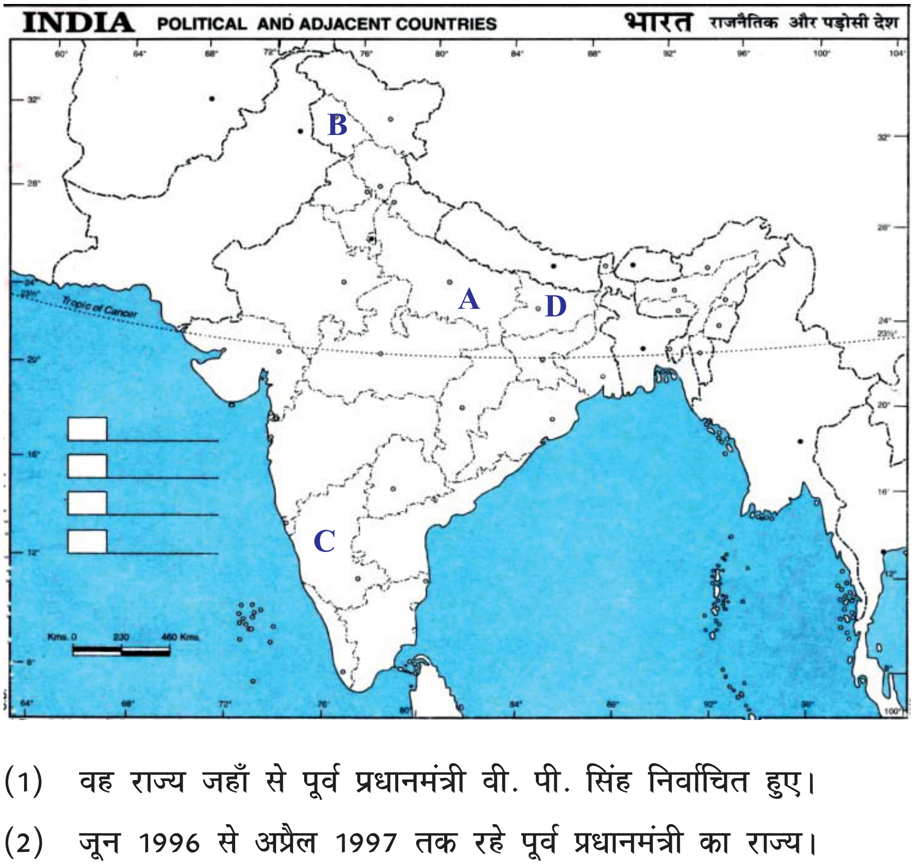

(1) वह राज्य जहाँ से पूर्व प्रधानमंत्री वी. पी. सिंह निर्वाचित हुए।

(2) जून 1996 से अप्रैल 1997 तक रहे पूर्व प्रधानमंत्री का राज्य।

(3) वह राज्य जिसका संबंध मंडल आयोग के अध्यक्ष से था।

(4) वह राज्य जहाँ 1957 से 1967 तक नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार बनी रही।

छः अंक वाले प्रश्न

1. 1989 के बाद भारतीय राजनीति में आए बदलावों का वर्णन कीजिए।(IMP)
2. किन मुद्दो पर भारतीय राजनीतिक दलों में लगभग सहमति है?(IMP)
3. 2014 के चुनावों में भाजपा की जीत से गठबंधन सरकारों का अंत हो गया है। इस कथन के पक्ष और विपक्ष में तीन-तीन तर्क दीजिए।
4. गठबंधन सरकारो के कारण केन्द्र राज्य संबंधों में क्या परिवर्तन आया है? किन्हीं तीन परिवर्तनों को समझायें।
5. संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (UPA) सरकार के कार्यों का तर्कपूर्ण विश्लेषण करो?
6. '2014 के पश्चात भारतीय राजनीति में एक बड़ा परिवर्तन जाति और धर्म आधारित राजनीति का विकास और शासन उन्मुख राजनीति की ओर स्थानांतरण है।' व्याख्या कीजिए

एक अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. 44
2. यूपीए
3. राष्ट्रीय मोर्चा
4. (घ) 1989
5. ग
6. सही
7. सही
8. श्री कांशीराम जी।
9. 1989 के बाद से लोकसभा के चुनावों में कभी भी किसी एक पार्टी को 2014 तक पूर्ण बहुमत नहीं मिला। केन्द्र में 1989 से गठबंधन सरकारों का युग प्रारम्भ हो गया।

10. 2004 में

11. सभी नागरिकों के लिए देश में समान कानून पद्धति को समान नागरिक संहिता कहा जाता है।

दो अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. एक से अधिक राजनीतिक दलों द्वारा मिलकर सरकार बनाना।
2. जनता दल, बोफोर्स मुद्दा।
3. क्षेत्रीय दलों का उभार एवं राष्ट्रीय पार्टियों का कमजोर होना।
4. बैकवर्ड एवं माइनॉरिटी क्लासेज एम्पलाइज फेडरेशन, 1978
5. भारतीय संविधान में सभी नागरिकों को समान अधिकार दिया गया है। तीन तलाक की समाप्ति मुस्लिम महिलाओं का समानता दिलाने की दिशा में ऊठाया गया एक कदम है।

चार अंकीय प्रश्न–

गद्यांश पर आधरित प्रश्नों के उत्तर

1.	1	b)	1989
	2	a)	1996
	3	b)	भाजपा
	4	d)	नरेन्द्र मोदी
2.	1	b)	कांग्रेस
	2	d)	2019
	3	a)	303
	4	c)	नरेन्द्र मोदी

चार अंक वाले प्रश्न के उत्तर –

1. -- 1980 में गठन
   -- 1980 और 1984 के चुनावों में खास सफलता नहीं
   -- 1986 के बाद हिन्दू राष्ट्रवाद के तत्वों पर जोर

-- राम जन्म-भूमि मुद्दा

-- 1996 में लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी बनी

-- 1998 से 2004 तक भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की सरकार

-- 2014 से भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की सरकार

-- पूर्वोत्तर में भी 2016 में पहली बार सरकार का गठन इत्यादि

2. **सकारात्मक –**

i) क्षेत्रीय संतुलन में सहायक

ii) विभिन्न दलों को प्रतिनिधित्व

नकारात्मक –

i) राजनीतिक अस्थिरता

ii) नीतियों में दृढ़ता की कमी

3. 1) सूचना का अधिकार

2) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा

3) फसल बीमा योजना

4) शिक्षा का अधिकार आदि

चार अंकीय कार्टून पर आधारित प्रश्न के उत्तर

4. 4.1 iv) वी.पी. सिंह

4.2 iv) लाल कृष्ण आडवाणी-ज्योति बसु

4.3 ii) 1989

4.4 i) राष्ट्रीय मोर्चा

चार अंकीय मानचित्र पर आधारित प्रश्न के उत्तर

5. 5.1 A उत्तर प्रदेश

5.2 C कनार्टक

5.3 D बिहार

5.4 B जम्मू व कश्मीर

छः अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. स्मरणीय तथ्यों में देखे।

2. स्मरणीय तथ्यों में देखें।

3. **पक्ष में तर्क :**

i) 1984 के बाद पहली बार केन्द्र में किसी दल को बहुमत प्राप्त हुआ।

ii) अधिकतर क्षेत्रीय दलों की शक्ति में कमी।

iii) राष्ट्रीय दलों मुख्यतः कांग्रेस सहित UPA की सीटों में बहुत बड़ी गिरावट।

विपक्ष में तर्क :-

i) पूर्ण बहुमत प्राप्त कर लेने के बाद भी भाजपा का सबको साथ ले कर चलना।

ii) तीन क्षेत्रीय दलों यथा तृणमूल कांग्रेस, बीजू जनता दल और अन्नाद्रमुक का अपने-अपने राज्यों में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाना।

4. -- धारा 356 का दुरुपयोग कम हुआ।
   -- राज्यों में केन्द्र का हस्तक्षेप कम
   -- अधिकतर राज्यों में राष्ट्रीय दलों का कमजोर पड़ना इत्यादि

(कोई तीन)

5. i) RTI एवं RTE लागू कर लोकतंत्र को परिपक्व करना।
   ii) खाद्य सुरक्षा बिल द्वारा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वालों को खाने का अधिकार देना।
   iii) मनरेगा द्वारा 100 दिनों तक रोजगार उपलब्ध कराना तथा रोजगार न होने की स्थिति में भत्ते की गारंटी। इससे गाँव से शहर की ओर पलायन रोकने में मदद मिली।
   iv) उच्च शैक्षिक संस्थानों में OBC को 27 प्रतिशत आरक्षण देकर आरक्षण राजनीति को बढ़ावा आदि।

6. स्मरणीय बिंदु देखें।

अभ्यास प्रश्न पत्र-1 : 2022-23

राजनीति विज्ञान

कक्षा - 12

समयः 3 घंटे **अंकः 80**

निर्देश

(1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) प्रश्न संख्या 1-12 में प्रत्येक प्रश्न 1 अंकीय बहुविकल्पीय हैं।

(3) प्रश्न संख्या 13-18 में प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(4) प्रश्न संख्या 19-23 में प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(5) प्रश्न संख्या 24-26 में गद्यांश, कार्टून चित्र एवं मानचित्र आधारित प्रश्न हैं। इनका उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

(6) प्रश्न संख्या 27-30 में प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 170 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(7) 6 अंकों के प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

खण्ड - ए

1. दक्षिण कोरिया की राजधानी है। 1

   a) बीजिंग b) क्योटो

   c) सियोल d) ढाका

2. सोवियत संघ का विघटन कब हुआ? 1

   a) 1988 b) 1999

   c) 1990 d) 1991

3. WHO की स्थापना किस वर्ष हुई। 1

a) 1945 b) 1948

c) 1950 d) 1960

4. संयुक्त राष्ट्र संघ के घोषणापत्र पर कितने देशों ने हस्ताक्षर किए थे ? 1

a) 51 b) 50

c) 192 d) 93

5. 'यूरो' मुद्रा किस क्षेत्रीय संगठन से सम्बन्धित है ?

a) आसियान b) यूरोपीय संघ

c) सार्क d) ब्रिक्स

6. सुरक्षा की कितनी धारणाएं है ?

a) 1 b) 2

c) 3 d) 4

7. विश्वव्यापार संगठन निम्न में से किस का उत्तराधिकारी है ?

a) विश्व स्वास्थ्य संगठन

b) जनरल एग्रीमेंट ऑन ट्रेड एंड टैरिफ

c) जनरल एरेंजमेंट ऑन ट्रेड एंड टैरिफ

d) संयुक्त राष्ट्रसंघ का विकास कार्यक्रम

8. निम्नलिखित में विश्व की साझी विरासत के विषय में कौन सा कथन सही है ?

i) धरती का वायुमंडल, अंटार्कटिका, समुद्री सतह और बाहरी अंतरिक्ष को विश्व की साझी विरासत माना जाता है।

b) 'विश्व की साझी विरासत' किसी राज्य के संप्रभु क्षेत्राधिकार में नहीं आते।

c) विश्व की साझी विरासत के प्रबंधन के सवाल में उत्तरी और दक्षिणी देशों के बीच मतभेद है।

d) उत्तरी गोलार्द्ध के देश 'विश्व की साझी विरासत' को बचाने के लिए दक्षिणी गोलार्द्ध के देशों से अधिक चिंतित हैं।

कूट -

a) (i), (ii), (iv)

b) (ii), (iii), (iv)

c) (i), (iii), (iv)

d) (i), (ii), (iii)

9. निम्नलिखित को कालक्रमानुसार लिखिए

(i) भारत में चुनाव आयोग का गठन

(ii) भारतीय संविधान तैयार हुआ

(iii) योजना आयोग का गठन हुआ

(iv) नीति आयोग का गठन हुआ।

कूट -

a) (ii), (i), (iii), (iv)

b) (ii), (iii), (i), (iv)

c) (ii), (iv), (i), (iv)

d) (ii), (iii), (i), (iv)

10. निम्नलिखित घटनाओं का काल - क्रमानुसार से संबंधित सही विकल्प का चुनाव कीजिए

(i) दूसरे आम चुनाव

(ii) वी. वी. गिरि का भारत का राष्ट्रपति निर्वाचित होना

(iii) चौथे आम चुनाव

(iv) कांग्रेस (आर) - सी. पी. आई गठबंधन ने आम चुनाव में कई सीटें जीती।

कूट -

a) (i), (iii), (ii), (iv)

b) (ii), (iii), (i), (iv)

c) (iv), (iii), (i), (ii)

d) (i), (ii), (iv), (iii)

निम्नलिखित प्रश्न में दो वक्तत्व हैं। एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। आपको दोनों वक्तव्यों का परीक्षण करने हैं व निम्नलिखित कूट के आधार पर निर्णय कर अपना उत्तर अंकित करना है।

कूटः

a) A और R दोनों सही है और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

b) A और R दोनों सही है और R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

c) A सही है और परन्तु R गलत है।

d) A गलत है और परन्तु R सही है।

11. कथन A : वैश्वीकरण एक पूँजीवादी प्रक्रिया है, जिसका सर्वप्रमुख एवं अंतिम उद्देश्य पूँजीवाद को बढ़ावा देना है। 1

कारण R वैश्वीकरण से सभी को लाभ होता है चाहे वे विकसित देश हों या विकासशील या अल्पविकसित।

12. कथन A : भारत संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है।

कारण R : भारत संयुक्त राष्ट्र संघ के बजट में अंशदान करता है।

खण्ड- बी (12 अंक)

13. शॉक थेरेपी क्या है। इसका संबंध किस देश से है। 2

14. हैदराबाद को किस प्रकार भारतीय संघ में शामिल किया गया। 2

15. भारत में एक दलीय व्यवस्था (कांग्रेस) की प्रभुत्व के कोई दो प्रमुख कारण लिखिए 1x2=2

16. 1975 के आपाताकाल से मिले कोई दो सबक लिखिए। 1x2=2

17. राम मनोहर लोहिया के समाजवाद के किन्हीं दो विशेषताओं को लिखिए। 2

18. संयुक्त राष्ट्र संघ के किन्हीं चार अंगों के नाम लिखिए। 2

खण्ड – सी

19. 1989 के आम चुनावों के बाद से भारत में बनी किन्हीं चार गठबंधनों वाली सरकारों के नाम लिखें। किन्हीं दो गठबंधन सरकारों के विषय में भी लिखें। 1x4=4

20. मूलवासी कौन है? इनके अधिकारों का उल्लेख कीजिए। 2+2=4

21. एमनेस्टी इंटरनेशल क्या है? इसके किन्हीं दो कार्यों का उल्लेख करें। 2+2=4

22. सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत के दावे के पक्ष में चार तर्क लिखिए। 1x4=4

23. योजना आयोग और नीति आयोग में अंतर स्पष्ट कीजिए। 1x4=4

खण्ड – डी (12 अंक)

24. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें: (1+1+1+1=4)

भारत के पहले प्रधानमंत्री ने जवाहरलाल नेहरू ने राष्ट्रीय एजेंडा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाई। वे भारत के प्रधानमंत्री के साथ-साथ विदेश मंत्री भी थे। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री के रूप में 1947 से 1964 तक उन्होंने भारत की विदेश नीति की रचना और क्रियान्वयन पर गहरा प्रभाव डाला। नेहरू की विदेश नीति के तीन बड़े उददे्श्य थे-कठिन संघर्ष से प्राप्त संप्रभुता को बनाए रखना, क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखना, और तेज रफ़्तार से आर्थिक विकास करना। नेहरू इन उददे्श्यों को गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाकर हासिल करना चाहते थे। उन दिनों देश में कुछ पार्टियां और समूह ऐसे भी थे जिनका मानना था कि भारत को अमेरिकी खेमे के साथ ज्यादा नजदीकी बढ़ानी चाहिए क्योंकि इस खेमे की प्रतिष्ठा लोकतंत्र के हिमायती के रूप में थी। इस धारा पर सोचने वालों में डॉ भीमराव अंबेडकर भी शामिल थे। साम्यवाद की विरोधी

कुछ राजनीतिक पार्टियां भी चाहती थी कि भारत अपनी विदेश नीति अमेरिका के पक्ष में बनाए ऐसे दलों में भारतीय जनसंघ और स्वतंत्र पार्टी प्रमुख थे। लेकिन, विदेश नीति को तैयार करने के मामले में नेहरू को खासी बढ़त हासिल थी।

1) स्वतंत्र भारत की विदेश नीति का निर्माता किसे कहा जाता है ?

a) सरदार पटेल b) महात्मा गांधी

c) जवाहरलाल नेहरू d) भीमराव अंबेडकर

2) नेहरू की विदेश नीति के उददे्श्य थे–

a) कठिन संघर्ष से प्राप्त संप्रभुता को बचाए रखना

b) क्षेत्रीय अंखडता को बनाए रखना

c) तेज रफ्तार से आर्थिक विकास करना

d) उपरोक्त सभी

3) 'लोकतंत्र के हिमायती' उपरोक्त गद्यांश में किसके लिए प्रयुक्त किया गया है ?

a) भीमराव अंबेडकर b) सरदार बल्लभ भाई पटेल

c) महात्मा गाँधी d) जवाहरलाल नेहरू

4) भारत के प्रथम विदेश मंत्री कौन थे ?

a) जवाहरलाल नेहरू b) भीमराव अंबेडकर

c) सरदार पटेल d) सी राजगोपालाचारी

25. दिए गए भारत के मानचित्र में A, B, C और D राज्य दर्शाए गए हैं।

नीचे दी गई जानकारी के आधार पर उन्हें पहचानिए और उनके नाम, प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या तथा संबंधित अक्षर को दी गई तालिका के रूप में अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए। (1+1+1+1+1=5)

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबंधित अक्षर	राज्य का नाम

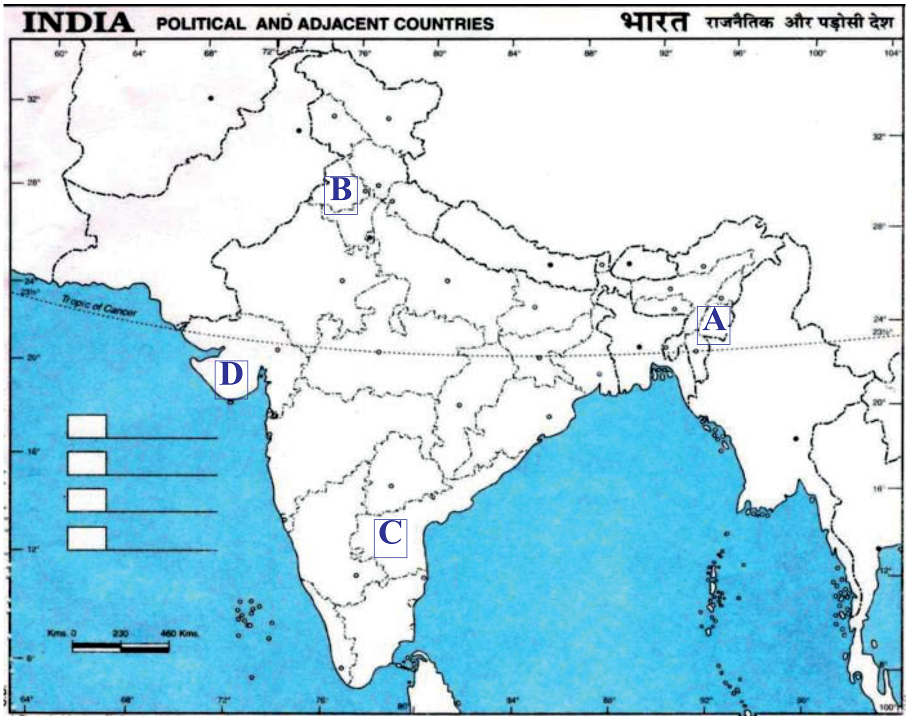

i) सरदार पटेल का गृह राज्य।

ii) पोट्टी श्रीरामुलु से संबंधित राज्य।

iii) वह राज्य जिस पर बोधचंद्र सिंह ने शासन किया।

iv) 1947 में भारत-पाकिस्तान विभाजित से प्रभावित राज्य।

नोटः- निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 25 के स्थान पर है।

i) भारत का वह राज्य जहां सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार के आधार पर चुनाव हुए। 1

ii) हैदराबाद के शासक को किस नाम से जाना जाता था। 1

iii) 1952 के आम चुनाव में कांग्रेस पार्टी को कितनी सीटें मिली ? 2

iv) आध्र आंदोलन के नेता का नाम लिखिए 1

26. दिए गए चित्र का ध्यान पूर्वक अध्ययन कीजिए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए

1. चित्र में किस क्षेत्रीय संगठन का प्रतीक चिन्ह दिखाई दे रहा है ? 1

a) आसियान b) ब्रिक्स

c) यूरोपीय संघ d) दक्षेस

2. इनमें से कौन सा देश आसियान का सदस्य नहीं हैं। 1

a) सिंगापुर b) थाईलैण्ड

c) इण्डोनेशिया d) जापान

3. चित्र में दिखाई गई धान की 10 बालियां किस का प्रतिनिधित्व करती हैं ? 1

a) विकास b) एकता

c) शान्ति d) दस देश

4. बाहरी गोल घेरा किसका प्रतीक है?

a) संघर्ष b) शान्ति

c) एकता d) युद्ध

नोटः निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 26 के स्थान पर है। 1X4=4

1. यूरोपीय संघ के झंडे में कुल कितने सितारे हैं?
2. यूरोपीय संघ का गठन कब हुआ?
3. आसियान का विस्तृत रूप लिखिए?
4. आसियान के दो संस्थापक सदस्य देशों के नाम बताइए।

खण्ड – ई (24 अंक)

27. श्रीलंका के जातीय संघर्ष का वर्णन कीजिए 6

अथवा

ब्रिक्स के बारे में आप क्या जानते हैं? इसकी मुख्य विशेषताएं लिखिए। 3+3=6

28. जून 1975 में लगाए आपातकाल के दौरान देश में उत्पन्न लोकतांत्रिक संकट की स्थिति का वर्णन कीजिए। 6

अथवा

जयप्रकाश नारायण के भारतीय राजनीति में किए गए किन्ही तीन प्रमुख योगदान का वर्णन कीजिए। 3X2=6

29. वैश्वीकरण ने भारत की अर्थव्यवस्था को किस प्रकार प्रभावित किया है? 6

अथवा

वैश्वीकरण का प्रतिरोध किन आधारों पर किया जा रहा है? वर्णन कीजिए।

30. सोवियत संघ के विघटन के किन्हीं तीन कारणों का वर्णन कीजिए। 3X2=6

अथवा

सोवियत प्रणाली की किन्ही तीन विशेषताओं का संक्षेण में वर्णन कीजिए।

3X2=6

Solution for Practice Paper-I (2022-23)

1. c) सियोल 1
2. d) 1991 1
3. b) 1948 1
4. a) 51 देश 1
5. b) यूरोपीय संघ 1
6. b) दो 1
7. b) जनरल एग्रीमेंट ऑन ट्रेड एंड टैरिफ 1
8. d) (i), (ii), (iii) 1
9. a) (ii), (i), (iii), (iv) 1
10. a) (i), (iii), (ii), (iv) 1
11. b) A और R दोनों सही है, परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है। 1
12. d) A गलत है परन्तु R सही है। 1
13. एक समाजवादी अर्थव्यवस्था से पूँजीवादी अर्थव्यवस्था की ओर संक्रमणीय होना। यह IMF और विश्व बैंक के दिशा निर्देश द्वारा हैः सोवियत संघ 1x2=2
14. हैदराबाद का निजाम अपनी रियासत को स्वतंत्र रखना चाहते थे अतः उन्होने भारत के साथ 1 वर्ष के लिए समझौता किया। लेकिन इस दौरान तेलंगाना के किसान, महिलाएं और कम्युनिस्ट निजाम के विरूद्ध हो गए और उन्होंने आंदोलन छेड़ दिया। निजाम ने आंदोलन को दबाने के लिए रजाकारों को भेजा जिन्होने वहां लूटपाट मचाई। तब सितंबर 1948 में निजाम की सेना को काबू करने के लिए भारतीय सेना के हस्तक्षेप किया। निजाम ने सेना के सामने आत्मसर्पण कर दिया और इस प्रकार हैदराबाद का भारत में विलय हो गया। 2
15. i) भारत में एक दलीय व्यवस्था कांग्रेस के प्रभुत्व का मुख्य कारण उस दल का स्वाधीनता संग्राम से जुड़ा होना है। 1X2=2

    ii) दल में कई लोकप्रिय नेता थे।

iii) दल एक सुसंगठित दल था जिसका नेटवर्क समूचे देश में स्थानीय स्तर तक फैला हुआ था। (या कोई अन्य)

16. i) जनता अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो गयी। 1X2=2

ii) संविधान के आपातकाल वाले प्रावधान में परिवर्तन की आवश्यकता ज्ञात हुई।

17. राम मनोहर लोहिया भारतीय समाज में पूंजीवाद तथा साम्यवाद दोनों को ही समान रूप से अप्रासंगिक मानते थे। उनके लोकतांत्रिक समाजवाद के दो सिद्धांत थेः 1X2=2

1) भोजन एवं शरण के रूप में आर्थिक उद्देश्य

2) लोकतंत्र एवं स्वतंत्रता के रूप में गैर आर्थिक उद्देश्य।

18. संयुक्त राष्ट्र संघ के चार अंग- 2X2=4

i) आम सभा	ii) सुरक्षा परिषद
iii) अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय	iv) आर्थिक और समाजिक परिषद
v) सचिवालय	vi) न्यायसिता परिषद

19. 1989 राष्ट्रीय मोर्चा

1996 संयुक्त मोर्चा

2004, 2009 सं. प्र. ग.

2014, 2019 रा. ज. ग.

2004 व 2009 में कांग्रेस नेतृत्व वाले गठबंधन में डा. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री रहे।

2014 व 2019 में भारतीय जनता पार्टी वाले गठबंधन में श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री हैं।

20. संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1982 में ऐसे लोगों को मूलवासी बताया जो मौजूदा देश में बहुत दिनों से रहते चले आ रहे हैं तथा बाद में दूसरी संस्कृति ने उन्हे अपने अधीन बना लिया भारत मे मूलवासी के लिए आदिवासी शब्द का प्रयोग किया जाता है इनके अधिकारों को हमेशा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनदेखा किया गया है इसी वजह से 1975 में विश्व स्तर पर स्वदेशी परिषद्

की स्थापना हुई इंस विदेशी जातियों के बहुत से आंदोलन उनकी जरूरतों और उनके विपरीत वैश्वीकरण के कुप्रभाव को प्रदर्शित करते हैं 2X2=4

21. एमनेस्टी इंटरनेशनल एक स्वयंसेवी संगठन है जो पूरे विश्व में मानव अधिकारों की रक्षा के लिए अभियान चलाता है यह संगठन मानव अधिकारों से जुड़ी रिपोर्ट तैयार और प्रकाशित करता है जो मानव अधिकारों से संबंधित अनुसधान और तरफदारी में महत्वपूर्ण भमिका निभाती है 2+2=4

22. 1. भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। 1X4=4

 2. भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, जिसमें दुनिया की आबादी का लगभग पांचवा हिस्सा रहता है।

 3. भारत में शांति प्रयासों में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका में सभी पहलुओं में सक्रियता से भाग लिया है।

 4. संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत का नियमित वित्तीय योगदान रहा है।

23. ★ नीति आयोग एक सलाहकार संस्था के रूप में कार्य करता है। केन्द्रीय और राज्य सरकारों को वित्तीय संसाधन आवंटित करने की शक्ति वित्त मंत्रालय के पास ही है जबकि योजना आयोग केंद्रीय सरकार और राज्य सरकारों को वित्तीय आवंटन करता था।

 ★ नीति आयोग के अंतर्गत राज्य सरकारों की भूमिका बहुत अधिक और महत्वपूर्ण है कि योजना आयोग के अंतर्गत राज्य सरकारों की भूमिका सीमित और कम महत्वपूर्ण थी

 ★ नीति आयोग के पूर्णकालिक सदस्यों की संख्या योजना आयोग की तुलना में कम होती है नीति आयोग एक छोटे आकार की निकाय है जबकि योजना आयोग तुलनात्मक रूप में बड़ी निकाय थी और इसमें 8 पूर्णकालिक सदस्य होते थे।

 ★ नीति आयोग में दो अंशकालिक सदस्य होते हैं जबकि योजना आयोग में अंशकालिक सदस्यों का कोई प्रावधान नहीं था सभी सदस्य पूर्णकालिक ही थे। 1X4=4

24. 1. c) जवाहर लाल नेहरू

 2. d) उपरोक्त सभी

3. a) भीमराव अम्बेडकर

4. a) जवाहर लाल नेहरू

25.

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबधित अक्षर	देश का नाम
1)	D	गुजरात
2)	C	आंध्रप्रदेश
3)	B	मणिपुर
4)	A	पंजाब

केवल दृष्टिबाधित छात्रों के लिए

1. मणिपुर 1
2. निजाम 1
3. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, 16 सीटें 1
4. पोट्टी श्रीरामलू 1

26.

1. आसियान 1
2. जापान 1
3. दक्षिण पूर्वी एशिया के 10 देश 1
4. घेरा आसियान की एकता का प्रतीक है। 1

केवल दृष्टिबाधित छात्रों के लिए

1. 12
2. 1992
3. दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संघ
4. इंडोनेशिया तथा मलेशिया (या कोई अन्य)

27. आजादी से पूर्व अंग्रेज कुछ तमिलों को मजदूरों के रूप में श्री लंका ले गए थे परंतु आजादी के बाद भी तमिलों का श्रीलंका में बसना जारी रह। श्रीलंका में सिंहली समुदाय के लोगों का दबदबा था। इसलिए उन्हें तमिलों का वहां आना

और बसना अच्छा नहीं लगा। तमिलों के प्रति उनके इस उपेक्षा पूर्ण व्यवहार के कारण तमिलों में असंतोष व्याप्त हो गया और 1983 में एक उग्र तमिल संगठन LTTE दिया। श्रीलंकाई अल्पसंख्यक तमिलों ने अलग राष्ट्र की मांग की जबकि श्रीलंकाई राजनीति पर बहुसंख्यक सिंहिलियो का दबदबा था । लिट्टे ने श्रीलंका के उत्तर पूर्वी हिस्से पर अपना नियंत्रण कर लिया था। 6

अथवा

ब्रिक्स BRICS: 3+3=6

दुनिया की 5 अग्रणी, उभरती अर्थव्यवस्थाओंः ब्राजील,रूस,भारत,चीन,और दक्षिण अफ्रीका के समूह का एक संगठन है। जिसकी स्थापना वर्ष 2006 में 4 देशों से शुरू हुई।

दक्षिण अफ्रीका के ब्रिक (BRIC) में शमिल होने के बाद इसे ब्रिक्स (BRICS) कहा जाने लगा।

ब्रिक्स का उद्देश्य अधिक स्थाई न्याय संगत और पारस्परिक रूप से लाभकारी विकास के लिए समूह के साथ साथ अलग-अलग देशों के बीच सहयोग को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाना है।

मुख्य विशेषताएंः-

* ★ ब्रिक्स देशों की जनसंख्या दुनिया की आबादी का लगभग 40 प्रतिशत है।
* ★ इसका वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा है।
* ★ इसे महत्वपूर्ण आर्थिक इंजन के रूप में देखा जाता है।
* ★ यह एक उभरता हुआ निवेश बाजार और वैश्विक शक्ति है।

28. जून 1975 के आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक संकट उत्पन्न हो गया था। नागरिकों के मौलिक अधिकार निलंबित हो गए थे। मीडिया तथा जन संचार के माध्यमों पर भी आपातकाल का प्रभाव पड़ा था कई प्रसिद्ध पत्रिकाओं ने इन प्रतिबंधों और सेंसरशिप के सामने झुकने के बजाय बंद होने का विकल्प बेहतर समझा। बड़ी संख्या में विपक्षी दल के नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्दारी हुई। कई नेता भूमिगत हो गए। सरकार ने निवारक नजरबंदी कानून का

व्यापक स्तरपर उपयोग किया। विरोध हड़ताल और सार्वजनिक आंदोलनों पर रोक लगा दी गई। आपातकाल के दौरान 1976 में 42 वां संविधान संशोधन पारित किया गया जिसके अनुसार प्रधानमंत्री राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव को अब न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती थी। देश की विधायका की अवधि भी 5 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष कर दी गई। 6

अथवा

जयप्रकाश नारायण अपने तीन प्रमुख योगदानों के लिए जाने जाते हैं। 3x2=6

1. **भ्रष्टाचार के विरूद्ध संघर्ष**

   स्वतंत्र भारत में जयप्रकाश नारायण ऐसे प्रथम नेता थे जिन्होंने मुख्यतः गुजरात और बिहार में युवा सहभागिता द्वारा भ्रष्टाचार के विरूद्ध अभियान आरंभ किया। उन्होंने लोकपाल संस्था का समर्थन किया।

2. **सामुदायिक समाजवाद का सिद्धांत**

   सामुदायिक समाजवाद का उनका सिद्धांत समुदाय, क्षेत्र एवं राष्ट्र के त्रिस्तरीय रूप में एक यर्थाथ संघ का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भारत को समुदायों के एक समाज के रूप में दिखाता है।

3. **समग्र क्रांति के प्रवर्तक**

   समग्र क्रांति के लिए उनका आव्हान नैतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक रूपांतरण के समावेश की पहल है।

   जयप्रकाश नारायण के अनुसार इस रूपांतरण का मूल तत्व व्यक्ति है जो भारत में परिवर्तन का मुख्य द्योतक है

29. वैश्वीकरण का भारत पर प्रभाव 6

- ★ तीव्र आर्थिक विकास
- ★ विश्व राजनीति में भारत का महत्वपूर्ण स्थान
- ★ नए अवसरों की उपलब्धता
- ★ घरेलू उद्योगों में नई चुनौतियों का उभार

(कोई तीन बिंदु व्याख्या सहित)

अथवा

वैश्वीकरण के विरोध के आधार 6

- ★ राजनीतिक अर्थ में राज्य के कमजोर होने की चिन्ता
- ★ सांस्कृतिक क्षेत्र में उन्हें चिन्ता है कि परंपरागत संस्कृति को हानि
- ★ आर्थिक क्षेत्र में कुछ क्षेत्रों में आर्थिक निर्भरता व संरक्षणवाद का दौर कायम करना।

30. सोवियत संघ के विघटन के कारण 3x2=6

1) जनता की आकंक्षाओं का पूरा न होना।

2) गतिरूद्ध अर्थव्यवस्था।

3) हथियारों की होड़।

4) अफगानिस्तान में महाशक्तियों का हस्तक्षेप।

5) मिखाइल गोर्बाचेव के द्वारा लाए गए सुधार।

6) राष्ट्रवादी भावनाएं

(कोई 3 विस्तार सहित) या (अन्य कोई प्रासंगिक बिंदु)

अथवा

सोवियत प्रणाली की विशेषताएं 3x2=6

1) निजी संपत्ति की संस्था की समाप्ति।

2) समाज को समानता के सिद्धांत पर स्थापित करना।

3) राज्य और पार्टी की संस्था को प्राथमिक महत्व।

(विस्तार सहित) (या अन्य कोई प्रासंगिक बिंदु)

सी.बी.एस.ई. आदर्श प्रश्न पत्र (2022-23)

राजनीति विज्ञान

कक्षा - 12

समयः 3 घंटे **अधिकतम अंकः 80**

निर्देश

(1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) प्रश्न संख्या 1-12 में प्रत्येक प्रश्न 1 अंकीय बहुविकल्पीय हैं।

(3) प्रश्न संख्या 13-18 में प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(4) प्रश्न संख्या 19-23 में प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(5) प्रश्न संख्या 24-26 में गद्यांश, कार्टून चित्र एवं मानचित्र आधारित प्रश्न हैं। इनका उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

(6) प्रश्न संख्या 27-30 में प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 170 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(7) 6 अंकों के प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

खण्ड - ए

1. 2009 में शुरू हुआ 'अरब स्प्रिंग' आन्दोलन बाद में..........में बदल गया। 1

 a) समाजिक आन्दोलन b) धार्मिक आन्दोलन

 c) राजनीतिक आन्दोलन d) आर्थिक आन्दोलन

2. उस सोवियत नेता का नाम बताइए जिसे 1991 में तख्तापलट का सामना करना पड़ा था। 1

 a) बोरिस येल्तसिन b) मिखाइल गोर्बाचेव

 c) लियोनिद ब्रेझनेव d) जोसेफ स्टालिन

3. आसियान शैली' के लिए सर्वाधिक उपयुक्त कथनों में से किसी एक का चयन कीजिए- 1

a) आसियान सदस्यों की जीवन शैली को दर्शाता है।

b) आसियान सदस्यों के बीच एक अनौपचारिक और सहकारी बातचीत है।

c) आसियान के सदस्य देशों की रक्षा नीति है।

d) आसियान के सदस्य देशों को जोड़ने वाले दार्शनिक सिद्धांत है।

4. मास्ट्रिच संधि और यूरोपीय मुद्रा, यूरो को अस्वीकार करने वाले देशों के सही जोड़े का चयन कीजिए। 1

a) ब्रिटेन और फ्रांस b) डेनमार्क और स्वीडन

c) अमेरिका और सोवियत संघ d) कनाडा और स्वीडन

कथन कारण प्रश्न।

प्रश्न संख्या 5 और 6 के लिए निर्देश ।

नीचे दिए गए प्रश्न में, दो कथनों को अभिकथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित किया गया है। इन कथनों को पढ़िए और दिए गए विकल्पों में से एक सही उत्तर चुनिए-

(A) A और R दोनो सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

(B) A और R दोनो सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(C) A सही है लेकिन R गलत है।

(D) A गलत है लेकिन R सही है।

5. अभिकथन (A) : पारंपरिक सुरक्षा विश्वास निर्माण को हिंसा से बचाने के साधन के रूप में स्वीकार करती है। 1

कारण (R) : विश्वास निर्माण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें देश अपने प्रतिद्वंद्वियों के साथ विचारों और सूचनाओं को साझा करते हैं।

6. अभिकथन (A) : इंदिरा गांधी को असली चुनौती विपक्ष से नहीं बल्कि उनकी अपनी पार्टी के भीतर से आई थी। 1

कारण (R) : उन्हें कांग्रेस के भीतर से शक्तिशाली और प्रभावशाली नेताओं के समूह 'सिंडिकेट' से निपटना पड़ा।

7. आतंकवाद का तात्पर्य है - 1

(A) बाजार या ट्रेन आदि में बम विस्फोट।

(B) क्रूर हिंसा का उपयोग कर समाज में भय का वातावरण तैयार करना।

(C) किसी भी सैन्य समूह द्वारा बाहरी हमला।

(D) किसी व्यक्ति या समूह द्वारा उत्पन्न की गई हिंसा।

8. नीति आयोग किस संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है? 1

(i) नीति आयोग संघ सरकार के लिए थिंक टैंक के रूप में कार्य करता है।

(ii) नीति आयोग आतंकवाद के विरुद्ध कार्य करता है।

(iii) नीति आयोग सहयोगात्मक संघवाद की भावना के लिए कार्य करता है।

(iv) नीति आयोग बड़े राज्यों के लिए बड़ी भूमिका और छोटे राज्यों के लिए छोटी भूमिका निश्चित करता है।

कोडः-

(a) i), ii), और iv)

(b) iii) और iv)

(c) i), iii), और iv)

(d) i) और iii)

9. उस व्यक्ति का नाम लिखिए जिसने द्वितीय पंचवर्षीय योजना का प्रारूप तैयार किया। 1

(A) के सी नियोगी

(B) टी टी कृष्णमाचारी

(C) श्रीमती दुर्गाबाई देशमुख

(D) पी सी महालनोबिस

10. निम्नलिखित को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें 1

(i) दूसरा आम चुनाव

(ii) चौथा आम चुनाव

(iii) वी वी गिरी भारत के राष्ट्रपति चुने गए

(iv) कांग्रेस (आर)- सीपीआई गठबंधन ने आम चुनावों में कई सीटें जीतीं

कोडः-

(a) i), iii), ii), iv)

(b) iii), ii), iv), i)

(c) ii), iv), i), iii)

(d) iv), iii), i), ii)

11. इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस न्यायाधीश का नाम बताइए जिन्होंने श्रीमती इंदिरा गांधी के निर्वाचन को अवैध घोषित किया - 1

(A) ओमप्रकाश त्रिवेदी (B) जगमोहन लाल सिन्हा

(C) नारायण दत्त ओझा (D) कुंज बिहारी श्रीवास्तव

निम्नलिखित में कौनसा असत्य है-

12. आपातकाल की उद्घोषणा के सन्दर्भ में विषम का पता लगाएं 1

(A) संपूर्ण क्रांति का आह्वान (B) 1974 की रेलवे हड़ताल

(C) नक्सली आंदोलन (D) गुजरात आंदोलन

खंड - बी (12-अंक)

13. बहुध्रुवीय विश्व की किसी एक विशेषता पर प्रकाश डालिए, जिसकी कल्पना भारत और रूस दोनों करते हैं। 2

14. दक्षिण एशिया में शामिल देशों के नाम बताइए और इस क्षेत्र में लिखिए शांति और सहयोग बढ़ाने का एक तरीका लिखिए। (1+1=2)

15. उत्तर-पूर्वी भारत की राजनीति पर हावी किन्हीं दो मुद्दों पर प्रकाश डालिए। (1+1=2)

16. मंडल मुद्दे पर कुछ प्रकाश डालते हुए भारत में मंडल विरोधी प्रदर्शनों का कोई एक कारण बताइए। (1+1=2)

17. पारंपरिक सुरक्षा नीति के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में शक्ति संतुलन का मूल्यांकन कीजिए। (1+1=2)

18. राजीव गांधी- लोंगोवाल समझौता पंजाब में सामान्य स्थिति लाने में कहाँ तक सफल रहा ? (2)

खंड - सी (12-अंक)

19. 'पर्यावरणीय क्षरण की चुनौती के प्रति सबसे महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया पर्यावरण आंदोलनों से आई है।' पृथ्वी के निष्कर्षण और बड़े बांधों के विरुद्ध आंदोलनों के विशेष संदर्भ में इस कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए। (2+2=4)

20. भारत और बांग्लादेश के बीच सहयोग और असहयोग के क्षेत्रों की व्याख्या करें। (2+2=4)

21. "क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि स्वतंत्र भारत की विदेश नीति ने एक शांतिपूर्ण विश्व के सपने को साकार किया है" ? अपने उत्तर के समर्थन तीन तर्क लिखिए। (1+3=4)

22. 25 जून, 1975 को भारत में राष्ट्रीय आपातकाल लागू करने के किन्ही दो कारणों का विश्लेषण कीजिए। (2+2=4)

23. "द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ एक महान शक्ति बन गया। हालांकि कुछ ही समय में सोवियत व्यवस्था नौकरशाही और सत्तावादी बन गई जिससे उसके नागरिकों के लिए जीवन कठिन हो गया।" क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं ? अपने उत्तर को सिद्ध करने के लिए तर्क लिखिए। (1+3=4)

खंड - डी (12-अंक)

24. नीचे दिए गए गद्यांश का अध्ययन कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिएः (1+1+1+1=4)

1990 के दशक की शुरुआत में विश्व राजनीति के द्विध्रुवीय ढांचे की समाप्ति के बाद, यह स्पष्ट हो गया कि राजनीतिक और आर्थिक शक्ति के वैकल्पिक केंद्र अमेरिका के प्रभुत्व को सीमित कर सकते हैं। इस प्रकार, यूरोपीय संघ और आसियान एक ताकत के रूप में उभरे। ब्रिक्स विश्व मंच पर शक्ति के एक नए केंद्र के रूप में भी उभरा है। ब्रिक्स शब्द ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका को संदर्भित करता है। ब्रिक्स के प्रमुख उद्देश्य मुख्य रूप से प्रत्येक राष्ट्र की आंतरिक नीतियों और पारस्परिक समानता में हस्तक्षेप न करने के अलावा अपने सदस्यों के बीच पारस्परिक आर्थिक लाभ का सहयोग और वितरण करना है। ब्रिक्स का 11वां सम्मेलन 2019 में ब्राजील में संपन्न हुआ।

1. उस राजनीतिक नेता का नाम बताइए। जिसने ब्रिक्स के 11वें सम्मेलन की अध्यक्षता की ?
   a) लियोनिद ब्रेझनेव
   b) जायर बोल्सोनारो
   c) डिओडोरो दा फोन्सेका
   d) जैकब जुमा
2. ब्रिक्स के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है ?
   a) ब्रिक्स की स्थापना दक्षिण एशिया के लोगों के कल्याण को बढ़ावा देने और उनके जीवन स्तर में सुधार के लिए की गई थी।
   b) ब्रिक्स देश आपसी समानता का सम्मान करते हैं।
   c) ब्रिक्स की स्थापना निवेश, श्रम और सेवाओं के लिए एक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) बनाने के लिए की गई थी।
   d) ब्रिक्स का मुख्यालय काठमांडू (नेपाल) में है।

3. वर्ष .... में अपनी पहली बैठक में दक्षिण अफ्रीका को शामिल करने के बाद ब्रिक, ब्रिक्स में बदल गया।

a) 2019 b) 2009 c) 2010 d) 2011

4. ब्रिक्स की स्थापना 2006 में .... में हुई थी।

a) ब्राजील b) भारत

c) रूस d) चीन

25. भारत के दिए गए राजनीतिक मानचित्र में, चार राज्यों को (ए), (बी), (सी) और (डी) के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दी गई जानकारी के आधार पर इन राज्यों की पहचान कर अपनी उत्तर पुस्तिका में उपयोग की गई जानकारी के संबंधित क्रमांक और संबंधित अक्षरों के साथ उनके सही नाम नीचे दिए गए प्रारूप के अनुसार लिखिए। (1+1+1+1=4)

(i) वह राज्य जहां भाकपा के नेतृत्व में गठबंधन ने वर्ष 1957 में सरकार बनाई थी।

(ii) नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी से संबंधित राज्य।

(iii) पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण लागू करने वाले कर्पूरी ठाकुर से संबंधित राज्य।

(iv) के. कामराज से संबंधित राज्य, जिन्होंने स्कूली छात्रों के लिए मध्याह्न भोजन कार्यक्रम शुरू किया।

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबधित अक्षर	राज्य का नाम
i		
ii		
iii		
iv		

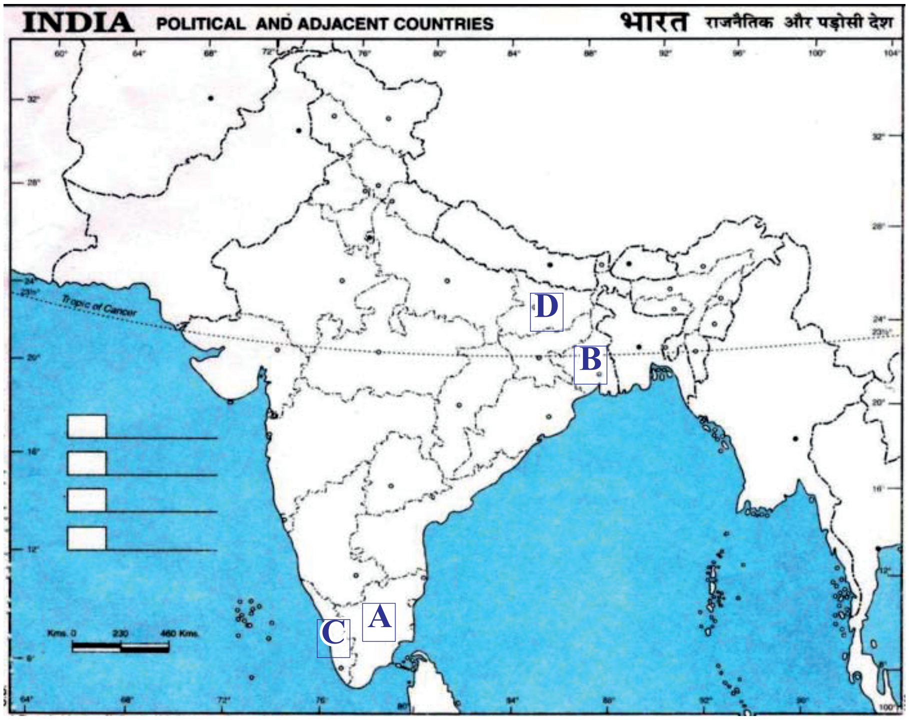

नोटः निम्नलिखित प्रश्न, प्रश्न संख्या 25 के स्थान पर दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए हैं। (1+1+1+1=4)

1. कांग्रेस में विभाजन का कारण क्या था ?

2. उस नेता का नाम बताइए जिसने सिंडिकेट समूह का नेतृत्व किया ?

3. उस पार्टी का नाम बताइए जिसने पहले तीन आम चुनावों में अपना दबदबा बनाया ?

4. उस नेता का नाम बताइए जिसने 'गैर-कांग्रेसवाद' की रणनीति दी ?

26. दिए गए कार्टून का अध्ययन कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(9+1+1+1=4)

1. 1960 में भारत और चीन के बीच सीमा विवाद शुरू हो गया। पंडित नेहरू चीन में अपने समकक्ष........... के साथ बातचीत कर रहे थे जो व्यर्थ साबित हुई।

   a) माओत्सेतुंग b) राष्ट्रपति जिनपिंग

   c) चाऊ एनलाई d) दलाई लामा

2. भारतीय क्षेत्र में उस स्थान का नाम बताइए जिस पर वर्ष 1962 में चीन ने कब्जा कर लिया था?

   a) चगाई हिल्स b) अक्साई चिन

   c) बलूचिस्तान d) नागालैंड

3. ....भारत-चीन युद्ध के दौरान भारत के रक्षा मंत्री थे?

   a) कैलाश नाथ काटजू b) वी के कृष्ण मेनन

   c) बलदेव सिंह d) जवाहरलाल नेहरू

4. 29 अप्रैल, 1954 को भारत और चीन के बीच हस्ताक्षरित समझौते का नाम लिखिए।

a) शांति समझौता b) पंचशील समझौता

c) यथास्थिति समझौता d) ताशकंद समझौता

नोटः निम्नलिखित प्रश्न, प्रश्न संख्या 26 के स्थान पर दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए हैं। (1+1+1+1=4)

1. जनवरी 1966 में, प्रधान मंत्री, श्री लाल बहादुर शास्त्री ने...........के साथ ताशकंद समझौते पर हस्ताक्षर किए।

a) जनरल अयूब खान b) जनरल याह्या खान

c) मोहम्मद जिया उल हक d) मूसा खान

2. गुटनिरपेक्ष आंदोलन की पहली बैठक.......... में आयोजित की गई थी।

a) बेलग्रेड b) उज़्बेकिस्तान

c) बाकू d) नई दिल्ली

3. भारत-चीन युद्ध (1962) से संबंधित निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है ?

a) चीन नियंत्रण रेखा को पार नहीं कर सका।

b) सोवियत संघ संघर्ष के दौरान तटस्थ रहा।

c) सोवियत संघ ने भारत के खिलाफ चीन की मदद की।

d) चीनी सेना ने अपने सैनिकों को उनके पहले वाले स्थान पर वापस नहीं लिया।

4. भारत ने किस आधार पर दलाई लामा और हजारों तिब्बती शरणार्थियों को राजनीतिक शरण दी ? सही कथन चुनकर लिखिए-

a) दलाई लामा एक प्रसिद्ध तिब्बती नेता थे।

b) भारत ने मानवीय आधार पर राजनीतिक शरण दी ।

c) दलाई लामा का भारत पर राजनीतिक प्रभाव था।

d) भारत के लोगों ने दलाई लामा का समर्थन किया।

खंड – ई (24–अंक)

27. वैश्वीकरण के सांस्कृतिक और राजनीतिक परिणामों का विश्लेषण कीजिए। (3+3=6)

अथवा

वैश्वीकरण के प्रतिरोध के किन्हीं तीन कारणों का विश्लेषण कीजिए। (2+2+2=6)

28. इस बदलती दुनिया में मजबूत और पुनर्जीवित संयुक्त राष्ट्र वांछनीय है। एक सशक्त संयुक्त राष्ट्र के लिए आवश्यक सुधारों पर प्रकाश डालिए। (1+1+1+1+1+1=6)

अथवा

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की संरचना का वर्णन कीजिए। आपकी राय में इसके स्थायी और अस्था सदस्यों को दिए जाने वाले. विशेषाधिकारों में मुख्य अंतर क्या है? (2+4=6)

29. देशी रियासतों को भारतीय संघ में लाने के मुख्य कारणों की सूची बनाइए। उस नेता का नाम लिखिए जिसने इसमें ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनका इसमें क्या योगदाना था? (3+1+2=6)

अथवा

भारत की स्वतंत्रता के बाद राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना के किन्ही तीन कारणों की विवेचना कीजिए। (2+2+2=6)

30. गठबंधन सरकार भारत में लोकतंत्र के लिए वरदान साबित हुई। अपने उत्तर के समर्थन में कोई तीन तर्क लिखिए। (2+2+2=6)

अथवा

1980 के दशक के अंत में तीन प्रमुख घटनाक्रमों का विश्लेषण कीजिए जिन्होंने भारत की राजनीति पर दीर्घकालिक प्रभाव डाला। (2+2+2=6)

सी.बी.एस.ई. आदर्श प्रश्न पत्र (2022-23)

राजनीति विज्ञान

अंक योजना

कक्षा - 12

समयः 3 घंटे | अधिकतम अंकः 80

नोट : ये अंतिम उत्तर नहीं है। अन्य प्रासंगिक बिदुंओं को भी इसी तर्ज पर जोड़ा जा सकता है।

खण्ड - ए

1. c) राजनीतिक आंदोलन 1
2. b) मिखाइल गोर्बाचेव 1
3. b) सदस्यों के बीच एक अनौपचारिक और सहकारी बातचीत है 1
4. b) डेनमार्क और स्वीडन 1
5. b) (A) और (R) दोंनो सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या नहीं है। 1
6. a) (A) और (R) दोंनो सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या है। 1
7. क्रूर हिंसा का व्यवस्थित उपयोग जो समाज में भय का माहौल पैदा करता है। 1
8. c) (i), (iii) और (iv) 1
9. d) पी.सी. महालनोबिस 1
10. a) (i), (iii), (ii) और (iv) 1
11. b) जगमोहन लाल सिंह 1
12. c) नक्सलवादी आंदोलन 1

खण्ड - बी

13. भारत और रूस दोनों द्वारा कल्पना की गई बहु-ध्रुवीय दुनिया की विशेषताएंः 2

    i) सामूहिक सुरक्षा और सामूहिक प्रतिक्रिया के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में कई शक्तियों का सह-अस्तित्व।

    ii) सभी देशों के लिए अंतरराष्ट्रीय संघर्षों और स्वतंत्र विदेश नीति का समझौता।

iii)संयुक्त राष्ट्र जैसे निकायों के माध्यम से निर्णय लेना।

(किसी एक विशेषता की व्याख्या करें)

14. दक्षिण एशियाः 1+1=2

i) दक्षिण एशिया में आमतौर पर बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका (साथ ही अफगानिस्तान) शामिल हैं।

ii) सार्क जैसे संगठनों और राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में साफ्टा जैसी पहलों के माध्यम से इस क्षेत्र में शांति और सहयोग बढ़ाया जा सकता है।

(कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु)

15. उत्तर-पूर्वी भारत की राजनीति पर हावी होने वाले दो मुद्दे....... हैं। 1+1=2

1. स्वायत्तता की मांग
2. अलगाव के लिए आंदोलन और बाहरी लोगों का विरोध।

(समझाना)

16. i) राष्ट्रीय मोर्चा सरकार ने 1990 में मंडल आयोग की सिफारिश को लागू करने का निर्णय लिया। सिफारिश थी कि केंद्र सरकार में 27 प्रतिशत नौकरियां अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित की जानी चाहिए।

ii) इससे देश के विभिन्न हिस्सों में हिंसक मंडल विरोधी विरोध हुआ। ओबीसी आरक्षण के समर्थकों और विरोधियों के बीच इस विवाद को मंडल मुद्दे के रूप में जाना जाता था। इस मुद्दे ने एक खेला है। 1+1=2

17. 1989 से भारत में राजनीति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

i) सरकारें अपने देश और अन्य देशों के बीच संतुलन के प्रति अत्यंत संवेदनशील हैं। वे अन्य देशों के साथ शक्ति संतुलन बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। विशेष रूप से उन देशों के साथ जिनके साथ उनके मतभेद है या अतीत में उनका कोई संघर्ष हुआ है।

ii) शक्ति संतुलन बनाए रखने का एक तरीका अपनी सेना का शक्ति निर्माण करना है। यद्यपि आर्थिक और तकनीकी शक्ति भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे सैन्य शक्ति का आधार हैं।

1+1=2

18. i) राजीव गांधी- लोंगोवाल समझौता या पंजाब समझौता पंजाब में सामान्य स्थिति लाने की दिशा में एक कदम था लेकिन शांति आसानी से या तुरंत

नहीं आई और हिंसा का चक्र लगभग एक दशक तक जारी रहा। केंद्र सरकार को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ा और सामान्य चुनावी और राजनीतिक प्रक्रिया को निलंबित कर दिया गया था।

ii) संदेह और हिंसा के माहौल में राजनीतिक प्रक्रिया को बहाल करना आसान नहीं था। 1992 में जब पंजाब में चुनाव हुए तो केवल 24% मतदाता ही मतदान करने के लिए निकले। अंततः सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवाद का सफाया कर दिया गया। 1990 के दशक के मध्य तक पंजाब में शांति लौट आई। 1+1=2

खण्ड - सी

19. i) पृथ्वी का निष्कर्षणः 2+2=4

क) खनिज उद्योग द्वारा मिट्टी का निष्कर्षण, रसायनों का उपयोग, इसका जलमार्ग और भूमि का प्रदूषण जन समुदाय का विस्थापन दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आलोचना और प्रतिरोध को आमंत्रित करना जारी रखता है।

ख) एक उदाहरण फिलीपींस का है जहां पश्चिमी खनन निगम के खिलाफ विशाल जन और संगठनों का अभियान, ऑस्ट्रेलिया स्थित बहुराष्ट्रीय कंपनी का बहुत विरोध, इस आस्ट्रेलियाई कंपनी का अपने ही देश में विरोध, ऑस्ट्रेलियाई मूल के स्वदेशी लोगों के अधिकारों के लिए वकालत और उनकी भावनाओं का सम्मान।

i) मेगा बांधः

क) आज, दुनिया में जहां कहीं भी एक मेगा बांध बनाया जा रहा है, इसका विरोध पर्यावरण आंदोलन द्वारा किया जाता है। 1980 के दशक की शुरुआत में किया गया पहला बांध विरोधी आंदोलन, यह अभियान ऑस्ट्रेलिया में फ्रैंकलिन नदी और उसके आसपास के जंगल को बचाने के लिए शुरू किया गया।

ख) भारत में कुछ प्रमुख बांध विरोधी, नदी समर्थक आंदोलन हुए हैं। नर्मदा बचाओ आंदोलन इन सबसे प्रसिद्ध आंदोलनों में से एक है।

20. भारत और बांग्लादेश के बीच सहयोग के क्षेत्र इस प्रकार हैंः 2+2=4

i) बांग्लादेश भारत की पूर्व की ओर देखो नीति का एक हिस्सा है।

ii) आपदा प्रबंधन और पर्यावरण के मुद्दों पर सहयोग हमेशा से रहा है।

iii) आर्थिक संबंधों में काफी सुधार हुआ है।

भारत और बांग्लादेश के बीच असहमति के क्षेत्र इस प्रकार हैः

i) नदी जल विवाद अर्थात गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी का जल बंटवारा विवाद की जड़ रहा है।

ii) भारत सरकार, बांग्लादेश द्वारा अवैध अप्रवास के इनकार करने से नाखुश है।

iii) भारत सरकार द्वारा भारत विरोधी इस्लामी कट्टरपंथी समूहों को बांग्लादेश के समर्थन की सराहना नहीं की जाती है।

(कोई दो)

21. हाँ, में दिए गए कथन से सहमत हूँ। उसी के लिए तर्क इस प्रकार हैंः

i) स्वतंत्र भारत की विदेश नीति ने गुटनिरपेक्षता की नीति की वकालत करके, शीत युद्ध के टकरावों को कम करके और संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में मानव संसाधनों का योगदान देकर शांतिपूर्ण दुनिया के सपने को सख्ती से आगे बढ़ाया।

ii) शीत युद्ध के दौरान, अमेरिका के नेतृत्व वाले उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और सोवियत नेतृत्व वाले वारसों संधि अस्तित्व में आए। भारत ने आदर्श विदेश नीति के रूप में गुटनिरपेक्षता की वकालत की और कभी-कभी संतुलन सही नहीं दिखा।

iii) भारत दोनों शिविरों में से किसी में भी शामिल नहीं हुआ। शीत युद्ध के दौर में भारत अमेरिका और सोवियत संघ के नेतृत्व में एक दूसरे के खिलाफ सैन्य गठबंधनों से दूरी बनाए रखना चाहता था।

iv) 1956 में ब्रिटेन ने स्वेज नहर के मुद्दे पर मिस्र पर हमला किया, भारत ने इस नवऔपनिवेशिक आक्रमण के खिलाफ विश्व विरोध का नेतृत्व किया। उसी वर्ष जब यूएसएसआर ने हंगरी पर आक्रमण किया, भारत उसकी

सार्वजनिक निंदा में शामिल नहीं हुआ। ऐसी स्थिति के बावजूद, कुल मिलाकर भारत ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर एक स्वतंत्र रुख अपनाया।

(1+3=4)

22. 25 जून 1975 को भारत में आपातकाल लगाने के कारण हैंः (2+2=4)

i) इंदिरा गांधी के लोकसभा के चुनाव को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अवैध घोषित कर दिया था इसका मतलब था कि कानूनी तौर पर वह अब एक सांसद नहीं थीं और इसलिए जब तक वह नहीं थीं तब तक वह प्रधान मंत्री नहीं रह सकतीं जब तक कि 6 महीने के भीतर एक बार फिर से सांसद चुन ली जाए।

6 महीने के भीतर एक बार फिर सांसद चुने गए। लेकिन 24 जून को सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अपील पर फैसला होने तक उच्च न्यायालय के आदेश पर आंशिक रूप से रोक लगा दी। वह सांसद बनी रह सकती थीं लेकिन लोकसभा की कार्यवाही में भाग नहीं ले सकती थीं।

ii) विपक्षी दलों ने जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में इंदिरा गाँधी के इस्तीफे की मांग की।

iii) जयप्रकाश नारायण ने रोना, पुलिस और सरकारी कर्मचारियों से कहा कि वे सरकार के आदेशों का पालन न करें। उन्होंने संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया और आपातकाल के विरोध के प्रतीक बन गए।

(कोई दो)

23. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ एक महान शक्ति बन गया लेकिन बहुत जल्द यह व्यवस्था अति नौकरशाही और सत्तावादी बन गई। में दिए गए कथन से सहमत हूँ। 1+3=4

दिए गए कथन के पक्ष में तर्क इस प्रकार हैंः

i) द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत अर्थव्यवस्था अमेरिका को छोड़कर बाकी दुनिया की तुलना में अधिक विकसित थी। इसमें एक जटिल संचार नेटवर्क और विशाल ऊर्जा संसाधन थे। सोवियत राज्य ने सभी नागरिकों के लिए न्यूनतम जीवन स्तर सुनिश्चित किया और सरकार ने स्वास्थ्य,

शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य कल्याणकारी योजनाओं सहित बुनियादी आवश्यकताओं को सहायता दी। सोवियत प्रणाली हालाँकि अत्याधिक नौकरशाही और सत्तावादी बन गई जिससे उसके नागरिकों के लिए जीवन बहुत कठिन हो गया।

ii) लोकतंत्र की कमी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अभाव ने उन लोगों का दम घोंट दिया जो अक्सर चुटकुले और कार्टून में अपनी असहमति व्यक्त करते थे।

iii)सोवियत राज्य के अधिकांश संस्थानों में सुधार की आवश्यकता थी। सोवियत संघ की सोवियत पार्टी द्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली एक पार्टी प्रणाली का सभी संस्थानों पर कड़ा नियंत्रण था और यह लोगों के प्रति जवाबदेह नहीं थी।

कम्युनिष्ट पार्टी ने 15 अलग-अलग गणराज्यों में लोगों के अस्तित्व को पहचानने से इनकार कर दिया, जिन्होंने अपने सांस्कृतिक मामलों सहित अपने स्वयं के मामलों का प्रबंधन करने के लिए सोवियत संघ का गठन किया था।

iv)उन 15 गणराज्यों में से एक था जो एक साथ यूएसएसआर का गठन करते थे पर वास्तव में रूस में प्रत्येक क्षेत्र पर प्रभुत्व किया और अन्य क्षेत्रों के लोग उपेक्षित और अक्सर दंबे हुए महसूस करते थे।

इस प्रकार, हम कह सकते हैं कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वास्तव में सोवियत संघ एक महान शक्ति बन गया लेकिन बहुत जल्द यह व्यवस्था अति नौकरशाही और सत्तावादी हो गई।

(कोई तीन बिंदु या कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु)

खण्ड - डी

24. गद्यांश आधारित प्रश्न-

(1) b) जायर बोल्सोनारो

(2) b)ब्रिक्स देश परस्पर समानता का सम्मान करते हैं।

(3) b) 2009

(4) c)रूस

25. मानचित्र आधारित प्रश्न 1+1+1+1=4

धारावाहिक/सूचना की संख्या	वर्णमाला : संबंधित	राज्य का नाम
i	C	केरल
ii	B	पश्चिम बंगाल
iii	D	बिहार
iv	A	तमिलनाडु

नोटः प्रश्न संख्या 25 के स्थान पर दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए निम्नलिखित प्रश्न हैं– 1+1+1+1=4

1. प्रमुख नेताओं के बीच मतभेद के कारण।

2. के कामराज

3. कांग्रेस

4. राम मनोहर लोहिया

26. कार्टून आधारित प्रश्न–

(1) a) माओत्सेतुंग

(2) b) अक्साई चिन

(3) b) वीके कृष्णा मेनन

(4) b)पंचशील समझौता

नोटः दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न संख्या के स्थान पर 26– 1+1+1+1=4

1. a) जनरल अयूब खान

2. a) बेलग्रेड

3. b) सोवियत संघ

4. b) मानवीय आधार पर

खण्ड – ई

27. a) वैश्वीकरण के सांस्कृतिक परिणामः 3+3=6

I) वैश्वीकरण के सांस्कृतिक प्रभाव से यह डर पैदा होता है कि यह प्रक्रिया दुनिया में विभिन्न संस्कृतियों के लिए खतरा बन गई है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि वैश्वीकरण से एक समान संस्कृति का उदय होता है या जिसे सांस्कृतिक समरूपीकरण कहा जाता है। बर्गर या नीली ज स की लोकप्रियता, उदाहरण, अमेरिकी जीवन शैली के शक्तिशाली प्रभाव बर्गर या नीली जींस का बढ़ गया है। इससे पूरे विश्व की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत सिकुड़ती जा रही है।

II) लेकिन कभी-कभी बाहरी प्रभाव हमारी पसंद को बढ़ा देते हैं और कभी-कभी वे पारंपरिक को प्रभावित किए बिना हमारी संस्कृति को संशोधित करते हैं। दूसरी ओर, नीली जींस खादी के कुर्ते के साथ अच्छी लगती है।

III) जबकि सांस्कृतिक समरूपीकरण वैश्वीकरण का एक पहलू है, वही प्रक्रिया ठीक विपरीत प्रभाव भी उत्पन्न करती है। यह प्रत्येक संस्कृति को अधिक भिन्न और विशिष्ट बनने की ओर ले जाता है। इस घटना को सांस्कृतिक विषमता कहा जाता है।

b) वैश्वीकरण के राजनीतिक परिणामः

I) सबसे सरल स्तर पर वैश्वीकरण के राजनीतिक परिणाम, राज्य की क्षमता का कम होती है, अर्थात सरकार की वह करने की क्षमता जो वे करते हैं अब सीमित होती जा रही है।

II) पूरी दुनिया में, 'कल्याणकारी राज्य' अब एक अधिक न्यूनतावादी राज्य का स्थान ले रहा है जो कानून और व्यवस्था के रखरखाव और अपने नागरिकों की सुरक्षा जैसे कुछ मुख्य कार्य करता है।

III) परन्तु यह ध्यान रखना होगा कि वैश्वीकरण हमेशा राज्य की क्षमता को कम नहीं करता है। राज्य सर्वोच्च संगठन रहेगा। प्रौद्योगिकी राज्य की क्षमता को बढ़ा सकती है।

इस प्रकार वैश्वीकरण के सांस्कृतिक और राजनीतिक परिणाम नकारात्मक और सकारात्मक दोनों हैं।

या

वैश्वीकरण के खिलाफ जो तर्क दिए गए हैं वे इस प्रकार हैंः 2+2+2=6

I) समकालीन वैश्वीकरण वैश्विक पूंजीवाद के एक विशेष चरण का प्रतिनिधित्व करता है जो अमीर को अमीर और गरीब को गरीब बनाता है, यह वामपंथियों द्वारा दिया गया तर्क है।

II) चूंकि वैश्वीकरण ने राज्य को कमजोर कर दिया है, यह गरीबों के हितों की रक्षा करने में असमर्थ है।

III) वैश्वीकरण का विचार आत्मनिर्भरता और संरक्षणवाद के विपरीत हैं।

IV) वैश्वीकरण के कारण लोग अपने सदियों पुराने मूल्यों और तरीकों को खो देंगे।

V) कुछ आलोचक सोचते हैं कि वैश्वीकरण साम्राज्यवाद का दूसरा रूप है। विश्व सामाजिक मंच नव उदारवादी वैश्वीकरण का विरोध करता है।

VI) आर्थिक रूप से शक्तिशाली राज्यों द्वारा अनुचित व्यापार प्रथा वैश्वीकरण के कारण एक सामान्य घटना बन जाएगी। 1999 में विश्व व्यापार संगठन की मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान सिएटल में इस पर प्रकाश डाला गया था।

28. हां, इस बदलती दुनिया में एक मजबूत और पुनर्जीवित संयुक्त राष्ट्र वांछनीय है। वास्तव में सुधार किसी भी संगठन के लिए मौलिक हैं। 1+1+1+1+1+1=6

संयुक्त राष्ट्र के लिए सुझाए गए सुधार इस प्रकार हैंः

I) संयुक्त राष्ट्र के संगठनात्मक ढांचे और प्रक्रियाओं में सुधार।

II) संयुक्त राष्ट्र के अधिकार क्षेत्र में आने वाले मुद्दों की समीक्षा आवश्यकता है।

III) प्रमुख चिंता सुरक्षा परिषद की संरचना रही है, जो काफी हद तक स्थिर बनी हुई है जबकि संयुक्त राष्ट्र महासभा की सदस्यता का विस्तार हुआ है।

IV) UNSC में स्थायी और अस्थायी दोनों सदस्यों की संख्या में वृद्धि की आवश्यकता है।

V) संयुक्त राष्ट्र की बजटीय प्रक्रियाओं और उसके प्रशासन में सुधार का प्रस्ताव।

VI) कुछ देश चाहते हैं कि संगठन सुरक्षा मिशन और शांति में बड़ी भूमिका निभाए

VII) अन्य चाहते हैं कि यह मानवीय भूमिका निभाए।

(कोई छह)

या

ए) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की संरचना का विश्लेषण इस प्रकार है इस प्रकार हैः

I) सुरक्षा परिषद में पंद्रह सदस्य होते हैं। पांच स्थायी सदस्य हैं और दस अस्थायी हैं।

II) पांच स्थायी सदस्य हैं- संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस और चीन।

III) दस अस्थाई सदस्य एक बार में केवल दो वर्षों के लिए सेवा करते हैं और उस अवधि के बाद नव निर्वाचित सदस्यों को स्थान देते हैं। किसी देश को दो वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के तुरंत बाद फिर से निर्वाचित नहीं किया जा सकता है।

बी) स्थायी और अस्थायी सदस्यों के विशेषाधिकारों में अंतरः

I) हमें इस तथ्य को समझना चाहिए कि इन पांच राज्यों को स्थायी सदस्य के रूप में चुना गया था क्योंकि वे द्वितीय विश्व युद्ध के तुरंत बाद सबसे शक्तिशाली राज्य थे और युद्ध में विजेता थे।

II) इन स्थायी सदस्यों को वीटो पावर का विशेषाधिकार प्राप्त है। इसका मतलब है कि वे एक निर्णय को रोकने के लिए नकारात्मक तरीके से मतदान कर सकते हैं (इस विशेषाधिकार के कारण।)

III) ये निर्णय संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यों के लिए बाध्यकारी हैं। गैर स्थायी सदस्यों के पास ऐसे विशेषाधिकार नहीं हैं।

29. ए) भारत के विभाजन और स्वतंत्रता के साथ, ब्रिटिश क्राउन ने रियासतों को भारत या पाकिस्तान में शामिल होने था खुद को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित करने का विकल्प दिया। लेकिन भारत में अंतरिम सरकार ने विभिन्न आकारों की छोटी रियासतों में भारत के संभावित विभाजन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। 3+1=4

देशी रियासतों को भारतीय संघ में लाने की सरकार की नीति तीन विचारों से प्रभावित था। ये इस प्रकार हैंः

I) अधिकांश रियासतों के लोग स्पष्ट रूप से भारतीय संघ का हिस्सा बनना चाहते थे।

II) सरकार कुछ क्षेत्रों को उनकी मांगों को समायोजित करने के लिए स्वायत्तता देने में लचीला होने के लिए तैयार थी।

III) सरकार राष्ट्र की क्षेत्रीय सीमाओं के एकीकरण और सुदृढ़ीकरण को बनाए रखने के लिए दृढ़ थी।

बी) नेता और ऐतिहासिक भूमिकाः

I) तत्कालीन उप प्रधान मंत्री और गृह मंत्री, सरदार वल्लभभाई पटेल ने एक ऐतिहासिक भूमिका निभाई।

II) वह सभी रियासतों तक पहुँच गया।

III) उन्होंने उनके साथ शांतिपूर्वक और कूटनीतिक तरीके से बातचीत की और उनकी ओर से इस प्रयास के कारण लगभग सभी रियासतें भारतीय संघ के अधीन आ गईं। (कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु)

या

राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना के कारणः 2+2+2=6

I) हमारे राष्ट्रीय आंदोलन ने राज्यों के गठन के आधार के रूप में भाषाई सिद्धांत का वादा किया था। वास्तव में 1920 में कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन के बाद, इस सिद्धांत को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के पुनर्गठन के आधार के रूप में मान्यता दी गई थी। कई प्रांतीय कांग्रेस समितियां भाषाई क्षेत्रों द्वारा बनाई गई थीं जो ब्रिटिश भारत के प्रशासनिक प्रभागों का पालन नहीं करती थीं।

II) आजादी और विभाजन के बाद स्थितियाँ बदल गई। हमारे नेताओं ने महसूस किया कि भाषा के आधार पर राज्यों को बनाने से व्यवधान और विघटन हो सकता है, इसलिए केंद्रीय नेतृत्व ने राज्यों के पुनर्गठन के मामले को स्थगित करने का फैसला किया।

III) राष्ट्रीय नेतृत्व के इस निर्णय को स्थानीय नेताओं और जनता ने चुनौती दी थी। पुराने मद्रास प्रांत के तेलुगु भाषी क्षेत्रों में विरोध शुरू हुआ, जिसमें वर्तमान तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्से, केरल और कर्नाटक शामिल थे। इसे विशालांध्र आंदोलन के नाम से जाना जाने लगा।

IV) इस आंदोलन ने मांग की कि तेलुगु भाषी क्षेत्रों को मद्रास प्रांत से अलग किया जाना चाहिए, जिससे वे अलग थे और एक अलग आंध्र प्रांत में बनाया जाना चाहिए। शीघ्र ही इस आन्दोलन ने गति पकड़ ली।

V) कांग्रेस नेता और एक अनुभवी गांधीवादी का 56 दिनों के अनिश्चितकालीन अनशन के बाद निधन हो गया। आंध्र क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और अनेक हिंसक प्रदर्शन हुए। अंत में प्रधान मंत्री ने दिसंबर 1952 में एक अलग आंध्र राज्य के गठन की घोषणा की।

VII) आंध्र प्रदेश के गठन ने देश के अन्य हिस्सों में अन्य राज्यों को भाषाई आधार पर बनाने के लिए संघर्ष को गति दी।

इन संघर्षों ने केंद्र सरकार को 1953 में राज्यों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण के प्रश्न पर विचार करने के लिए विवश किया और इस प्रकार एक राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना की गई।

30. भारत में गठबंधन सरकारों का उदय निम्नलिखित में हुआः 2+2+2=6

तरीकेः

I) 1967 के चुनावों के दौरान, विपक्षी दलों ने महसूस किया कि उनके वोटों के विभाजन ने कांग्रेस को सत्ता में बनाए रखा। इससे कांग्रेस विरोधी मोर्चों का गठन हुआ और भारतीय राजनीति में गैर-कांग्रेसवाद' का उदय हुआ। यह विपक्ष को साथ लाया। परिणामस्वरूप, आठ राज्यों में गठबंधन सरकारें बनीं जिनमें पंजाब, हरियाणा, यूपी, मध्य प्रदेश, बिहार और अन्य राज्य शामिल थे।

II) 1971 में लोकसभा के चुनाव और 1972 में राज्य विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने जीत हासिल की, लेकिन श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस में उन सभी तनावों और संघर्षों को अवशोषित करने की क्षमता नहीं थी, जिनके लिए 'कांग्रेस प्रणाली' जानी जाती थी।

III) 1975 में आपातकाल की घोषणा ने एक बार फिर विपक्ष को एक साथ ला दिया।

IV) जनता पार्टी बनी और 1977 में सत्ता में आई। लेकिन जनता पार्टी एकजुट नहीं रह सकी। इसमें दिशा, नेतृत्व और एक सामान्य कार्यक्रम का अभाव था। 1980 और 1984 में हुए चुनावों में कांग्रेस ने एक बार फिर जीत हासिल की। हालांकि, यह एक नेता श्रीमती की अपील पर निर्भर था।

V) 1989 के चुनावों में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी थी लेकिन वह विपक्ष में बैठी थी। राष्ट्रीय मोर्चा सरकार, जनता दल और कुछ क्षेत्रीय दलों के गठबंधन का गठन किया गया था।

VI) 1989 के चुनाव ने कांग्रेस के प्रभुत्व के अंत और गठबंधन सरकारों की शुरुआत को चिह्नित किया क्योंकि इसके बाद, एक या दो दलों को कभी भी अधिकांश वोट या सीटें नहीं मिलीं। किसी भी लोकसभा चुनाव में किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। इसने केंद्र में गठबंधन सरकार के युग की शुरुआत की जिसमें क्षेत्रीय दलों ने सत्तारूढ़ गठबंधन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

या

1980 के दशक के अंत के दौरान भारत की राजनीति पर लंबे समय तक चलने वाले मुख्य घटनाक्रम इस प्रकार हैंः 2+2+2 =6

I) कांग्रेस प्रणाली का अंतः मुख्य विकास कांग्रेस के प्रभुत्व का अंत था जो दो दशकों तक चला क्योंकि पार्टी 1989 के चुनावों में हार गई थी। हालांकि पार्टी 1991 में श्री के बाद सत्ता में वापस आई। राजीव गांधी की हत्या लेकिन इसने पहले की तरह राजनीतिक परिदृश्य पर अपना प्रभुत्व खो दिया।

II) मंडल मुद्दा यह मुद्दा राष्ट्रीय मोर्चा सरकार के साथ शुरू हुआ जिसने 1990 में इसे लागू करने की सिफारिश की जो कि केंद्र सरकार में केवल ओबीसी

उम्मीदवारों के लिए 27% नौकरियों का आरक्षण था। इसने व्यापक क्रोध लाया और 1989 से राजनीति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

III) नए आर्थिक सुधार - इन्हें संरचनात्मक समायोजन कार्यक्रम के रूप में घोषित किया गया था जिसे श्री द्वारा शुरू किया गया था। राजीव गांधी लेकिन श्री के तहत अधिक दिखाई दे रहे थे। 1991 से नरसिम्हा राव का कार्यकाल। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को दुनिया के लिए खोल दिया और हमारे विदेशी भंडार में सुधार किया और बाद की सरकारों ने व्यापक रूप से उनका पालन करना जारी रखा।

IV) श्री राजीव गाँधी की हत्या । राजीव गांधी तमिलनाडु में एक चुनावी रैली के दौरान लिट्टे समूह द्वारा उनकी हत्या कर दी गई थी। 1991 के चुनावों में कांग्रेस इसके बाद सबसे बड़ी पाटह्र के रूप में उभरी और श्री नरसिम्हा राव को प्रधान मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था।

(कोई तीन बिंदु स्पष्ट करें)

टिप्पणी

टिप्पणी